सबसे बढ़िया

आना

अभी बाकी बा।

बाइबल स्वर्ग के बारे में का कहेला।

सबसे बढ़िया

आना

अभी बाकी बा।

बाइबल स्वर्ग के बारे में का कहेला।

डैनी कनेडी

ट्रू ट्रूकनेक्शन्स
प्रेस

सबसे बढ़िया आना अभी बाकी बा। बाइबल स्वर्ग के बारे में का कहेला।

कॉपीराइट © 2018 डैनी कनेडी के द्वारा। आवरण डिज़ाइन: गीनो मॉरो।

जिन पवित्रशास्त्र के उद्धरणन के साथ (न्यू लिविंग ट्रांसलेशन) लिखल बा, ऊ पवित्र बाइबल, न्यू लिविंग ट्रांसलेशन से लिहल गइल बा। कॉपीराइट © 1996, 2004, 2007, 2013, 2015 टिंडेल हाउस फ़ाउंडेशन। टिंडेल हाउस पब्लिशर्स, इंक., कैरल स्ट्रीम, इलिनॉय 60188 के अनुमति से इस्तेमाल कइल गइल बा। सभ अधिकार सुरक्षित बा।

जिन पवित्रशास्त्र के उद्धरणन के साथ (न्यू इंटरनेशनल वर्शन) लिखल बा, ऊ पवित्र बाइबल, न्यू इंटरनेशनल वर्शन से लिहल गइल बा। कॉपीराइट © 1973, 1978, 1984, 2011 बिब्लिका, इंक.™। ज़ोंडरवन के अनुमति से इस्तेमाल कइल गइल बा। दुनिया भर में www.zondervan.com सभ अधिकार सुरक्षित बा। "न्यू इंटरनेशनल वर्शन" आ "एन.आई.वी." अमेरिका के पेटेंट आ ट्रेडमार्क कार्यालय में बिब्लिका, इंक.™ के पंजीकृत ट्रेडमार्क हउवें।

जिन पवित्रशास्त्र के उद्धरणन के साथ (किंग जेम्स वर्शन) लिखल बा, ऊ किंग जेम्स वर्शन से लिहल गइल बा। ई सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध बा।

एम्प्लीफाइड बाइबल से लिहल गइल पवित्रशास्त्र के उद्धरण। कॉपीराइट © 1954, 1958, 1962, 1964, 1965, 1987 द लॉकमैन फ़ाउंडेशन www.Lockman.org। अनुमति से इस्तेमाल कइल गइल बा।

न्यू अमेरिकन स्टैंडर्ड बाइबल से लिहल गइल पवित्रशास्त्र के उद्धरण। कॉपीराइट © 1960, 1962, 1963, 1968, 1971, 1972, 1973, 1975, 1977, 1995 द लॉकमैन फ़ाउंडेशन www.Lockman.org। अनुमति से इस्तेमाल कइल गइल बा।

जिन पवित्रशास्त्र के उद्धरणन के साथ (जे. बी. फ़िलिप्स) लिखल बा, ऊ द न्यू टेस्टामेंट इन मॉडर्न इंग्लिश—संशोधित संस्करण, जे. बी. फ़िलिप्स के द्वारा, से लिहल गइल बा। कॉपीराइट © 1958, 1960, 1972 जे. बी. फ़िलिप्स। साइमन एंड शूस्टर, इंक. के एगो विभाग स्क्रिब्नर के अनुमति से फेर से छापल गइल बा। सभ अधिकार सुरक्षित बा।

जिन पवित्रशास्त्र के उद्धरणन के साथ (द लिविंग बाइबल) लिखल बा, ऊ द लिविंग बाइबल से लिहल गइल बा। कॉपीराइट © 1971। टिंडेल हाउस पब्लिशर्स, इंक., कैरल स्ट्रीम, इलिनॉय 60188 के अनुमति से इस्तेमाल कइल गइल बा। सभ अधिकार सुरक्षित बा।

जिन पवित्रशास्त्र के उद्धरणन के साथ (न्यू सेंचुरी वर्शन) लिखल बा, ऊ पवित्र बाइबल, न्यू सेंचुरी वर्शन से लिहल गइल बा। कॉपीराइट © 1987, 1988, 1991 वर्ड पब्लिशिंग, डलास, टेक्सास 75039। अनुमति से इस्तेमाल कइल गइल बा।

जिन पवित्रशास्त्र के उद्धरणन के साथ (कॉन्टेम्परारी इंग्लिश वर्शन) लिखल बा, ऊ कॉन्टेम्परारी इंग्लिश वर्शन से लिहल गइल बा। कॉपीराइट © 1991, 1992, 1995 अमेरिकन बाइबल सोसाइटी। अनुमति से इस्तेमाल कइल गइल बा।

जिन पवित्रशास्त्र के उद्धरणन के साथ (द वर्ड) लिखल बा, ऊ द वर्ड: 26 अनुवादों से बाइबल से लिहल गइल बा। कॉपीराइट © 1988, 1991, 1993 मैथिस पब्लिशर्स, इंक., मॉस पॉइंट, मिसिसिपी 39562।

जबले अलग से ना बतावल गइल होखे, सभ पवित्रशास्त्र के उद्धरण द मैसेज से लिहल गइल बा। कॉपीराइट © 1993, 1994, 1995, 1996, 2000, 2001, 2002 यूजीन एच. पीटरसन। नैवप्रेस के अनुमति से इस्तेमाल कइल गइल बा। सभ अधिकार सुरक्षित बा। टिंडेल हाउस पब्लिशर्स, इंक. के द्वारा प्रतिनिधित्व कइल गइल बा।

प्रकाशक: ट्रू कनेक्शंस प्रेस
आई.एस.बी.एन.-13: 978-0-9846967-5-8

समर्पण

ई किताब रिचेस इन क्राइस्ट परिवार के समर्पित बा। रउआ लोग के प्रेम, दोस्ती, प्रार्थना आ सहयोग के बिना ई किताब लिखल संभव ना होत। रउआ सभे के धन्यवाद।

परमेश्वर के अउरी गहराई से जाने आ उहाँ के अउरी सही रूप में प्रतिनिधित्व करे के हमनी के भूख लगातार बढ़त रहे।

विषय-सूची

भूमिका: स्वर्ग के बारे में एगो किताब काहे?.....7

परिचय.....10

भाग एक: वर्तमान स्वर्ग।

अध्याय 1 — स्वर्ग एगो असली जगह ह.....13
अध्याय 2 — मनुष्य लोग स्वर्ग के दर्शन कइले बाड़ें.....19
अध्याय 3 — जब हमनी के मर जानी जा, तब का होला?.....25
अध्याय 4 — स्वर्ग में जीवन.....31
अध्याय 5 — स्वर्ग में हमनी के कइसन होखब?.....43
अध्याय 6 — स्वर्ग में बियाह.....55

भाग दू: नई धरती।

अध्याय 7 — धरती परमेश्वर के योजना के एगो हिस्सा ह.....64
अध्याय 8 — हमनी के हमेशा खातिर धरती पर रहब.....73
अध्याय 9 — धरती पर स्वर्ग के राजधानी.....81
अध्याय 10 — भविष्यवक्ता लोग नई धरती के बारे में का कहेला.....92
अध्याय 11 — नई धरती पर राष्ट्र, संस्कृति आ सभ्यता.....100
अध्याय 12 — नई धरती पर जीवन.....110
अध्याय 13 — नई धरती पर जीवन के बारे में अउरी बहुत कुछ.....121
अध्याय 14 — स्वर्ग में जानवर.....134
अध्याय 15 — धरती पर स्वर्ग.....147
अध्याय 16 — सबसे बढ़िया आना अभी बाकी बा.....151

निष्कर्ष.....163

स्वर्ग के राह.....165

संदर्भ-टिप्पणी.....167

संदर्भ सूची.....173

भूमिका: स्वर्ग के बारे में एगो किताब काहे?

हमनी सभे में एगो बात समान बा—एगो दिन हमनी सभे के मरल बा। ई निश्चित सच्चाई एगो अइसन सवाल के जन्म देला, जवना से बचल संभव नइखे: कब्र के पार का बा? ई किताब एही सवाल के जवाब खोजे खातिर कई बरिस तक कइल गइल हमार निजी यात्रा के नतीजा बा। एह खोज में जवन कुछ हम पवनी, ऊ हमार जीवन बदल दिहलस। हमरा विश्वास बा कि ई रउआ के जीवन के भी बदल दी।

एगो मसीही होखे के नाते हम मृत्यु के बाद के जीवन आ स्वर्ग के आशा पर विश्वास करेली। बाकिर हमनी के अनन्त घर के बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध बा। जेतना थोड़ा-बहुत बात कहल जाला, ओहसे स्वर्ग कवनो बहुत आकर्षक जगह ना लागेला—मानो ऊ खाली बादल आ वीणा के एगो जगह होखे, जहाँ लोग एक-दूसरा के पहचानो ना पावेला। हम अइसन बहुत लोगन—मर्द आ मेहरारू दुनु—के किताब पढ़ले बानी जे दावा करेलें कि ऊ लोग स्वर्ग के यात्रा कर चुकल बा। साँच कही त ऊ किताब सभ हमरा खातिर बहुत मददगार साबित ना भइल। कुछ पढ़ के अच्छा लागल, कुछ हमरा निरर्थक लागल, जबकि कुछ त मसीही विश्वास के मूल शिक्षा के ही विरोध करत रहे। आज के समय के अधिकतर प्रचारो एह विषय में बहुत मदद ना देला, काहेकि अधिकतर संदेश एह बात पर केंद्रित रहेला कि एह वर्तमान जीवन के सबसे बढ़िया तरीका से कइसे जियल जाव, जबकि मृत्यु के बाद का होला, एह विषय के शायदे कबो उल्लेख होला।

एही से हम निश्चय कइनी कि हम खुद बाइबल से जानीं कि मृत्यु के बाद के जीवन कइसन होई। पहिले हम लोगन के ई कहत सुनले रहनी कि बाइबल में स्वर्ग के बारे में बहुत कम लिखल बा। बाकिर अइसन बिलकुल ना ह। जेतना अधिक हम खोजत गइनी, ओतने अधिक हमरा मिलत गइल। हम ई किताब एह खातिर लिखले बानी कि परमेश्वर के वचन से आवे वाला जीवन के विषय में जवन भरपूर आ लाभदायक सच्चाई हमरा मिलल बा, ओकरा के दूसरन के साथियो बाँट सकीं।

अब एहसे पहिले कि हमनी आगे बढ़ीं, हम एह किताब के बारे में कुछ छोट-छोट बात बतावल चाहत बानी, जवन एकरा के पढ़त समय रउआ के अधिकतम लाभ पावे में मदद करी।

सबसे पहिले, एह वर्तमान जीवन के बाद के जीवन के विषय पर पूरा एगो किताब लिखे के ई मतलब बिलकुल ना ह कि ई वर्तमान जीवन महत्वहीन बा। कदापि ना। हर संभव कोशिश करीं कि अभी के जीवन सबसे उत्तम तरीका से जीयल जाव। बड़ सपना देखीं! अपना खातिर लक्ष्य तय करीं!

अपना सपना आ लक्ष्य के अपना पूरा क्षमता के अनुसार पूरा करीं! बाकिर एकरा संगे ईहो याद राखीं कि हमनी के अस्तित्व के अधिकतर हिस्सा एह जीवन के बाद बा। मनुष्य एगो अनन्त प्राणी ह, जे मृत्यु के साथ अस्तित्व में रहल बंद ना करेला। एहसे अगर हमनी सौ बरिस ले भी जीअत रहीं, तबो ऊ अनन्तकाल के तुलना में अत्यन्त नगण्य बा। अगर हमनी एह जागरूकता के साथ जीयल ना सीखीं कि जीवन खाली एही संसार तक सीमित नइखे, त एह अत्यन्त चुनौतीपूर्ण संसार के सामना कइल हमनी खातिर कहीं अधिक कठिन हो जाई। एतने ना, आवे वाला जीवन में जवन हमनी के इंतजार कर रहल बा, ओकर आशापूर्ण प्रतीक्षा से मिले वाला आनन्द से भी हमनी वंचित हो जइब। एह किताब के लिखे के हमार उद्देश्य रउआ के सोच के एगो नया दृष्टिकोण देहल बा, ताकि रउआ एह वर्तमान जीवन के पूरा परिपूर्णता के साथ जीअत घरी भी अपना जीवन के अनन्तकाल के दृष्टिकोण से देखल शुरू करीं।

दूसरी बात, एह किताब के एगो उद्देश्यपूर्ण आ क्रमबद्ध तरीका से व्यवस्थित कइल गइल बा। स्वर्ग के परमेश्वर के पूरा योजना के संदर्भ में ही सही तरीका से समझल जा सकेला। एहसे हमनी के अनन्त घर से जुड़ल बातन के मानवजाति आ धरती के रचना के पीछे परमेश्वर के उद्देश्य के साथ जोड़ के प्रस्तुत कइले बानी। शुरुआती अध्यायन में हम कुछ अइसन बातन के परिचय देत बानी, जिनकर विस्तार आगे के अध्यायन में क्रम से कइल गइल बा। एकर मतलब ई बा कि किताब के शुरुआत में रउआ के कुछ अइसन बात मिलिहें जिनकर पूरा चर्चा बाद में कइल जाई, एहसे संभव बा कि रउआ के मन में अउरी जाने के इच्छा पैदा होखे। धीरज रखीं आ पढ़त रहीं, काहेकि किताब के दूसरा भाग में रउआ के ओह बातन के अधिक विस्तृत विवरण मिली। चूँकि ई किताब क्रम से आगे बढ़ेला, एहसे खाली अधिक रुचिकर लागे वाला अध्याय तक पहुँचे खातिर बीच के अध्याय छोड़ देल लाभदायक ना होई। हर अध्याय पहिले के अध्यायन में रखल गइल नींव पर आधारित बा।

तीसरी बात, ई किताब एह विषय के पूरा आ विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत करे के दावा ना करेला। हमार एगो उद्देश्य ईहो रहे कि किताब यथासंभव छोट रहे। एहसे हम स्वर्ग के जीवन से जुड़ल हर विषय पर चर्चा नइखीं कइले। कुछ अइसन विषय भी बाड़ें जिनका पर अउरी विस्तार से लिखल जा सकत रहे। एही तरह हम स्वर्ग के बारे में उठे वाला हर सवाल के जवाब देवे के कोशिश भी नइखीं कइले। तइयो हम ओह सभसे सामान्य विचारन आ चिंतान पर चर्चा करे के कोशिश कइले बानी, जिनका के लोग मृत्यु के बाद के जीवन के विषय में अक्सर व्यक्त करेला। हमरा विश्वास बा कि एह छोट किताब के पूरा पढ़ लिहला के बाद, भले रउआ के हर सवाल के जवाब अभी ना मिलल होखे, तइयो रउआ के हृदय भविष्य के प्रति आशा आ उत्साह से जरूर भर जाई।

चउथी बात, पढ़त समय रउआ देखब कि कहीं-कहीं हम कुछ शब्दन के मूल अर्थ के उल्लेख कइले बानी आ बाइबल के बहुत अलग-अलग अनुवादन के भी उद्धरण दिहले बानी। बाइबल मूल रूप से अंग्रेजी भाषा में ना लिखल गइल रहे। एकरा लेखक लोग पुरान नियम के इब्रानी भाषा में आ नया नियम के यूनानी भाषा में लिखले रहे। सदियन के दौरान पवित्रशास्त्र के अनेक भाषा में अनुवाद कइल गइल, जिनमें अंग्रेजी भी शामिल बा। अंग्रेजी के सभसे प्रसिद्ध अनुवाद किंग जेम्स वर्शन ह। हम अक्सर एही के अध्ययन करेली आ अपना अध्ययन में एकर सभसे अधिक उपयोग करेली। बाकिर किंग जेम्स वर्शन के अनुवाद सन् 1611 में कइल गइल रहे, आ तबसे अंग्रेजी भाषा में बहुत बदलाव आ गइल बा। सत्रहवीं शताब्दी में प्रचलित बहुत शब्द आज उपयोग में नइखन, आ बहुत शब्दन के अर्थ भी बदल गइल बा। एहसे कई बेर किंग जेम्स वर्शन के कुछ पदन के सही अर्थ साफ करे खातिर मूल यूनानी आ इब्रानी शब्दन के अध्ययन कइल जरूरी हो जाला। साथे-साथ, ओह दूसरा अनुवादन के देखल भी उपयोगी होला जिनमें आधुनिक अंग्रेजी के अनुसार शब्दावली के इस्तेमाल कइल गइल बा, जबकि ऊ मूल इब्रानी आ यूनानी भाषा के प्रति भी विश्वासयोग्य बनल रहलें। एकरा अलावा, एह किताब में पवित्रशास्त्र के सभ उद्धरण तिरछा अक्षर में प्रस्तुत कइल गइल बा, ताकि ऊ साफ-साफ अलग दिखाई दे, आ पवित्रशास्त्र के भीतर कुछ खास शब्दन आ अंशन पर विशेष जोर देवे खातिर ओह लोग के गाढ़ा अक्षर में देखावल गइल बा।

अन्त में, किताब में रउआ के कई जगह अइसन संकेत मिली जहाँ कवनो खास विषय से संबंधित अतिरिक्त जानकारी खातिर रउआ के टिप्पणियन के देखे के कहल जाई। ई टिप्पणियन किताब के अंत में दिहल गइल बाड़ी।

परिचय

भले ही हमनी एकरा के स्वीकार करे ना चाहीं, तइयो हमनी में से अधिकतर लोग स्वर्ग जाए खातिर ओतना उत्साहित ना होखेलें। अगर हमनी पूरा ईमानदारी से अपना मन के बात कहीं, त हमनी खातिर स्वर्ग के सभसे बड़ आकर्षण खाली एतने बा कि ऊ नरक ना ह। आखिर के सचमुच हमेशा खातिर कवनो बादल पर रह के वीणा बजावत रहे के चाही, चाहे ओह बादल पर एगो भव्य भवन आ सोना के सड़क ही काहे ना होखे? हमनी में से बहुत कम लोग अनन्तकाल ले खाली गीत गावत आ आराधना करत हुए कबो खत्म ना होखे वाला आराधना-सभा में समय बितावे के कल्पना से उत्साहित होखेलें। आ ई विचार कि हमनी अपना प्रियजनन के पहचानो ना पइब, स्वर्ग के अउरी कम आकर्षक बना देला। एकरा अलावा, का सचमुच केहू एह सुन्दर संसार के पीछे छोड़ के जाए के चाहेला? निस्संदेह, हमनी जीवन के कठिनाई आ परेशानियन से छुटकारा पा के खुश होखब। बाकिर ई सोचे कि अब हमनी फेर कबो कवनो पहाड़ी झरना के किनारे ना बइठब, दोबारा कवनो सूर्योदय ना देखब, भा अपना चेहरा पर गरमियन के ठंढा हवा के स्पर्श महसूस ना करब, मन के बहुत उदास कर देला।

सौभाग्य से, स्वर्ग के जीवन के बारे में कहल गइल ई सभ बात बाइबल के शिक्षा के बिलकुल उल्टा बा। एह किताब में हमनी ई जानीं जा कि स्वर्ग के बारे में परमेश्वर के वचन का कहेला। स्वर्ग कहाँ बा? ऊ कइसन बा? उहाँ जाए खातिर रउआ के उत्साहित काहे होखे के चाहीं? हमनी के अनन्त घर के बारे में सही जानकारी के अभाव बहुत लोगन से ऊ आशा आ आनन्द छीन लिहले बा, जवन उनकर जीवन के एगो महान स्रोत होखे के चाहीं। सच्चाई ई बा कि हमनी स्वर्ग जाए वाला बानी जा, आ हमनी के अस्तित्व के कहीं अधिक महान आ श्रेष्ठ हिस्सा अभी हमनी के सामने बा!

बाइबल ओह लोगन के वृत्तान्त दर्ज करेला जे हमनी के भावी घर के दर्शन कइले रहे। उहाँ ऊ लोग जवन देखल आ सुनल, ओकर गवाही ई प्रकट करेला कि जे लोग प्रभु के जानेला, ओह लोग खातिर सभसे बढ़िया अभी आना बाकी बा। ओह लोगन में से एगो महान प्रेरित पौलुस रहे, जे यीशु के शुरुआती अनुयायियन में से एगो रहे। अपना मृत्यु से कई बरिस पहिले ओकरा के स्वर्ग में उठा लिहल गइल रहे। बाद में जब ऊ अपना विश्वास के कारण जेल में रहे आ ओकरा सामने मृत्युदण्ड दिहल जाए के संभावना रहे, तब ऊ लिखलस, *"काहेकि हमरा खातिर जियत रहला मसीह ह, आ मरला लाभ ह... हमार लालसा ई बा कि हम कूच क के मसीह के साथ रहीं, काहेकि ई बहुत ही उत्तम बा।"* (फिलिप्पियन अध्याय 1 पद 21 से 23)। पौलुस के मृत्यु के कवनो डर ना रहे, काहेकि ऊ जानत रहे कि ओकर जीवन के सभसे उत्तम

दिन अभी ओकरा सामने बा। लोग अक्सर एह जीवन के बाद के जीवन के "परलोक" कहेला। बाकिर ई ठीक ना ह। वास्तव में, ई वर्तमान जीवन त "पूर्व-जीवन" ह।

अक्सर ई कहल जाला कि जे लोग मर चुकल बा, ऊ अब एगो बेहतर जगह पर बा। दुर्भाग्य से, स्वर्ग के बारे में फैलल गलत धारणा के कारण ई गहिरा सच्चाई खाली एगो धार्मिक सांत्वना बन के रह गइल बा। "बेहतर" के मतलब ह—"श्रेष्ठ आ एहसे अधिक लाभदायक", ना कि वैसन जइसन अधिकतर लोग स्वर्ग के बारे में सोचेला (वेब्स्टर्स न्यू स्टूडेंट्स डिक्शनरी, 1969)। पौलुस अपना निजी अनुभव से जानत रहे कि स्वर्ग के जीवन वास्तव में बेहतर बा। अइसन आदमी के गवाही के अनुसार जे खुद उहाँ जा चुकल रहे, स्वर्ग के जीवन एह वर्तमान जीवन से कहीं बढ़ के बा, काहेकि उहाँ सभ कुछे लाभ ह।

जब हमनी मरब, तब हमरा खातिर का इंतजार करत बा, एह बारे में बाइबल बहुत कुछ कहेला। स्वर्ग एगो वास्तविक जगह ह, जहाँ असली लोग रहेला आ असली काम करेला। धरती पर बहुत सगरी चीज आ गतिविधि स्वर्ग के बातन के प्रतिरूप ह, जे हमरा सभे के एह बात के एगो झलक देला कि स्वर्ग कइसन बा आ उहाँ पुरुष आ मेहरारू लोग कइसन तरीका से जीवन बितावेला। भले परमेश्वर के वचन मृत्यु के बाद के जीवन से जुड़ल हर सवाल के जवाब ना देला, तइयो ऊ हमरा सभे के एतना जानकारी जरूर देला कि हम पूरा विश्वास के साथ जान सकीं जा कि जवन हमरा सभे के सामने बा, ऊ कहीं अधिक श्रेष्ठ बा। स्वर्ग नुकसान ना, बल्कि लाभ ह, आ सभसे बढ़िया आना अभी बाकी बा।

भाग एक:

वर्तमान स्वर्ग।

1

स्वर्ग एगो असली जगह ह।

बहुत लोग स्वर्ग जाए के विचार से संघर्ष करेलन, काहे कि ऊ ओह लोग के वास्तविक ना लागेला। ई कवनो दोसरा दुनिया के बात जइसन बुझाला। हमनी के ओकरा के ना देख सकीं, ना छू सकीं, आ जब हमनी के ओहिजा जाईब त हमनी के ई शरीर हमनी के साथ ना जाई। बाकिर स्वर्ग कवनो भूत-जइसन लोक ना ह, जहाँ पारदर्शी प्राणी रहत होखीं। ऊ एगो वास्तविक जगह ह।

हमनी के स्वर्ग के छू भा देख ना सकीं, एकर कारण ई ना ह कि ऊ अवास्तविक ह भा एह संसार से कम वास्तविक ह, बलुक एकरा के ई कारण से ना देख पाईं कि ऊ एगो दोसरा आयाम में स्थित बा। मनुष्य अइसन स्थान-काल के निरंतर क्रम में रहेला, जे भौतिक पदार्थ से बनल बा आ जेकरा के हमनी के आपन पाँचो इंद्रियन से अनुभव करीला। बाकिर वास्तविकता खाली ओतने ना ह, जतना हमनी के आपन आँख से देखीला, कान से सुनीला, छूईला, सूँघीला भा स्वाद लीला। सूक्ष्म भौतिकी में भइल हाल के खोज सभ वैज्ञानिक लोग के एह निष्कर्ष पर पहुँचवले बाड़ी कि मनुष्यन द्वारा पहिचानल जा सके वाला तीन आयाम–लंबाई, चौड़ाई आ ऊँचाई–से आगे भी दस गो अइसन आयाम बाड़ें, जेकरा के देखल आ समझल जा सकेला (मिस्लर आ ईस्टमैन, 1997, पृष्ठ 85-86)।

एगो अदृश्य संसार।

विज्ञान अब धीरे-धीरे ओह सच्चाई के पुष्टि करे लागल बा, जेकरा के बाइबल सदियन से हमनी के बतावत आइल बा: एगो अदृश्य लोक बा–एगो अइसन आयाम जे सामान्य रूप से धरती पर रहे वाला मेहरारू-मरद लोग के दिखाई ना देला (2 कुरिन्थियों अध्याय 4 पद 18;

कुलुस्सियों अध्याय 1 पद 16)। परमेश्वर के वचन अनेके अइसन घटना के वर्णन करेला, जब एह अदृश्य लोक के परदा कुछ समय खातिर हट गइल आ कुछ लोग के ओह अदृश्य संसार के देखे के अनुमति मिलल। आइए, ओह में से दू गो घटना पर विचार करीं।

रक्षा करे वाला स्वर्गदूत।

पहिलका घटना आज से लगभग अट्ठाईस सौ बरिस पहिले के ह। सीरिया के राजा इस्राएल के राज्य के खिलाफ एगो सैन्य अभियान शुरू कइलस। सर्वशक्तिमान परमेश्वर सीरिया के गुप्त युद्ध-योजनन के महान इब्रानी भविष्यवक्ता एलीशा पर प्रकट कर देले रहन, जेकरा चलते इस्राएल के युद्ध में रणनीतिक बढ़त मिलल। जब सीरिया के राजा के सलाहकार लोग ओकरा के एह परिस्थिति के जानकारी दिहलस, तब ऊ इस्राएल के दोतान नगर में ओह भविष्यवक्ता के पकड़वले खातिर सैनिक भेजलस (2 राजा अध्याय 6 पद 8 से 23)।

एक बिहान एलीशा के सेवक अपना रोज के काम करे खातिर बहुत सबेरे उठल। जब ऊ देखलस कि पूरा नगर दुश्मन के सेना से घेराइल बा, त ऊ डर से काँपे लागल। बाकिर एलीशा तनिको ना डराइल, काहे कि ऊ जानत रहले कि अदृश्य आयाम में रहे वाला प्राणी ओकर रक्षा करत बाड़ें। ऊ पहिले भी एगो अवसर पर ओह लोग के देख चुकल रहले। तब भविष्यवक्ता प्रभु से प्रार्थना कइलन कि ऊ जवान के आँख खोल दीं, ताकि ऊ भी अपना रक्षक लोग के देख सको।

“तब यहोवा ओह सेवक के आँख खोल दिहलन, आ ऊ देखलस कि एलीशा के चारों ओर के पहाड़ी इलाका आग के घोड़ा आ रथन से भरल बा।” (2 राजा अध्याय 6 पद 17)।

एलीशा आ ओकर सेवक असली घोड़ा आ असली रथ देखलन। ऊ रथ आ घोड़ा आग जइसन दिखाई देत रहलें। एकर कारण ई ना रहे कि ऊ सभ आग से बनल रहलें, बलुक एह से कि ऊ सभ ओह अदृश्य लोक के महिमामय ज्योति के प्रतिबिंबित करत रहलें।

संदेश ले आवे वाला स्वर्गदूत।

दूसरका घटना लगभग दू हजार बरिस पहिले ओह रात में घटल, जब यीशु एह संसार में जनम लिहलन। जब चरवाहा लोग बैतलहम नगर के लगे एगो मैदान में अपना झुंडन के रखवाली करत रहल, तब एगो स्वर्गदूत स्वर्गीय आयाम से प्रकट भइल आ ऊ लोग के प्रभु के आगमन के समाचार सुनवलस। जल्दीए ओकरा साथे असंख्य स्वर्गदूत आ जुटलें, जे परमेश्वर के स्तुति करत रहलें। जब ई स्वर्गदूत लोग आपन संदेश सुना दिहलें, तब दृश्य आ अदृश्य लोक के बीच खुलल राह फेर से बंद हो गइल।

“ओही समय प्रभु के एगो स्वर्गदूत ओह लोग के सामने आ खड़ा भइल, आ प्रभु के महिमा के तेज ओह लोग के चारों ओर चमके लागल। ऊ कहलस, ‘हम तोहरा सभे के बड़ा आनन्द के सुसमाचार सुनावत बानी, जे सब लोग खातिर होई। काहे कि आज दाऊद के नगर में तोहरा सभे खातिर एगो उद्धारकर्ता के जनम भइल बा, जे मसीह प्रभु ह।’... तब ओह स्वर्गदूत के साथे स्वर्ग के सेना के एगो विशाल समूह आ जुटल, जे परमेश्वर के स्तुति करत कहत रहे, ‘सबसे ऊँच स्वर्ग में परमेश्वर के महिमा हो, आ धरती पर ओह लोग में शान्ति हो, जेकरा से ऊ प्रसन्न बाड़न।’... तब ऊ स्वर्गदूत लोग के लगे से स्वर्ग लौट गइल।” (लूका अध्याय 2 पद 9 से 15)।

ई दुनू घटना में धरती पर रहे वाला मनुष्यन के सामने अदृश्य संसार के परदा कुछ समय खातिर हट गइल, आ ऊ लोग ओह बातन के देखे में समर्थ भइल जे पहिले ओकरा लोग के नजर से ओझल रहल। स्वर्ग से आइल ई आगन्तुक–स्वर्गदूत आ घोड़ा आ रथ–ओह समय अचानक अस्तित्व में ना आइल रहलें, जब एलीशा, ओकर सेवक आ चरवाहा लोग ओह लोग के देखलस। ऊ सभ त पहिले से ही ओहिजा मौजूद रहलें। अंतर खाली एतने रहे कि ऊ सभ एगो अलग आयाम में रहलें।

स्वर्ग एगो हकीकत जगह ह।

स्वर्ग कवनो हल्का, पारदर्शी बादलन से बनल जगह ना ह। ऊ एगो वास्तविक आ ठोस जगह ह। खुद यीशु अइसने कहलन। उनकरा ई बात बढ़िया से मालूम रहे, काहे कि ऊ एही अदृश्य राज्य से आइल रहलन (यूहन्ना अध्याय 3 पद 13; यूहन्ना अध्याय 6 पद 38)। जवन बात प्रभु क्रूस पर चढ़ावल जाए से एक रात पहिले अपना बारह गो चेलन से कहलन, ओकरा पर ध्यान दीं। उनकर ई वचन ओह अदृश्य आयाम के वास्तविकता के प्रकट करेला।

“तोहरा सभे के मन व्याकुल मत होखे। तू लोग परमेश्वर पर विश्वास रखेलs, हमरा पर भी विश्वास रखs। हमरा पिता के घर में रहे के बहुत जगह बा। अगर अइसन ना होत त हम तोहरा सभे से कह देत। हम तोहरा सभे खातिर जगह तैयार करे जात बानी। आ अगर हम जा के तोहरा सभे खातिर जगह तैयार करीं, त फेर से आ के तोहरा सभे के अपना साथे ले जाईब, ताकि जहाँ हम बानी, ओहिजे तू लोग भी रहs।” (यूहन्ना अध्याय 14 पद 1 से 3)।

यीशु अब स्वर्ग वापस जाए वाला रहलन आ ओह लोग के छोड़ जाए वाला रहलन, जिनका साथे ऊ साढ़े तीन बरिस तक हर दिन समय बितवले रहलन। उनकर ई वचन ओह लोग के सांत्वना देवे आ ई हौसला देवे खातिर रहल कि उनकर ई होखे वाला बिछोह हमेशा खातिर ना, बलुक खाली कुछ समय खातिर ह। आखिर में ऊ सभ फेर से एक साथ हो जइहन। प्रभु उनकरा ई भरोसा दिहलन कि ऊ अपना पिता के घर में उनकरा खातिर एगो जगह तैयार करिहन।

वेब्स्टर न्यू स्टूडेंट्स डिक्शनरी (1969) में “जगह” के अर्थ “अंतरिक्ष में एगो निश्चित स्थान” बतावल गइल बा। यीशु एगो वास्तविक जगह पर वापस जात रहलन, जहाँ एगो दिन उनकर चेला लोग भी उनकर साथे होई।

कुछ लोग एह पद के आधार पर ई मानेला कि स्वर्ग में हमनी में से हर एक के एगो बहुत बड़का हवेली मिली–संगमरमर, ग्रेनाइट भा कवनो दोसर उत्तम पदार्थ से बनल एगो महल, जे सोना आ बहुमूल्य रत्नन से सजावल होई। वास्तव में ई धारणा कुछ लोग खातिर हमनी के भविष्य के घर के कम आकर्षक भी बना सकेला, काहे कि अइसन भवन बहुत लोग के आकर्षित ना करेला। बाकिर यीशु कबो ई ना कहलन कि हमनी के कवनो विशाल महल मिली।

“हवेली” खातिर इस्तेमाल भइल यूनानी शब्द के अर्थ “निवास करे” भा “ठहरे रहे” ह। प्रभु यीशु के मतलब ई रहे कि उनकर पिता के घर में पर्याप्त जगह बा, जहाँ ऊ आ उनकर सभ अनुयायी एक साथ रह सकेलें।

“हमरा पिता के घर में रहे के बहुत जगह बा।” (यूहन्ना अध्याय 14 पद 2)।

“निवास करे के बहुत जगह [घर] बा।” (यूहन्ना अध्याय 14 पद 2)।

स्वर्ग के वास्तविक अस्तित्व बा।

हालाँकि एह समय स्वर्ग हमनी के नजर से अदृश्य बा, फिर भी ओकर वास्तविक अस्तित्व बा आ ऊ ठोस वास्तविकता रखेला। परमेश्वर के निवास-स्थान एतना वास्तविक बा कि कम-से-कम तीन गो व्यक्ति अपना भौतिक शरीर समेत ओहिजा रहत बाड़ें। यीशु एह समय ओही भौतिक शरीर में ओह अदृश्य लोक में निवास करत बाड़न, जे शरीर ऊ धरती पर रहत समय धारण कइले रहलन। क्रूस पर उनकर मृत्यु के बाद उनकर निर्जीव शरीर के कब्र में रखल गइल। तीन दिन बाद यीशु मरेला में से जी उठलन। बाइबल के अनुसार, उनकर जी उठला के बाद लोग उनका के देखल आ छूवल। लोग उनका के बोलत सुनल आ खातो देखल। लोग ई भी देखल कि अपना पुनरुत्थान के चालीस दिन बाद हमनी के उद्धारकर्ता ओही वास्तविक आ भौतिक शरीर समेत स्वर्ग में उठा लिहल गइलन।

“जब ऊ लोग [उनकर चेला] एह बातन के बारे में बतिया ही रहल रहे [कि जी उठल प्रभु लोग के दिखाई दे रहल बाड़न], त यीशु खुद ओह लोग के बीच में आ खड़ा भइलन आ कहलन, ‘तोहरा सभे के शान्ति मिले।’ ऊ लोग घबरा गइल आ डर गइल, काहे कि ओह लोग के लागल कि ऊ लोग कवनो आत्मा देखत बा। तब ऊ उनकरा से कहलन, ‘तू लोग काहे घबरा रहल बाड़ऽ? तोहरा सभे के मन में संदेह काहे उठत बा? हमरा हाथ आ गोड़ के देखऽ। ई हम

ही हईं। हमरा के छू के देखऽ, काहे कि आत्मा में मांस आ हड्डी ना होला, जइसन तू लोग हमरा में देखताड़ऽ।' ई कहला के बाद ऊ अपना हाथ आ गोड़ ओह लोग के देखवलन।" (लूका अध्याय 24 पद 36 से 40)।

"जब ऊ लोग आनन्द आ आश्चर्य के कारण अबहियों विश्वास ना कर पा रहल रहे, तब ऊ उनकरा से पूछलन, 'का तोहरा सभे लगे इहाँ खाए खातिर कुछ बा?' ऊ लोग उनका के भुनल मछरी के एगो टुकड़ा दिहलस। ऊ ओकरा के लिहलन आ ओह लोग के सामने खइलन।" (लूका अध्याय 24 पद 41 से 43)।

"[चालीस दिन बाद] जब ऊ [यीशु] उनकरा के बैतनिय्याह के नजदीक ले गइलन, तब ऊ अपना हाथ उठाके उनकरा के आशीष दिहलन। आ अइसन भइल कि आशीष देत-देते ऊ उनकरा से अलग हो गइलन आ स्वर्ग में उठा लिहल गइलन।" (लूका अध्याय 24 पद 50 से 51)।

प्रभु अपना स्वर्गीय पिता के घर वापस गइलन, ओकर कुछे महीना बाद स्तिफनुस नाम के एगो आदमी के मसीह में अपना विश्वास के कारण पत्थर मार-मार के मार डालल गइल। ऊ यीशु के अनुयायी लोग में पहिला शहीद बनल। जब ओकर हत्यारा लोग ओकरा पर पत्थर बरसा रहल रहे, तब दृश्य आ अदृश्य संसार के बीच के परदा कुछ पल खातिर हट गइल आ स्तिफनुस स्वर्ग में यीशु के देखलस।

"बाकिर स्तिफनुस, जे पवित्र आत्मा से भरल रहल, ऊ स्वर्ग के ओर नजर उठवलस आ परमेश्वर के महिमा आ यीशु के परमेश्वर के दाहिना हाथ खड़ा देखलस। तब ऊ कहलस, 'देखऽ, हम स्वर्ग के खुलल आ मनुष्य के पुत्र के परमेश्वर के दाहिना हाथ खड़ा देखत बानी।'" (प्रेरितों के काम अध्याय 7 पद 55 से 56)।

ध्यान दीं कि यीशु ना त पारदर्शी रहलन आ ना कवनो आत्मा जइसन दिखाई देत रहलन। ऊ कवनो बादल पर तैरत भी ना रहलन। ऊ अपना भौतिक शरीर में परमेश्वर के सिंहासन के दाहिना हाथ खड़ा रहलन। स्तिफनुस अइसन आयाम के झलक देखलस, जहाँ वास्तविक अस्तित्व रहे आ जहाँ वस्तु सभ के बीच स्थानिक संबंध भी रहे। ई उहे लोक रहे, जवना में ऊ अपना आखिरी साँस लेतही प्रवेश कइलस।

स्वर्ग में खाली ई एके भौतिक शरीर ना बा।

बाइबल ई भी बतावेला कि ओह अदृश्य राज्य में अउरी लोग भी भौतिक शरीर समेत मौजूद बाड़ें। ई अइसन लोग हउवें, जे शारीरिक मृत्यु के अनुभव ना कइलें, बलुक सीधे स्वर्ग में उठा लिहल गइलें, जहाँ ऊ अब निवास करत बाड़ें।

• हनोक अइसन व्यक्ति रहलें, जे अपना पूरा जीवन में परमेश्वर के साथे संगति में चलत रहलें। ऊ अपना भौतिक शरीर समेत स्वर्ग में प्रवेश कर गइलें। “तब ऊ गायब हो गइलन, काहे कि परमेश्वर उनका के उठा लिहलन।” (उत्पत्ति अध्याय 5 पद 24) “हनोक बिना मृत्यु के अनुभव कइले उठा लिहल गइलन।” (इब्रानियों अध्याय 11 पद 5)।

• इब्रानी भविष्यवक्ता एलिय्याह भी मृत्यु के अनुभव कइले बिना स्वर्ग में उठा लिहल गइलन। उनकर साथी भविष्यवक्ता आ चेला एलीशा अपना आँख से ई घटना देखलस। “जब ऊ लोग [एलिय्याह आ एलीशा] चलते-चलते बतियावत रहल, त अचानक आग के एगो रथ आ आग के घोड़ा प्रकट भइल। ऊ दुनू के अलग कर दिहलस, आ एलिय्याह बवंडर के द्वारा स्वर्ग में उठा लिहल गइलन। एलीशा ई सब देखत रहल।” (2 राजा अध्याय 2 पद 11 आ 12)।

एही कारण से जब एह अध्याय में पहिले बतावल घटना के समय एलीशा दुश्मन के सेना से घिर गइल रहल, तब ऊ तनिको भयभीत ना भइल।

आज भी स्वर्ग में भौतिक शरीर वाला मनुष्य मौजूद बाड़ें। फिर भी हमनी के कबो बादलन के बीच से कवनो के हाथ भा गोड़ दिखाई ना देला, काहे कि स्वर्ग एगो वास्तविक जगह ह, जेकर आपन ठोस अस्तित्व, वास्तविक स्वरूप आ भौतिकता बा। खाली एह कारण से कि हमनी के ओह अदृश्य लोक के अपना आँख से देख ना सकीं, एकर मतलब ई ना ह कि ऊ वास्तविक नइखे। हमनी के भविष्य के घर खाली अइसन आयाम में स्थित बा, जे एह समय हमनी के पाँचो भौतिक इंद्रियन के पहुँच आ अनुभव से परे बा।

परमेश्वर के वचन ओह लोग के गवाही के भी वर्णन करेला, जे ओह अदृश्य लोक में प्रवेश कइलें आ फेर धरती पर लवट के आइलें आ ओहिजा जवन कुछ देखलें आ सुनलें, ओकर गवाही दिहलें। अगिला अध्याय में हम ई जाने के सुरुआत करीं कि स्वर्ग में रहत समय ऊ लोग का देखलें आ का सुनलें।

2

मनुष्य लोग स्वर्ग के दर्शन कइले बाड़ें।

बाइबल दू गो अइसन मनुष्य के वर्णन करेला, जे कुछ समय खातिर स्वर्ग के यात्रा कइलें– प्रेरित पौलुस आ प्रेरित यूहन्ना। उनकर बात हमनी के ई समझे में मदद करेला कि हमनी के भविष्य के घर कइसन बा। दुनू ई प्रकट करेलन कि हालाँकि ओह अदृश्य लोक के कुछ बात अइसन बाड़ी सन, जिनका के शब्द में व्यक्त ना कइल जा सकेला, बाकिर ओकर बहुत सारा हिस्सा हमनी खातिर परिचित बा, काहे कि धरती के रचना स्वर्गीय वास्तविकता के प्रतिरूप के अनुसार कइल गइल बा। जइसे परमेश्वर मनुष्य के अपना स्वरूप में बनवलन, ओइसहीं ऊ धरती के भी स्वर्ग के प्रतिरूप में बनवलन। आइए, देखीं कि पौलुस आ यूहन्ना अपना अनुभव के बारे में का बतवले बाड़ें।

पौलुस स्वर्ग में।

यूनान के नगर कुरिन्थुस में रहे वाला विश्वासी लोग के लिखल एगो पत्र में पौलुस बतवलन कि कई बरिस पहिले ऊ स्वर्ग में उठा लिहल गइल रहलन। ऊ लिखलन कि स्वर्ग एतना वास्तविक बा कि ऊ ई भी ना बता सकलन कि ऊ अपना भौतिक शरीर में रहलन भा शरीर से बाहर रहलन।

“हम मसीह में एगो अइसन मनुष्य के जानत बानी, जे चौदह बरिस पहिले–चाहे शरीर समेत रहल होखे, हम ना जानत बानी, भा शरीर से अलग रहल होखे, हम ना जानत बानी; परमेश्वर जानत बाड़न–तीसरा स्वर्ग तक उठा लिहल गइल... अर्थात् स्वर्गलोक में, जहाँ ऊ अइसन बात सुनलस, जेकरा के शब्दन में व्यक्त ना कइल जा सकेला आ जेकरा के कवनो मनुष्य के बतावे के अनुमति नइखे।” (2 कुरिन्थियों अध्याय 12 पद 2 से 4)।

प्रेरित कहलन कि ऊ तीसरा स्वर्ग में पहुँचले रहलन। उनकर समय के धर्मशास्त्री लोग तीन गो स्वर्ग के चर्चा कइल करत रहे। ऊ लोग अपना चारों ओर के वायुमंडल के पहिला स्वर्ग कहत रहे। दूसरा स्वर्ग ऊ रहे, जेकरा के आज हमनी के बाहरी अंतरिक्ष कहतानी। तीसरा स्वर्ग परमेश्वर के निवास-स्थान रहे। पौलुस ओकरा के स्वर्गलोक भी कहलन।

हालाँकि पौलुस के परमेश्वर के निवास-स्थान में बितावल अपना समय के बारे में खास विवरण देवे के अनुमति ना रहे, फिर भी उनकर एह अनुभव के वास्तविकता उनकर लिखल बातन में साफ-साफ दिखाई देला (टिप्पणी 1 देखीं)। याद करीं, ई उहे पौलुस हउवें, जे मृत्यु के सामना करत समय लिखले रहलन कि "मर जाना लाभ ह," काहे कि स्वर्ग में जीवन कहीं अधिक उत्तम बा। एही मनुष्य ई भी बतवलन कि हमनी के चारों ओर दिखाई देवे वाली ई भौतिक सृष्टि हमनी के प्रभु आ ओह अदृश्य लोक के बारे में भी बहुत कुछ सिखावेला।

"परमेश्वर के बारे में जवन बात दिखाई ना देला, अर्थात् उनकर अनन्त सामर्थ्य आ परमेश्वरत्व, जगत के सृष्टि के समय से उनकर बनावल कामन के द्वारा साफ दिखाई देला आ समझ में आवेला।" (रोमियों अध्याय 1 पद 20)।

निस्संदेह, सृष्टि के भव्यता सर्वशक्तिमान परमेश्वर के सामर्थ्य आ महिमा के एगो झलक देखावेला। बाकिर बाइबल के अनुसार, धरती पर अनेके अइसन वस्तु आ गतिविधि भी बाड़ी सन, जे स्वर्ग में मौजूद वास्तविकता सभ के समान बाड़ी सन। ई हमनी के ओह अदृश्य लोक के ओर देखे खातिर एगो खिड़की खोल देली सन। जइसन कि पिछला अध्याय में बतावल गइल बा, जब अदृश्य आयाम एलीशा के सेवक आ बैतलहम के चरवाहा लोग खातिर खुलल, तब ऊ लोग अइसन बात देखल आ सुनल, जे ओह लोग खातिर परिचित आ पहिचानल जा सके वाला रहल—जइसे रथ, घोड़ा, आ परमेश्वर के आराधना आ स्तुति के साफ आ समझ में आवे वाला वचन।

पौलुस आगे ई भी बतवलन कि ओह समय के लोग खातिर परिचित एगो भवन—यरूशलेम नगर में स्थित ऊ भव्य मंदिर—स्वर्ग में स्थित एगो वास्तविक भवन के प्रतिरूप के अनुसार बनावल गइल रहे। ऊ धरती पर बनल ओह मंदिर के "आराधना के अइसन जगह, जे खाली स्वर्ग में स्थित वास्तविक वस्तु के नकल आ छाया ह," कहलन। ऊ ई भी लिखलन कि "ओह में जवन कुछ रहे... ऊ स्वर्गीय वस्तु सभ के नकल रहे।" (इब्रानियों अध्याय 8 पद 5; इब्रानियों अध्याय 9 पद 23)।

प्रेरित पौलुस ई ना बतवलन कि स्वर्ग में रहत समय ऊ ओह स्वर्गीय मंदिर के देखले रहलन भा ना, बाकिर यूहन्ना साफ-साफ लिखलन कि ऊ ओकरा के देखले रहलन (प्रकाशितवाक्य अध्याय 7 पद 15; प्रकाशितवाक्य अध्याय 11 पद 19; प्रकाशितवाक्य अध्याय 15 पद 5) (टिप्पणी 2 देखीं)।

यूहन्ना स्वर्ग में।

यूहन्ना यीशु के मूल बारह गो चेला में से एगो रहलें। यीशु के स्वर्ग लौटला के लगभग साठ बरिस बाद (लगभग 95 ईस्वी में), प्रभु यूहन्ना के सामने पतमुस नाम के एगो द्वीप पर प्रकट भइलन, जे वर्तमान तुर्की के तट के लगे स्थित बा। ओहिजा ऊ ओह क्षेत्र में ओह समय स्थित सात गो कलीसिया खातिर उनका के संदेश दिहलन। एकरा बाद हमनी के उद्धारकर्ता यूहन्ना के स्वर्ग में ले गइलन, जहाँ ओकरा के ऊ प्रकाशना मिलल, जेकरा के ऊ प्रकाशितवाक्य के किताब में लिखलस (प्रकाशितवाक्य अध्याय 1 पद 19)।

यूहन्ना के लेख हमनी के बतावेला कि मसीह के दूसरा आगमन से पहिले के अंतिम कुछ बरिस में स्वर्ग आ धरती पर का-का घटित होई। हालाँकि प्रकाशितवाक्य के किताब अदृश्य लोक के रोजमर्रा के जीवन के विस्तृत वर्णन देवे खातिर ना लिखल गइल रहे, फिर भी यूहन्ना जवन कुछ देखलस, ओकरा द्वारा हमनी के ओह लोक के बारे में बहुत कुछ जाने के मौका मिलेला। ऊ स्वर्ग में अनेके अइसन वस्तु आ गतिविधि देखलस, जे धरती पर भी पावल जाली।

“एकरा बाद हम देखनी कि स्वर्ग में एगो दुआर खुलल बा। तब उहे आवाज, जेकरा के हम पहिले तुरही के जइसन बोलत सुनले रहनी… हम स्वर्ग में एगो सिंहासन देखनी, आ ओह सिंहासन पर कवनो विराजमान रहे… ओकरा चारों ओर चौबीस गो सिंहासन रहल, आ ओह पर चौबीस गो प्राचीन बइठल रहलें। ऊ सभे सफेद कपड़ा पहिनले रहलें आ उनकर माथा पर सोना के मुकुट रहल… तब ऊ चौबीस गो प्राचीन ओह अनन्तकाल तक जीवित रहे वाला के सामने गिर के ओकर आराधना करेलन आ अपना मुकुट सिंहासन के सामने रख के कहेलन, ‘हे प्रभु, हमनी के परमेश्वर, खाली आप ही योग्य बानी।’” (प्रकाशितवाक्य अध्याय 4 पद 1 से 4; प्रकाशितवाक्य अध्याय 4 पद 10)।

“फेर हम ओह सिंहासन पर विराजमान व्यक्ति के दहिना हाथ में एगो किताब देखनी। ऊ भीतर आ बाहर दुनू ओर लिखल रहे आ सात गो मुहर से बन्द कइल गइल रहे।” (प्रकाशितवाक्य अध्याय 5 पद 1)।

“ओह लोग में से हर एक [प्राचीन] के हाथ में एगो वीणा रहे, आ ऊ लोग सुगन्धित धूप से भरल सोना के कटोरा लिहले रहे, जे परमेश्वर के लोग के प्रार्थना ह। ऊ लोग एगो नया गीत गावत रहे… फेर हम स्वर्ग, धरती, धरती के नीचे आ समुद्र में रहे वाला हर प्राणी के भी गावत सुननी।” (प्रकाशितवाक्य अध्याय 5 पद 8 आ 9; प्रकाशितवाक्य अध्याय 5 पद 13)।

“एकरा बाद हम एगो अइसन विशाल भीड़ देखनी, जेकरा के केहू गिन ना सकत रहे। ऊ लोग हर जाति, हर गोत्र, हर लोगन के समूह आ हर भाषा के लोग रहे। ऊ लोग सिंहासन आ

मेम्ना के सामने खड़ा रहे। ऊ लोग सफेद कपड़ा पहिनले रहे आ उनकर हाथ में खजूर के डाल रहल।" (प्रकाशितवाक्य अध्याय 7 पद 9)।

यूहन्ना के एह शब्दन के महत्व के अनदेखा मत करीं। ऊ बतवलन कि स्वर्ग में ऊ एगो दुआर, बइठे खातिर सिंहासन, कपड़ा, मुकुट, लिखल एगो किताब (पत्र), वीणा, कटोरा, धूप आ खजूर के डाल देखलन। ऊ गीत आ गायन सुनलन आ लोगन के सिर आ हाथ समेत बहुत सक्रिय रूप से चलते-फिरते देखलन। प्रेरित ओहिजा जीवित प्राणी सभ के भी देखलन। जवना यूनानी शब्द के अनुवाद "प्राणी" कइल गइल बा, ओकर अर्थ "जीवित प्राणी" ह, आ नया नियम के दोसरा जगहन पर एही शब्द के पशु लोग खातिर भी इस्तेमाल कइल गइल बा (इब्रानियों अध्याय 13 पद 11; 2 पतरस अध्याय 2 पद 12; यहूदा अध्याय 1 पद 10)। यूहन्ना भी पौलुस के तरह एह अनुभव कइलन कि स्वर्ग के वास्तविक आ भौतिक अस्तित्व बा।

यूहन्ना लिखलन कि जब ऊ ओह अदृश्य लोक में रहलन, तब उनकरा लगे मुँह आ पेट समेत एगो शरीर रहे। ऊ वस्तु सभ के अपना हाथ से पकड़लन आ थामलन। ऊ भोजन कइलन आ ओकर स्वाद भी चखलन।

"तब हम ओह [स्वर्गदूत] के लगे गइलनी आ ओकरा से ऊ छोटकी किताब माँगलनी। ऊ हमरा से कहलस, 'एकरा के ले लऽ आ खा जा। ई तोहरा मुँह में त मधु जइसन मीठ लागी, बाकिर जब ई तोहरा पेट में जाई, त ओकरा के कड़वा कर दी।' तब हम ऊ छोटकी किताब स्वर्गदूत के हाथ से ले लिहनी आ ओकरा के खा गइनी। ऊ हमरा मुँह में मधु जइसन मीठ लागल, बाकिर ओकरा के निगलला के बाद हमरा पेट कड़वा हो गइल।" (प्रकाशितवाक्य अध्याय 10 पद 9 आ 10)।

अपना दर्शन के अंत में यूहन्ना स्वर्ग के राजधानी के धरती पर उतरते देखलन। एह विषय पर हम अध्याय 9 में अउरी विस्तार से विचार करब, बाकिर ई तथ्य कि अदृश्य लोक में एगो अइसन नगर बा जे धरती पर भी आ सकेला, एह बात के एगो अउरी प्रमाण ह कि स्वर्ग के वास्तविक आ भौतिक अस्तित्व बा। ऊ एगो ठोस आ वास्तविक जगह ह। प्रेरित बतवलन कि ओह स्वर्गीय महानगर के माप, अनुपात आ आयाम बाड़ें। ओह नगर के चार गो दिशा बा–पूरब, पच्छिम, उत्तर आ दक्खिन–आ ओकर लंबाई, चौड़ाई आ ऊँचाई भी बा। ओह राजधानी में धरती के नगरन जइसन अनेके विशेषता बाड़ी सन, जइसे भवन-निर्माण, नींव वाला शहरपनाह, फाटक, सड़क, नदी आ पेड़। आगे चल के यूहन्ना मोती आ दोसरा बहुमूल्य रत्नन के भी वर्णन करेलन, जइसे नीलम, पन्ना, गोमेद आ पुखराज–ई सभ वस्तु धरती पर भी पावल जाली।

एगो बगइचा, एगो देश आ एगो नगर।

पौलुस आ यूहन्ना दुनू के स्वर्ग के यात्रा करे से पहिलेए ओकरा बारे में कुछ जानकारी रहे। ऊ लोग ई ज्ञान पुरान नियम से पवले रहल, जे उनकर समय तक बाइबल के पूरा हो चुकल भाग रहे। एह किताब के दूसरा भाग में हमनी अउरी ध्यान से देखब कि पुरान नियम स्वर्ग के बारे में का प्रकट करेला। अभी खाली एगो बात पर ध्यान दीं।

जइसन कि हम पहिले बतवले बानी, पौलुस ओह जगह के, जहाँ ऊ गइल रहलन, स्वर्गलोक कहलन। ऊ ई शब्द खाली साहित्यिक सुन्दरता खातिर ना चुनले रहलन। उनकर समय में स्वर्गलोक धर्मी लोग के मृत्यु के बाद के निवास-स्थान के एगो प्रचलित नाम रहे। "स्वर्गलोक" खातिर इस्तेमाल भइल यूनानी शब्द पारादेइसोस ह, जेकर अर्थ "उद्यान" भा "बगइचा" ह। ओह समय यूनानी भाषा सभसे अधिक बोलल जात रहे, आ जब पुरान नियम के पहिला बेर इब्रानी भाषा से यूनानी में अनुवाद कइल गइल, तब पारादेइसोस शब्द के अदन के बगइचा खातिर इस्तेमाल कइल गइल रहे (उत्पत्ति अध्याय 2 पद 8; यहेजकेल अध्याय 28 पद 13)। पहिला सदी के लोग ई अपेक्षा रखत रहे कि स्वर्ग अदन के बगइचा के समान एगो स्वर्गलोक होई।

काहे कि धरती के रचना स्वर्गीय वास्तविकता के प्रतिरूप के अनुसार कइल गइल बा, एह से ई मानल उचित बा कि अदन के बगइचा, जे मानवजाति खातिर परमेश्वर के पहिला निवास-स्थान रहे, हमनी के भविष्य के निवास के बारे में भी बहुत कुछ बतावेला। बाइबल के सुरुआती पन्ना ओह बगइचा के एगो अइसन सुन्दर जगह के रूप में बतावेला, जहाँ हर जरूरत के भरपूर व्यवस्था रहे। ओहिजा पेड़, वनस्पति आ भोजन रहे। ओहिजा पशु, नदी, बहुमूल्य खनिज आ सोना भी रहे। पहिला मनुष्य, आदम आ हव्वा, अर्थपूर्ण काम करत रहलें आ एक-दोसरा के साथे, आ खुद प्रभु के साथे, घनिष्ठ संगति में रहत रहलें (उत्पत्ति अध्याय 2)। जइसे-जइसे हमनी पवित्रशास्त्र में स्वर्ग के बारे में प्रकट कइल गइल बातन के अउरी गहराई से अध्ययन करब, ओइसहीं हमनी के पता चली कि ई सभ बात ओह जीवन के हिस्सा बाड़ी सन, जे हमनी के इंतजार में बा।

पौलुस आगे ई भी लिखलन कि उनकरा से पहिले परमेश्वर के अनुयायी लोग ई विश्वास रखत रहे कि भविष्य के जीवन में ऊ लोग खाली एगो बगइचा ही ना, बलुक एगो देश आ एगो नगर भी पाई। ऊ लिखलन, "ऊ लोग एगो उत्तम देश के अभिलाषा रखत रहे, अर्थात् स्वर्गीय देश के।" (इब्रानियों अध्याय 11 पद 16) आ "हमनी ओह आवे वाला नगर के बाट जोहत बानी।" (इब्रानियों अध्याय 13 पद 14)।

एह में से हर शब्द हमनी के मन में अइसन परिचित चित्र उपस्थित करावेला, जे एह बात के ओर संकेत करेला कि स्वर्ग एगो वास्तविक जगह ह, जेह में अइसन गुण आ विशेषता बाड़ी सन, जिनका के हमनी पहिचान सकीले। अगर हमनी के भविष्य के घर कवनो ना कवनो रूप

में एगो बगइचा, एगो देश आ एगो नगर जइसन ना होत, त पौलुस ओकरा के एह नामन से काहे पुकारत रहलन?

बाइबल ओह लोग के प्रत्यक्षदर्शी गवाही के वर्णन करेला, जे ओह अदृश्य लोक में प्रवेश कइले रहलें। उनकर शब्द हमनी के बतावेला कि स्वर्ग कवनो धुँधला, अस्पष्ट भा कल्पना के दुनिया जइसन कवनो जगह ना ह। ओकर वास्तविक आ ठोस अस्तित्व बा। ऊ एगो वास्तविक जगह ह, जहाँ वास्तविक लोग रहेला आ वास्तविक काम करेला।

ई लेख हमनी के ई भी प्रकट करेला कि धरती के रचना स्वर्ग के प्रतिरूप के अनुसार कइल गइल बा। एह से धरती पर दिखाई देवे वाली वस्तु सभ आ जीवन के अलग-अलग पहलू के देख के हमनी कुछ हद तक समझ सकीले कि आवे वाला जीवन कइसन होई। हमनी ई अपेक्षा रख सकेनी कि हमनी के भविष्य के घर हमनी खातिर परिचित आ पहिचानल जइसन होई।

आवे वाला अध्यायन में हम एह सभ बातन पर अउरी विस्तार से चर्चा करब। बाकिर ओकरा से पहिले ई जरूरी बा कि हमनी साफ-साफ समझ लीं कि जब हमनी के मृत्यु होला, तब वास्तव में हमनी के साथे का होला।

3

जब हमनी के मर जानी जा, तब का होला?

बहुत लोग ई मानेला कि स्वर्ग में हमनी एक-दोसरा के पहिचान ना पइब आ ना धरती पर बितावल आपन जीवन आ संबंधन के याद रखब। एह कारण से हमनी के भविष्य के घर उनका के आकर्षक ना लागेला। वास्तव में, अइसन धारणा बाइबल के शिक्षा के खिलाफ बा। एह गलत धारना सभ के एगो कारण ई भी बा कि हमनी ठीक से ना समझीं कि मृत्यु के समय वास्तव में का होला।

मनुष्य के रचना।

मृत्यु के समय का होला, ई समझे खातिर पहिले ई जानल जरूरी बा कि मनुष्य के रचना कइसन बा। हर मनुष्य के एगो बाहरी भौतिक हिस्सा आ एगो भीतरी अभौतिक, अर्थात् गैर-भौतिक हिस्सा होला (2 कुरिन्थियों अध्याय 4 पद 16)। बाहरी हिस्सा शरीर ह, जबकि भीतरी हिस्सा आत्मा आ प्राण से मिल के बनल बा (इब्रानियों अध्याय 4 पद 12)। मृत्यु के समय ई भीतरी आ बाहरी हिस्सा एक-दोसरा से अलग हो जाला। बाहरी मनुष्य मिट्टी में लवट जाला, आ भीतरी मनुष्य एगो दोसरा आयाम में प्रवेश करेला। शरीर के मिट्टी में सौंपे के प्रक्रिया से हमनी सभे परिचित बानी, काहे कि हमनी सभे अंतिम संस्कार आ कब्रिस्तान में होखे वाला संस्कार देखले बानी। बाकिर भीतरी मनुष्य के साथे का होला, ई बात बहुत लोग खातिर अबहियों अस्पष्ट बनल बा।

जब यीशु धरती पर रहलन, तब ऊ दू गो अइसन व्यक्ति के उल्लेख कइलन, जिनकर मृत्यु लगभग एके समय भइल रहे। उनकर शब्द हमनी के अदृश्य लोक में मनुष्य के स्थिति के एगो झलक देखावेला।

“एगो धनवान मनुष्य रहे, जे बैंगनी आ मलमल के कपड़ा पहिनत रहे आ रोज बहुत ठाट-बाट से जीवन बितावत रहे। ओकर फाटक पर लाजर नाम के एगो भिखारी पड़ल रहत रहे, जे घाव से भरल रहे आ धनवान के मेज से गिरत टुकड़ा से आपन भूख मिटावे के चाहत रहे। इहाँ तक कि कुकुर भी आ के ओकर घाव चाटत रहलें। समय आइल कि ऊ भिखारी मर

गइल, आ स्वर्गदूत ओकरा के इब्राहीम के गोद में ले गइलें। [इब्राहीम के गोद धर्मी लोग के निवास-स्थान के एगो दोसर नाम रहे।] ऊ धनवान भी मर गइल आ ओकरा के गाड़ दिहल गइल। अधोलोक में, जहाँ ऊ पीड़ा में रहे, ऊ ऊपर नजर उठवलस आ दूर से इब्राहीम के देखलस, आ लाजर के ओकर गोद में देखलस। तब ऊ पुकार के कहलस, 'हे पिता इब्राहीम, हमरा पर दया करीं आ लाजर के भेज दीं कि ऊ अपना उँगली के सिरा पानी में डुबो के हमरा जीभ के ठंडा करे, काहे कि हम एह आग में बहुत तड़पत बानी।'

बाकिर इब्राहीम कहलन, 'बेटा, याद कर कि तू अपना जीवनकाल में अपना नीमन चीज पा लिहले रहलऽ, आ लाजर बुरी बात भोगले रहे। अब ऊ इहाँ शान्ति आ सांत्वना पा रहल बा, आ तू पीड़ा में बाड़ऽ। एकरा अलावा हमनी आ तोहरा बीच एगो बड़का खाई स्थिर कर दिहल गइल बा, ताकि जे लोग इहाँ से तोहरा लगे जाए के चाहीं, ऊ जा ना सके, आ ना ओहिजा से कवनो हमरा लगे आ सके।'

तब ऊ कहलस, 'हे पिता, हम रउरा से विनती करत बानी कि लाजर के हमरा पिता के घर भेज दीं, काहे कि हमरा पाँच गो भाई बाड़ें। ऊ उनकरा के चेतावनी दे, ताकि ऊ लोग भी एह यातना के जगह में ना आवे।'

इब्राहीम उत्तर दिहलन, 'ओह लोग लगे मूसा आ भविष्यवक्ता लोग के शिक्षा बा; ऊ लोग ओही के सुने।'

ऊ कहलस, 'ना, हे पिता इब्राहीम! अगर मरे वाला में से कवनो उनकरा लगे जाई, त ऊ लोग मन फिराई।'

इब्राहीम ओकरा से कहलन, 'अगर ऊ लोग मूसा आ भविष्यवक्ता लोग के बात ना सुनेला, त अगर मरे वाला में से कवनो जी उठी, तबहूँ ऊ लोग विश्वास ना करी।'" (लूका अध्याय 16 पद 19 से 31)।

ध्यान दीं कि जब लाजर आ ऊ धनवान अपना-अपना शरीर से अलग हो गइलें, तबहूँ ऊ लोग ओही रूप में दिखाई देत रहलें, जइसन पहिले रहलें। ऊ लोग एक-दोसरा के पहिचानत रहलें आ ओह लोग के भी पहिचानत रहलें, जे उनकरा से पहिले मर चुकल रहलें। दुनू पूरा तरह से जागरूक आ सचेत रहलें। दुनू के लगे विचार, भावना आ धरती पर बितावल अपना जीवन आ पीछे छूट गइल लोग के स्मृति रहे। ऊ धनवान अपना स्थिति से बहुत दुखी रहे, जबकि लाजर के सांत्वना मिलल रहे (टिप्पणी 3 देखीं)। ई घटना साफ करेला कि मृत्यु के बाद स्त्री आ पुरुष अस्तित्व में बनल रहेलें; ऊ लोग नष्ट ना हो जाला। मृत्यु के बाद ना त कवनो नींद के अवस्था होला आ ना अचेतन अवस्था। एतने ना, जब मनुष्य अपना शरीर के छोड़ देला, तबहूँ ओकर व्यक्तिगत पहचान बनल रहेला। ऊ उहे व्यक्ति रहेला, जेकर उहे जीवन, उहे संबंध आ उहे स्मृति होला।

हो सकेला कि रउरा ई सुनले होखीं कि मृत्यु के समय खाली आत्मा स्वर्ग में जाला, जेकरा से ई धारणा बन जाला कि हमनी के अस्तित्व के खाली एगो हिस्सा ही ओह अदृश्य लोक में प्रवेश करेला। बाकिर प्रभु यीशु के शिक्षा के अनुसार, अदृश्य लोक अइसन लोग से भरल बा, जे अपना भौतिक शरीर से अलग होखे के बाद भी पूरा तरह से विद्यमान बाड़ें। ई विचार कि खाली हमनी के आत्मा ही स्वर्ग में जाला, "प्राण" के अर्थ के ठीक से ना समझला के कारण पैदा भइल बा। पवित्रशास्त्र में "प्राण" शब्द के प्रयोग अक्सर हमनी के मन आ भावना खातिर कइल गइल बा (भजन संहिता अध्याय 42 पद 4 से 6; भजन संहिता अध्याय 116 पद 7)। लाजर आ धनवान के बारे में यीशु द्वारा बतावल वृत्तांत के आधार पर ई साफ होला कि जब मनुष्य मृत्यु के समय अपना शरीर के छोड़ेला, तब ऊ अपना मन आ आपन भावना–अर्थात् आपन प्राण–भी अपना साथे ले जाला।

मूसा आ एलिय्याह।

मृत्यु के बाद का होला, एकरा के हम एगो अउरी घटना से अउरी बढ़िया से समझ सकेनी, जवना में धरती पर रहे वाला लोग अदृश्य लोक के एगो झलक देखले रहे। यीशु के क्रूस पर चढ़ावल जाए से कुछ समय पहिले ऊ अपना तीन गो चेला–पतरस, याकूब आ यूहन्ना–के अपना साथे एगो पहाड़ पर ले गइलन। ओहिजा अचानक इस्राएल के प्रसिद्ध भविष्यवक्ता मूसा आ एलिय्याह अदृश्य लोक से प्रकट भइलें। चेला लोग ओह दुनू के देखलस आ प्रभु यीशु के साथे उनकर नजदीक आवे वाला क्रूसारोपण के बारे में बतियात सुनलस।

"लगभग आठ दिन बाद यीशु पतरस, याकूब आ यूहन्ना के अपना साथे लेके प्रार्थना करे खातिर एगो पहाड़ पर गइलन। जब ऊ लोग प्रार्थना करत रहे, तब उनकर चेहरा के रूप बदल गइल आ उनकर कपड़ा बहुत उज्ज्वल होके चमके लागल। ओही समय मूसा आ एलिय्याह नाम के दू गो पुरुष प्रकट भइलें आ यीशु से बतियाए लगलें। ऊ लोग महिमा से भरल दिखाई देत रहलें आ यरूशलेम में होखे वाला उनकर मृत्यु के बारे में बतिया रहल रहलें, जवना के द्वारा ऊ परमेश्वर के योजना पूरा करे वाला रहलन।" (लूका अध्याय 9 पद 28 से 31)।

जइसन कि हम पहिले अध्याय में बतवले रहनी, एलिय्याह मृत्यु के अनुभव कइले बिना अपना भौतिक शरीर समेत ओह अदृश्य लोक में उठा लिहल गइल रहलन। दोसरा ओर, मूसा सदियन पहिले मर चुकल रहलें, अर्थात् उनकर भौतिक शरीर उनकरा से अलग हो चुकल रहे। फिर भी ऊ कवनो तैरत भा पारदर्शी आत्मा ना रहलें। ऊ साफ-साफ दिखाई देत रहलें, पहिचानल जा सकत रहलें, आ यीशु आ एलिय्याह के साथे बातचीत करत रहलें। मूसा आ एलिय्याह, दुनू के व्यक्तित्व से ओह लोक के महिमामय ज्योति झलकत रहे, जे सदियन से उनकर निवास-स्थान रहल। हालाँकि ऊ लोग अब धरती पर ना रहत रहे, फिर भी यरूशलेम

में होखे वाला आवे वाला घटना के बारे में यीशु के साथे उनकर बातचीत ई देखावेला कि ऊ लोग धरती पर होखे वाला घटनन से परिचित रहे आ ओह में उनकर रुचि भी रहे।

यूहन्ना का देखलन।

प्रकाशितवाक्य के किताब में यूहन्ना स्वर्ग में जिन लोगन के वर्णन कइलन, ऊ ओह बात से बहुत मिलेला जे यीशु लाजर आ धनवान के वृत्तांत में प्रकट कइले रहलन। यूहन्ना के वर्णन ओह घटना के भी अनुरूप बा, जे ऊ खुद पतरस आ याकूब के साथे देखले रहलन, जब मूसा आ एलिय्याह क्रूस पर चढ़ावल जाए से पहिले यीशु से बातचीत कइले रहलें। यूहन्ना चौबीस गो प्राचीन, अर्थात् अधिकार रखे वाला व्यक्ति लोग के सिंहासन पर बइठल देखलन। हालाँकि ई लोग अपना भौतिक शरीर से अलग रहलें, फिर भी ऊ लोग मुकुट आ कपड़ा पहिनले रहे। ऊ लोग सिंहासन पर बइठत, झुक के परमेश्वर के आराधना करत रहे। एह से साफ होला कि उनकर माथा, मुँह, आवाज, गोड़, बाँह आ हाथ रहल (प्रकाशितवाक्य अध्याय 4 पद 4 से 10)। यूहन्ना स्वर्ग में व्यक्तिगत पहचान के निरंतरता देखलन। ऊ अइसन लोगन के देखलन, जे मसीह में अपना विश्वास के कारण मार डालल गइल रहलें, फिर भी ऊ लोग धरती पर बितावल अपना जीवन के याद रखत रहे आ ओह लोग के चिन्ता करत रहे, जेकरा के ऊ पीछे छोड़ आइल रहे।

“जब मेम्ना पाँचवीं मुहर खोललस, तब हम वेदी के नीचे ओह लोग के प्राण देखनी, जे परमेश्वर के वचन आ अपना गवाही के कारण मार डालल गइल रहलें। ऊ लोग ऊँच आवाज में पुकार के कहत रहे, ‘हे पवित्र आ सच्चा प्रभु, रउरा कब ले धरती के निवासी लोग के न्याय करे आ हमनी के लहू के बदला लेवे में देर करब?’ तब ओह लोग में से हर एक के एगो-एगो सफेद कपड़ा दिहल गइल आ कहल गइल कि ऊ लोग कुछ समय अउरी विश्राम करे, जब ले उनकर साथी सेवक आ भाई लोग के संख्या भी पूरा ना हो जाए, जेकरा के ओही तरह मारल जाए वाला रहे, जइसन ऊ लोग मारल गइल रहे।” (प्रकाशितवाक्य अध्याय 6 पद 9 से 11)।

इहाँ प्रेरित द्वारा इस्तेमाल कइल “प्राण” शब्द के मतलब कवनो धुँधला आकृति भा उनकर अस्तित्व के खाली एगो हिस्सा ना ह। एकर मतलब खुद ऊ लोग ह। यूहन्ना आपन वर्णन यूनानी भाषा में लिखलन आ “प्राण” खातिर प्सूखे शब्द के इस्तेमाल कइलन। बाइबल के दोसरा जगहन पर भी प्सूखेशब्द के अर्थ “पूरा व्यक्ति” कइल गइल बा (1 कुरिन्थियों अध्याय 15 पद 45)।

दोसरा शब्द में, यूहन्ना कहत बाड़न कि ऊ ओह लोग के स्वर्ग में देखलन। ध्यान दीं कि ई शहीद लोग ई याद रखत रहे कि उनकर मृत्यु कइसे भइल रहे, आ ऊ लोग ई भी जानत रहे कि धरती पर अउरी लोग भी ओही तरह आपन प्राण देई, जइसन ऊ लोग दिहलस। यूहन्ना

ऊ लोग के ऊँच आवाज में भावनापूर्ण पुकार करत सुनलन, जब ऊ लोग प्रभु से प्रार्थना करत रहे कि ऊ काम करीं आ जे लोग के मारल गइल बा, उनकरा खातिर न्याय करीं (टिप्पणी 4 देखीं)।

मृत्यु मनुष्य के खाली एगो जगह से दोसरा जगह ले जाला।

पौलुस, जे अपना जीवनकाल में स्वर्ग के यात्रा कइले रहलन, मृत्यु के प्रस्थान कहेलन। जब ऊ जेल में रहलन आ ओकरा के मृत्यु-दण्ड मिले के संभावना रहे, तब ऊ लिखलन कि उनकर "इच्छा बा कि प्रस्थान करके मसीह के साथे रहस।" (फिलिप्पियों अध्याय 1 पद 23)। ओह समय पौलुस के मृत्यु ना भइल, बाकिर कुछ बरिस बाद, जब ऊ फेर से बन्दीगृह में रहलन आ उनकर मृत्यु नजदीक आ गइल, तब ऊ लिखलन, "हमरा प्रस्थान के समय आ पहुँच गइल बा।" (2 तीमुथियुस अध्याय 4 पद 6)।

जब केहू प्रस्थान करेला, त ऊ एगो जगह छोड़ के दोसरा जगह जाला। मृत्यु हमनी के कवनो दोसरा व्यक्ति भा कवनो दोसरा वस्तु में ना बदल देला। ऊ खाली हमनी के दृश्य संसार से अदृश्य लोक में पहुँचा देला।

स्वर्ग में भी आप उहे रहब, जे आज बानी। रउरा के पहचान खाली रउरा के नाम से ना, बलुक रउरा के रूप, जीवन के अनुभव, रउरा के संबंध आ रउरा के स्मृति से भी होला। अगर एह में से कवनो बात पूरा तरह से समाप्त हो जाए आ रउरा पहिचान में ना आईं, भा धरती पर बितावल अपना जीवन के यादे ना रख पाईं, त एकर मतलब ई होई कि स्वर्ग में रउरा ना, बलुक केहू अउरी पहुँच गइल बा। बाकिर अइसन ना होई। स्वर्ग में रउरा उहे होखब–बस एह टूटल संसार के प्रभाव से पूरा तरह से आजाद। ओहिजा दुर्घटना, बीमारी, शरीर के कमजोर कर देवे वाली शारीरिक समस्या आ बुढ़ापा के विनाशकारी असर के कवनो अस्तित्व ना होई।

एह अध्याय में पहिले हम लाजर नाम के भिखारी के बारे में प्रभु यीशु द्वारा बतावल वृत्तांत के उल्लेख कइले रहनी। जब लाजर अपना शरीर से अलग भइल, तब ऊ अपना साथे खाली आपन वास्तविक व्यक्तित्व ले गइल; गरीबी, भूख आ ओह सभ से पैदा होखे वाली सगरी पीड़ा के पीछे छोड़ दिहलस। अब ओकर शरीर पर कवनो घाव ना रहे, जवना के कुकुर आ के चाटत रहलें।

जब रउरा मृत्यु के समय अपना शरीर के छोड़ब, तब रउरा ओह बीमारी भा चोट के भी पीछे छोड़ देब, जे रउरा जीवन के अंत कइले होई। अगर रउरा जीवन में कवनो पुरान बीमारी भा शारीरिक अपंगता रहे, जे कवनो ना कवनो तरह से रउरा जीवन के प्रभावित कइले रहे, त ऊ भी सदा खातिर समाप्त हो जाई। मानसिक कमजोरी भा स्मृतिभ्रंश के कारण जे स्मृति लुप्त

हो गइल रहे, ऊ फेर से पूरा तरह से लवट आई। जे लोग एतना छोट रहे कि जीवन के अनुभव करे, स्मृति बनाए आ संबंध विकसित करे के अवसर ही ना मिलल, उनकरा के भी हमनी के भविष्य के घर में ई सभ अवसर मिलिहें। एह विषय सभ पर हम आवे वाला अध्यायन में अउरी विस्तार से चर्चा करब।

स्वर्ग में हर व्यक्ति के व्यक्तिगत पहचान बनल रहेला। स्त्री आ पुरुष ओही तरह दिखाई देलें जइसन ऊ वास्तव में बाड़ें, आ उनकर जीवन के पूरा इतिहास उनकरा साथे बनल रहेला। धरती पर अपना जीवन के समय ऊ जेतना वास्तविक रहलें, ओतने वास्तविक ओहिजा भी बाड़ें। मुख्य अंतर खाली एतना बा कि ओह लोग में से अधिकतर अपना भौतिक शरीर से अलग बाड़ें। शरीर से अलग भइल लोग ना त भूत जइसन होला आ ना पारदर्शी। ऊ हवा में तैरत ना रहेलें। ऊ खड़ा होलें, चलल-फिरल करेलें आ बातचीत करेलें। ऊ अइसन लोक में रहेलें, जे यद्यपि हमनी के आँख से अदृश्य बा, फिर भी ओकर वास्तविक आ भौतिक अस्तित्व बा।

अब जब हमनी ई बात पहिले से कहीं बढ़िया तरह से समझ चुकल बानी कि मृत्यु के समय का होला, त अब हमनी ई देखे खातिर तैयार बानी कि स्वर्ग में जीवन वास्तव में कइसन बा।

4

स्वर्ग में जीवन।

स्वर्ग बहुत लोगन के आकर्षक ना लागेला, काहे कि ऊ लोग सोचेला कि ओहिजा के जीवन नीरस होई–एगो अइसन अनंत आराधना-सभा, जहाँ सभे सफेद कपड़ा पहिन के खाली गीत गावत रही आ वीणा बजावत रही। बाकिर बाइबल के अनुसार हमनी के भविष्य के घर के जीवन अइसन ना होई। परमेश्वर के वचन साफ-साफ बतावेला कि जइसे हमनी के व्यक्तिगत पहचान बनल रहेला, ओइसहीं जीवन के बहुत सारा परिचित पहलू भी बनल रही। पवित्रशास्त्र एगो अइसन लोक के वर्णन करेला, जहाँ भोजन आ कपड़ा बा, आ साथे अर्थपूर्ण काम आ तरह-तरह के गतिविधि भी बाड़ी सन।

स्वर्ग में भोजन।

खुद प्रभु यीशु मसीह कहलन कि अदृश्य लोक में लोग एक साथे बइठ के भोजन करेला। ऊ अपना अनुयायी लोग से कहलन कि उनकरा प्रति विश्वासयोग्य सेवा के प्रतिफल के रूप में "तू हमरा राज्य में हमरा मेज पर हमरा साथे खइबऽ आ पीबऽ।" (लूका अध्याय 22 पद 30)।

ऊ ई भी कहलन, "बहुत लोग पूरब आ पच्छिम से आके स्वर्ग के राज्य में इब्राहीम, इसहाक आ याकूब के साथे भोज में शामिल होई।" (मती अध्याय 8 पद 11)।

"भोज में शामिल होई" खातिर इस्तेमाल कइल गइल यूनानी शब्द के अर्थ ह "पीछे टिक के बइठना" भा "आराम से लेट के भोजन करना।" ओह समय लोग भोजन करत घरी आसन पर टिक के बइठत रहे। ऊ लोग आपन माथा मेज के ओर आ गोड़ मेज से दूर रखत रहे। यीशु एह शब्द के इस्तेमाल करके ई देखावत रहलन कि ऊ वास्तविक भोजन खातिर मेज पर जगह लेवे के बात करत रहलन।

यीशु प्रतीकात्मक भा रूपक के भाषा में बात ना करत रहलन। ऊ एगो वास्तविक जगह में होखे वाला वास्तविक गतिविधि के वर्णन करत रहलन। भोज खातिर मेज, आसन आ ई सभ

चीज रखे खातिर भवन के जरूरत होला। खास भोज में तरह-तरह के भोजन आ पेय के साथे ओकरा के तैयार करे, परोसे आ खाए खातिर जरूरी बरतन भी होला। आ कवनो भोज बातचीत, जीवन के घटना एक-दोसरा से बाँटे आ हँसी-खुशी के बिना पूरा ना होला। खाए-पीए के विषय में यीशु के ई शब्द संकेत करेला कि अदृश्य लोक में ई सभ बात भी मौजूद बा।

भोजन खाली जरूरत ना, आनन्द आ संगति के माध्यम भी ह।

निस्संदेह, स्वर्ग में लोगन के जिंदा रहे खातिर भोजन करे के जरूरत ना होई। बाकिर भोजन खाली जीवन बनाए रखे के साधन ना ह। प्रभु आदम आ हव्वा के ओह समय भोजन करे के आज्ञा दिहलन, जब ऊ लोग अभी पाप के कारण मृत्यु के अधीन ना भइल रहे। अदन के बगइचा अइसन पेड़ आ फल से भरल रहे, जे स्वाद, सुगंध आ रूप–तीनू दृष्टि से मन के आकर्षित करत रहे। भोजन करना उनकर सृष्टिकर्ता द्वारा दिहल आनन्द के एगो उपहार रहे।

“यहोवा परमेश्वर ओह बगइचा में हर तरह के अइसन पेड़ उगवलन, जे देखे में सुन्दर आ जेकर फल खाए में स्वादिष्ट रहे… आ परमेश्वर कहलन, ‘तू बगइचा के कवनो भी पेड़ के फल बेझिझक खा सकत बाड़ऽ; बाकिर भला-बुरा के ज्ञान के पेड़ के फल मत खइहऽ, काहे कि जे दिन तू ओकर फल खइबऽ, ओही दिन निश्चय मर जइबऽ।’” (उत्पत्ति अध्याय 2 पद 9; उत्पत्ति अध्याय 2 पद 16 आउर 17)।

भोजन खाली आनन्द के ना, बलुक आपसी संबंध आ संगति के भी माध्यम ह। बाइबल में बहुत अइसन उदाहरण मिलेला, जहाँ स्त्री आ पुरुष परमेश्वर के आज्ञा से ओकर उपस्थिति में एक साथे भोजन करे खातिर एकट्ठा भइलें।

• “[परमेश्वर के निमंत्रण पर] मूसा, हारून… आ इस्राएल के सत्तर गो पुरनिया [सीनै पहाड़ पर] चढ़ गइलें। उहाँ ऊ लोग इस्राएल के परमेश्वर के देखल। [अदृश्य लोक उनकरा खातिर खुल गइल।] ओकर गोड़ के नीचे नीलम के समान चमकत फर्श रहे, जे आकाश के समान निर्मल दिखाई देत रहे… आ ऊ लोग परमेश्वर के उपस्थिति में एक साथे भोजन कइल।” (निर्गमन अध्याय 24 पद 9 से 11)।

• प्रभु अपना लोगन के आज्ञा दिहलन कि ऊ लोग आपन बलिदान आ भेंट उनकर पवित्र उपासना-स्थल पर ले आवे, “जहाँ तू, तोहार परिवार आ यहोवा अपना परमेश्वर के उपस्थिति में भोजन करबऽ आ आनन्दित होखबऽ।” (व्यवस्थाविवरण अध्याय 12 पद 7)।

• ऊ ई खास निर्देश भी दिहलन: अगर तोहार निवास बहुत दूर होखे, त “आपन उपज आ पशु सभ के दशमांश बेच के ओकर धन अपना साथे ले जइहऽ। जब तू उहाँ पहुँचिहऽ, त ओह

धन से अपना इच्छा के अनुसार बैल, भेड़, दाखमधु भा मदिरा अथवा जवन कुछ तोहार मन चाहे, खरीद लिहऽ। फेर उहाँ यहोवा अपना परमेश्वर के उपस्थिति में अपना परिवार समेत भोजन करिहऽ आ आनन्द मनइहऽ।" (व्यवस्थाविवरण अध्याय 14 पद 25 आउर 26)।

ई सभ वचन में एगो समान सत्य दिखाई देला—सर्वशक्तिमान परमेश्वर अपना लोगन के अपना साथे आ एक-दोसरा के साथे संगति करत भोजन करे खातिर बोलवले बाड़न। एह से ई पूरा तरह उचित बा कि जब हमनी वास्तव में प्रभु के साथे उनकर घर में निवास करब, तबहूँ हमनी उनकर उपस्थिति में एक-दोसरा के साथे बइठ के भोजन करब।

स्वर्ग में कपड़ा।

बाइबल स्वर्ग में कपड़ा के भी उल्लेख करेला। स्वर्गदूत, जे ओह अदृश्य लोक के निवासियन में से एगो हिस्सा बाड़ें, कपड़ा पहिनले दिखाई देलें।

"अचानक [पुनरुत्थान के बिहान] एगो बड़का भूकम्प आइल, काहे कि प्रभु के एगो स्वर्गदूत स्वर्ग से उतर के आइल। ऊ यीशु के कब्र के दुआर पर रखल पत्थर के लुढ़का दिहलस आ ओही पर बइठ गइल। ओकर चेहरा बिजली जइसन चमकत रहे आ ओकर कपड़ा बरफ जइसन उज्जर रहे।" (मती अध्याय 28 पद 2 आउर 3)।

जब मूसा आ एलिय्याह क्रूस पर चढ़ावल जाए से पहिले यीशु से बातचीत करे खातिर अदृश्य लोक से प्रकट भइलें, त एह बात के संकेत मिलेला कि ऊ लोग भी कपड़ा पहिनले रहलें, काहे कि ओह घटना में यीशु के कपड़ा के उल्लेख कइल गइल बा। ई सोचे के उचित ना होई कि मूसा आ एलिय्याह बिना कपड़ा के रहलें, जबकि यीशु पूरा तरह से कपड़ा पहिनले रहलन।

"जब ऊ लोग [पतरस, याकूब आ यूहन्ना] देखत रहलें, तब यीशु के रूप उनकरा सामने बदल गइल। उनकर चेहरा सूरज जइसन चमके लागल आ उनकर कपड़ा बहुत उज्जर होके सफेद हो गइल। ओही समय मूसा आ एलिय्याह प्रकट भइलें आ यीशु से बातचीत करे लगलें।" (मती अध्याय 17 पद 2 आउर 3)।

स्वर्ग में अपना दर्शन के समय प्रेरित यूहन्ना अनगिनत लोग के सफेद कपड़ा पहिनले देखलन।

• ऊ लिखलन कि "चौबीस प्राचीन [सिंहासन पर] बइठल रहलें आ सभे सफेद कपड़ा पहिनले रहलें।" ऊ ई भी लिखलन कि "जे लोग अपना विश्वास के कारण शहीद कइल गइल रहलें... उनकरा के सफेद कपड़ा दिहल गइल।" आगे ऊ "एगो अइसन विशाल भीड़" देखलन, जे "सफेद कपड़ा पहिनले रहे।" (प्रकाशितवाक्य अध्याय 4 पद 4; प्रकाशितवाक्य अध्याय 6 पद 9 से 11; प्रकाशितवाक्य अध्याय 7 पद 9)।

• यूहन्ना लोग के यीशु के साथे आनन्द मनावत भी देखलन। ऊ लोग भी “उत्तम आ निर्मल सफेद मलमल के कपड़ा” पहिनले रहे। ऊ ई भी देखलन कि प्रभु के साथे स्वर्ग से निकलत स्वर्गीय सेना भी “शुद्ध सफेद मलमल के कपड़ा” पहिनले रहे। (प्रकाशितवाक्य अध्याय 19 पद 8; प्रकाशितवाक्य अध्याय 19 पद 14)।

का सफेद कपड़ा ही हमनी के अनन्त अवस्था होई?

यूहन्ना द्वारा स्वर्ग के कपड़ा के वर्णन पढ़त घरी सहज रूप से मन में गायक-मण्डली के कपड़ा भा कफन के चित्र उभर सकेला। बाकिर जब हमनी समझीले कि ई कपड़ा कवन बात के प्रतीक बाड़ें, त ई बात हमनी खातिर आनन्द के कारण बन जाला। ई कपड़ा ओह निष्पाप धार्मिकता के प्रतीक बाड़ें, जेकरा के ऊ लोग प्रभु यीशु के द्वारा पवले बा।

परमेश्वर के सिंहासन के नजदीक बइठल चौबीस प्राचीनन में से एगो खुद यूहन्ना से ई बात कहलस। ऊ कहलस,

“ई ऊ लोग ह, जे बड़का क्लेश में से निकल के आइल बा। ऊ लोग अपना कपड़ा मेम्ना के लहू में धो के सफेद कइले बा।” (प्रकाशितवाक्य अध्याय 7 पद 14)।

स्वर्ग में रहे वाला लोग प्रभु यीशु मसीह के बहावल लहू के कारण पाप से एतना पूरा तरह से शुद्ध कइल जा चुकल बा कि ऊ लोग परमेश्वर के सिंहासन के सामने अपना अतीत के कवनो पाप भा दोष के बिना निडर होके खड़ा हो सकेला।

हालाँकि यूहन्ना अउरी तरह के कपड़ा के उल्लेख ना कइलन, फिर भी बाइबल एह बात के प्रबल संकेत देला कि सफेद कपड़ा ही ऊ एकमात्र कपड़ा ना होई, जे हमनी स्वर्ग में पहिनब। वास्तव में, यूहन्ना द्वारा स्वर्ग के कइल गइल वर्णन हमनी के भविष्य के घर में रोज के जीवन आ रोज पहिने वाला कपड़ा के विवरण ना ह। प्रेरित के स्वर्ग में एह खातिर ले जाइल गइल रहे कि ऊ प्रभु यीशु के दोसरा आगमन से ठीक पहिले होखे वाला घटना के दर्शन करे आ ओकरा के लिखे। ऊ प्रभु के पुनरागमन से जुड़ल खास घटना के देखलन। एह से ई मानल एकदम उचित बा कि जे सफेद कपड़ा यूहन्ना देखलन, ऊ खास अवसर पर पहिनल जाए वाला विशेष कपड़ा रहल, आ दोसरा समय हमनी अलग-अलग तरह के कपड़ा पहिनब।

खुद यीशु भी अपना एगो दृष्टान्त के द्वारा एह बात के संकेत दिहलन। ऊ एगो धनी आदमी के बेटा के कहानी सुनवलन, जे आपन विरासत के हिस्सा लिहलस, घर छोड़ दिहलस आ आपन धन के उच्छृंखल आ पापमय जीवन में बरबाद कर दिहलस। जब ऊ जवान अइसन दयनीय हालत में पहुँच गइल कि सूअर के बाड़ा में रहे लागल, तब ओकर मन बदल गइल

आ ऊ अपना पिता के घर लवटे के निश्चय कइलस। ओकर प्रेमी पिता ओकर बड़का आनन्द से स्वागत कइलन आ ओकरा खातिर नया कपड़ा आ एगो भव्य भोज के व्यवस्था कइलन।

“बाकिर पिता अपना दास लोग से कहलन, ‘जल्दी से सभसे बढ़िया कपड़ा ले आओ आ एकरा के पहिना दऽ। एकर हाथ में अंगूठी पहिना दऽ आ एकर गोड़ में जूता पहिना दऽ। फेर मोटा-पाला गइल बछड़ा ले आके काटऽ, ताकि हमनी खाईं, आनन्द मनाईं आ उत्सव मनाईं।’” (लूका अध्याय 15 पद 22 आउर 23)।

यीशु ई दृष्टान्त एह खातिर सुनवलन कि ई समझावल जा सके कि जब कवनो पापी परमेश्वर के लगे लवट के आ जाला, त स्वर्ग में कइसन खुशी होला। अइसन करत ऊ हमनी के स्वर्ग के जीवन के एगो झलक भी दिहलन। अभी खातिर खाली एगो बात पर ध्यान दीं। उत्सव के समय ओह बेटा के पहिने खातिर एगो खास कपड़ा दिहल गइल। जे लोग सभसे पहिले ई दृष्टान्त सुनले रहे, ऊ लोग एह तरह के कपड़ा से भली-भाँति परिचित रहे। उनकर समाज में अइसन कपड़ा खाली खास अवसर–जइसे जन्मदिन भा कवनो पर्व–पर ही पहिनल जात रहे। जब उत्सव समाप्त हो जात आ ऊ बेटा अपना पिता के घर के सामान्य जीवन में लवटत, त ऊ रोज पहिने लायक दोसरा उपयुक्त कपड़ा पहिनत। निश्चय ही, दृष्टान्त में देखावल व्यवस्था खुद स्वर्ग के वास्तविकता से बढ़के ना हो सकेला। अगर हमनी के अपना पिता के घर लवटे पर खास अवसर खातिर खास कपड़ा होई, त ई भी बहुत सम्भावित बा कि काम करे आ आनन्द से समय बितावे खातिर भी उपयुक्त कपड़ा होई। आवे वाला एगो अध्याय में हम भविष्य के जीवन में कपड़ा के विषय में अउरी विस्तार से चर्चा करब।

स्वर्ग में काम।

बहुते लोग स्वर्ग के इंतजार में उत्साह ना देखावेलन, काहेकि ऊ लोग कल्पना तक ना कर पावेलन कि हम अनन्तकाल तक उहाँ का करब। एकरा अलावा, ई सोचल भी कठिन लागेला कि उहाँ हमनी के अइसन कवनो काम करब जा में सचमुच हमनी के आनन्द मिली, काहेकि बहुते लोगन के ई विचार अनुचित भा अधर्मी जइसन लागेला। बाकिर प्रेरित पौलुस के ई कहल के आधार पर कि “मर जाना लाभ बा,” हम ई विश्वास कर सकेनी कि आवे वाला जीवन में हमनी के जवन कुछ भी करब, ऊ एह संसार में हमनी के कवनो भी अनुभव से कहीं अधिक सन्तोष देवे वाला आ पूरा करे वाला होई।

स्वर्ग के गतिविधियन पर चर्चा करे से पहिले, हमनी के ओह मूल उद्देश्य के समझल जरूरी बा जवना खातिर परमेश्वर हमनी के रचले बाड़न। सर्वशक्तिमान परमेश्वर हमनी के अइसन बनवले बाड़न कि हमनी के आराधना आ सेवा के द्वारा उनकर महिमा करीं। ईहे हमनी के सृजे जाए के मूल उद्देश्य ह।

“परमेश्वर के भय मान, उनकर महिमा आ आदर कर, उनकर आराधना कर आ उनकर आज्ञा मान; काहेकि इहे मनुष्य के पूरा कर्तव्य ह [इहे ओकर सृजे जाए के मूल उद्देश्य, परमेश्वर के योजना के लक्ष्य, चरित्र के जड़ आ सच्चा आनन्द के नींव ह...]।” (सभोपदेशक अध्याय 12 पद 13)।

संभव बा कि हमार ई बात रउरा के बहुत उत्साह देवे वाली ना लागे, काहेकि अइसन लाग सकेला कि हम फेरु ओही धारणा के पुष्टि करत बानी कि स्वर्ग एगो अनन्त आराधना-सभा होई। बाकिर ई विचार एह कारण से पैदा होला कि हमनी के आराधना आ प्रभु के सेवा के असली अर्थ के ठीक से ना समझनी। हम अक्सर सोचिले कि परमेश्वर के आराधना खाली अतवार के कलीसिया में कइल जाए वाला एगो गतिविधि ह। बाकिर आराधना खाली कुछ गीत गावे तक सीमित नइखे। एह विषय के अउरी साफ-साफ समझे खातिर, चलीं एक बेर फेरु अदन के वाटिका में लौट चलीं।

अदन के वाटिका में काम।

पवित्रशास्त्र में काम के उल्लेख पहिला बेर अदन के वाटिका के संदर्भ में मिलेला।

“यहोवा परमेश्वर मनुष्य के लेके अदन के वाटिका में रखले, ताकि ऊ ओकर खेती करे आ ओकर देखभाल करे।” (उत्पत्ति अध्याय 2 पद 15)।

मूल इब्रानी भाषा में “खेती करे” खातिर इस्तेमाल भइल शब्द ओह बहुत सारा शब्दन में से एगो ह जवना के अर्थ काम करे के होला। आ “देखभाल करे” खातिर इस्तेमाल भइल इब्रानी शब्द के अर्थ निगरानी करे, रक्षा करे भा सावधानी से देखभाल करे के होला।

रउरा मन में ई सवाल उठ सकेला कि अगर अदन के वाटिका स्वर्ग जइसन सिद्ध जगह रहे, त उहाँ मनुष्य के काम करे के जरूरत काहे पड़ल? आ ओह वाटिका के देखभाल करे के जरूरत आखिर काहे रहे?

परमेश्वर वनस्पति-जगत के सृष्टि पूरा विकसित अवस्था में कइले रहले, ताकि जब मनुष्य पृथ्वी पर आवे, तब ओकरा खातिर फल आ उपज पहिले से उपलब्ध रहे। काहेकि ओह वाटिका में पौधा आ पेड़ स्वाभाविक रूप से भरपूर बढ़त आ फलत-फूलत रहले, एहसे ओह लोग के बहुत अधिक फैलाव के नियंत्रित रखे आ वाटिका के सुव्यवस्थित बनवले राखे खातिर नियमित देखभाल जरूरी रहे। इहे ऊ काम रहे जवन परमेश्वर आदम के सौंपले रहले।

पवित्रशास्त्र के दोसरा जगहन पर “खेती करे” खातिर इस्तेमाल भइल इहे मूल शब्द “आराधना करे” आ “सेवा करे” के अर्थ में भी इस्तेमाल भइल बा। (निर्गमन अध्याय 3 पद 12; यहोशू अध्याय 24 पद 15)।

जइसन कि हम पहिले कहल बानी, हमनी के गलती से ई दुनो काम–आराधना आ सेवा–के खाली कलीसिया भा धार्मिक सभन तक सीमित कर देले बानी। बाकिर अगर परमेश्वर के सेवा करे मनुष्य के सृजे जाए के मूल उद्देश्य ह, त ई अइसन काम होखे के चाहीं जवन हर युग के हर व्यक्ति, जीवन में ओकर परिस्थिति कइसनो होखे, कर सके।

आदम आ हव्वा ओह समय भी सर्वशक्तिमान परमेश्वर के सेवा कइले आ उनकर महिमा कइले, जब ना कलीसिया के भवन रहे, ना भजन के किताब, आ ना कवनो प्रचारक। ऊ लोग अदन के वाटिका में रहत घरी अपना जीवन के द्वारा परमेश्वर के महिमा करत रहे।

• प्रेरित पौलुस रोमी साम्राज्य के दास लोगन के भी ई सिखवले कि ऊ लोग अपना साधारण आ कठिन काम परमेश्वर के महिमा खातिर करस। ऊ लिखले,

“हे दास लोग, अपना सांसारिक मालिकन के आज्ञा मान। खाली उनकर आँख के सामने नीमन देखाए खातिर भा उनकर कृपा पाए खातिर ना, बलुक प्रभु के प्रति सच्चा भक्ति से प्रेरित होके अइसन कर। तोहार जवन भी काम होखे, ओकरा पूरा मन आ पूरा प्राण से अइसन कर, जइसे ऊ मनुष्यन खातिर ना, बलुक प्रभु खातिर कइल जा रहल होखे। काहेकि तू जानताड़ कि तोहरा अपना असली प्रतिफल के रूप में प्रभु से ही विरासत मिली। वास्तव में तू प्रभु मसीह के ही सेवा करताड़।” (कुलुस्सियों अध्याय 3 पद 22 से 24)।

• पौलुस यूनान के मसीही लोगन के भी लिखले,

“एहसे चाहे तू खा भा पी, भा जवन कुछ भी कर, सब कुछ परमेश्वर के महिमा खातिर कर।” (1 कुरिन्थियों अध्याय 10 पद 31)।

हमनी के जवन कुछ भी करेनी, ऊ सब प्रभु के प्रति हमनी के आदर, सम्मान आ श्रद्धा के अभिव्यक्ति होखे के चाहीं। हमनी के हर विचार, हर बात आ हर काम एह बात के प्रमाण होखे के चाहीं कि हमनी के उनकरा पर विश्वास करेनी, उनकरा से प्रेम करेनी आ उन्हीं पर निर्भर रहिले। आ हमनी के जीवन के हर गतिविधि–चाहे हम कवनो भजन गावत होखीं, एगो गिलास दूध पीवत होखीं भा कवनो पेड़ लगावत होखीं–हमनी खातिर आनन्द आ गहिरा सन्तोष के स्रोत बने खातिर ही बा।

अब परिश्रम आ कठिन मेहनत ना होई।

मनुष्य के भीतर अर्थपूर्ण आ सन्तोष देवे वाला काम करे के इच्छा खुद परमेश्वर के ओर से राखल गइल बा। ई कवनो गलत बात नइखे, बलुक ई एह बात के एगो हिस्सा ह कि परमेश्वर हमनी के कइसन बनवले बाड़न। काम के उद्देश्य कबो अइसन कठिन, थकावे वाला

आ बोझिल परिश्रम ना रहे, जइसन एह वर्तमान जीवन में अक्सर अनुभव होला। परमेश्वर के वचन के अनुसार, अइसन कष्टदायक मेहनत आदम के पाप के परिणाम ह।

“फिर ऊ आदम से कहलन, ‘तोहरा कारण भूमि शापित हो गइल। तू जीवनभर दुःख उठाके ओहसे आपन जीविका पइब। ऊ तोहरा खातिर काँटा आ ऊँटकटारा उगाई, आ तू मैदान के उपज खइब। अपना माथा के पसीना से रोटी खइब, जब ले कि तू फेरु माटी में ना लौट जइब, काहेकि ओही में से तू लिहल गइल रहलऽ।’” (उत्पत्ति अध्याय 3 पद 17 से 19)।

बाकिर आवे वाला जीवन में ई सभ बदल जाई। तब काम ओही रूप में हो जाई जवना खातिर ओकरा के आरम्भ से बनावल गइल रहे—एगो अइसन आनन्ददायक आ सन्तोष देवे वाला काम, जवन प्रभु के महिमा करे आ दोसरा लोगन के जीवन में भी आशीष के कारण बने। तब हमनी के अपना सृजे जाए के असली उद्देश्य पूरा करब, काहेकि हमनी के जवन कुछ भी करब, ऊ सब सर्वशक्तिमान परमेश्वर के सेवा आ आराधना के ही एगो काम होई।

हाँ, स्वर्ग में सामूहिक आराधना के अवसर भी होई। प्रेरित यूहन्ना अइसन बहुत सारा दृश्य देखले रहलन। बाकिर बाइबल ई भी प्रकट करेला कि हमनी के भविष्य के घर में खाली आराधना-सभा ही ना होई, बलुक अउरी बहुते गतिविधि होई—काम भी आ आनन्ददायक मनोरंजन भी।

हम उहाँ का-का करब?

एह विषय में हम आवे वाला अध्यायन में विस्तार से बताइब। अभी खाली एतना संकेत दे दीं कि एह जीवन में जिन अनेक गतिविधियन के हम आनन्द लेनी, ओहमें से बहुते आवे वाला जीवन में भी हमनी के साथ बनी रही।

स्वर्ग में ज्ञान आ समय।

हम बहुते लोगन के ई कहत सुनले बानी कि स्वर्ग पहुँचते ही हमनी के सभ कुछ तुरते मालूम हो जाई। कुछ दोसरा लोग ई भी कहेला कि अनन्तकाल में समय के कवनो अस्तित्वे ना होई। बाकिर ई दुनो धारणा सही नइखे आ इहे कारण ह कि बहुते लोगन के आवे वाला जीवन के विषय में उत्साह महसूस ना होला। अगर कवनो अइसन लोक में, जहाँ समय के कवनो प्रवाहे ना होखे, हमनी के एगो ही पल में सम्पूर्ण ज्ञान मिल जाए, त उहाँ ना कवनो बदलाव होई आ ना कवनो नया चुनौती। निस्संदेह, एह वर्तमान जीवन में बदलाव आ चुनौती कई बेर कठिन लागेला, बाकिर अगर ई बिलकुलो ना होखे, त स्वर्ग के जीवन बहुत एकरस आ नीरस लागी।

का स्वर्ग पहुँचते ही हमनी के सभ कुछ मालूम हो जाई?

ई धारणा कि स्वर्ग पहुँचते ही हमनी के सम्पूर्ण ज्ञान मिल जाई, प्रेरित पौलुस के एगो कथन के गलत समझे के कारण पैदा भइल बा।

“अब हमनी के दर्पण में धुँधला जइसन प्रतिबिम्ब देखतानी, बाकिर तब आमने-सामने देखब। अब हमनी के कुछ अंश में जानतानी, बाकिर तब हम ओही तरह पूरा स्पष्टता से जानब, जइसन हम खुद पूरी तरह जानल गइल बानी।” (1 कुरिन्थियों अध्याय 13 पद 12)।

पौलुस ई ना कहलन कि हमनी के सभ कुछ मालूम हो जाई। उनकर मतलब ई रहे कि स्वर्ग में हमनी के चीज-वस्तु के कहीं अधिक साफ-साफ देखब आ एह कारण से ओकरा के अधिक सही तरीका से समझ पइब। अगर प्रेरित के मकसद ई कहल रहे कि हमनी के सम्पूर्ण ज्ञान मिल जाई, त ऊ एकरा खातिर दोसरा शब्द इस्तेमाल करितन। एकरा बदले ऊ एगो ही यूनानी मूल शब्द के अलग-अलग रूप तीन बेर इस्तेमाल कइले बाड़न–“जानतानी,” “जानब,” आ “जानल गइल बानी।” एह शब्द के अर्थ ह–जानल, पहचानल, समझल भा पूरा स्पष्टता से समझ लिहल।

दर्पण में धुँधला प्रतिबिम्ब के उदाहरण पौलुस के मतलब के अउरी साफ कर देला। कुरिन्थुस नगर, जहाँ के विश्वासियन के ऊ ई पत्र लिखले रहले, अपना चमकावल काँसा के दर्पण खातिर प्रसिद्ध रहे। उनकर पाठक लोग बढ़िया से जानत रहे कि धातु से बनल ऊ दर्पण साफ प्रतिबिम्ब ना देखावत रहे, बलुक छवि के बिगाड़ देत रहे। ओह समय के संस्कृति में देखल आ जानल एगो-दूसरा से जुड़ल विचार मानल जात रहे। एहसे ऊ लोग तुरन्त समझ गइल कि पौलुस का कहे चाहत बाड़न। हमनी में से केहू भी एह समय वास्तविकता के पूरा स्पष्टता से ना देखत। पाप के प्रभाव के कारण हमनी के समझ में बहुते भ्रम आ गलत धारणा बा। बाकिर स्वर्ग में ई सभ भ्रम समाप्त हो जाई आ तब हमनी के वास्तविकता के ठीक ओइसहीं समझब जइसन ऊ वास्तव में बा।

जब प्रेरित यूहन्ना स्वर्ग में रहलन, तब ऊ उहाँ पुरुष आ मेहरारू लोगन के परमेश्वर से ई पूछत सुनलन कि ऊ पृथ्वी पर न्याय कब करीहें। उनकरा के उत्तर दिहल गइल कि अभी कुछ समय अउरी प्रतीक्षा करे के पड़ी। एकर मतलब ई ह कि स्वर्ग में रहला के बावजूद ऊ लोग अइसन जानकारी पूछत रहे जे ओकरा लोग के पहिले से मालूम ना रहे, आ परमेश्वर ओकरा लोग के ऊ नया जानकारी दिहलन। दूसरा शब्द में, ऊ लोग उहाँ कुछ नया सीखल।

“ऊ लोग ऊँच आवाज में पुकार के कहत रहे, ‘हे पवित्र आ सच्चा प्रभु, तू पृथ्वी पर रहे वाला लोग के न्याय करके हमनी के लहू के बदला कब लेबऽ?’... तब ओकरा लोग से कहल गइल कि ऊ लोग कुछ समय अउरी विश्राम करे, जब ले कि ओकरा लोग के संगी सेवक आ भाई

लोग के संख्या पूरा ना हो जाए, जेकरा के ओकरा लोग के जइसहीं मारल जाए के रहे।" (प्रकाशितवाक्य अध्याय 6 पद 10 आ 11)।

हमनी के कबो भी सभ कुछ ना जान पइब–कबो भी ना। खाली परमेश्वर ही सभ कुछ जानेलन। सर्वज्ञता खाली परमेश्वर के गुण ह। हमनी उनकर सृष्टि हईं आ सदा सीमित प्राणीए रहब, जिनकर अपना निश्चित सीमा बा–स्वर्ग में भी। परमेश्वर हमनी के पूरा तरह जानेलन आ उनकर ज्ञान में हमनी के बारे में कवनो भ्रम भा गलती नइखे। बाकिर हमनी कबो भी सर्वशक्तिमान परमेश्वर के बारे में जाने लायक सभ कुछ पूरा तरह ना जान पइब, काहेकि ऊ अनन्त बाड़न।

का स्वर्ग में समय ना होई?

ई धारणा बहुत प्रचलित बा कि स्वर्ग में समय के कवनो अस्तित्व ना होई। बाकिर बाइबल जवन प्रकट करेला, ऊ एकरा से अलग बा। प्रेरित यूहन्ना अदृश्य लोक के अपना दर्शन में कई बेर समय के बीते के उल्लेख कइले बाड़न।

• जइसन कि पहिले बतावल गइल बा, स्वर्ग में ऊ शहीद लोग जे पृथ्वी पर न्याय के प्रतीक्षा करत रहे, ओकरा लोग से कहल गइल कि ऊ लोग "थोड़ा देर अउरी विश्राम करे।" (प्रकाशितवाक्य अध्याय 6 पद 11)।

• जब यूहन्ना अदृश्य लोक में रहले, तब ऊ लोगन के "परमेश्वर के सिंहासन के सामने खड़ा होके उनकर मन्दिर में दिन-रात उनकर सेवा करत" देखलन। (प्रकाशितवाक्य अध्याय 7 पद 15)।

• प्रेरित ई भी लिखले बाड़न कि "स्वर्ग में लगभग आधा घंटा तक सन्नाटा छाइल रहल।" (प्रकाशितवाक्य अध्याय 8 पद 1)।

• ऊ प्रभु यीशु के ई वचन के भी उल्लेख कइले बाड़न कि "परमेश्वर के स्वर्गलोक में जीवन के पेड़ बा... जे बारह तरह के फल देला आ हर महीना नया फल पैदा करेला।" (प्रकाशितवाक्य अध्याय 2 पद 7; प्रकाशितवाक्य अध्याय 22 पद 2)।

यूहन्ना ई भी लिखले बाड़न कि ऊ एगो स्वर्गदूत के ई घोषणा करत सुनलन, "अब फेरु विलम्ब ना होई।" (प्रकाशितवाक्य अध्याय 10 पद 6)।

कुछ लोग एह वचन के एह बात के प्रमाण मानेला कि स्वर्ग में समय के कवनो अस्तित्व ना होई। बाकिर मूल यूनानी भाषा में एकर अर्थ अइसन नइखे। द एक्सपैंडेड वाइन्स डिक्शनरी ऑफ न्यू टेस्टामेंट वर्ड्स (1984) के अनुसार, उहाँ जवना यूनानी शब्द के अनुवाद "समय"

कइल गइल बा, ओकर असली अर्थ “विलम्ब” ह। जवना स्वर्गदूत के यूहन्ना ई घोषणा करत सुनलन, ओकर मतलब ई रहे कि अब परमेश्वर के न्याय पूरा होखे आ उनकर उद्धार के योजना पूर्णता तक पहुँचे में अउरी कवनो विलम्ब ना रही।

“अब फेरु कवनो विलम्ब ना होई! जब सातवाँ स्वर्गदूत तुरही फूँके के समय आई, तब परमेश्वर के ऊ गुप्त उद्देश्य, जेकर घोषणा ऊ अपना सेवकन अर्थात् भविष्यद्वक्तन से कइले रहले, पूरा हो जाई।” (प्रकाशितवाक्य अध्याय 10 पद 6 आ 7)।

स्वर्ग में बदलाव आ प्रगति भी होई।

बहुते लोग ई भी मानेला कि स्वर्ग में सभ कुछ हमेशा एके जइसन रही आ कबो कवनो बदलाव ना होई। बाकिर अइसन ना ह। अनन्तकाल में भी प्रक्रिया, मतलब धीरे-धीरे होखे वाला प्रगति, बनी रही।

वेब्स्टर्स न्यू स्टूडेंट्स डिक्शनरी (1969) के अनुसार, “प्रक्रिया” के मतलब ह–“क्रिया, काम भा बदलाव के अइसन श्रृंखला जे कवनो परिणाम तक पहुँचावेला।” समय आ प्रक्रिया एक-दूसरा से जुड़ल बा, काहेकि जब घटना सभ एगो निश्चित क्रम में घटित होले, तबे समय के बहाव भी दिखाई देला।

प्रेरित यूहन्ना स्वर्ग में अइसन बहुत घटना देखले रहलन जे एगो निश्चित क्रम में घटित भइल। उदाहरण खातिर, सातों मुहर एक-एक करके खोलल गइल; सातों तुरही क्रम से फूँकल गइल; आ सातों कटोरा भी एक के बाद एक उँड़ेलल गइल। ऊ लोगन के गीत गावत भी सुनलन। कवनो भी गीत के एगो शुरुआत, बीच आ अन्त होला। ओकरा में लय आ गति होला आ ऊ भी एगो निश्चित क्रम में आगे बढ़ेला। एहसे अनन्तकाल में भी हमनी समय के बहाव के भीतर रहब, बाकिर उहाँ ई दबाव कबो ना रही कि समय हमनी के हाथ से निकलत जा रहल बा।

आवे वाला जीवन के विषय में प्रेरित पौलुस भी इहे सच्चाई प्रकट कइले बाड़न। ऊ कहलन कि पूरा अनन्तकाल में परमेश्वर लगातार हमनी के अपना ओह अद्भुत अनुग्रह के सम्पदा अउरी अधिक प्रकट करत रहीहें, जे ऊ ओह लोग खातिर तैयार कइले बाड़न जे उनकर उद्धार ग्रहण कइले बा। एकर मतलब बा कि अनन्तकाल में भी लगातार प्रगति होत रही आ परमेश्वर अपना अनुग्रह के लगातार नया-नया गहराई में प्रकट करत रहीहें।

“आ ऊ हमरा सभ के मसीह यीशु में उनकरा साथे जिलवले आ स्वर्गीय स्थानन में उनकरा साथे बइठवले, ताकि आवे वाला युगन में ऊ मसीह यीशु में हमनी पर कइल अपना कृपा के

द्वारा अपना अनुग्रह के अत्यन्त महान धन के प्रकट करत रहसु।" (इफिसियों अध्याय 2 पद 6 आ 7)।

एह किताब के दूसरा भाग में हम स्वर्ग के जीवन के अउरी विस्तार से अध्ययन करब। बाकिर अभी खातिर एह सच्चाई से उत्साहित रहीं कि स्वर्ग एगो असली जगह ह, जहाँ असली लोग रहेलन आ असली काम करेलन–अइसन बहुते काम, जवन हम एह धरती पर भी करेनी। आवे वाला जीवन हमनी के ना त अपरिचित लागी आ ना ही अजीब। बलुक ऊ अइसन अनुभव होई, जइसे हम अपना साँचो घर में वापस लवट आइल होखीं।

बाकिर अपना अनन्त निवास के जीवन के अलग-अलग पहलुअन पर अउरी चर्चा करे से पहिले, हमनी के ई समझल जरूरी बा कि स्वर्ग में रहे वाला लोग वास्तव में कइसन होखेलन।

5

स्वर्ग में हमनी के कइसन होखब?

हमनी में से बहुते लोग के मन में आवे वाला जीवन के बारे में बहुत सारा गलत धारणा बा। हमनी के अक्सर ई सिखावल गइल बा कि स्वर्ग में पहुँचला के बाद परिवार आ दोस्तन के साथ हमनी के संबंध खत्म हो जाई आ परमेश्वर के छोड़ के हमनी के केहू अउरी के जरूरत या इच्छा ना रही। कुछ लोग त ईहो कहेला कि उहाँ हमनी के व्यक्तिगत पहचान खत्म हो जाई आ हमनी के एगो बड़हन सामूहिक समूह के हिस्सा बन जइब, जेकर काम खाली परमेश्वर के आराधना करे के होई। एह तरह के विचारन के कारण लोग स्वर्ग के बाट जोहत उत्साहित ना होखे, ई अचरज के बात नइखे। बाकिर परमेश्वर के वचन ई प्रकट करेला कि उहाँ भी हमनी आपन अलग-अलग पहचान आ विशिष्ट व्यक्तित्व वाला व्यक्ति बनल रहब, आ आपन दोस्तन आ प्रियजनन के साथ हमनी के संबंध भी बनल रही।

सम्पूर्ण चित्र।

मृत्यु के बाद के जीवन के बारे में अधिकांश गलत धारणा एह कारण से पैदा होला कि लोग मनुष्य खातिर परमेश्वर के पूरा योजना के ना समझेला। जब हमनी स्वर्ग के परमेश्वर के एह महान योजना के संदर्भ में देखिले, त ई विचार बिल्कुल तर्कसंगत ना लागेला कि उहाँ पहुँचला के बाद हमनी एक-दूसरा के पहचान ना पइब या हमनी के व्यक्तिगत भिन्नता समाप्त हो जाई। हालाँकि एह किताब में परमेश्वर के पूरा योजना के विस्तार से अध्ययन कइल संभव नइखे, बाकिर ओकर कुछ मुख्य बात संक्षेप में एह तरह बा।

• अनादिकाल में ही सर्वशक्तिमान परमेश्वर ई योजना बनवले रहले कि ऊ स्त्री आ पुरुष के अपना स्वरूप में रचसु आ उनकरा अपना परिवार के सदस्य बनावसु। बाकिर पहिला मनुष्य आदम पाप के द्वारा परमेश्वर से स्वतंत्र होके जिए के रास्ता चुन लिहलस। ओकर एह अवज्ञा के असर पूरा मानवजाति पर पड़ल आ मनुष्य के स्वभाव मूल रूप से बदल गइल। ओही समय से हर मनुष्य एगो पतित मानवजाति में जन्म लेवेला, जेकर स्वभाव परमेश्वर के विरोध में बा, आ ई स्वभाव ओकर पापमय कामन में प्रकट होला। (रोमियों अध्याय 3 पद 23; रोमियों अध्याय 5 पद 19; इफिसियों अध्याय 2 पद 1 से 3)।

• तब प्रभु मनुष्य के एह दशा से बचाके अपना परिवार में फेरु ले आवे के राह तैयार कइलन। प्रभु यीशु मसीह के मृत्यु, गाड़ल जाना आ पुनरुत्थान के कारण परमेश्वर अब पापी मनुष्यन के पाप के दोष, ओकर शक्ति आ ओकर विनाशकारी प्रभाव से छुड़ाके अपना पवित्र आ धर्मी बेटा-बेटी में बदल सकेलन। प्रभु यीशु ही हमनी के उद्धारकर्ता हउवें।

• "उहाँ संसार के रचना से पहिले ही हमनी के मसीह में चुन लिहलन, ताकि हमनी उनकर सामने प्रेम में पवित्र आ निर्दोष रही। अपना इच्छा आ प्रसन्नता के अनुसार पहिले से ठहरा दिहलन कि यीशु मसीह के द्वारा हमनी के अपना बेटा-बेटी के रूप में गोद लीं... ओही में उनकर लहू के द्वारा हमनी के छुटकारा, अर्थात् अपना अपराधन के क्षमा मिलल।" (इफिसियों अध्याय 1 पद 4 से 7)।

क्रूस पर प्रभु यीशु मसीह पाप के पूरा दाम चुका दिहलन, ताकि पाप के सदा खातिर दूर कइल जा सके। जब हमनी विश्वास से उनकर बलिदान के स्वीकार करिले, तब हमनी के पाप धो दिहल जाला आ हमनी के अनन्त जीवन मिलेला।

"काहे कि परमेश्वर संसार से अइसन प्रेम कइलन कि अपना एकलौता बेटा के दे दिहलन, ताकि जे केहू उनकरा पर विश्वास करे, ऊ नाश ना होखे, बाकिर अनन्त जीवन पावे।" (यूहन्ना अध्याय 3 पद 16)।

ई अनन्त जीवन खाली अनन्तकाल तक जीवित रहे के नाम नइखे। एह अर्थ में त हर मनुष्य अनन्त अस्तित्व रखेला, काहेकि शारीरिक मृत्यु के बाद केहू भी अस्तित्वहीन ना हो जाला। असली सवाल ई बा कि हमनी अनन्तकाल कहाँ बिताइब–परमेश्वर के साथ उनकर घर में, या उनकरा से सदा खातिर अलग होके।

ऊ अनन्त जीवन, जे सर्वशक्तिमान परमेश्वर प्रभु यीशु पर विश्वास करे वाला लोग के देला, खाली जीवन के अवधि ना ह, बल्कि जीवन के एगो नया स्वरूप ह। जब हमनी यीशु के अपना उद्धारकर्ता आ प्रभु के रूप में स्वीकार करिले, तब परमेश्वर अपना ही जीवन के अंश हमनी के भीतर देला। उनकर अनादि, अनन्त आ अजन्मा जीवन हमनी के भीतरी मनुष्य, अर्थात् हमनी के आत्मा में बह जाएला, आ हमनी वास्तव में ओही से जन्म लेवेनी। (1 यूहन्ना अध्याय 5 पद 1; यूहन्ना अध्याय 1 पद 12)।

ई नया जन्म हमनी के भीतर एगो परिवर्तन के प्रक्रिया शुरू करेला, जे आखिरकार हमनी के ओही स्वरूप में फेरु स्थापित कर देला, जइसन परमेश्वर शुरू से हमनी खातिर चाहले रहले–अइसन बेटा-बेटी के रूप में, जे अपना पूरा अस्तित्व में पवित्र, धर्मी आ निर्दोष होखसु। ई रूपान्तरण तब शुरू होला जब हमनी नया जन्म पवनी, हमनी के पृथ्वी के पूरा जीवनभर चलत रहेला आ आवे वाला जीवन में जा के पूरा हो जाला।

एही कारण से बाइबल स्वर्ग के वर्तमान निवासी लोग के "धर्मी जन, जे सिद्ध कइल जा चुकल बाड़ें," कहेला। (इब्रानियों अध्याय 12 पद 23)।

सर्वशक्तिमान परमेश्वर के उद्धार के उद्देश्य हमनी के पूरा अस्तित्व के पाप आ ओकर सभे प्रभाव से आजाद कइल बा, ना कि हमनी के केहू अउरी व्यक्ति या कवनो दोसर चीज में बदल दिहल। उनकर उद्देश्य हमनी के सिद्ध बनावल ह, ना कि हमनी के मिटा दिहल या हमनी के जगह पर केहू अउरी के बइठा दिहल। आवे वाला जीवन में हमनी ओही सब कुछ होखब, जइसन प्रभु हमेशा से चाहत रहले कि हमनी होखीं। ईहे परमेश्वर के योजना ह।

आप खाली अपना शारीरिक रूप-रंग से कहीं बढ़कर बानी। जे बात वास्तव में रउरा के रउरा बनावेला, ऊ रउरा के जीवन के इतिहास, रउरा के संबंध आ रउरा के अनुभव ह। ईहे रउरा के व्यक्तित्व के पहचान ह; रउरा के प्रतिभा, योग्यता, रुचि, पसंद आ नापसंद ही रउरा के विशिष्ट बनावेला। निस्संदेह, एह सभ पर पाप के प्रभाव पड़ल बा, बाकिर स्वर्ग में एह सभ के शुद्धीकरण होई। तब रउरा ओही बन जइब, जइसन बने खातिर परमेश्वर रउरा के ठहरवले रहलन। एह के मतलब ई नइखे कि एह जीवन में हमनी के मसीह जइसन चरित्र आ पवित्रता में बढ़े के जरूरत नइखे। जरूर बढ़े के चाहीं। बाकिर ई जान लीं कि ई प्रक्रिया तबले पूरा ना होई, जबले हमनी स्वर्ग में ना पहुँच जाईं।

परमेश्वर हमनी के एक-दूसरा से भिन्न बनवले बाड़न।

हमनी सभ स्वर्ग में एक-जइसन ना होखब, काहेकि आज भी हमनी एक-जइसन नइखी। हमनी के विशिष्टता आ व्यक्तिगत पहचान परमेश्वर के अपना परिवार खातिर बनावल योजना के एगो हिस्सा ह। जब प्रभु आदम के रचना कइलन, तब धरती के सभे लोगन के समूह ओही में समाइल रहे। जइसन लिखल बा, “उहाँ एके पूर्वज [आदम] से मनुष्यन के सभे जाति के उत्पन्न कइलन, ताकि ऊ सभे पूरा धरती पर निवास करसु।” (प्रेरितों के काम अध्याय 17 पद 26)।

पहिला दू मनुष्य, आदम आ हव्वा, भी एक-दूसरा से भिन्न रहले। आदम पुरुष रहलन आ हव्वा स्त्री रहली। आदम आकार में बड़ आ अधिक बलवान रहलन, जबकि हव्वा बहुत सुन्दर रहली।

शायद रउरा सोचत होखब, “का बाइबल ई ना कहेला कि स्वर्ग में ना हम पुरुष रहब आ ना स्त्री? आखिरकार, गलातियों अध्याय 3 पद 28 में लिखल बा, ‘ना उहाँ यहूदी रहल, ना यूनानी; ना दास, ना स्वतंत्र; ना पुरुष, ना स्त्री, काहेकि रउरा सभ मसीह यीशु में एक बानी।’”

एह पद के मतलब ई नइखे कि हमनी आपन लैंगिक पहचान खो देब। एह के संदर्भ देखला पर साफ हो जाला कि ई कथन मसीह में पुरुष आ स्त्री के समानता के बारे में बा। अपना अनन्तकालीन घर में भी हमनी परमेश्वर खातिर समान रूप से मूल्यवान बनल रहब, फिर भी हमनी एक-दूसरा से भिन्न रहब।

प्रेरित यूहन्ना भी एह बात के पुष्टि कइले कि स्वर्ग में हमनी के व्यक्तिगत पहचान आ विशिष्टता बनल रही। हालाँकि ऊ लोगन के एगो अइसन विशाल भीड़ देखले रहले, जेकर गिनती करल असम्भव रहे, फिर भी ऊ पहचान सकले कि ऊ भीड़ अलग-अलग जाति आ राष्ट्र के लोगन से बनल रहे। ई तबले संभव ना होइत, जबले ऊ स्त्री आ पुरुष आपन-आपन राष्ट्रीय पहचान से जुड़ल विशेषता के बनवले ना रखले रहित।

“एह के बाद हम देखनी कि हर जाति, हर गोत्र, हर लोग आ हर भाषा में से एगो अइसन बड़हन भीड़ रहे, जेकर गिनती केहू ना कर सके। ऊ सभ सिंहासन आ मेम्ना के सामने खड़ा रहे।” (प्रकाशितवाक्य अध्याय 7 पद 9)।

केवल परमेश्वर ही ना।

शायद रउरा लोगन के ई कहत सुनले होखब कि स्वर्ग में हमनी के प्रभु के छोड़ के कवनो चीज या कवनो व्यक्ति के चाह ना रही। हालाँकि ई बात बहुत आत्मिक लाग सकेला, बाकिर ई एगो गलत धारणा पर आधारित बा–कि परमेश्वर के अलावा कवनो अउरी व्यक्ति या कवनो अउरी बात में आनन्द पावल या ओकर लालसा कइल कवनो तरह से गलत बा। निस्संदेह, स्वर्ग के सबसे ऊँच आ सबसे महान आनन्द प्रभु के आमने-सामने देखल आ उहाँ के ओह तरह से जानल होई, जइसन हमनी अबहीं नइखी जानत। कल्पना करीं ओह आनन्द के, जब हमनी ओह प्रभु के दर्शन करब, जे हमनी के अपना खातिर रचले बाड़न, जे हमनी से प्रेम करेलन आ जे हमनी के एगो अद्भुत उद्देश्य आ महिमामय भविष्य खातिर छुटकारा दिहले बाड़न। फिर भी, ई तथ्य कि प्रभु परमेश्वर स्वर्ग के सबसे बड़ आनन्द हउवें, एकर मतलब ई नइखे कि उहाँ कवनो दोसर तरह के आनन्द ना होई।

• काहेकि संबंध अगिला जीवन में भी बनल रही, एहसे जिन लोगन के हमनी धरती पर जानत आ प्रेम करत रहनी, ओह लोगन के प्रति हमनी के प्रेम भी बनल रही। जरा ओह आनन्द के कल्पना करीं, जे रउरा के तब होई जब रउरा ओह प्रियजन से फेरु मिलब, जेकरा के रउरा बरिसन से ना देखले बानी, काहेकि ऊ रउरा से पहिले स्वर्ग चल गइल रहल।

• आ काहेकि अनन्तकाल में भी परमेश्वर द्वारा दिहल हमनी के विशिष्ट पहचान बनल रही, एहसे हमनी के बहुते सारा ओही रुचि आ अभिरुचि भी बनल रही, जे एह धरती पर रहल।

कल्पना करीं कि जब जीवन के ऊ सभ बाधा, जे आज हमनी के राह में आवेला, सदा खातिर हटा दिहल जाई, तब ओह रुचियन के पूरा करे में रउरा के कतना आनन्द मिली।

आवे वाला जीवन में हमनी के रुचि आ भावना के खत्म ना कइल जाई। एकर उलट, ऊ सभ पूरी तरह शुद्ध कर दिहल जाई आ पाप के सभे दोष आ ओकर प्रभाव सदा खातिर दूर कर दिहल जाई। ओह इच्छन से हमनी के संघर्ष, जे कबो-कबो हमनी के अधर्मी काम करे खातिर उकसावेला, पूरी तरह समाप्त हो जाई। हमनी के लालसा आ भावना ओही तरह काम करी, जइसन परमेश्वर ओकरा के करे खातिर बनवले रहलन, आ ऊ परमेश्वर के महिमा करे वाला अभिव्यक्ति के रूप में प्रकट होई। हमनी के पूरा अस्तित्व के गहराई से खाली इहे इच्छा रही कि हमनी प्रभु के प्रसन्न करीं, आ तब हमनी ई काम पूरा रूप से करे में सक्षम होखब।

हर अच्छा चीज के स्रोत।

परमेश्वर के अलावा कवनो दोसर बात में आनन्द पावल गलत नइखे। बाइबल बतावेला कि हर अच्छा चीज के स्रोत उहे हउवें, आ ऊ हमनी के सिखावेला कि उहाँ से मिलल अनेक वरदानन खातिर कृतज्ञ रहीं आ ओकर आनन्द लीं। स्वर्ग में भी ई सच्चाई कबो ना बदली।

“हर अच्छा वरदान आ हर उत्तम दान ऊपर से ही बा, आ ज्योति के पिता के ओर से मिलेला, जिनका में ना कवनो बदलाव हो सकेला आ ना बदलला से पड़ल छाया।” (याकूब अध्याय 1 पद 17)।

“परमेश्वर... जे हमनी के आनन्द खातिर सभे चीज भरपूर आ निरन्तर देत बाड़न।” (1 तीमुथियुस अध्याय 6 पद 17)।

“काहेकि परमेश्वर के बनावल हर चीज अच्छा बा, आ अगर धन्यवाद के साथ ग्रहण कइल जाए त कवनो चीज त्यागे लायक नइखे, काहेकि ऊ परमेश्वर के वचन आ प्रार्थना के द्वारा पवित्र ठहरावल जाला।” (1 तीमुथियुस अध्याय 4 पद 4 से 5)।

जब हमनी ओह चीजन के इच्छा करिले आ ओहमें आनन्द पवनी, जे प्रभु बनवले बाड़न, तब हमनी उनकर महिमा करिले। उदाहरण खातिर, अगर रउरा अपना बगइचा में उगावल सब्जियन के कृतज्ञता के साथ आनन्द से खानी, त रउरा ओह परम स्रोत के महिमा करिले, जे ई सभ उपलब्ध करवले बाड़न–अर्थात् प्रभु परमेश्वर के। जब रउरा अपना घर आ अपना गाड़ी खातिर धन्यवाद प्रकट करिले, तब भी रउरा प्रभु के आदर करिले, काहेकि उहे ऊ मूल पदार्थ बनवले बाड़न, जिनसे ई सभ चीज तैयार भइल, आ मनुष्यन के ओकरा के बनावे के बुद्धि आ कौशल भी उहे दिहले बाड़न।

हाँ, वर्तमान समय में ई सम्भव बा कि हमनी लोगन या चीजन के परमेश्वर से अधिक महत्व देवे लगीलें, काहेकि हमनी अबहीं पाप के प्रभाव से पूरा तरह आजाद नइखी भइल। बाकिर स्वर्ग में अइसन कबो ना होई।

का खाली परमेश्वर ही?

प्रभु हमनी के अइसन बनवले बाड़न कि सभसे बढ़के हमनी उनकर साथ संबंध रखे के लालसा करीं। साथे-साथे, उहाँ हमनी के अइसन भी बनवले बाड़न कि हमनी के दोसरा मनुष्यन के जरूरत होखे। जब परमेश्वर आदम के रचना कइलन, तब ऊ दुनो साथ-साथ चले आ बातचीत करेनी। बाकिर प्रभु कहलन कि आदम के अकेले रहना अच्छा नइखे। एकर मतलब नैतिक दृष्टि से बुरा होखल ना रहे, बल्कि ई रहे कि परमेश्वर के योजना कबो खाली एगो मनुष्य बनावे के ना रहे। सर्वशक्तिमान परमेश्वर आदम के–आ आदम में पूरा मानवजाति के–अपना जइसन दोसरा लोगन के साथ संगति आ सहभागिता के इच्छा के साथ बनवले रहले।

“तब यहोवा परमेश्वर कहलन, ‘मनुष्य के अकेले रहना अच्छा नइखे; हम ओकरा खातिर ओकरा योग्य एगो अइसन सहायक बनाइब, जे ओकर अनुरूप होखे आ ओकरा के पूरा करे।’” (उत्पत्ति अध्याय 2 पद 18)।

जब आदम पहिला बेर हव्वा के देखलस, त ओकर पहिला प्रतिक्रिया रहे, “अब जा के ई मिलल!” (उत्पत्ति अध्याय 2 पद 23)। परमेश्वर एह बात खातिर आदम के डाँटलन ना कि ऊ अपना अलावा कवनो अउरी के कारण एतना आनन्दित रहे। एकरा उलट, प्रभु ओह दुनो के आशीष दिहलन आ ओह वाचा पर आधारित संबंध के स्थापना कइलन, जेकरा के हमनी विवाह कहिले (उत्पत्ति अध्याय 2 पद 23 से 25)।

दोसरा लोगन में आनन्द आ खुशी पावल पाप नइखे। दोसरा लोगन के साथ संबंध रखल जरूरी रूप से हमनी के प्रभु से दूर नइखे करत। वास्तव में, एगो अच्छा दोस्त–अइसन व्यक्ति जेकरा में रउरा परमेश्वर के गुण देखिले आ जे रउरा के मसीह जइसन चरित्र के अउरी प्रभावी ढंग से प्रकट करे में सहायता करेला–रउरा के एगो बेहतर मनुष्य बना सकेला।

• जब यीशु एह धरती पर रहले, तब ऊ लोगन के साथ बहुत समय बितावत रहले। एतने ना, उनकर कुछ खास करीबी दोस्त भी रहले–यूहन्ना, पतरस आ याकूब। निस्संदेह, एह दोस्ती कबो यीशु के ध्यान अपना पिता से ना हटवलस।

• पौलुस फिलिप्पी नगर के विश्वासी लोगन के प्रति अपना गहिर प्रेम आ ओह लोगन के साथ रहे के अपना लालसा के बारे में लिखलस, “परमेश्वर हमरा गवाह बाड़न कि हम मसीह

यीशु जइसन स्नेह के साथ रउरा सभ खातिर कतना लालसा रखत बानी।" (फिलिप्पियों अध्याय 1 पद 8)। ई साफ बा कि ओह लोगन के प्रति ओकर प्रेम परमेश्वर के प्रति ओकर उत्साह के तनिको कम ना करत रहे।

स्वर्ग में जाइल एह धरती पर बनल सम्बन्धन के समाप्त ना करेला। कवनो बात हमनी के बीतल इतिहास के बदल ना सकेला–ई तथ्य के भी ना कि हमनी कवनो परिवार के हिस्सा रहनीं भा कवनो मनई के साथ हमनी के गहिर आ घनिष्ठ दोस्ती के सम्बन्ध रहल। पौलुस जानत रहलें कि स्वर्ग में उनकरा के जे प्रतिफल मिले वाला बा, ओहमें एगो ईहो होई कि जिन लोगन के ऊ मसीह पर विश्वास करे खातिर अगुवाई कइले रहलें, उनकरा साथ उनकर सम्बन्ध अनन्तकाल तक बनल रही।

"आखिर हमार आशा, हमार आनन्द, आ ऊ कवन मुकुट ह जेकरा पर हमनी के गर्व होई? का ऊ तू लोगे ना हउअ, जब हमनी अपना प्रभु यीशु के सामने खड़ा होखब? हँ, तू लोगे हमनी खातिर बड़ आनन्द के कारण होखब... काहेकि तू लोगे हमार महिमा आ हमार आनन्द हउअ।" (1 थिस्सलुनीकियों अध्याय 2 पद 19 से 20)।

प्रेम के नियम।

यीशु कहले कि परमेश्वर के सगरी व्यवस्था दू गो आज्ञा में समाइल बा–परमेश्वर से प्रेम करीं आ अपना पड़ोसी से प्रेम करीं (मती अध्याय 22 पद 37 से 40)। अदन के वाटिका में आदम भी एह प्रेम के नियम के अधीन रहल। जइसे लिखल बा, "काहेकि जे आज्ञा रउआ लोग सुरुआत से सुनले बानी, ऊ इहे ह कि हमनी एक-दूसरा से प्रेम करीं।" (1 यूहन्ना अध्याय 3 पद 11)। प्रेम करे के ई अनन्त आज्ञा स्वर्ग में भी कबो समाप्त ना होई। आ काहेकि उहाँ हमनी के पूरा रूप से सिद्ध कर दिहल जइब, एहसे हम प्रभु से भी आ एक-दूसरा से भी पूरा प्रेम कर सकब।

मानवीय सम्बन्ध पूरा धार्मिकता आ साँच शुद्धता से संचालित होई। उहाँ ना घमण्ड होई, ना असुरक्षा के भावना; ना अपना के ऊँच देखावे के इच्छा होई आ ना दोसरा के नीचा देखावे के प्रवृत्ति। छिपल स्वार्थ, विश्वासघात, दिखावा, कड़वा बात, क्रोध के विस्फोट आ कपट से भरल व्यवहार उहाँ के अस्तित्वे ना रही। ई कल्पना कइल भी कठिन बा कि हमनी के भावी घर में परिवार आ दोस्तन के साथ सम्बन्ध कतना पूरा मेल-मिलाप, शान्ति आ सन्तुष्टि से भरल होई। जिन लोगन के हम पहिले से जानत बानी, उनकरा साथ हमनी के सम्बन्ध अउरी गहिर होई, आ साथे-साथ हमनी ओह लोगन से भी नया सम्बन्ध बनाइब जिनसे अबले नइखी मिलल–जइसे अपना पुरखन से, बाइबल में वर्णित स्त्री-पुरुषन से, आ अलग-अलग देशन के लोगन से।

स्वर्ग में परमेश्वर सभे के पिता होई, आ उहाँ रहे वाला सभ मनई उनकर बेटा-बेटी होई। एकर मतलब ई बा कि हमनी के सम्बन्ध खाली ओह लोगन से ना रही जे एह धरती पर हमनी के खून के रिश्ता में रहलें, बलुक अपना दोस्तन से भी रही। हमनी सभ मिलके एगो बड़, आनन्दित आ स्वस्थ परिवार होखब, आ अन्त में एक-दूसरा के साथ ओइसहीं व्यवहार करब जइसन प्रभु हमेशा से चाहत रहलन। स्वर्ग सर्वशक्तिमान परमेश्वर के ओह महान योजना के परिपूर्णता ह, जेकर द्वारा ऊ पाप से नष्ट आ क्षतिग्रस्त हर चीज के–इहाँ तक कि मानवीय सम्बन्धन के भी–छुड़ा के फेरु से पूरा रूप में बहाल करिहें।

"हम ओह मनई के स्वर्ग में ना देखे चाहत बानी!"

सम्भव बा कि कवनो अइसन मनई होखे जेकरा के रउआ स्वर्ग में ना देखे चाहत होखीं। अइसन ना कि रउआ ई चाहत होखीं कि ऊ नरक में जाव; बलुक रउआ खाली ई ना चाहत होखीं कि अनन्तकाल में ओकरा से रउआ के सामना होखे। बहुत लोग हमरा से स्वीकार कइले बा कि आवे वाला जिनगी में कवनो खास मनई के आमने-सामने आवे के विचार मात्रे उनका के भयभीत कर देला। ओह लोग में अइसन लोग भी शामिल बा:

• एगो स्त्री जे गर्भपात करवले रहली आ अब अपना ओह बच्चा से मिले के विचार से डरात बाड़ी, काहेकि अपना कइले काम के लेके उनका भीतर गहिर अपराधबोध बा।

• एगो महिला जेकरा अपना एगो मित्र के साथ गम्भीर मतभेद हो गइल रहे, आ ओकर ऊ मित्र मरला से पहिले ओकरा से मेल-मिलाप ना कर पवली।

• एगो पुरुष जे अपना जिनगी यीशु मसीह के प्रति समर्पित करे से पहिले सीधे-सीधे अपना माई के मृत्यु के कारण बनल रहे।

• एगो बेटी जेकर पिता ओकरा साथ दुर्व्यवहार करके ओकरा के गहिर भावनात्मक आ शारीरिक पीड़ा पहुँचवले रहलें। यद्यपि मृत्युशय्या पर ओकर पिता पश्चाताप कइलें आ परमेश्वर के उद्धारकारी अनुग्रह के ग्रहण कइलें, तइयो ऊ चाहेली कि स्वर्ग में भी ऊ ओकरा से जेतना सम्भव हो सके ओतना दूर रहे।

बाइबल हमें एक अद्भुत शुभ समाचार देती है। एह तरह के सभे समस्या के समाधान हो जाई, आ संबंधन में आइल टूटन आ ओहसे मिलल सभे घाव पूरा तरह से चंगा कर दिहल जाई, जब हमनी के सभे पूरा रूप से सिद्ध कर दिहल जइब। जे प्रियजन रउआ के पीड़ा पहुँचवले रहे, ऊ पूरा तरह से बदल दिहल जाई, आ रउआ के जवन भी चोट लागल रहे, ओहसे रउआ पूरा तरह से स्वतंत्र कर दिहल जाई। अगर एह जीवन में रउआ कवनो आदमी के दुख पहुँचवले बानी, त उहाँ पूरा क्षमा आ पूरा पुनर्स्थापना होई।

का रउआ के पिछला अध्याय में बतावल उचक्का बेटा के दृष्टांत याद बा? यीशु ई कहानी एह बात के समझावे खातिर सुनवले रहले कि जब कवनो खोइल बेटा भा बेटी परमेश्वर लगे लवट के आवेला, त स्वर्ग में कइसन प्रतिक्रिया होला। एह कहानी में उहाँ एगो बहुत महत्वपूर्ण बात भी बतवले, जे टूटल संबंधन के पुनर्स्थापना से जुड़ल बा। जइसन कि रउआ के याद होई, ओह जवान अपना विरासत के हिस्सा लिहलस, अपना परिवार के छोड़ दिहलस, आ अपना पिता के दिहल सभ संपत्ति शराब आ वेश्यन पर उड़ा दिहलस। जब ऊ बेटा आखिरकार अपना घर लवट के आइल, त ओकर पिता ओकर स्वागत कइलस। जइसे कि ओह बेटा अपना पिता के साथ बहुत बड़ अन्याय कइले रहे, फेर भी ओह घटना के कवनो उल्लेख ना भइल। पिता ओकरा से ई ना कहलस, "तू हमरा साथ अइसन कइसे कर सकलऽ?" ना ओकरा के कवनो डाँट-फटकार सुनवलस। एकरा बदले, ऊ अपना बेटा के गले लगवलस, ओकरा के चूमलस आ ओकर लवट के आवे के खुशी में भोज के आयोजन कइलस। ऊ जानत रहे कि ओकर बेटा साँचो मन से पश्चाताप कर चुकल बा, आ सभ कुछ पूरा तरह से क्षमा कर दिहल गइल बा आ भुला दिहल गइल बा।

"तब ऊ उठल आ अपना पिता लगे चल गइल। जब ऊ अभी बहुत दूर ही रहे, त ओकर पिता ओकरा के देख लिहलस। ओकर हृदय करुणा से भर गइल। ऊ दौड़ के अपना बेटा लगे पहुँचलस, ओकरा के गले लगवलस आ बार-बार चुमलस। बेटा ओकरा से कहलस, 'पिताजी, हम स्वर्ग के विरुद्ध आ रउआ के विरुद्ध पाप कइले बानी। अब हम रउआ के बेटा कहल जाए लायक ना रह गइनी।' बाकिर पिता अपना सेवकन से कहलस, 'जल्दी जा... उत्तम वस्त्र ले आ... हम भोज करब आ आनंद मनाइब, काहे कि हमार ई बेटा मर गइल रहे आ अब फेर से जिअत हो गइल बा; ई खो गइल रहे आ अब मिल गइल बा।' तब उत्सव शुरू हो गइल।" (लूका अध्याय 15 पद 20 से 24)।

हम ई पूरा तरह से ना समझा सकत बानी कि हर तरह के संबंधगत कठिनाई कइसे सुलझावल जाई। बाकिर परमेश्वर के वचन हमरा के एह बात पर दृढ़ विश्वास दिलवले बा कि जवन कुछ हमनी के सामने बा, ऊ हानि ना बलुक लाभ बा; ऊ पहिले से कहीं बेहतर बा, बदतर ना। एह से हम पूरा विश्वास के साथ निश्चिंत रह सकत बानी कि चाहे ई सभ कुछ जे तरीका से भी पूरा होखे, परमेश्वर हर बात के पूरा तरह से ठीक कर दीहें। स्वर्ग के कवनो पहलू से डरे के जरूरत नइखे।

उन प्रियजनन के का होई जे नरक में होखीहें?

अगर कवनो अइसन आदमी, जेकरा से रउआ स्वर्ग में मिले के आशा कइले रहनी, उहाँ ना पहुँच पावे, त का होई? अगर रउआ के कवनो मित्र भा प्रियजन नरक में होखे, त आवे वाला जीवन में रउआ कइसे आनंदित रहब? एह सवाल के जवाब अपने आप में एगो पूरा किताब

के विषय हो सकेला। तइयो, आशा बा कि आगे दिहल विचार एह विषय के समझे में रउआ खातिर सहायक सिद्ध होई।

सभे मनुष्य एगो पवित्र परमेश्वर के सामने पाप के दोषी बा। हमरा खातिर एह सच्चाई के समझल कठिन हो सकेला, काहे कि हमनी में से अधिकतर अपना के आ अपना मित्रन आ प्रियजनन के अच्छा आदमी मानत बानी। बाकिर स्वर्ग में प्रवेश करे खातिर अच्छाई के मापदंड हम ना, बलुक स्वयं परमेश्वर हउवें, आ हमनी में से केहू ओह पूरा मापदंड पर खरा ना उतर सकेला। "काहे कि सभे पाप कइले बा आ परमेश्वर के महिमा से रहित बा।" (रोमियों अध्याय 3 पद 23)।

यीशु हमनी के पापन के मूल्य चुकावे खातिर क्रूस पर अपना प्राण दे दिहलन, ताकि हमनी के पाप दूर कइल जा सके आ हमनी के निर्दोष ठहरावल जा सके। कलवरी पर उनका बलिदान हमरा के ऊ धार्मिकता प्रदान कइलस, जे परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करे खातिर जरूरी बा। यीशु ही स्वर्ग के द्वार हउवें। हमनी के उद्धारकर्ता कहलन, "मार्ग, सत्य आ जीवन हम ही हईं। हमरा द्वारा बिना केहू पिता लगे ना पहुँच सकेला।" (यूहन्ना अध्याय 14 पद 6)। स्वर्ग में प्रवेश एह बात पर आधारित ना बा कि हमनी केतना अच्छा बानी, बलुक एह बात पर आधारित बा कि हमनी यीशु मसीह पर आ उनका उद्धार के काम पर विश्वास करत परमेश्वर के अनुग्रह के ग्रहण करत बानी।

परमेश्वर समस्त मानवजाति से प्रेम करते हैं और मसीह के द्वारा स्त्री और पुरुषन के अपना ओर खींचे खातिर ऊ सभ कुछ करत बाड़न, जे उनका प्रेम आ न्याय के अनुरूप बा। उनका इच्छा नइखे कि केहू ओह उद्देश्य से वंचित रह जाए, जेकरा खातिर ऊ हमनी के बनवले बाड़न–अर्थात् उनका बेटा-बेटी बने आ उनका अनंतकालीन घर में उनका साथ संबंध रखे। "प्रभु... ई ना चाहत बाड़न कि केहू नाश होखे, बलुक ई कि सभे मन फिराव तक पहुँचे।" (2 पतरस अध्याय 3 पद 9)। बाकिर सर्वशक्तिमान परमेश्वर केहू के यीशु के स्वीकार करे भा उनका सेवा करे खातिर मजबूर नइखन करत। जे लोग एह जीवन में उनका से अलग रहे के चुनत बा, ऊ आवे वाला जीवन में भी ओही अलगाव में बनल रही। इहे नरक ह–परमेश्वर से पूरा आ अनंतकालीन अलगाव, जेकर साथ ओकर सभे परिणाम जुड़ल बा। नरक में अइसन कवनो आदमी ना होई, जे उहाँ जाए के चुनाव खुद ना कइले होखे। प्रभु केहू के नरक में ना भेजेलन; स्त्री आ पुरुष खुद ओह राह के चुनत बाड़न (टिप्पणी 5 देखीं)।

जब यूहन्ना के स्वर्ग में ले जाइल गइल आ ओकरा के परमेश्वर के उद्धार के योजना के अंतिम परिपूर्णता के दर्शन करावल गइल, तब ऊ इतिहास भर प्रभु के अस्वीकार करे वाला सभे लोग के अंतिम न्याय देखलस। अभिलेखन के किताब खोलल गइल, ताकि ई स्पष्ट हो जाए कि जे लोग खुद परमेश्वर के शत्रु बनल रहे के चुनाव कइले, ओकरा के सदा खातिर नरक में ठहरावल परमेश्वर के पूरा तरह से धर्मी आ न्यायपूर्ण निर्णय बा (प्रकाशितवाक्य

अध्याय 20 पद 11 से 15)। एह घटनन के संबंध में यूहन्ना ईहो देखलस कि स्वर्ग के सभे निवासी–स्वर्गदूत आ उद्धार पावल स्त्री-पुरुष–परमेश्वर के धार्मिकता आ न्याय खातिर उनका स्तुति करत रहलें (प्रकाशितवाक्य अध्याय 15 पद 3; प्रकाशितवाक्य अध्याय 16 पद 7; प्रकाशितवाक्य अध्याय 19 पद 2)। एकर स्पष्ट अर्थ ई बा कि हमनी भी परमेश्वर के धर्मी न्याय के प्रशंसा में सहभागी होखब।

बाइबल कहेला कि स्वर्ग में शोक के आँसू ना होई (प्रकाशितवाक्य अध्याय 21 पद 4)। एकर मतलब बा कि ओह अदृश्य लोक में नरक में रहे वाला लोग खातिर केहू शोक ना करी। जरी एह समय एह बात के कल्पना कइल हमरा खातिर कठिन बा, बाकिर जब हम स्वर्ग में होखब, तब हमनी के दृष्टि पूरा तरह से बदल गइल होई। आवे वाला जीवन में हम सभ कुछ पहिले से कहीं अधिक स्पष्ट आ साँच रूप में देखब (1 कुरिन्थियों अध्याय 13 पद 12)। तब हमनी समझब कि हर मनुष्य, एहाँ तक कि हमनी के प्रियजनन के भी, प्रभु ओर जवाब देवे खातिर पर्याप्त प्रकाश आ अवसर दिहल गइल रहे, बाकिर ऊ लोग खुद ओकरा के अस्वीकार कर दिहल। तब हमनी ईहो जानब कि जे लोग मसीह के क्रूस द्वारा दिहल परमेश्वर के उद्धार के वरदान के ठुकरा दिहल, ओकरा के अनंतकाल तक परमेश्वर से अलग रहे के स्थान में ठहरावल पूरा तरह से धर्मी आ न्यायसंगत बा।

परमेश्वर के उद्धार देवे के उद्देश्य हमनी के बदल के कवनो दोसरा आदमी में बदल दिहल भा हमनी के जगह कवनो दोसरा के रख दिहल नइखे। उनका उद्देश्य अपना सामर्थ्य से हमनी के रूपान्तरण करे आ हमरा के ओही अवस्था में फेर से स्थापित करे के बा, जेकरा खातिर ऊ सुरुआत से हमनी के बनवले रहलन–अइसन बेटा-बेटी, जे पाप के हर निशान आ ओकर हर प्रभाव से पूरा तरह से स्वतंत्र होखसु, आ जे उनका से आ उनका लोग से सिद्ध प्रेम करे में सक्षम होखसु। आवे वाला जीवन में हमनी एह उद्देश्य के पूर्णता प्राप्त करब।

एह किताब में आगे चल के हम अउरी विस्तार से बताइब कि हमनी के भावी घर, अर्थात् स्वर्ग में, हमनी के व्यक्तिगत पहचान आ विशिष्टता कइसे प्रकट होई। बाकिर ओकरा से पहिले हमरा के एगो अइसन विषय पर चर्चा करे के बा, जेकरा लेके बहुत गलतफहमियन बा

आ जेकरा चलते बहुत लोग स्वर्ग में जाए खातिर ओतना उत्साहित नइखे होत–स्वर्ग में विवाह।

6

स्वर्ग में बियाह।

मैंने एक से अधिक अइसन बुजुर्ग दम्पतियन से बात कइले बानी, जे सुखी वैवाहिक जीवन बितावत रहलें, आ ऊ लोग बहुत दुख के साथ हमरा से कहल कि स्वर्ग में ऊ लोग एक-दूसरा के ना पहचान पइहें आ उनका साथे बितावल जीवन समाप्त हो जाई। जब हम एह बात के विरोध करत बानी, त ऊ लोग उदासी से हमरा के याद दिलावत बा कि यीशु कहलन कि आवे वाला जीवन में विवाह ना होई। ई खाली एगो आम धारणा नइखे जे गलत बा, बलुक ई लोगन के नजर में स्वर्ग के अउरी कम आकर्षक बना देला।

निस्संदेह, प्रभु ई कहलन रहले, "काहे कि पुनरुत्थान में ना त लोग विवाह करी आ ना उनकर विवाह करावल जाई, बाकिर ऊ लोग स्वर्ग में परमेश्वर के स्वर्गदूतन के समान होखी" (मती अध्याय 22 पद 30)। बाकिर जब हम उनका एह शब्दन के उनका मूल संदर्भ में ध्यान से देखत बानी, त ई साफ हो जाला कि ऊ विवाहित लोगन से ई ना कहत रहलें कि उनका जीवनसाथी अब उनका जीवनसाथी ना रही। आइए, एकरा के अउरी ध्यान से समझीं आ एह विषय के स्पष्ट करीं।

जाल से बच निकलल।

ओह समय के धार्मिक अगुवा, अर्थात् फरीसी आ सदूकी, ना त यीशु के स्वीकार करत रहलें आ ना ही उनका शिक्षा के। वास्तव में, ऊ लोग आपस में बइठ के योजना बनावत रहत रहे कि कइसे अपना अनुयायियन के सामने यीशु के बदनाम कइल जाव आ उनका प्रतिष्ठा के ठेस पहुँचावल जाव। अइसने एगो विचार-विमर्श ऊ लोग यीशु से ओह भेंट के कुछ समय पहिले कइले रहे, जेकर परिणामस्वरूप यीशु स्वर्ग में विवाह के विषय में ऊ कथन कहलन, जेकरा के आज बहुत लोग गलत समझेला।

सबसे पहिले फरीसी यीशु के सामना कइलें। ऊ लोग उनका से पूछलस कि का परमेश्वर के कवनो अनुयायी खातिर रोमी सरकार के कर देल उचित बा। यीशु उनका दुष्ट इरादा के भली-

भाँति जानत रहलें आ अइसन उत्तर दिहलन, जे उहाँ मौजूद लोगन के आश्चर्यचकित कर दिहलस।

"'हमरा के ऊ रोमी सिक्का देखावा, जेकरा से कर दिहल जाला।' जब ऊ लोग ऊ सिक्का उनका लगे ले आइल, त उहाँ पूछलन, 'एह पर केकर चित्र आ नाम लिखल बा?' ऊ लोग जवाब दिहलस, 'कैसर के।' तब यीशु कहलन, 'त अच्छा, जे कैसर के बा ऊ कैसर के दऽ, आ जे परमेश्वर के बा ऊ परमेश्वर के दऽ।' उनका ई जवाब सुन के ऊ लोग चकित रह गइल आ उहाँ से चल गइल" (मती अध्याय 22 पद 19 से 22)।

एकरा बाद सदूकी लोग विवाह के विषय में एगो सवाल पूछलस। उनका धार्मिक व्यवस्था के अनुसार, अगर कवनो आदमी बिना संतान के मर जात रहे, त ओकर भाई के ई कर्तव्य होत रहे कि ऊ ओह विधवा से विवाह करे, ओकरा द्वारा संतान उत्पन्न करे, आ ओह संतान के अपना मरल भाई के उत्तराधिकारी ठहरावे। एह धार्मिक अगुवन यीशु के सामने अइसने एगो उदाहरण रखलस, बाकिर ऊ लोग कहलस कि जे आदमी अपना भाई के विधवा से विवाह कइले रहे, ओकरो बिना संतान के मृत्यु हो गइल। तब दूसरा भाई ओह स्त्री से विवाह कइलस, बाकिर ऊ भी मर गइल। ऊ लोग एह उदाहरण के सात भाई तक बढ़ा दिहलस। सभे भाई ओह स्त्री से विवाह कइलें, बाकिर ओह लोग में से केहू भी उत्तराधिकारी पैदा कइले बिना ही मर गइल। आखिर में ऊ स्त्री भी मर गइल। तब सदूकी लोग यीशु से पूछलस, "त पुनरुत्थान में ऊ केकर पत्नी होई?" (मती अध्याय 22 पद 28)।

हम उनका सवाल के आखिरी हिस्सा पर खास ध्यान दिलवले बानी, काहे कि इहे यीशु के उत्तर के समझे के कुंजी बा। पुनरुत्थान शब्द ओह समय के एगो आम मान्यता के दर्शावत रहे कि एगो दिन मरल लोग अपना कब्र से जी उठल शरीर के साथ फेर से जीवित कइल जइहें। बाकिर जे लोग ई सवाल पूछले रहे, ऊ लोग ना त मृत्यु के बाद मनुष्य के अस्तित्व में बनल रहे पर विश्वास करत रहे आ ना ही आवे वाला पुनरुत्थान पर। एह से उनका उद्देश्य आवे वाला जीवन में विवाह के विषय में जानकारी पावल ना रहे। एकरा उलट, ई धार्मिक अगुवा अपना एह उदाहरण के माध्यम से यीशु के उलझावे के कोशिश करत रहलें, ताकि लोगन के सामने उनका के निरुत्तर साबित करके उनका प्रतिष्ठा के ठेस पहुँचावल जा सके। प्रभु उनका वास्तविक इरादा के पहचान लिहलन आ ओही अनुसार उनका के उत्तर दिहलन।

यीशु सबसे पहिले ओह लोग के ई कह के डाँटलन कि ऊ लोग अपना ही पवित्रशास्त्र के ना जानत बा। उहाँ पुरान नियम के ओह अंश के उल्लेख कइलन जहाँ प्रभु परमेश्वर खुद के इब्राहीम, इसहाक आ याकूब के परमेश्वर कहत बाड़न–ई तीनों सदूकी लोगन के प्रसिद्ध आ बहुत पहिले मर चुकल पूर्वज रहलें (निर्गमन अध्याय 3 पद 6)। एकरा बाद यीशु सर्वशक्तिमान परमेश्वर के मरल लोगन के ना, बलुक जिअत लोगन के परमेश्वर कहलन।

एह से उहाँ ई प्रकट कइलन कि इब्राहीम, इसहाक आ याकूब जिअत बाड़न आ परमेश्वर अपना सामर्थ्य से एगो दिन उनका शरीरन के भी माटी में से फेर जीवित करिहें। अपना उत्तर के एहिए हिस्सा में यीशु ऊ कथन कहलन, जेकर कारण बहुत लोग ई मान बइठल कि स्वर्ग में पहुँचला के बाद पति-पत्नी के संबंध समाप्त हो जाई।

“तू लोग भूल में बाड़ऽ, काहे कि ना त पवित्रशास्त्र के जानत बाड़ऽ आ ना ही परमेश्वर के सामर्थ्य के। काहे कि पुनरुत्थान में ना त लोग विवाह करी आ ना उनकर विवाह करावल जाई, बाकिर ऊ लोग स्वर्ग में स्वर्गदूतन के समान होखी। आ मरल लोगन के पुनरुत्थान के विषय में, का तू लोग ई ना पढ़ले बाड़ऽ कि परमेश्वर रउआ लोग से कहलन, ‘हम इब्राहीम के परमेश्वर, इसहाक के परमेश्वर आ याकूब के परमेश्वर हईं’? ऊ मरल लोगन के ना, बलुक जिअत लोगन के परमेश्वर हउवें” (मती अध्याय 22 पद 29 से 32)।

हम यीशु के एह बात के आधार पर अदृश्य लोक में पति-पत्नी के संबंध के बारे में कवनो अंतिम आ निश्चित निष्कर्ष नइखे निकाल सकत। पहिला बात, उहाँ के उद्देश्य स्वर्ग में बियाहल लोग के संबंध के प्रकृति समझावल ना रहे। यीशु ओह जाल से बचत रहले जवन सदूकियन उहाँ खातिर बिछवले रहलें, काहे कि ऊ लोग उहाँ से अइसन बात के जवाब माँगत रहे जवना पर ऊ लोग खुदे विश्वास ना करत रहे। दुसरका बात, बियाह, स्वर्गदूत आ पुनरुत्थान के बारे में प्रभु के एह टिप्पणी में अइसन बहुत बात बा जेकरा के आज के समय में केहू भी पूरा तरह से नइखे समझत।

जे बात हमनी के नइखी मालूम, ओकरा के ओह सच्चाई पर हावी ना होखे देवे के चाहीं जेकरा के हमनी के जानत बानी। बाइबल साफ-साफ सिखावेला कि मृत्यु के बाद भी मनुष्य के पहचान आ ओकर संबंध बनल रहेला। अगर रउरा के जीवनसाथी पृथ्वी पर रउरा सभसे नजदीकी साथी रहलें, त ऊ नजदीकी आगे भी बनल रही। ई साँच बा कि परमेश्वर के वचन विस्तार से ई नइखे बतावत कि जे लोग पृथ्वी पर पति-पत्नी रहलें, ऊ लोग आवे वाला जीवन में एक-दूसरा के साथ कइसन संबंध रखी। बाकिर एतना निश्चित रूप से जान लीं कि आवे वाला जीवन में रउरा आपन प्रिय जीवनसाथी के ना खोइब। स्वर्ग हानि के ना, बलुक प्राप्ति के जगह बा।

स्वर्ग में बियाह ना?

ओह लोग के का होई जे बियाह करे के लालसा रखेला, बाकिर कबो बियाह ना कर पावेला, या ओह लोग के का होई जे अपना वैवाहिक जीवन में सुखी नइखे? का स्वर्ग में ओह लोग खातिर कवनो आशा बा? हँ, निश्चय बा! यूहन्ना लिखले कि जब ऊ प्रभु के निवासस्थान में गइल, तब उहाँ एगो बियाह आ बियाह के भोज देखल—मेमना (यीशु) के बियाह ओकर दुल्हिन (उनकरा पर विश्वास करे वाला लोग) के साथ।

“तब हम एगो अइसन भीड़ के आवाज के समान, बहुत पानी के आवाज के समान, आ बड़-बड़ गरज के आवाज के समान ई कहत सुननी, ‘हालेलूयाह! काहे कि हमनी के प्रभु परमेश्वर, जे सर्वशक्तिमान हउवें, राज्य करेलें। आवा, हमनी आनन्दित होईं, मगन होईं आ उनकर महिमा करीं, काहे कि मेमना के बियाह आ पहुँचल बा आ ओकर दुल्हिन अपना के तइयार कर लिहले बिया।’” (प्रकाशितवाक्य अध्याय 19 पद 6 से 7)।

“फेर ऊ हमरा से कहलस, ‘लिख, धन्य बाड़ें ऊ लोग जे मेमना के बियाह-भोज में बोलावल गइल बाड़ें।’ आ ऊ हमरा से कहलस, ‘ई परमेश्वर के साँच वचन ह।’” (प्रकाशितवाक्य अध्याय 19 पद 9)।

हम समझतानी कि यूहन्ना के ई बात शायद रउरा के ओतना उत्साहित ना करे, काहे कि जे ऊ देखले रहलें, ऊ ओइसन बियाह ना ह जइसन बियाह के बारे में सोचत घरी हमनी में से अधिकतर लोग कल्पना करेला। बियाह के बारे में हमनी के कल्पना के बहुत हिस्सा हॉलीवुड बनवले बा–एगो भव्य आ सुन्दर बियाह, जेकरा बाद रोमांस से भरल कबो ना खतम होखे वाला मधुयामिनी के समय। बाकिर सभसे बढ़िया बियाह भी ओइसन ना होला जइसन सिनेमा में देखावल जाला। असली बियाह दू गो अधूरा मनई के मिलन ह, जे एक-साथ जीवन बितावे के कोशिश करेला, जबकि पाप से प्रभावित एह संसार के चुनौती आ कठिनाइयन के सामना करत आपस में सामंजस्य बनवले के प्रयास करेला। बहुत लोग के बियाह के बाद ओइसन जीवन नइखे मिलत जइसन ऊ लोग बियाह के समय कल्पना कइले रहे।

यूहन्ना जे बियाह के समारोह आ उत्सव देखले रहलें आ हमनी के भविष्य खातिर ओकर महत्व का बा, ई समझे खातिर हमनी के परमेश्वर के पूरा योजना के याद राखे के पड़ी। कृपया हमरा साथे बनल रहीं, काहे कि अब हम एकरा के समझावे जा रहल बानी।

मसीह के साथे एकता।

सर्वशक्तिमान परमेश्वर मानव इतिहास के सुरुआती दिन में ही बियाह के व्यवस्था स्थापित कइले रहले, जब उहाँ आदम आ हव्वा के एक-साथ मिलवले: “आ ऊ दुनो एक तन होई।” (उत्पत्ति अध्याय 2 पद 24)। एह जीवन में बियाह के कई गो व्यावहारिक उद्देश्य बा। ई स्थायी प्रतिबद्धता के साथे संगति देला, साथे परिवार बसावे, संतान उत्पन्न करे आ उनकर पालन-पोषण करे खातिर एगो स्थिर आधार भी देला। बियाह में एगो मरद आ एगो मेहरारू के एक होखे के ई चित्रण मसीह के साथे हमनी के संबंध के एगो महत्वपूर्ण पहलू के भी देखावेला–हमनी के उनकर साथे एक बानी। प्रेरित पौलुस लिखले:

“जइसे पवित्रशास्त्र कहेला, ‘एही खातिर मनई अपना पिता आ महतारी के छोड़ के अपना पत्नी के साथे रही, आ ऊ दुनो एक तन होई।’ ई एगो बड़हन भेद बा, बाकिर हम मसीह आ

कलीसिया [अर्थात् यीशु पर विश्वास करे वाला लोग] के विषय में कहतानी।" (इफिसियों अध्याय 5 पद 31 से 32)।

जब कवनो मनई यीशु के अपना प्रभु आ उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करेला, तब ओकर अस्तित्व के सभसे भीतरी हिस्सा में ऊ अनन्त जीवन के सहभागी बन जाला, अर्थात् ओह जीवन के जे खुद परमेश्वर में बा। जइसे कि हम पिछला अध्याय में बतवले रहनी, जीवन के ई भीतरी संचार बदलाव के एगो अइसन प्रक्रिया के सुरुआत ह, जे आखिरकार हमनी के पाप, भ्रष्टता आ मृत्यु के हर चिन्ह से पूरी तरह मुक्त कर दी। बाइबल एह जीवित आ गहिरा संबंध के मसीह के साथे एकता कहेला। एह संसार में चलत घरी ई एकता हमनी खातिर सामर्थ्य, आनन्द, शान्ति आ शक्ति के स्रोत बा। बाकिर आवे वाला जीवन में हमनी के प्रभु के साथे एह एकता के पूरा तरह से जानीं आ ओकर सभ आशीषन के पूरा अनुभव करीं।

पूर्ण तृप्ति।

हर मनई चाहेला कि ओकरा से प्रेम कइल जाव आ ओकरा के समझल जाव। हमनी सभे घनिष्ठता के लालसा रखत बानी–सिर्फ शारीरिक ना, बलुक भावनात्मक आ आत्मिक भी। हमनी के गहिर संबंध आ स्वीकार कइल जाए के इच्छा रहेला, आ अक्सर ई आशा करतानी कि बियाह के माध्यम से ई जरूरत सभ पूरा हो जाई। जब लोग अपना जीवनसाथी के खोजे के बात करेला, तब ओकर मतलब अक्सर ई होला, "हम अइसन मनई खोजत बानी जे हर तरह से हमरा के पूरा कर दे।" बाकिर कवनो मनई हमार हर जरूरत पूरा ना कर सकेला, काहे कि पूरा तृप्ति खाली परमेश्वर के साथे एकता में ही मिल सकेला। खाली उहे हमनी के पूरा कर सकेलें। मसीह के साथे आपन एकता आ उनकर प्रेम तथा हमनी के देखभाल के अनुभव से होखे वाला ज्ञान के आनन्द, पृथ्वी पर के सभसे सफल वैवाहिक संबंधन से भी कहीं बढ़कर होई। स्वर्ग में आखिरकार हमनी के उहे मिली जवना खातिर हमनी के हृदय लालसा करत रहल बा, आ हमनी के सभे गहिर अभिलाषा पूरी तरह संतुष्ट हो जाई।

हम समझतानी कि बियाह के विषय में यीशु के साथे संबंध आ एह जीवन के बाद के जीवन के संदर्भ में बात कइल सहज ना ह। बाकिर अगर हम बियाह के पूरा प्रेम, सम्पूर्ण स्वीकार्यता आ पूर्ण तृप्ति से भरल एगो अनन्त एकता के रूप में समझीं, जे खास तौर पर तइयार कइल गइल घर में सदा खातिर बनल रहेला, त स्वर्ग में रहे वाला हर मनई बियाहल होई, काहे कि हम सभे प्रभु के साथे एक बानी। ई साँच बा कि एह समय एह बातन के बहुत हिस्सा हमनी के समझ से बाहर बा। तइयो, हमरा आशा बा कि अब रउरा ई समझे लागल होखब कि जे हमनी के आगे बा, ऊ हानि ना, बलुक प्राप्ति बा–बियाह के विषय में भी।

आगे का बा?

जिनका एह जीवन में सुखी वैवाहिक जीवन के आशीष मिलल बा, स्वर्ग में मसीह के साथे अपना एकता के पूरा बोध होखे पर उनकर संबंध अउरी समृद्ध आ गहिर हो जाई। का रउरा दुनो के अलग-अलग घर होई, या रउरा साथे रहीब? अगर पृथ्वी पर रउरा के दू गो सुखी बियाह रहल होखे, त रउरा केकरा साथे रहीब? अगर रउरा के बियाह सुखद ना रहल होखे आ रउरा अपना जीवनसाथी से अलग होखे के इंतजार करत होखीं, त का होई? अगर रउरा व्यभिचार या अत्याचार के कारण अपना जीवनसाथी के तलाक दे देले रहीं आ ऊ भी आखिरकार स्वर्ग में पहुँच जाव, त का रउरा के फेर से ओकरा साथे रहे के पड़ी? जरी बाइबल एह सवालन के सीधा जवाब ना देत होखे, तइयो ऊ हमनी के एतना जानकारी जरूर देला कि हम निश्चित रूप से जान सकीं कि आवे वाला जीवन हमनी के अब तक के हर अनुभव से कहीं अधिक उत्तम होई। उहाँ सभ कुछ पूरा तरह सही होई, आ हर बात अबहीं से कहीं बेहतर होई।

हमनी के भविष्य के जीवन के समझ हमनी के एह वर्तमान जीवन के अउरी बुद्धिमानी आ प्रभावशाली ढंग से जिए में मदद करेला। कतना लोग अइसन मनई से बियाह कर लिहलस जेकरा से ओकरा बियाह ना करे के चाहीं रहे, खाली एह झूठ पर विश्वास कइला के कारण कि, “अगर हम अबहीं ई ना कइनी, त ई मौका हमरा हाथ से निकल जाई।” कतना अविवाहित लोग परमेश्वर से एह खातिर नाराज बा कि उहाँ ओकरा के जीवनसाथी ना देले? अगर ऊ लोग ई सच्चाई जान जाव कि ई जीवन त खाली आवे वाला जीवन के एगो छाया मात्र ह, त का होई? अगर एह जीवन में रउरा के कबो बियाह ना होखे, रउरा के बियाह दुखद होखे, या रउरा के तलाक हो जाव, तइयो रउरा एह सच्चाई से सांत्वना पा सकत बानी कि स्वर्ग में यीशु के द्वारा रउरा के ऊ प्रेम आ पूर्ण तृप्ति मिली जवना खातिर रउरा के हृदय सदा से लालसा करत रहल बा। आ अगर एह जीवन में रउरा के बियाह रउरा के आनन्द देले बा, त ई जान लीं कि अपना जीवनसाथी के साथे रउरा के सभसे उत्तम दिन अभी आवे वाला बा।

योजना के पूर्णता।

आवा, फेर से यूहन्ना के ओह कथन पर लउटीं, जवना में ऊ कहलें कि ऊ मेमना के बियाह-भोज देखले रहलें। बियाह-भोज के उनकर ई उल्लेख ओह लोग के मन में एगो अत्यन्त जीवंत चित्र खींच देत रहे, जे लोग सबसे पहिले स्वर्ग के उनकर एह यात्रा के वर्णन पढ़ले रहे। एकर कारण ई बा कि जरी बाइबल एगो कालातीत किताब ह, जे हर पीढ़ी से बात करेला, तइयो ओकर लेखक लोग मूल रूप से आपन बात अइसन तरीका से लिखले रहलें कि ओह समय के स्त्री-पुरुष ओकरा के सहज रूप से समझ सकस।

यूहन्ना के समय आ ओह संस्कृति में बियाह के प्रक्रिया तीन चरण में पूरा होत रहे। बियाह के सुरुआत तब होत रहे जब दू गो पिता एगो वैधानिक अनुबंध करत रहलें, जेकर द्वारा ऊ लोग अपना छोट बेटा आ बेटी के एक-दूसरा खातिर वचनबद्ध कर देत रहलें। जब ऊ दुनो बियाह के योग्य उमिर में पहुँच जात रहलें आ ओह अनुबंध के पूरा करे के समय आवत रहे, तब दूल्हा अपना पिता के घर से निकल के अपना दुल्हिन के लेवे जात रहे। ऊ ओकरा के अपना घर ले आवत रहे, जहाँ उनकर बियाह सम्पन्न होत रहे। एह समारोह के समापन एगो भव्य उत्सव से होत रहे–एगो बियाह-भोज, जवना में दूल्हा अपना दुल्हिन, अपना परिवार आ अपना मित्र लोग के साथे आनन्द मनावत रहे। यूहन्ना के पहिला पाठक लोग भली-भाँति जानत रहे कि ई एगो हर्षोल्लास से भरल अवसर होत रहे, जे बहुत साल पहिले कइल गइल वचन के पूर्णता के प्रतीक रहे।

स्वर्ग में रहत घरी यूहन्ना उद्धार के योजना के पूर्णता देखले। ऊ परमेश्वर आ उनकर परिवार के आखिरकार एक-साथ, उनकर घर में आनन्द मनावत देखले। जइसे यूहन्ना के सुरुआती पाठक लोग खातिर बियाह-भोज एगो परिचित आ खुशी से भरल उत्सव रहे, ओइसहीं परमेश्वर के ओह वचन के पूर्णता के उत्सव भी, जवना में उहाँ हमनी के सदा खातिर अपना साथे रहे खातिर अपना लगे ले आवे के प्रतिज्ञा कइले बाड़ें, अइसन आनन्दमय आ महिमामय उत्सव होई, जइसन आनन्द के अनुभव हमनी के एहसे पहिले कबो ना भइल होई।

स्वर्ग के बारे में बहुत-सी अइसन बात बा जेकरा के हमनी के नइखी जानत आ एह समय जान भी ना सकत बानी। सर्वशक्तिमान परमेश्वर के घर में, उनकर उपस्थिति में रहे के अनुभव केतना अद्भुत होई, एकरा के कवनो शब्द पूरा तरह से बयान ना कर सकेला। उनकर पूरा महिमा, प्रताप आ पवित्रता में उहाँ के आमने-सामने देखल कइसन होई? पूर्णता आ सम्पूर्ण तृप्ति के अनुभव कइल, साथे परम आनन्द आ शान्ति पावल कइसन लागी? पवित्रशास्त्र एह बातन के कुछ झलक जरूर देखावेला।

“तू हमरा के जीवन के राह देखइब। तोहार उपस्थिति में भरपूर आनन्द बा, आ तोहार दाहिना हाथ में सदा के सुख-भोग बा।” (भजन संहिता अध्याय 16 पद 11)।

“बाकिर हमरा खातिर हमार सन्तोष धन-दौलत में ना, बलुक तोहरा के देखे आ ई जाने में बा कि हमनी के बीच सभ कुछ ठीक बा। आ जब हम स्वर्ग में जागब, तब हम पूरा तरह से तृप्त हो जइब, काहे कि हम तोहरा के आमने-सामने देखब।” (भजन संहिता अध्याय 17 पद 15)।

आवा, हमनी के अपना भावी घर के बारे में जे बात अबहीं तक नइखी समझत, ओकरा के परमेश्वर के वचन द्वारा साफ-साफ प्रकट कइल गइल सच्चाई के कमजोर ना करे दीं। हो सकेला कि हमनी के लगे हर बात के विस्तृत विवरण ना होखे, बाकिर हमनी के लगे एतना सामान्य जानकारी जरूर बा कि ओकरा से ओह अद्भुत जगह के एगो साफ झलक मिलेला।

• हमनी के मालूम बा कि बहुत बात में स्वर्ग पृथ्वी के जइसन बा। ऊ कवनो धुँधला, काल्पनिक या एह संसार से बिल्कुल अलग जगह ना ह। ऊ एगो वास्तविक जगह ह, जहाँ वास्तविक लोग रहेला आ वास्तविक काम करेला।

• हमनी के मालूम बा कि उहाँ लोग एक-दूसरा के साथे प्रेम से भरल संबंध में रहेला। ऊ लोग ओह लोग के याद रखेला जेकरा के पृथ्वी पर छोड़ के आइल बा आ फेर से ओह लोग से मिले के आशा रखेला। ऊ लोग अर्थपूर्ण आ सन्तोष देवे वाला काम आ गतिविधियन में लागल रहेला। ऊ लोग प्रभु के साथे संगति करत जीवन के भरपूर आनन्द लेला।

• हमनी के मालूम बा कि सभसे उत्तम बात अभी आवे वाला बा। हमनी के कवनो बात से वंचित ना होखब। एकरा उलट, हमनी के कहीं अधिक प्राप्त होई।

भाग दूः

नई धरती।

7

धरती परमेश्वर के योजना के एगो हिस्सा ह।

साँच-साँच बताईं। अबले जिन बातन पर हमनी विचार कइले बानी, ऊ जेतना अद्भुत काहे ना लागे, त भी हमनी में से अधिकतर लोग इहे कहिहें कि हमनी के धरती के याद आई–जीवन के कठिनाई आ दुख के ना, बलुक एह संसार के सुंदरता आ ओकर अद्भुत वैभव के। जे घर के हम अबले जानत आइल बानी, ओकरा के छोड़ल हमनी के कवनो इच्छा नइखे। परमेश्वर के धन्यवाद होखे कि बाइबल हमनी के एगो अद्भुत समाचार देत बा: ई धरती भी परमेश्वर के अनन्त योजना के एगो हिस्सा ह।

मुअल लोगन के पुनरुत्थान।

हमनी के भविष्य के बारे में जे बहुत सगरी उलझन बा, ओकर कारण हमनी के भौतिक शरीरन के अन्तिम नियति के बारे में फइलल गलत धारणा ह। जइसन कि हम अध्याय 3 में बतवले रहनी, जब मनुष्य मर जाला, त ऊ अपना शरीर से अलग होके एगो दूसरा आयाम में प्रवेश कर जाला। बाकिर मनुष्य खातिर परमेश्वर के अन्तिम उद्देश्य खाली इहे नइखे। उनकर कबो ई इरादा ना रहल कि हम बिना शरीर के आत्मा बनके कवनो अभौतिक आयाम में जीवन बिताईं। प्रभु हमनी के भौतिक संसार में जीवन जिए खातिर भौतिक शरीरन के साथ रचले बाड़न। जब परमेश्वर आदम के सृष्टि कइले, तब पहिले उनकर शरीर बनवले आ मनुष्य के अइसन इन्द्रियाँ दिहले, जेकरा द्वारा ऊ धरती के दृश्य, आवाज, सुगंध, स्वाद, स्पर्श आ तरह-तरह के अनुभूति के आनन्द ले सके (उत्पत्ति अध्याय 2 पद 7)। हमनी के शरीर ना त महत्वहीन बा, ना ही फेंक देवे लायक।

शरीर से अलग होखल खाली एगो अस्थायी अवस्था ह, जे मुअल लोगन के पुनरुत्थान द्वारा समाप्त हो जाई। मुअल लोगन के पुनरुत्थान कवनो विचित्र भा विज्ञान-कथा जइसन घटना नइखे। ई ओह भीतरी मनुष्य आ बाहरी मनुष्य के फेर से मिलन ह, जे मौत के समय एक-दूसरा से अलग हो गइल रहलें। अपना उद्धार के योजना के एगो हिस्सा के रूप में,

सर्वशक्तिमान परमेश्वर हमनी के शरीरन के कब्र से उठइहें, अर्थात् ओह लोग के नींद से जगइहें, आ फेर से जीवन दीहें। बाइबल शरीर के मौत के "नींद" कहेला, काहेकि ई एगो अस्थायी अवस्था ह, जे पुनरुत्थान द्वारा समाप्त हो जाई (यशायाह अध्याय 26 पद 19; 1 थिस्सलुनीकियों अध्याय 4 पद 13 से 14)।

जब यीशु धरती पर वापस अइहें, तब ऊ सभ लोग जे अदृश्य स्वर्ग में रहत बा, उनकरा साथे अइहें, ताकि ऊ सभ अपना-अपना शरीरन के साथ फेर से एक हो जास। प्रभु हमनी के मूल डीएनए के फेर से प्राप्त करिहें आ हमनी के शरीर के हर एगो अणु के बहाल करके ओकरा में फेर से जीवन के संचार करिहें। हमनी के शरीर महिमामय हो जइहें, अर्थात् अनन्त जीवन द्वारा रूपान्तरित होके अविनाशी आ अमर बना दिहल जइहें। एकर मतलब ई ह कि ऊ सदा-सर्वदा खातिर हर तरह के बीमारी, दुर्बलता आ बुढ़ापा के हर निशान से पूरा तरह से मुक्त हो जइहें। फेर ऊ कबहूँ कवनो तरह के रोग, विकलांगता भा मौत के अधीन ना होइहें।

"काहेकि तुरही फूँकल जाई, आ मुअल लोग अविनाशी दशा में जिलावल जइहें, आ हमनी बदल दिहल जइब। काहेकि जरूरी बा कि ई नाशवान [शरीर] अविनाशिता के पहिर ले, आ ई मरणहार [शरीर] अमरता के पहिर ले। आ जब ई नाशवान [शरीर] अविनाशिता के पहिर ली, आ ई मरणहार [शरीर] अमरता के पहिर ली, तब ऊ वचन जे लिखल बा, पूरा हो जाई, 'मौत जय में निगल लिहल गइल'" (1 कुरिन्थियों अध्याय 15 पद 52 से 54)।

कुछ लोग कहेला कि हमनी के नया शरीर मिली, अर्थात् हमनी के वर्तमान शरीर से बिल्कुल अलग शरीर। ई सही नइखे। रउरा के पुनरुत्थान के शरीर उहे होई जे मौत के अधीन भइल रहे, बाकिर ओकरा के फेर से जीवित कइल जाई। आवे वाला जीवन में ई निरन्तरता के एगो हिस्सा ह। रउरा स्वर्ग में जइब आ पुनरुत्थान के द्वारा अपना ओही मूल शरीर के साथ फेर से एक हो जइब। सर्वशक्तिमान आ सर्वज्ञ परमेश्वर हमनी के शरीरन के फेर से जीवित करे आ बहाल करे खातिर जे कुछ जरूरी बा, ओकरा के फेर से प्राप्त करे में पूरा तरह समर्थ बाड़न—चाहे शरीर जंगली जानवरन द्वारा फाड़ दिहल गइल होखे, समुद्र में खो गइल होखे, आग में जर गइल होखे, भा माटी में मिलके धूल बन गइल होखे। प्रेरित पौलुस लिखले कि जब यीशु वापस अइहें, तब "ऊ हमनी के एह निर्बल आ नश्वर शरीरन के रूप बदलके अपना महिमामय शरीर के समान बना दीहें। ऊ ई सभ कुछ ओही महान सामर्थ्य द्वारा करिहें, जेकरा द्वारा ऊ सभ वस्तु के अपना अधीन कर लेवेलें" (फिलिप्पियों अध्याय 3 पद 21)।

हमनी के पुनर्जीवित शरीर मसीह के पुनरुत्थान के बाद के शरीर जइसन होई। जे शरीर क्रूस पर मौत सहले रहे, ओही के फेर से जीवित कइल गइल, आ पुनरुत्थान के बाद यीशु के देखल भी जा सकत रहे आ छुवल भी जा सकत रहे। ऊ कवनो भूत भा प्रेत जइसन ना रहले। यीशु खाली अपना जइसन देखात ही ना रहले, बलुक ऊ खड़ा हो सकत रहले, चल सकत रहले आ बात भी कर सकत रहले। ऊ अपना चेलन खातिर भोजन भी तइयार कइले

आ कई अवसर पर उनकरा साथे खइलें आ पिइलें भी (लूका अध्याय 24 पद 39 से 43; प्रेरितों के काम अध्याय 10 पद 41; यूहन्ना अध्याय 21 पद 9 से 13)।

बाइबल हमारे महिमामय शरीर की विशेषताओं के विषय में हर एक विवरण नहीं बतावेला। उदाहरण खातिर, ई ना बतावेला कि ओह समय हमनी के उमिर कतना होई। हम कुछ आदरणीय बाइबल शिक्षकन के ई अनुमान लगावत सुनले बानी कि हमनी के उमिर तैंतीस बरिस होई, अर्थात् उहे उमिर जे यीशु के रहे जब उनकर शरीर कब्र से जीवित कइल गइल। हो सकेला कि अइसने होखे। बाकिर चाहे जइसन भी होखे, मनुष्य खातिर परमेश्वर के योजना के आधार पर हम उचित रूप से ई निष्कर्ष निकाल सकीले कि हमनी अपना जीवन के पूरा सामर्थ्य आ सर्वोत्तम अवस्था में होखब। आ पवित्रशास्त्र हमनी के एतना जरूर बतावेला कि हम पूरा विश्वास से ई जान सकीले कि खाली हमनी के मूल शरीर के नया ना बनावल जाई, बलुक ऊ भौतिक संसार में जीवन बितावे खातिर पूरा तरह उपयुक्त भी होई। मुअल लोगन में से पुनरुत्थान के मतलब हमनी के भौतिक शरीर के पुनर्स्थापना ह, ताकि हमनी फेर से धरती पर जीवन बितावल जा सके! इहे हमनी के भविष्य ह।

परमेश्वर के परिवार के घर।

आवे वाला समय के बारे में फइलल बहुत सगरी गलत धारणा एह कारण से पैदा होला कि लोग मनुष्यजाति खातिर सर्वशक्तिमान परमेश्वर के पूरा उद्देश्य के ना समझेला। हमनी के उनकर योजना के हमेशा याद रखे के चाहीं। प्रभु बेटा-बेटी चाहत बाड़न, आ बाइबल प्रकट करेला कि ऊ धरती के अपना परिवार के घर बने खातिर रचले बाड़न।

“काहेकि यहोवा, जे आकाश के सृष्टि कइले बाड़न, उहे परमेश्वर हउवें; उहे धरती के रचले, बनवले आ स्थिर कइले बाड़न। ऊ ओकरा के सुनसान आ व्यर्थ रहे खातिर ना, बलुक बसावल जाए खातिर बनवले बाड़न” (यशायाह अध्याय 45 पद 18)।

दुख के बात बा कि आदम पाप द्वारा परमेश्वर से स्वतंत्रता के रास्ता चुन लिहलस आ अपना बेटा होखे के अधिकार के ठुकरा दिहलस। परिवार के मुखिया आ धरती के पहिला भण्डारी होखे के कारण, ओकर काम के गहिरा असर खाली समस्त मानवजाति पर ही ना, बलुक खुद धरती पर भी पड़ल। खाली पुरुष आ स्त्री ही पाप आ मौत के अधीन ना भइलें, बलुक समस्त भौतिक सृष्टि भी मौत के शाप से प्रभावित हो गइल। पेड़-पौधा आ जानवर मरल शुरू हो गइलें। प्राकृतिक नियम आ प्रक्रिया, जे परमेश्वर आरम्भ में स्थापित कइले रहले, ऊ विकृत हो गइल। एकर परिणाम ई भइल कि भूमि के नष्ट होखल, सूखा, अकाल, विनाशकारी आँधी आ भूकम्प जइसन विपत्ति पैदा हो गइल।

“जब आदम पाप कइलस, तब पाप पूरा मानवजाति में प्रवेश कर गइल। ओकर पाप के कारण मौत सारा संसार में फइल गइल, एह से सभ कुछ बूढ़ होखे आ मरल शुरू हो गइल” (रोमियों अध्याय 5 पद 12)।

मनुष्य के पाप के प्रभाव के कारण अब धरती प्रभु के परिवार के रहे लायक घर ना रह गइल बा। बाकिर जब यीशु मसीह वापस अइहें आ मुअल लोगन के पुनरुत्थान होई, तब प्रभु ऊ सभ कुछ फेर से प्राप्त करिहें जे ऊ खो दिहले रहलें, आ परिवार के एह घर पर पहुँचल हर तरह के नुकसान के पूरा तरह से दूर कर दीहें।

“समस्त सृष्टि बड़ी उत्कंठा से परमेश्वर के बेटन के प्रकट होखे के बाट जोहत बा [मुअल लोगन के पुनरुत्थान के समय]... काहेकि हमनी के मालूम बा कि सारी सृष्टि अबले एक-साथ कराहत आ प्रसव-पीड़ा जइसन पीड़ा सहत आइल बा। आ खाली सृष्टि ही ना, बलुक हमनी भी, जे आत्मा के पहिला फल [नया जन्म] पवले बानी, अपना भीतर कराहत, ओह समय के उत्कंठा से बाट जोहत बानी... अर्थात् अपना शरीरन के छुटकारा के [मुअल लोगन के पुनरुत्थान द्वारा]” (रोमियों अध्याय 8 पद 19; रोमियों अध्याय 8 पद 22 से 23)।

“काहेकि सृष्टि अपना इच्छा से ना, बलुक ओकरा कारण जे ओकरा के अपना अधीन कर दिहलस [आदम], व्यर्थता [भ्रष्टता आ मृत्यु] के अधीन कइल गइल, एह आशा के साथ कि खुद सृष्टि भी विनाश के दासता से छुड़ावल जाई आ परमेश्वर के सन्तानन के महिमामय स्वतंत्रता में सहभागी होई” (रोमियों अध्याय 8 पद 20 से 21)।

“छुड़ावल जाई” जे मूल शब्द से लिहल गइल बा, ओकर अर्थ ह “पाप के शक्ति आ ओकर दण्ड से मुक्त कइल, जे छुटकारा के परिणाम ह।” परमेश्वर के प्रकट होत उद्धार के योजना के एगो हिस्सा के रूप में, जइसन हमनी के भौतिक शरीर क्षय आ मौत से मुक्त कइल जाई, ओइसहीं समस्त भौतिक सृष्टि के भी क्षय आ नश्वरता से मुक्त कर दिहल जाई।

जब आदम पाप कइले रहे, तब जे भ्रष्टता के शाप सृष्टि में प्रवेश कइले रहे, प्रभु परमेश्वर ओकरा के पूरा तरह उलट दीहें। ऊ क्षय के हर एगो निशान के मिटा दीहें आ एह धरती के फेर से अपना परिवार के रहे लायक घर बना दीहें। तब जीविका कमाए खातिर धरती पर कठिन मेहनत ना करे के पड़ी। ना काँटा होई, ना ऊँटकटारा। ना कवनो भ्रष्टता होई। ना मौत रही।

क्या धरती आग से नाश कर दी जाई?

बहुत लोग गलत ढंग से ई मानेला कि एगो दिन धरती आग से नाश कर दी जाई। ई धारणा प्रेरित पतरस द्वारा लिखल एगो वचन के गलत व्याख्या से पैदा भइल बा।

“बाकिर प्रभु के दिन चोर जइसन आई। ओह दिन आकाश बड़ा शब्द के साथ जात रही, तत्त्व बहुत गरम होके पिघल जइहें, आ धरती आ ओकरा पर कइल गइल सभ काम जलके प्रकट हो जाई... जब ई सभ वस्तु एह तरह नष्ट हो जइहें... आ आकाश आग लागे से नष्ट हो जाई आ तत्त्व बहुत गरम होके पिघल जइहें” (2 पतरस अध्याय 3 पद 10 से 12)।

पतरस इहाँ धरती के विनाश के चित्र पेश नइखन करत। ऊ ओकर रूपान्तरण के वर्णन करत बाड़न। प्रेरित प्रकट कइले कि जब प्रभु वापस अइहें, तब ऊ परमाणु आ अणु, जेकरा से ई समस्त भौतिक संसार बनल बा, भ्रष्टता आ मौत के दासता से मुक्त कर दिहल जाई। जब हम कुछ महत्वपूर्ण यूनानी शब्दन के मूल अर्थ समझीले, तब पतरस के आशय साफ हो जाला।

• “जात रही” खातिर इस्तेमाल कइल गइल शब्द दू गो यूनानी शब्दन से मिलके बनल बा, जेकर अर्थ ह “पास से होके निकलल” भा “एगो अवस्था से दोसरा अवस्था में प्रवेश कइल।” एकर इस्तेमाल नया नियम में कई बेर भइल बा, आ एकर अर्थ कबो भी “अस्तित्व समाप्त हो जाइल” ना होला। एकर भाव ई ह कि कवनो वस्तु एगो स्थिति भा अवस्था से दोसरा स्थिति भा अवस्था में चल जाला।

• “तत्त्व” खातिर इस्तेमाल कइल गइल शब्द एगो यूनानी शब्द से निकलल बा, जेकर अर्थ ह “भौतिक संसार के सबसे मूलभूत घटक,” अर्थात् ऊ सूक्ष्म कण जिनसे समस्त भौतिक सृष्टि के निर्माण भइल बा।

• “पिघल जइहें” (पद 10) आ “नष्ट हो जइहें” (पद 11 आ 12) खातिर मूल भाषा में एगो ही यूनानी शब्द के इस्तेमाल भइल बा, जेकर अर्थ ह “बंधन खोल दिहल” भा “मुक्त कर दिहल।” यीशु भी एह शब्द के इस्तेमाल तब कइले रहले जब ऊ लाज़र के मुअल लोगन में से जिलवले रहले। जब उनकर मित्र कफ़न में लपेटल कब्र से बाहर निकलल, तब यीशु आज्ञा दिहले, “ओकरा खोल द आ जाए द” (यूहन्ना अध्याय 11 पद 44)।

• “जरके भस्म हो जइहें” ई वाक्यांश नया नियम के सबसे पुरान पाण्डुलिपियन में ना मिलेला। ओकरा जगह ओह आरम्भिक प्रतियन में एगो अइसन शब्द बा जेकर अर्थ ह “प्रकट होखल” भा “प्रकाश में लावल।”

एकर मतलब ई ना कि धरती के विनाश होई, बलुक ई कि ओकरा में मौजूद भ्रष्टता के प्रकट कइल जाई, ताकि ओकरा के पूरा तरह से दूर कइल जा सके। “आ धरती आ ओकरा पर के सभ वस्तु प्रकट कर दिहल जाई” (2 पतरस अध्याय 3 पद 10)।

• “पिघल जइहें” (पद 12) खातिर इस्तेमाल कइल गइल यूनानी शब्द के भावार्थ ह “जमल प्रभाव के समाप्त हो जाइल।” जइसे बसन्त के आवे पर जाड़ा के असर समाप्त हो जाला आ

जमल चीज फेर से अपना स्वाभाविक अवस्था में आ जालीं, ओइसहीं एगो दिन भ्रष्टता आ मौत भी एह संसार पर से अपना अधिकार छोड़ दी।

जब पतरस धरती के भविष्य के बारे में लिखले, तब उनकर मन में जे चित्र रहे, ऊ विनाश के ना, बलुक रूपान्तरण के रहे। जे संदर्भ में ऊ ई बात कहले, ऊ उनकर आशय के पूरा तरह साफ कर देला। धरती के भविष्य के बारे में ई घोषणा लिखे से ठीक पहिले प्रेरित नूह के जलप्रलय के उल्लेख कइले। पतरस लिखले, "ओही पानी के द्वारा ओह समय के संसार जलप्रलय में डूबके नष्ट हो गइल" (2 पतरस अध्याय 3 पद 6)। बाकिर ओह सारा संसार पर आइल जलप्रलय धरती के विनाश ना कइले रहे। एकर उलट, ओह पानी धरती के बुराई से शुद्ध कइले रहे। आ जरी ऊ प्रबल जलप्रवाह धरती के रूप बदल दिहले रहे, त भी जलप्रलय से पहिले के धरती आ ओकरा बाद के धरती के बीच निरन्तरता बनल रहल।

ओह महान जलप्रलय धरती के सतह के त शुद्ध कइलस, बाकिर मूल समस्या–मौत के ऊ अभिशाप, जे आदम के पाप करे पर पूरा सृष्टि के अपना वश में कर लिहले रहे–ओकर समाधान ना भइल। ई काम अभी भविष्य में होखे वाला बा, आ शुद्ध करे के ऊ प्रक्रिया आग के द्वारा पूरा कइल जाई।

ई अन्तिम शुद्ध करे वाली आग प्राकृतिक आग ना होई। बाइबल में आग के इस्तेमाल बहुत जगह प्रतीकात्मक रूप से सर्वशक्तिमान परमेश्वर के गुणन आ उनकर कामन के वर्णन करे खातिर भइल बा, जवना में उनकर बोलल वचन भी शामिल बा।

"एहसे सेनाओं के परमेश्वर यहोवा अइसन कहत बाड़न [भविष्यद्वक्ता यिर्मयाह से]: 'काहेकि ई लोग [पापपूर्ण] बात बोलत बा, एहसे हम अपना वचन के तोहरा मुँह में आग जइसन कर देब, आ ई लोग लकड़ी जइसन होई, आ ऊ आग इनका के भस्म कर दी'" (यिर्मयाह अध्याय 5 पद 14)।

"यहोवा कहत बाड़न, 'का हमार वचन आग जइसन नइखे? आ का ऊ ओह हथौड़ा जइसन नइखे जे चट्टान के चूर-चूर कर देला?'" (यिर्मयाह अध्याय 23 पद 29)।

सर्वशक्तिमान परमेश्वर अपना वचन बोलकर उन भौतिक तत्त्वन के शुद्ध करीहें, जेसे ई पूरा दिखाई देवे वाला संसार बनल बा। जइसे शुरुआत में परमेश्वर वचन बोललें आ आकाश अउर पृथ्वी के सृष्टि भइल, ओइसहीं फेर से ऊ वचन बोलिहें, आ भौतिक सृष्टि के मूलभूत कण सचमुच अपना वर्तमान भ्रष्ट अवस्था से आजाद कर दिहल जइहें। एकरा बाद ओह कणन के फेर से नया आकाश अउर नया पृथ्वी के रूप में व्यवस्थित कइल जाई। एह तरह से पूरा सृष्टि नाश अउर मृत्यु के गुलामी से आजाद कर दिहल जाई।

का आकाश आ पृथ्वी टल जाई?

आप में से कुछ लोग ई सोचत होखब, “का यीशु ई ना कहले रहन कि आकाश आ पृथ्वी टल जाई?” निस्सन्देह, ऊ अइसने कहले रहन, बाकिर हमनी के उनका ई वचन के उनकर संदर्भ में समझे के चाहीं। यीशु ई बात अपना क्रूस पर चढ़ावल जाए से कुछ दिन पहिले कहले रहन। उनका ई शब्द ऊ जवाब के एगो हिस्सा रहल, जे ऊ अपना अनुयायी लोग के तब दिहलन, जब ऊ लोग उनकरा से पूछल कि कवन-कवन चिन्ह ई प्रकट करी कि उनकर एह संसार में वापस आवे के समय नजदीक बा। प्रभु बहुत सारा घटना के उल्लेख कइलन आ कहलन कि जे पीढ़ी एह चिन्हन के शुरुआत देखी, उहे ओह सभ के पूरा होत भी देखी।

“हम तोहरा लोग से सच-सच कहत बानी कि जबले ई सभ बात पूरा ना हो जाई, तबले ई पीढ़ी ना टली। आकाश आ पृथ्वी टल जाई, बाकिर हमार बात कबो ना टली” (मती अध्याय 24 पद 34 से 35)।

यीशु ओह लोग के ई ना बता रहल रहन कि एक दिन संसार के अस्तित्वे समाप्त हो जाई। ऊ लोग के अपना वचन के अटल विश्वसनीयता पर भरोसा दिलावत रहन। ऊ अभी-अभी उनका सवाल के जवाब में भविष्य के बहुत सारा घटना के घोषणा कइले रहन आ आखिर में ई कह के अपना बात पूरा कइलन कि उनका वचन एतना अटल आ भरोसेमन्द बा कि ओकर पूरा होखे से पहिले आकाश आ पृथ्वी टल सकेला, बाकिर उनकर एगो भी वचन निष्फल ना होई। पहिला सदी के ऊ लोग ई कल्पना तक ना कर सकत रहल कि कवनो शक्ति पृथ्वी के अस्तित्व मिटा सकेले। एह से ऊ लोग यीशु के आशय बढ़िया से समझ गइल कि परमेश्वर के वचन के पूर्ति के कवनो भी चीज रोक ना सकेले। आज हमनी के प्रभु के ई बात के ओह तरह अनुभव ना करत बानी जा, जवना तरह उनका पहिला अनुयायी लोग कइले रहे, काहेकि हमनी के संसार के नष्ट होखे के कल्पना कर सकेनी जा। हमनी के परमाणु हथियार आ ओकर विनाशकारी शक्ति के बारे में मालूम बा, आ हमनी के अइसन बहुत सारा चलचित्र भी देखले बानी जा, जवना में विशाल आकाशीय पिंड पृथ्वी से टकरावत देखावल गइल बा।

का हमनी खाली एह संसार के यात्री बानी जा?

आप ई भी सोचत होखब, “का बाइबल ई ना कहेला कि ई संसार हमनी के घर ना ह आ हमनी खाली इहाँ से होकर जाए वाला यात्री बानी जा?”

पवित्रशास्त्र सचमुच विश्वासी लोग के परदेशी आ प्रवासी कहेला (1 पतरस अध्याय 2 पद 11; इब्रानियों अध्याय 11 पद 13)। बाकिर एह वचनन के मतलब ई ना ह कि हमनी इहाँ से अइसन चल जाईब कि फेर कबो वापस ना आईब। एकर आशय ई बा कि हमनी एह पृथ्वी के वर्तमान अवस्था में से होकर गुजरत बानी जा–अइसन पृथ्वी में जे भ्रष्टता आ मृत्यु के

बन्धन में जकड़ाइल बा। जब ई संसार पूरा तरह से शुद्ध कर दिहल जाई आ नया बना दिहल जाई, तब हमनी इहे जगह वापस आके सदा खातिर निवास करब।

उद्धार महान बा!

उद्धार एतना महान बा कि ऊ खाली मनुष्यजाति के ना, बलुक सम्पूर्ण पृथ्वी के भी पाप आ ओकर परिणामन से छुड़ा सकेला। अगर ई बात रउरा के आश्चर्यजनक लागत होखे, त ई बातन पर विचार करीं।

• यीशु क्रूस पर एह खातिर गइलन कि ऊ मनुष्य आ पृथ्वी में शैतान के काम के नाश करसु, ना कि ओह लोग के या ओह संसार के, जेकर सृष्टि ऊ खुद कइले रहन। "परमेश्वर के बेटा एह उद्देश्य से प्रकट भइल कि ऊ शैतान के कामन के नाश कर दे" (1 यूहन्ना अध्याय 3 पद 8)। इहाँ "नाश कर दे" खातिर जे मूल शब्द के प्रयोग भइल बा, ओकर अर्थ बा बन्धन खोल देवे, मुक्त कर देवे आ पूरा तरह से समाप्त कर देवे।

• अगर प्रभु मनुष्य के पाप आ ओकर परिणामन से बचा के अपना बेटा-बेटी बनावे में समर्थ बाड़न, बाकिर उनका उद्धार परिवार के घर के बचावे खातिर पर्याप्त ना होखे, त फेर अइसन उद्धार कइसन उद्धार होई?

ई संसार परमेश्वर के ह। "पृथ्वी आ जे कुछ ओकरा में बा, ऊ यहोवा के ह" (भजन संहिता अध्याय 24 पद 1)। ऊ अपना भौतिक सृष्टि के एगो भी कण के पाप, शैतान, भ्रष्टता या मृत्यु के हवाले ना करिहें। उनका उद्धार ओह जगह तक पहुँचेला जहाँ तक पाप आ मृत्यु के शाप पहुँच गइल बा। जब यीशु मसीह फेर से अइहें, तब ऊ सम्पूर्ण सृष्टि के भ्रष्टता के दासता से मुक्त करके आ मृत्यु के हर निशान के मिटा के उद्धार के प्रक्रिया के पूरा करिहें।

"उहे [यीशु] आदि से सर्वोपरि हवन, आ मरे वाला लोग में से जी उठे वाला लोग में पहिलका होके अन्त में भी सर्वोपरि हवन। आदि से लेके अन्त तक उहे सभ पर प्रधान हवन, सभसे ऊँच आ सभसे महान। परमेश्वर अपना सम्पूर्ण परिपूर्णता के उनहीं में निवास करे के ठहरवले रहन। एतने ना, बलुक उनकर ई इच्छा रहल कि क्रूस पर बहावल अपना लहू के द्वारा सभ वस्तु के अपना से मेल करा लीं—चाहे ऊ पृथ्वी पर होखे चाहे स्वर्ग में। एह तरह एह समस्त सृष्टि के टूटल-बिखरल आ अस्त-व्यस्त हो गइल हर चीज—मनुष्य, दोसरा प्राणी आ सम्पूर्ण भौतिक सृष्टि—उनकर मृत्यु के कारण फेर से अपना उचित स्थान पर स्थापित होके पूरा सामंजस्य में आ जाई" (कुलुस्सियों अध्याय 1 पद 18 से 20)।

बाइबल हमनी के बतावेला कि “ई संसार अपना वर्तमान अवस्था में टलत जा रहल बा” (1 कुरिन्थियों अध्याय 7 पद 31)। बाकिर एकरा साथे ऊ हमनी के ई भरोसा भी दिलावेला कि आकाश आ पृथ्वी के विनाश ना होई। इनका के पाप के प्रभाव से छुड़ा के फेर से बहाल कइल जाई, ताकि ई उहे बन जाव जेकर इच्छा परमेश्वर आरम्भ से कइले रहन–अपना खातिर आ अपना परिवार खातिर एगो सिद्ध आ पूरा निवास-स्थान।

हमनी के अनन्त घर इहे पृथ्वी होई, जवना के हमनी जानत बानी जा आ जवना से हमनी प्रेम करत बानी जा।

8

हमनी के हमेशा खातिर धरती पर रहब।

जब यीशु लगभग दू हजार बरिस पहिले एह संसार में अइलन, तब उनकर जनम एगो यहूदी के रूप में भइल। उनका पहिला सभ अनुयायी पुरान वाचा के यहूदी रहलें। एकर मतलब ई रहल कि अउरी बातन के साथ-साथ, उनकर वास्तविकता के समझ व्यवस्था आ भविष्यवक्ता लोग के शिक्षा से बनल रहे, जेकरा के आज हमनी पुरान नियम कहत बानी जा। एह पवित्र लेखन पतरस, यूहन्ना, पौलुस आ दोसरा चेलन के ई विश्वास दिलवले रहे कि उनकर (आ हमनी के भी) अन्तिम नियति पृथ्वी पर सदा जीवित रहे के बा।

पुरान वाचा के स्त्री-पुरुष जानत रहलें कि एगो दिन प्रभु परमेश्वर अपना प्रत्यक्ष राज्य इहे पृथ्वी पर स्थापित करिहें। ऊ लोग ई मानत रहल कि मृत्यु एह संसार से खाली एगो अस्थायी विदाई ह, आ ऊ लोग एह आशा में जीयत रहल कि उनकर शरीर कब्र से फेर से जीवित कइल जाई, ताकि ऊ लोग पृथ्वी पर परमेश्वर के राज्य में सदा खातिर जीवित रह सके। यद्यपि ऊ लोग ई ना जानत रहल कि ऊ लोग कइसे या कब पृथ्वी पर वापस आई, बाकिर एह बात पर पूरा भरोसा रहे कि ऊ लोग जरूर वापस आई।

भविष्य के विषय में उनकर समझ।

प्रेरित पतरस यीशु के बहुते समर्पित अनुयायी रहलें। एगो दिन ऊ हमनी के उद्धारकर्ता से पूछलन कि उनकरा आ दोसरा ग्यारह मूल चेलन के सभ कुछ छोड़ के उनकर सेवा करे के बदला में का प्रतिफल मिली। यीशु जवाब दिहलन,

“हम तोहरा लोग से सच-सच कहत बानी कि जब सभ कुछ नया कर दिहल जाई आ मनुष्य के बेटा अपना महिमा के सिंहासन पर विराजमान होई, तब तू लोग, जे हमार पीछे हो लिहलऽ, बारह सिंहासन पर बइठ के इस्राएल के बारह गोत्र के न्याय करब। आ जे केहू हमार

नाम के खातिर घर, भाई, बहिन, पिता, माई, पत्नी, लइका या खेत छोड़ले बा, ऊ ओकरा सौ गुना पाई आ अनन्त जीवन के अधिकारी होई" (मती अध्याय 19 पद 28 से 29)।

प्रभु अपना चेलन से कहलन कि उनकर प्रतिफल ओह समय मिली जब सभ कुछ नया कर दिहल जाई। इहाँ जे यूनानी शब्द के प्रयोग भइल बा, ओकर अर्थ बा "नया जनम।" अर्थात्, "नया युग में–जब संसार के मसीही फेर से जनम होई" आ "जब सभ वस्तु के नवीनीकरण होई" (मती अध्याय 19 पद 28 से 29)।

ध्यान दीं कि यीशु ई ना समझवलन कि "सभ कुछ नया कर दिहल जाए" से उनकर का मतलब बा। एकर जरूरत भी ना रहल, काहेकि उनका चेला लोग पहिले से जानत रहल कि ऊ कवना बात के चर्चा करत बाड़न। पुरान नियम के अनेक भविष्यवक्ता संसार के आवे वाला नवीनीकरण या पुनर्जन्म के बारे में लिखले रहलें, आ पतरस आ दोसरा चेला लोग उनकर भविष्यवाणी से भली-भाँति परिचित रहलें।

यीशु उनका भरोसा दिहलन कि उनका के महान उत्तरदायित्व के पद मिली, ऊ लोग यीशु के पीछे चले खातिर जवन कुछ छोड़ले बा, ओकरा से कहीं अधिक वापस पाई, आ ऊ लोग अनन्त जीवन प्राप्त करी।

इक्कीसवीं सदी के अधिकांश मसीही लोग खातिर अनन्त जीवन के मतलब कवनो धुँधला आत्मिक लोक में एगो निराकार अस्तित्व होला, जहाँ लोग बादर पर तैरत रहेला आ वीणा बजावत रहेला। बाकिर एह चेलन खातिर एह शब्द के मतलब अइसन बिलकुल ना रहे। भविष्यवक्ता लोग के लेख के आधार पर ऊ लोग अनन्त जीवन के अर्थ एह तरह समझत रहल:

"तोहार शरीर मरे वाला लोग में से फेर से जीवित होई, ताकि तू एक बेर फेर पृथ्वी पर जीवन बिता सको। जवन कुछ तू गँववले बाड़s, ऊ सभ तोहरा के लौटा दिहल जाई, आ एह बेर ऊ सदा खातिर तोहार होई। मृत्यु फेर कबो तोहरा से कुछुओ ना छीन पाई।"

आवे वाला अध्यायन में हम एह बातन पर अउरी विस्तार से चर्चा करब। बाकिर अभी खातिर, आवा पुरान नियम के कुछ अइसन वचनन पर विचार करीं, जे पतरस आ दोसरा चेलन के हृदय में ई आशा जगवले रहलें।

"हम जानत बानी कि हमार छुड़ावे वाला जीवित बा, आ अन्त में ऊ पृथ्वी पर खड़ा होई। आ जब हमार ई चमड़ी नष्ट हो जाई, तबहूँ हम अपना एह शरीर में परमेश्वर के देखब" (अय्यूब अध्याय 19 पद 25 से 26)।

“बाकिर तोहार मुवल लोग जीवित होई; उनकर शरीर फेर उठ खड़ा होई। हे धूल में बसे वाला लोग, जागऽ आ आनन्द से जयजयकार करऽ। काहेकि तोहार ओस भोर के ओस जइसन बा, आ पृथ्वी अपना मुवल लोग के फेर जनम दी” (यशायाह अध्याय 26 पद 19)।

“...नम्र लोग अन्त में पृथ्वी के अधिकारी होई” (भजन संहिता अध्याय 37 पद 11)।

“...धर्मी लोग पृथ्वी के अधिकारी होई, आ ऊ लोग ओहमें सदा निवास करी” (भजन संहिता अध्याय 37 पद 29)।

रूपान्तरण, विनाश ना।

एक दिन दुपहरिया के समय, यीशु के एह संसार से विदा होखे के कुछे समय बाद, पतरस आ यूहन्ना यरूशलेम के मन्दिर में गइलें। उहाँ प्रवेश-द्वार पर उनकर भेंट एगो लँगड़ा आदमी से भइल। ऊ लोग यीशु के नाम में परमेश्वर के सामर्थ्य से ओकरा के चंगा कर दिहलें। मन्दिर में आवे-जाए वाला लोग ओह आदमी के बढ़िया से जानत रहे, एह से ओकर अचानक चंगा हो गइल देख के एगो बड़ भीड़ ई देखे खातिर जुट गइल कि का भइल बा। पतरस एह अवसर के उपयोग यीशु के हाल में भइल क्रूस पर चढ़ावल जाए आ उनका पुनरुत्थान के प्रचार करे खातिर कइलन।

प्रेरित एगो अइसन बात कहलन, जे एह पृथ्वी के भविष्य के बारे में उनकर समझ पर गहिरा प्रकाश डालेला। पतरस भीड़ से कहलन कि प्रभु स्वर्ग वापस जा चुकल बाड़न, जहाँ ऊ ओह समय तक रहिहें, “जब तक कि सभ वस्तु के पुनर्स्थापन के समय ना आ जाव, जेकर बारे में परमेश्वर आदि काल से अपना सभ पवित्र भविष्यवक्ता लोग के द्वारा कहत आइल बाड़न” (प्रेरितों के काम अध्याय 3 पद 21)।

“पुनर्स्थापन” के मतलब बा “कवनो वस्तु के ओकर पहिले के अवस्था में फेर से लौटा देवे,” या जइसे एगो अनुवाद में कहल गइल बा, “जब सभ वस्तु के पाप से अन्तिम आ पूरा उद्धार होई” (प्रेरितों के काम अध्याय 3 पद 21)।

पतरस अपना सुनत लोग के याद दिलवलन कि परमेश्वर पृथ्वी के आरम्भिक दिन से ही एह पुनर्स्थापन आ फेर से प्राप्त करे के समय के बारे में बतावत आइल बाड़न। जब आदम आ हव्वा पाप कइलन आ एह संसार में मृत्यु के शाप ले अइलन, तबे से सर्वशक्तिमान परमेश्वर आवे वाला छुड़ावे वाला के प्रतिज्ञा के द्वारा अपना उद्धार के योजना प्रकट करे के आरम्भ कर दिहलन (उत्पत्ति अध्याय 3 पद 15)।

समय बीतत गइल, त प्रभु एह योजना के अउरी बहुत सारा पहलू प्रकट कइलन आ अपना भविष्यवक्ता लोग के आज्ञा दिहलन कि ऊ लोग उनका वचन के लिखे, जे आगे चल के

पुरान नियम के हिस्सा बनल। एह पवित्र लेखक लोग साफ-साफ घोषणा कइल कि पाप आ ओकर परिणाम से छुटकारा खाली मनुष्यजाति खातिर ना, बलुक सम्पूर्ण पृथ्वी खातिर भी आवे वाला बा।

पतरस आ दोसरा चेला लोग परमेश्वर के भविष्यवक्ता लोग के लेख से ई जानत रहल कि प्रभु परमेश्वर ओह सभ चीज के फेर से प्राप्त करे के काम कर रहल बाड़न, जे आदम के पाप करे पर खो गइल रहे–अर्थात् अपना परिवार आ ऊ घर, जे ऊ हमनी खातिर बनवले रहलन। पुरान नियम के लेखन के आधार पर, पहिला सदी में यीशु के साथे रह के चले वाला लोग एह आशा में रहत रहल कि प्रभु पृथ्वी पर फेर से अदन, अर्थात् परदेश, के बहाल करिहें। निस्सन्देह, ई समझ ओह शिक्षा से अउरी मजबूत भइल होई, जे ऊ लोग ओह तीन बरिस के दौरान यीशु से सुनले रहल, जब ऊ लोग उनका साथे रहल। भविष्यवक्ता लोग आगे ई भी प्रकट करेला कि जब परमेश्वर एह संसार के पुनर्स्थापित करे अइहें, तब उनका सृष्टि पर एकर का प्रभाव पड़ी–शरीरन के पुनरुत्थान आ नवीनीकरण होई; जंगल आ उजाड़ जगह फेर से हरियर-भरा हो जाई; बंजर आ सूखल भूमि फलवन्त बन जाई; हानिकारक काँटेदार पौधा समाप्त कर दिहल जाई; आ चारो ओर शान्ति आ आनन्द भर जाई।

“यहोवा निश्चय ही सिय्योन के शान्ति दीहें आ ओकर सभ उजड़ल जगहन पर दया करिहें। ऊ ओकर जंगलन के अदन जइसन आ ओकर निर्जन प्रदेशन के यहोवा के वाटिका जइसन बना दीहें” (यशायाह अध्याय 51 पद 3)।

“जंगल आ सूखल भूमि आनन्दित होई; निर्जन प्रदेश मगन होके फूलन से लद जाई। ऊ कुमुदिनी के समान भरपूर खिली... जंगल में पानी फूट निकली आ मरुभूमि में नदियन बही। तपत रेत तालाब बन जाई, आ पियासल भूमि में पानी के सोता फूट पड़ी” (यशायाह अध्याय 35 पद 1 से 7)।

“तू लोग आनन्द के साथ निकलिहs आ शान्ति के साथ पहुँचावल जइबs। पहाड़ आ पहाड़ी तोहरा सामने जयजयकार करत गइहन, आ मैदान के सभ पेड़ ताली बजइहन। जहाँ पहिले काँटा उगत रहे, उहाँ सरो के पेड़ उगी, आ जहाँ झाड़ी होत रहे, उहाँ मेंहदी के पेड़ अंकुरित होई” (यशायाह अध्याय 55 पद 12 से 13)।

नया धरती।

पतरस आ यीशु के दोसरा पहिलुका अनुयायी लोग के ई आशा रहे कि पूरा भौतिक सृष्टि–आकाश आ धरती दुनो–नया बना दिहल जाई। एह सच्चाई के प्रकाशन सबसे पहिले यीशु के एह संसार में अइला से करीब सात सौ बरिस पहिले भविष्यवक्ता यशायाह के दिहल गइल रहे। प्रभु परमेश्वर कहलन,

“काहे कि देखऽ, हम नया आकाश आ नया धरती के सृष्टि करत बानी; पहिले के बात अब याद ना रही आ ना मन में फेर से आई” (यशायाह अध्याय 65 पद 17)।

पतरस धरती के रूपान्तरण के बारे में आपन बात कहला के तुरन्त बाद एह भविष्यवाणी के उल्लेख कइलन (2 पतरस अध्याय 3 पद 10 से 12)।

“बाकिर हम उनकर प्रतिज्ञा के अनुसार नया आकाश आ नया धरती के बाट जोहत बानी, जहाँ धार्मिकता (मतलब सीधापन, पाप से पूरा आजादी आ परमेश्वर के साथ सही सम्बन्ध) निवास करी” (2 पतरस अध्याय 3 पद 13)।

एह पद में पतरस धरती के भविष्य के वर्णन करत घरी “नया” खातिर यूनानी भाषा के एगो बहुते खास शब्द के इस्तेमाल कइले बाड़न। एह शब्द के मतलब ह “स्वरूप भा गुण में नया,” ना कि “समय के हिसाब से नया।” इहे शब्द ओह आदमी खातिर भी इस्तेमाल भइल बा जे मसीह पर विश्वास करे से नया जन्म पावेला।

“एह से अगर केहू मसीह में बा, त ऊ नया सृष्टि ह; पुरान बात बीत गइल; देखऽ, सभ कुछ नया हो गइल” (2 कुरिन्थियों अध्याय 5 पद 17)।

• नया जन्म केहू मनुष्य के अइसन प्राणी ना बना देला जेकर पहिले कबो अस्तित्वे ना रहल होखे। नया जन्म ओह व्यक्ति के, जे यीशु पर विश्वास कइले बा, ओकर भीतरी अस्तित्व के अनन्त जीवन से भर के ओकर रूपान्तरण कर देला।

• जइसे नया सृष्टि उहे व्यक्ति ह जे रूपान्तरित हो गइल बा, ओइसहीं नया आकाश आ नया धरती भी इहे धरती होई–एकर चारो ओर आ ऊपर के आकाश आ समस्त विस्तार समेत–जे अनन्त जीवन के द्वारा बदल के गुण, स्वरूप आ महिमा में नया आ पहिले से कहीं अधिक उत्तम बना दिहल जाई।

का हमनी के धरती के कवनो याद ना रही?

आगे बढ़े से पहिले हम एगो अइसन शंका के जवाब देवे के चाहत बानी जे एह जगह पर पैदा हो सकेला। कबो-कबो यशायाह के एह भविष्यवाणी के इस्तेमाल एह विचार के समर्थन करे खातिर कइल जाला कि स्वर्ग में हमनी के धरती पर बितावल आपन जीवन भा अपना कवनो जान-पहचान वाला के कवनो याद ना रही। बाकिर भविष्यवक्ता अइसन कुछुओ ना कहलन। उनकर बात मूल रूप से ओह सच्चा लोगन के एगो छोट समूह से कहल गइल रहे, जे बहुते कठिन परिस्थिति से गुजरत रहे, आ उनकर उद्देश्य ओह लोग के आशा देवे के रहे।

यशायाह ओह स्त्री-पुरुषन के छोट समूह खातिर भविष्यवाणी कइले रहलन, जे सर्वशक्तिमान परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य बनल रहल, जबकि उनकर बाकी राष्ट्र जान-बूझ के आ लगातार मूर्तिपूजा में लागल रहल आ मन फिरावे से इनकार करत रहल। एह कारण इस्राएल राष्ट्र पर कठोर दण्ड आवे वाला रहे। यशायाह के द्वारा प्रभु अपना विश्वासयोग्य लोगन के ई भरोसा दिहलन कि एगो दिन, नया धरती पर, सभ कुछ ठीक कर दिहल जाई आ अपना विद्रोही देशवासी लोग के कारण जवन दुःख आ कष्ट ऊ लोग सहले रहे, ऊ खाली बीतल समय के बात बन के रह जाई।

परमेश्वर उनकरा से प्रतिज्ञा कइलन, "हम आपन क्रोध दूर कर देब आ बीतल दिनन के बुराई के याद ना करब" (यशायाह अध्याय 65 पद 16)।

इहे पद ऊ संदर्भ साफ करेला जवना में यशायाह कहलन कि पहिले के बात याद ना रही। इहाँ याद ना करे के काम खुद प्रभु करिहन। काहे कि सर्वशक्तिमान परमेश्वर सर्वज्ञ बाड़न, एह से ऊ कवनो बात के एह अर्थ में ना भुलावेलन कि ओकर ज्ञाने उनकरा ना रहे। एकर उलट, ऊ ओकरा के याद में ना ले आवे के फैसला करेलन। यशायाह अध्याय 65 पद 17 में भी इहे भाव बा। प्रभु अपना लोग के भरोसा दिहत रहलन कि जब संसार नया बना दिहल जाई, तब उनकर इतिहास के ई भयानक समय क्षमा कर दिहल जाई आ फेर कबो याद में ना लावल जाई।

यशायाह के एह भविष्यवाणी के हमनी के पारिवारिक, सामाजिक भा निजी सम्बन्धन, अथवा धरती पर बितावल जीवन के अनुभव के भुला देवे से कवनो सम्बन्ध नइखे।

आवे वाला जीवन में मानवजाति के इतिहास मिटावल ना जाई। धरती के रूपान्तरण त एह ग्रह के इतिहास के एगो नया अध्याय के शुरुआत होई। वास्तव में, हमनी में से बहुते लोग धरती के अतीत में पहिले से भी अधिक रुचि ली, काहे कि तब हमनी ओकरा के पूरा हो चुकल उद्धार के दृष्टि से देखब। हमनी समझ पाईब कि पतित संसार में परमेश्वर मनुष्यन के जीवन के घटना-घटना के बीच कइसे काम कइलन आ कइसे ऊ हर बात के अपना अनन्त योजना के पूरा करे खातिर इस्तेमाल कइलन।

यूहन्ना नया धरती देखलन।

स्वर्ग के आपन यात्रा के दौरान प्रेरित यूहन्ना दर्शन में नया आकाश आ नया धरती देखलन। ऊ जवन कुछ देखलन, ओकरा प्रकाशितवाक्य के किताब में लिख दिहलन। ऊ अइसन संसार देखलन जे रूपान्तरित हो चुकल रहे, न कि नष्ट कर दिहल गइल रहे। उनकर पहिलहीं बात एह सच्चाई के साफ कर देला:

“फेर हम एगो नया आकाश आ नया धरती देखनी, काहे कि पहिलका आकाश आ पहिलकी धरती टल गइल रहे” (प्रकाशितवाक्य अध्याय 21 पद 1)।

• “नया” खातिर यूहन्ना उहे यूनानी शब्द के इस्तेमाल कइले बाड़न, जेकर इस्तेमाल पतरस भी कइले रहलन। कुछे पद के बाद, उहे संदर्भ में जवन कुछ ऊ देखत रहलन, ओकर बारे में ऊ लिखलन कि ऊ परमेश्वर के ई कहत सुनलन, “देखऽ, हम सभ कुछ नया कर देत बानी” (प्रकाशितवाक्य अध्याय 21 पद 5)। ध्यान दीं, प्रभु ई ना कहलन कि ऊ नया वस्तु सभ के सृष्टि करत बाड़न। ऊ कहलन कि जवन पहिले से मौजूद बा, ओकरे गुण, स्वरूप आ महिमा में नया आ पहिले से कहीं अधिक श्रेष्ठ बना देत बाड़न।

• यूहन्ना हमनी के वर्तमान संसार के “पहिलका आकाश आ पहिलकी धरती” कहलन। “पहिलका” खातिर इस्तेमाल भइल यूनानी शब्द के मतलब बा “समय भा क्रम में पहिला।” इहे शब्द एह विचार के भी प्रकट करेला कि कवनो मूल स्वरूप भा आदर्श प्रतिरूप बा, जवना के आधार पर आगे के वस्तु तैयार कइल जाला। दोसरा शब्द में, ई वर्तमान संसार आवे वाला संसार के प्रतिरूप ह।

यूहन्ना लिखलन कि पहिलकी धरती टल गइल रहे। इहाँ भी ऊ उहे यूनानी शब्द के इस्तेमाल कइले बाड़न, जेकर इस्तेमाल पतरस तब कइले रहलन जब ऊ लिखलन, “आकाश टल जाई” (2 पतरस अध्याय 3 पद 10)। याद रखीं, एह शब्द के मतलब अस्तित्व समाप्त हो जाना ना ह, बलुक एगो अवस्था से दोसरा अवस्था में प्रवेश करना ह।

प्रेरित पौलुस भी इहे शब्द के इस्तेमाल ओह व्यक्ति के वर्णन करत घरी कइले बाड़न जे परमेश्वर से नया जन्म पावेला। ऊ लिखलन, “पुरान (पहिले के नैतिक आ आत्मिक अवस्था) बीत गइल; देखऽ, सभ कुछ नया हो गइल” (2 कुरिन्थियों अध्याय 5 पद 17)।

जे व्यक्ति यीशु पर विश्वास करेला, ओकर अस्तित्व समाप्त ना हो जाला। एकर उलट, अनन्त जीवन के द्वारा ओकर भीतरी अस्तित्व में रूपान्तरण कर दिहल जाला।

यीशु के पहिलुका अनुयायी लोग अपना भविष्य के ओतना साफ-साफ समझत रहलें, जेतना आज हमनी में से बहुते लोग ना समझत। अपना भविष्यवक्ता लोग के द्वारा दिहल

परमेश्वर के वचन से ऊ लोग जानत रहल कि एह संसार के विनाश ना होई। एकर नवीनीकरण कइल जाई। ऊ लोग ई भी जानत रहल कि आज के धरती आ नया धरती के बीच निरन्तरता बनल रही। आज के ई धरती, अपना पतित स्वरूप में भी, आवे वाला महिमा के खाली एगो क्षणिक झलक देखावेला।

मनुष्य के पाप के कारण ई धरती भ्रष्ट हो गइल बा, बाकिर एकरा के फेर से हासिल कइल जाई, एकर उद्धार कइल जाई आ एकरा के पुनर्स्थापित कइल जाई, ताकि ई उहे बन सके जवना के सर्वशक्तिमान परमेश्वर शुरूए से चाहत रहलन–अपना आ अपना परिवार खातिर एगो सिद्ध आ पूर्ण निवास-स्थान।

ई धरतीए होई–उहे धरती जेकरा के हमनी जानत बानी आ जेकरा से प्रेम करत बानी–पाप के हर प्रभाव से शुद्ध कइल गइल, बाकिर फेर भी पहचान में आवे वाला; नया बनावल गइल, बाकिर फेर भी हमनी खातिर परिचित।

9

धरती पर स्वर्ग के राजधानी।

प्रकाशितवाक्य के किताब में यूहन्ना लिखलन कि ऊ उद्धार के योजना के पूर्णता देखलन– सर्वशक्तिमान परमेश्वर अपना परिवार के साथ ओह घर में रहे खातिर आवत रहलन, जेकरा के ऊ हमनी खातिर बनवले रहलन।

यूहन्ना स्वर्ग के राजधानी, मतलब पवित्र नगर के अदृश्य लोक से उतर के नया धरती पर आवत देखलन। फेर ऊ एगो ऊँच आवाज सुनलन, जे ई घोषणा करत रहे कि अब परमेश्वर के निवास मनुष्यन के बीच बा।

"फेर हम एगो नया आकाश आ नया धरती देखनी... आ हम पवित्र नगर, नया यरूशलेम के परमेश्वर के लगे से स्वर्ग में से उतर के आवत देखनी। ऊ अपना पति खातिर सजावल दुल्हिन जइसन तैयार रहे। तब हम सिंहासन के ओर से एगो ऊँच आवाज सुननी, जे कहत रहे, 'देखs, अब परमेश्वर के निवास मनुष्यन के साथ बा। ऊ उनकरा साथे निवास करीहें, आ ऊ लोग उनकर प्रजा होई। परमेश्वर खुद उनकरा साथे रहीहें। ऊ उनकर आँखिन से हर आँसू पोंछ दीहें। फेर ना मृत्यु रही, ना शोक, ना रोवन, ना पीड़ा, काहे कि पहिले के बात बीत गइल बा'" (प्रकाशितवाक्य अध्याय 21 पद 1 से 4)।

हमनी खातिर तैयार कइल गइल आवे वाला जीवन के बारे में प्रचलित बहुते गलत धारणन के कारण यूहन्ना के ओह नगर के बारे में आगे कइल गइल वर्णन के गलत व्याख्या ह। उनकर वर्णन के आधार पर कुछ लोग ई निष्कर्ष निकाल लिहले बा कि धरती के जगह एगो घनाकार, कई स्तर वाला, पारदर्शी नगर आ जाई, जहाँ हमनी बिना सूरज, चाँद आ समुद्र के सदा रहब। ई कल्पना ओह लोग खातिर खास आकर्षक ना लागी, जे कवनो पारदर्शी नगर के विशाल भवन में रहे के बजाय चाँदनी रात में अलाव के लगे लकड़ी के घर में भा समुद्र के किनारे धूप से भरल एगो सुन्दर घर में रहे के अधिक पसन्द करी।

कुछे देर खातिर आईं, यूहन्ना के एह वर्णन के बारे में बनल अपना पहिले से के धारनन के एक ओर रख दीं आ ई सोचीं कि पहिला सदी के ओह लोग खातिर, जेकरा खातिर यूहन्ना ई

किताब लिखले रहलन, एह शब्दन के का मतलब रहल होई। अइसन कइला से हमनी के अपना भावी घर के बारे में बनल गलत मान्यता सभ छोड़ देवे में मदद मिली।

यूहन्ना जवन नगर देखलन।

यूहन्ना के दर्शन एगो अइसन दृश्य से शुरू भइल जेकर शोभा के पूरा वर्णन शब्दन में ना कइल जा सकेला–एगो अइसन नगर, जे परमेश्वर के महिमा से प्रकाशित आ उन्हीं के ज्योति से आलोकित रहे आ धरती पर उतर आइल रहे।

“पवित्र नगर, यरूशलेम... परमेश्वर के महिमा से भरल रहे आ बहुमूल्य रत्न जइसन चमकत रहे, जइसे स्फटिक के समान स्वच्छ यशब। ओकर शहरपनाह बहुत ऊँच आ विशाल रहे, जवना में बारह गो फाटक रहल... हर दिशा में तीन-तीन फाटक रहल–पूरब, उत्तर, दक्खिन आ पच्छिम” (प्रकाशितवाक्य अध्याय 21 पद 10 से 13)।

“ओह शहरपनाह के निर्माण यशब से कइल गइल रहे, आ नगर शुद्ध सोना के रहे, जे काँच जइसन निर्मल रहे। नगर के शहरपनाह के नींव बारह प्रकार के बहुमूल्य रत्नन से सजावल गइल रहे–यशब, नीलम, सुलैमानी, पन्ना, गोमेद, लालड़ी, पीतमणि, वैदूर्य, पुखराज, हरितमणि, जम्बुमणि आ बैंगनी मणि। बारहों फाटक बारह गो मोती से बनल रहल–हर फाटक एके गो मोती से बनल रहे। आ नगर के मुख्य सड़क शुद्ध सोना के रहे, जे स्वच्छ काँच जइसन चमकत रहे” (प्रकाशितवाक्य अध्याय 21 पद 18 से 21)।

परमेश्वर के निवास-स्थान।

यूहन्ना के मूल पाठक लोग ई समझ गइल रहलन कि ऊ नगर तेजोमय, बहुमूल्य रत्नन से सजल आ सोना से भरल एह से बा, काहे कि ऊ कवनो अजीब भा एह संसार से बाहर के चीज ना ह, बलुक एह से कि ऊ खुद परमेश्वर के निवास-स्थान ह। ऊ लोग भविष्यवक्ता लोग के ओह लेखन से भली-भाँति परिचित रहल, जवना में कई बेर अइसन अवसरन के वर्णन बा जब स्वर्ग कुछ समय खातिर धरती पर रहे वाला लोगन खातिर खुल गइल रहे। हर बेर लोग तेजस्वी प्रकाश आ बहुमूल्य रत्नन के वैभव देखले रहे, काहे कि प्रभु अपना पूरा महिमा में उनकरा सामने प्रकट भइल रहलन। एह में से दू गो उदाहरण देखीं:

“तब मूसा, हारून, नादाब, अबीहू आ इस्राएल के सत्तर गो पुरनिया पहाड़ पर चढ़ गइलें। उहाँ ऊ लोग इस्राएल के परमेश्वर के दर्शन कइल। उनकर गोड़न के नीचे नीलम जइसन एगो फर्श दिखाई देत रहे, जे आकाश जइसन निर्मल रहे” (निर्गमन अध्याय 24 पद 9 से 10)।

“हम, यहेजकेल, अइसन देखनी जइसे नीलम से बनल एगो सिंहासन होखे, आ ओह सिंहासन के ऊपर मनुष्य जइसन एगो स्वरूप दिखाई देत रहे। ओकर कमर से ऊपर के हिस्सा दहकत धातु जइसन चमकत रहे आ आग जइसन दमकत रहे। ओकर कमर से नीचे के हिस्सा भी आग जइसन दिखाई देत रहे आ ओकर चारो ओर अद्भुत तेज फैलल रहे। ओकर चारो ओर के प्रकाश बरखा के बाद बादर में दिखाई देवे वाला इन्द्रधनुष जइसन रहे। इहे यहोवा के महिमा के दर्शन के स्वरूप रहे” (यहेजकेल अध्याय 1 पद 26 से 28)।

यूहन्ना के श्रोता लोग सोना से बनल नगर के वर्णन सुन के कवनो अचरज ना कइल, काहे कि ऊ लोग सुलैमान के मन्दिर से परिचित रहल। ओह मन्दिर के रचना एह उद्देश्य से कइल गइल रहे कि ऊ अइसन उचित जगह होखे जहाँ प्रभु अपना लोग से मिलस। एही कारण ओकर निर्माण में हर ओर भरपूर मात्रा में सोना के इस्तेमाल कइल गइल रहे (निर्गमन अध्याय 25 पद 10 से 40; 1 राजा अध्याय 6 पद 14 से 37)। एह से यूहन्ना के पाठक लोग तुरन्त समझ गइल कि जवन नगर ऊ लोग स्वर्ग से उतर के आवत देखल, ऊ सोना से भरल एह से बा काहे कि ऊ सर्वशक्तिमान परमेश्वर के निवास-स्थान ह।

यूहन्ना जवन कुछ देखलन ओकर वर्णन करत लिखलन कि परमेश्वर के राजधानी शुद्ध सोना के रहे, जे काँच जइसन निर्मल रहे आ स्फटिक जइसन स्वच्छ यशब के तरह चमकत रहे। कुछ लोग गलती से ई निष्कर्ष निकाल लिहले बा कि यूहन्ना के मतलब रहे कि ऊ नगर पारदर्शी रहे। बाकिर एह पर विचार करीं। जब हमनी कवनो वस्तु के बारे में कहिले बानी कि ऊ काँच जइसन निर्मल बा, त एकर मतलब ई होला कि ओकरा में कवनो दोष, मलिनता भा अशुद्धता नइखे। नया यरूशलेम के सोना दोषरहित बा, पारदर्शी ना।

ओही तरह जब हमनी कहिले बानी कि आज के दिन एकदम निर्मल बा, त एकर मतलब ई ना होला कि आकाश के आर-पार देखाई दे रहल बा। एकर मतलब ई होला कि आकाश में कवनो बादर नइखे जे ओकर गहिरा नील रंग के ढाँप दे।

यशब नाम के रत्न के ठीक-ठीक पहचान के बारे में कुछ मतभेद बा, बाकिर आम तौर पर एकरा के अइसन रत्न मानल जाला जे अलग-अलग रंग के आभा बिखेरेला, खास करके आग जइसन तेजस्वी प्रकाश से दमकेला। ई रत्न वास्तव में जवन कुछ भी रहल होखे, एह अद्भुत नगर में परमेश्वर के महिमा ओही के माध्यम से प्रकाशमान होत दिखाई देत बा, काहे कि उहाँ के सोना आ बहुमूल्य रत्नन में कवनो दोष भा अपूर्णता नइखे जे उनकर महिमा के तेज के मंद कर सके।

नगर के माप।

जब दर्शन आगे बढ़ल, तब यूहन्ना एगो स्वर्गदूत के ओह महान नगर के माप लेत देखलन। ओकर माप से पता चलल कि ऊ नगर एगो घन के आकार के रहे, जेकर लम्बाई, चौड़ाई आ ऊँचाई हर एक करीब चौदह सौ मील रहे (प्रकाशितवाक्य अध्याय 21 पद 15 से 17)। जे लोग सबसे पहिले यूहन्ना के ई वर्णन सुनल, ओकरा लोग खातिर ई बात अजीब ना रहे। ऊ लोग जानत रहल कि उनकर समय में यरूशलेम के मन्दिर के सबसे भीतरी कमरा, जहाँ परमेश्वर के महिमा प्रकट होत रहे, घनाकार रहे (1 राजा अध्याय 6 पद 20)। नया यरूशलेम भी घन के आकार के बा, काहे कि ऊ खुद प्रभु के निवास-स्थान ह।

कुछ आधुनिक विद्वान लोग मानेलन कि स्वर्गदूत द्वारा लिहल ई नाप खाली प्रतीकात्मक अर्थ रखेला। बाकिर यूहन्ना साफ-साफ लिखले बाड़न कि "स्वर्गदूत मनुष्य लोग में प्रचलित नाप के अनुसार ही नापलस" (प्रकाशितवाक्य अध्याय 21 पद 17)। हालाँकि ई नाप बतावेला कि नगर के ऊँचाई आज के पृथ्वी के वायुमण्डल से भी अधिक बा, तइयो ई सम्भव बा कि नया पृथ्वी आज के पृथ्वी से कहीं अधिक विशाल होखे। आ अगर परमेश्वर चाहसु, त ऊ ओकरा के अनुकूल वायुमण्डल के विस्तार भी कर सकेलन। का ओह नगर में अलग-अलग स्तर होई? ओकर इमारत सभ केतना ऊँच होई? बाइबल एह सवालन के जवाब नइखे देत। जब हम ओह स्वर्गीय राजधानी के अपना आँख से देखब जा, तब एह सभ बातन के जान जइब जा।

पुराना नियम से परिचित स्त्री-पुरुषन खातिर ई बात कि एगो स्वर्गदूत नगर के नाप ले रहल रहे, बहुत महत्वपूर्ण रहे। ऊ लोग जानत रहे कि भविष्यवक्ता जकर्याह भी अपना एगो दर्शन में पृथ्वी पर स्थित यरूशलेम नगर के नाप लेत एगो स्वर्गदूत के देखले रहलन। जकर्याह के समय में कबो सामर्थी रहल इस्राएल राष्ट्र विदेशी शासन के अधीन एगो छोट अवशेष बन के रह गइल रहे। दुश्मनन के आक्रमण के कारण यरूशलेम उजाड़ पड़ल रहे। तइयो परमेश्वर के एह लोग भविष्यवाणी कइल कि एगो दिन प्रभु एह नगर के फेर से बहाल करिहें। ई दर्शन खाली ओह पीढ़ी खातिर ना, बलुक ओकरा बाद आवे वाली हर पीढ़ी खातिर, यहाँ तक कि यूहन्ना के समय तक, बहुत सांत्वना आ आशा के स्रोत बनल रहल।

भविष्यवक्ता लिखले रहलन, "ऊ [स्वर्गदूत] जवाब दिहलस, 'हम यरूशलेम के नापे जाएत बानी, ताकि देख सकीं कि ओकर चौड़ाई आ ओकर लम्बाई कतना बा।'... तब दूसरा स्वर्गदूत कहलस, 'दउड़ के ओह जवान से कह, "एगो दिन यरूशलेम एतना लोग से भर जाई कि ओकर शहरपनाह के भीतर सभे खातिर जगह ना रही। बहुत लोग अपना पशु सभ के साथ नगर के शहरपनाह के बाहर रही, तइयो ऊ लोग सुरक्षित रही। काहेकि यहोवा के ई वाणी बा–हम खुद ओकर चारों ओर आग के शहरपनाह बनब, आ हमहीं ओह नगर के भीतर ओकर महिमा बन के निवास करब"'" (जकर्याह अध्याय 2 पद 2 से 5)।

ओह समय के इतिहास में कवनो भी नगर के सुरक्षा खातिर ओकर शहरपनाह बहुत जरूरी होत रहे। संकट के समय आ रात में नगर के फाटक बन्द कर दिहल जात रहे, ताकि लोग सुरक्षित रह सके। जकर्याह अइसन समय के भविष्यवाणी कइले रहलन जब नगर के फाटक कबो बन्द ना होई, काहेकि सर्वशक्तिमान परमेश्वर खुद अपना लोगन के साथ निवास करिहें। इहे बात यूहन्ना अपना दर्शन में बतवले–एगो स्वर्गीय नगर, जे परमेश्वर के महिमा से प्रकाशित बा आ जेकर फाटक कबो बन्द ना होखे, काहेकि प्रभु आ उनकर लोगन के सभ दुश्मन हमेशा खातिर पराजित हो चुकल होइहें (प्रकाशितवाक्य अध्याय 21 पद 25)।

जिन लोगन के लगे यूहन्ना के ई संदेश सबसे पहिले पहुँचल, ऊ लोग एकरा के कवनो अलौकिक या अप्रिय कल्पना के रूप में ना समझल। ऊ लोग एह में ई संदेश सुनल– "परमेश्वर अपना सम्पूर्ण महिमा के साथ हमनी के बीच निवास करे खातिर आ रहल बाड़न, आ उनकर महान नगर के पृथ्वी पर आगमन शान्ति, समृद्धि आ सुरक्षा ले आई।" तब सभ कुछ पूरा रूप से ठीक कर दिहल जाई। फेर ना कवनो खतरा रही, ना कवनो हानि, आ ना मृत्यु।

एगो महान नदी।

प्रेरित यूहन्ना लिखले रहलन कि ऊ नया यरूशलेम के बीचोबीच परमेश्वर के सिंहासन से निकलत एगो महान नदी के बहत देखलन।

"तब स्वर्गदूत हमरा के जीवन के पानी के एगो निर्मल नदी देखवलस, जे स्फटिक के समान साफ रहे आ परमेश्वर आ मेम्ना के सिंहासन से निकल के नगर के मुख्य सड़क के बीचोबीच बहत रहे। नदी के दुनु किनारा पर जीवन के पेड़ रहे, जे बारह प्रकार के फल पैदा करत रहे आ हर महीना नया फल देत रहे" (प्रकाशितवाक्य अध्याय 22 पद 1 से 2)।

यूहन्ना के पाठक लोग भविष्यवक्तन के लेख से ई बात बढ़िया से जानत रहे कि जब प्रभु अपना लोगन के साथ निवास करे खातिर अइहें, तब ऊ सूखल आ बंजर भूमि में भी जीवन देवे वाला पानी बहा दीहें।

• यशायाह भविष्यवाणी कइले रहलन, "मरुभूमि लबानोन के पहाड़न के समान हरियर-भरा हो जाई" (यशायाह अध्याय 35 पद 2)।

• जकर्याह ने पृथ्वी पर आवे वाला उद्धारकर्ता के सन्दर्भ में लिखले रहलन, "ओह दिन जीवन देवे वाला पानी यरूशलेम से निकली; ओकर आधा हिस्सा मृत सागर के ओर आ आधा हिस्सा भूमध्य सागर के ओर बही, आ ऊ गरमी आ जाड़ा दुनु ऋतु में लगातार बहत रही" (जकर्याह अध्याय 14 पद 8)।

• यहेजकेल भी लगभग उहे दृश्य देखले रहलन, जवन यूहन्ना देखले रहलन–भविष्य के ऊ समय जब प्रभु परमेश्वर अपना लोगन के साथ पृथ्वी पर निवास करिहें। “नदी के दुनु किनारा पर हर तरह के फलदार पेड़ उगी। ओकर पत्ता कबो ना मुरझाई आ ना गिरी, आ ओकर डालियन पर हमेशा फल लागल रही। ऊ हर महीना नया फल पैदा करी, काहेकि ओकरा के ऊ नदी के पानी मिलेला जे मन्दिर से निकलत बा” (यहेजकेल अध्याय 47 पद 12)।

पुराना समय के ऊ लोग, जे अइसन सूखल इलाका में रहत रहे जहाँ शुद्ध आ ताजा पानी लगातार उपलब्ध ना होत रहे, परमेश्वर के मन्दिर से निकलत एह निर्मल आ जीवन देवे वाला नदी के कल्पना करके अचम्भित हो जात। ओह लोग खातिर ई वर्णन कवनो तरह से अजीब या असामान्य ना रहे। एकरा उलट, ई बहुत अद्भुत, मनभावन आ आशा से भर देवे वाला रहे।

स्वर्ग से आइल एगो वास्तविक नगर।

हमरा बुझाता कि जब हम यूहन्ना द्वारा लिखल बातन के पढ़तानी, तब पहिले से बनल धारणन के एक ओर रखल आसान नइखे। एह कारण से उनकर वर्णन हमरा सभ के कवनो अलौकिक आ एह संसार से बाहर के वस्तु जइसन लाग सकेला। बाकिर प्रेरित यूहन्ना साफ-साफ कहलन कि ऊ स्वर्ग से एगो नगर के उतर के आवत देखले रहलन। याद रखीं कि यूहन्ना आ पौलुस–जे दुनु स्वर्ग के प्रत्यक्षदर्शी रहलन–ई बतवले रहलन कि पृथ्वी के रचना स्वर्गीय वास्तविकतवन के प्रतिरूप के अनुसार भइल बा, आ पृथ्वी पर मौजूद वस्तु सभ हमरा के एह बात के एगो झलक देले कि परमेश्वर के निवास-स्थान कइसन बा। एह से ई निष्कर्ष निकालल उचित बा कि जे नगर स्वर्ग से उतर के आइल, ऊ कवनो न कवनो रूप में पृथ्वी के नगरन जइसन होई।

यूहन्ना के वर्णन के अइसन सुनीं, जइसे ऊ पृथ्वी पर स्थित कवनो अत्यन्त भव्य आ अद्भुत महानगर के वर्णन करत होखसु। तब रउरा मन में कइसन तस्वीर उभरी? सम्भव बा कि रउरा लोगन से भरल एगो जीवंत नगर के कल्पना करीं–जहाँ घर होई, व्यापार होई, सांस्कृतिक गतिविधि होई, शिक्षा के केन्द्र होई, कला आ मनोरंजन के साधन होई, खेल-कूद के आयोजन होई, उद्यान, संग्रहालय, भोजनालय, पुस्तकालय आ संगीत सभा होई।

यूहन्ना ओह तेजोमय महानगर के बीच से बहत एगो सुन्दर नदी के भी उल्लेख कइले रहलन। नगर के विशाल आकार के देखते, ई सम्भव बा कि ओह नदी के बहुत सारा सहायक नदी भी होखे। सम्भव बा कि उहाँ झरना, तालाब आ झील भी होखे। कल्पना करीं कि लोग एह मनभावन जलधारन के किनारे बइठ रहल बा, टहल रहल बा आ आनन्द मना रहल बा।

अइसन माने के कवनो कारण नइखे कि ई सभ बात ओह सभसे महान नगर–महान राजा के नगर–में मौजूद ना होई।

का पूरा नया पृथ्वी खाली एगो विशाल नगर होई?

कुछ लोग भूल से यूहन्ना के नया यरूशलेम के वर्णन के ई अर्थ निकाल लिहले बा कि नया पृथ्वी पर खाली इहे एगो विशाल नगर होई आ एकरा अलावा कुछुओ ना होई। बाकिर यूहन्ना अपना वर्णन में पूरा पृथ्वी के चित्र पेश ना करत रहलन। ऊ खाली एगो जगह के वर्णन करत रहलन। स्वर्ग के राजधानी संसार के जगह ना लेत; ऊ खाली पृथ्वी पर आके स्थापित होई। प्रकाशितवाक्य के आखिरी दू अध्याय के ध्यान से पढ़ला पर साफ हो जाला कि नया पृथ्वी खाली एगो नगर तक सीमित ना होई।

• यूहन्ना लिखले रहलन कि जब ऊ नया यरूशलेम के स्वर्ग से उतर के आवत देखलन, तब ऊ एगो पहाड़ पर खड़ा रहलन। “तब ऊ [एगो स्वर्गदूत] हमरा के आत्मा में एगो बड़का आ ऊँच पहाड़ पर ले गइल आ हमरा के पवित्र नगर, यरूशलेम, के परमेश्वर के लगे से स्वर्ग में से उतर के आवत देखवलस” (प्रकाशितवाक्य अध्याय 21 पद 10)। ध्यान दीं कि यूहन्ना “एगो” पहाड़ कहलन, “ओह” पहाड़ ना। एहसे ई संकेत मिलेला कि उहाँ एह पहाड़ के अलावा अउरी भी पहाड़ होई।

• अपना दर्शन में यूहन्ना संसार के अलग-अलग जातियन आ उनका शासकन के ओह राजधानी में आवत देखलन। एहसे भी ई साफ होला कि नया पृथ्वी पर ओह नगर के अलावा अउरी भी जगह होई। “जाति सभ ओकर ज्योति में चली, आ पृथ्वी के राजा आ शासक आपन महिमा ओकरा में ले आई... ऊ जाति सभ के महिमा, वैभव आ सम्मान ओह नगर में ले आई” (प्रकाशितवाक्य अध्याय 21 पद 24 से 26)।

केवल एगो विशाल, घनाकार आ पारदर्शी नगर के अपना अनन्तकाल के घर माने के विचार उन स्त्री-पुरुषन के मन में कबो ना आइल होत, जे पुराना नियम में आने वाला जीवन के बारे में प्रकट कइल गइल बातन से परिचित रहलें। भविष्यवक्तन के वचन के कारण यूहन्ना के समय के लोग अइसन भविष्य के बाट जोहत रहलें जहाँ सुन्दर प्राकृतिक दृश्य, पेड़, हरियर-भरा वनस्पति आ फूल होई। परमेश्वर अपना भविष्यवक्तन के द्वारा ई प्रतिज्ञा कइले रहलन कि ऊ पृथ्वी के नवीनीकरण करिहें, ना कि ओकर जगह एगो दोसरा पृथ्वी बनइहें।

• पहिला सदी के लोग एह आशा में रहलें कि प्रभु अदन के वाटिका जइसन परिस्थिति के फेर से स्थापित करिहें। उत्पत्ति के किताब ओह वाटिका के अइसन वर्णन करेला, जे हमरा के एह बात के एगो झलक देला कि जब हमार घर पाप के सभ प्रभाव से मुक्त होके नया बना दिहल जाई, तब ऊ कइसन होई। उहाँ खाली घन हरियाली ना रहे, बलुक सोना, सुगन्धित

राल आ गोमेद जइसन बहुमूल्य पत्थर भी रहे। एहसे तरह-तरह के भूमि, प्राकृतिक संरचना आ ओह अद्भुत प्राकृतिक दृश्यन के संकेत मिलेला, जेकरा के आज हम प्राकृतिक आश्चर्य कहिले (उत्पत्ति अध्याय 2 पद 10 से 14)।

• यूहन्ना वर्तमान संसार के आवे वाला नया सृष्टि के पहिला रूप या प्रारम्भिक प्रतिरूप कहलन (प्रकाशितवाक्य अध्याय 21 पद 1)। एहसे हम निश्चिन्त हो सकीले कि नया पृथ्वी एह वर्तमान पृथ्वी जइसने होई, जेकरा में आज भी, पाप से प्रभावित होखे के बावजूद, जेतना वैभव आ सुन्दरता दिखाई देला, ऊ सभ कुछ ओकरा से कहीं अधिक पूर्ण महिमा में विद्यमान होई।

का उहाँ समुद्र, सूरज आ चन्द्रमा ना होई?

प्रेरित यूहन्ना दू गो अइसन कथन लिखले बाड़न, जेकर अक्सर गलत व्याख्या कइल जाला। कुछ लोग एकर ई अर्थ निकालेला कि हमनी के अनन्तकाल के घर में ना सूरज होई, ना चन्द्रमा आ ना समुद्र।

“तब हम एगो नया आकाश आ नया पृथ्वी देखनी, काहेकि पहिला आकाश आ पहिला पृथ्वी चल गइल रहे, आ समुद्र भी ना रहल” (प्रकाशितवाक्य अध्याय 21 पद 1)।

“ओह नगर के रोशनी देवे खातिर ना सूरज के जरूरत रहे आ ना चन्द्रमा के, काहेकि परमेश्वर के महिमा ही ओकरा के प्रकाशित करत रहे, आ मेम्ना ओकर दीपक ह” (प्रकाशितवाक्य अध्याय 21 पद 23)।

एक बेर फेर, हमरा सभ के ई विचार करे के चाहीं कि ई शब्दन के अर्थ ओह मूल पाठकन खातिर का रहे, जे सभसे पहिले एकरा के पढ़ले रहलें। ऊ लोग समझत रहे कि यूहन्ना अइसन कवनो जगह के वर्णन ना करत रहलन जहाँ ना सूरज होई आ ना समुद्र। ऊ लोग जानत रहे कि ऊ ओही पृथ्वी के बारे में लिखत रहलन जेकरा के ऊ लोग जानत आ प्रेम करत रहे–अइसन पृथ्वी जे भ्रष्टता से मुक्त होके अदन के वाटिका जइसन स्थिति में फेर से स्थापित कर दिहल जाई।

का अब समुद्र ना रही?

जब हम “समुद्र भी ना रहल” ई वाक्य सुनिले, तब सभसे पहिले हमरा मन में ई विचार आ सकेला कि अब ना समुद्र तट पर छुट्टी मनावल जाई आ ना समुद्री यात्रा होई। बाकिर यूहन्ना के समय के लोगन के प्रतिक्रिया एकदम अलग होत। उनका खातिर समुद्र एगो भयानक बाधा रहे, अइसन दुश्मन जे भारी विनाश ले आ सकेला।

ओह समय नाविक लोग लकड़ी के जहाजन में समुद्र के यात्रा करत रहे। उनका लगे ना रडार रहे आ ना कवनो आधुनिक दिशा-निर्देशन प्रणाली, जे तूफान भा पानी के भीतर लुकाइल चट्टान आ अउरी खतरन से उनका के बचा सके। समुद्र तट से दूर निकलल अपना प्राण के जोखिम में डाले के बराबर रहे। आज, हालाँकि नूह के जलप्रलय के बचल पानी पृथ्वी के लगभग दू-तिहाई हिस्सा के ढँकले बा, तइयो रउरा आ हमनी कुछे घंटा में एगो बड़ विमान से सुरक्षित रूप से महासागर पार कर सकेनी। यूहन्ना के समय में अइसन बात के कल्पना तक ना कइल जा सकत रहे।

जब यूहन्ना लिखले रहलन, "समुद्र भी ना रहल," त उनका आशय ई ना रहे कि कवनो समुद्र बिल्कुल ना होई, बलुक ई रहे कि समुद्र ओइसन ना रही जइसन हम आज ओकरा के जानतानी। सृष्टि के बाकी सभ हिस्सा जइसन समुद्र भी पाप के कारण प्रभावित आ विकृत हो गइल बा। बाकिर जब यीशु लौटिहें, तब ओकरो उद्धार होई आ ओकरा के ओकर मूल सिद्ध अवस्था में फेर से बहाल कर दिहल जाई।

पवित्रशास्त्र साफ-साफ बतावेला कि नया पृथ्वी पर विशाल जलराशि मौजूद होई। निम्नलिखित बातन पर ध्यान दीं–

• परमेश्वर खुद समुद्रन के रचना कइले रहलन। पाप के संसार में आवे से पहिले ही उनकर अस्तित्व रहे, आ ऊ ओह घर के एगो हिस्सा हवन जे परमेश्वर अपना परिवार खातिर बनवले रहलन। "तब परमेश्वर कहलन, 'आकाश के नीचे के पानी एगो जगह पर इकट्ठा हो जाए, ताकि सूखल भूमि दिखाई दे।' आ अइसने भइल। परमेश्वर सूखल भूमि के नाम 'पृथ्वी' रखलन आ इकट्ठा भइल पानी के नाम 'समुद्र' रखलन। आ परमेश्वर देखलन कि ई अच्छा बा" (उत्पत्ति अध्याय 1 पद 9 से 10)।

• पवित्रशास्त्र बतावेला कि अदन के वाटिका से एगो महान नदी निकलत रहे, जे आगे चलके चार गो बड़ नदी में बँट जात रहे (उत्पत्ति अध्याय 2 पद 10)। नदी सभ कवनो न कवनो बड़ जलाशय में जाके मिलेली। एहसे संकेत मिलेला कि मनुष्य के पाप करे से पहिले भी पृथ्वी पर विशाल जलराशि मौजूद रहे।

• भविष्यवक्ता यशायाह नया पृथ्वी के वर्णन करत समुद्रन, जहाजन आ द्वीपन के भी उल्लेख कइले बाड़न। "समुद्रन के सम्पत्ति तोहरा लगे ले आइल जाई" (यशायाह अध्याय 60 पद 5)। आ, "निश्चय ही द्वीप सभ हमार बाट जोहिहें; सभसे आगे तर्शीश के जहाज होइहें" (यशायाह अध्याय 60 पद 9)।

• नया यरूशलेम में यूहन्ना जे नदी देखलन, ऊ भी कहीं न कहीं जाके मिलत होई। ई भी एह बात के संकेत बा कि नया पृथ्वी पर कवनो विशाल जलराशि जरूर होई (प्रकाशितवाक्य अध्याय 22 पद 1)।

• वर्तमान पृथ्वी, जे आवे वाला नया पृथ्वी के प्रारम्भिक प्रतिरूप बा, विशाल झीलन से भी भरल बा, जे वास्तव में मीठा पानी के महासागरन जइसन हई। एहसे ई मानल कठिन बा कि जब पृथ्वी भ्रष्टता आ मृत्यु से मुक्त होके पुनर्स्थापित होई, तब ई सभ नष्ट हो जाई।

का उहाँ सूरज आ चन्द्रमा ना होई?

यूहन्ना कबो ई ना कहलन कि नया पृथ्वी पर सूरज आ चन्द्रमा ना होई। ऊ खाली एतने कहलन कि ओह राजधानी के उजियारा देवे खातिर सूरज भा चन्द्रमा के रोशनी के जरूरत ना होई, काहेकि उहाँ परमेश्वर के महिमा के तेज प्रत्यक्ष रूप से प्रकाशित होत रही। जिन लोगन परमेश्वर के महिमा के दर्शन कइले बाड़न, ऊ लोग ओकर वर्णन सूरज के रोशनी से भी अधिक तेजस्वी बतवले बा (प्रेरितों के काम अध्याय 26 पद 13)।

पुराना समय के लोगन खातिर ई विचार कि अन्हार के अन्त हो जाई, बहुत आनन्ददायक आ आशा से भर देवे वाला समाचार रहे। हमरा सभ खातिर रात डरावना ना लागेला, काहेकि हमनी बिजली के युग में रहतानी। अन्हार होखला पर भी वास्तव में पूरा अन्हार ना होला। आज हमरा सभ खातिर ई समझल कठिन बा कि बिजली के आविष्कार से पहिले रात के उतरला के का मतलब होत रहे। सूरज डूबला के बाद अपना घर से बाहर भा नगर के फाटकन के बाहर होखल बड़का खतरा के बात रहे। बाकिर जब संसार नया बना दिहल जाई, तब अइसन कवनो चीज ना रही जे कवनो तरह के हानि पहुँचा सके भा डर पैदा कर सके, यहाँ तक कि घन अन्हार आ लगातार बनल रहे वाला अन्हार भी ना।

एहसे ई तथ्य कि "[नगर के] फाटक दिन के अन्त में कबो बन्द ना कइल जइहें, काहेकि उहाँ रात ना होई," यूहन्ना के पाठकन खातिर एगो महान प्रतिज्ञा रहे, जे उनका हृदय में गहिर आशा पैदा कइलस (प्रकाशितवाक्य अध्याय 21 पद 25)।

हालाँकि ओह राजधानी में रात ना होई, तइयो नया पृथ्वी के दोसरा हिस्सा में रात होई। अगर अइसन ना होई, त हम चन्द्रमा, तारा, ग्रह आ आकाशगंगा सभ के देखिए ना पइब जा। प्रभु एह सभ के रचना एह खातिर कइले बाड़न कि हमनी एकरा के देखीं, ओकर शोभा के आनन्द लीं आ ओकर महिमा के द्वारा अपना सृष्टिकर्ता के महानता के पहिचानीं।

यूहन्ना के पाठक लोग उनका कहल बात के परमेश्वर के ओह प्रतिज्ञा के सन्दर्भ में समझले, जवना में ऊ सृष्टि के पाप, भ्रष्टता आ मौत के गुलामी से छुड़ा के पृथ्वी के अपना आ अपना परिवार खातिर एगो उचित आ अनन्त निवास-स्थान के रूप में फेर से स्थापित करे के वचन देने रहले। एह से ऊ लोग प्रेरित के एह दर्शन के एह याद दिलावे वाला बात के रूप में ग्रहण कइल कि प्रभु अपना प्रतिज्ञा के प्रति हमेशा विश्वासयोग्य बाड़न, आ एगो दिन उनकर उद्धार के योजना पूरा रूप से पूरा हो जाई। ऊ लोग जानत रहे कि जे जीवन उनकरा सामने बा, ऊ कवनो नुकसान के जीवन ना, बलुक अनन्त लाभ के जीवन बा।

यूहन्ना के ई वर्णन हमनी के आ एह धरती के भविष्य के बारे में पवित्रशास्त्र के एकमात्र प्रकाशन ना ह। बाइबल हमनी के आवे वाला घर के बारे में एहसे भी बहुत अधिक बात प्रकट करेला। अब आइं, हमनी ओह सच्चाइयन के आउर गहिराई से अध्ययन करीं।

10

भविष्यवक्ता लोग नई धरती के बारे में का कहेला।

यूहन्ना के नई पृथ्वी के दर्शन मुख्य रूप से खाली एगो नगर–नया यरूशलेम–पर केन्द्रित बा। उनका के पूरा पृथ्वी के बारे में बहुत अधिक विवरण ना दिहल गइल रहे। एह से अपना भविष्य के घर के बारे में आउर जानकारी पावे खातिर हमनी के पुरान नियम के भविष्यद्वक्तन के लिखल बातन के ओर देखे के होई। ऊ लोग साफ-साफ बतावेला कि पृथ्वी हमनी खातिर कवनो अनजान जगह ना होई। भविष्यद्वक्ता अइसन दुनिया के चित्र प्रस्तुत करेलन जे नया त होई, बाकिर परिचितो होई; बदलल त होई, बाकिर फेर भी पहिचानल जा सकी। परमेश्वर के ई सेवक लोग प्रकट कइले बा कि नई पृथ्वी पर ओकर रूप-स्वरूप में भी निरन्तरता होई आ ओहिजा होखे वाला गतिविधियन में भी।

नई, फेर भी परिचित।

पिछला अध्याय में हम बतवले रहनी कि नया यरूशलेम, मने राजधानी, के बारे में यूहन्ना के वर्णन के गलत अर्थ लगावे के कारण कुछ लोग नई पृथ्वी के कल्पना एगो अजीब, घनाकार, पारदर्शी संसार के रूप में करेलन, जे खाली सोना आ स्फटिक से बनल होई आ जहाँ न सूर्य होई, न चन्द्रमा। बाकिर पुरान नियम के लेखक लोग बतावेला कि स्वर्ग आ पृथ्वी खातिर परमेश्वर के जे मूल योजना रहे, उहे बनी रही।

• भविष्यद्वक्ता हाग्गै आ जकर्याह के समय में प्रचलित एगो भजन में ई घोषणा कइल गइल बा कि सूर्य, चन्द्रमा आ तारा सदा बनल रही।

“हे सूर्य आ चन्द्रमा, ओकर स्तुति करा! हे सब चमकदार तारा लोग, ओकर स्तुति करा! हे सबसे ऊँच आकाश, ओकर स्तुति करा! हे आकाश के ऊपर के पानी, ओकर स्तुति करा!... काहेकि ऊ आज्ञा दिहलन आ ऊ सब अस्तित्व में आ गइल। ऊ ओकरा सभ के सदा-सर्वदा खातिर स्थिर कइले बाड़न; ओकर व्यवस्था कबो टारल ना जाई” (भजन संहिता अध्याय 148 पद 3 से 6)।

• इस्राएल के राजा दाऊद अपना बेटा आ उत्तराधिकारी सुलैमान खातिर जे प्रार्थना कइले रहन, ओकरो लिखल गइल बा। ओह प्रार्थना के बीच में दाऊद भविष्यवाणी करे लगलन कि एगो दिन यीशु पृथ्वी पर राजा के रूप में राज्य करिहें। एह भविष्यवाणी में जे संसार के चित्र प्रस्तुत कइल गइल बा, ऊ हमनी खातिर परिचित बा–जहाँ आकाश, सूर्य, चन्द्रमा, नदिया, समुद्र, समुद्र के किनारा आ द्वीप होई।

“हे प्रभु, जबले सूर्य चमकत रही आ जबले चन्द्रमा आकाश में बनल रही, लोग तोहार भय मानत रही–हाँ, सदा-सर्वदा!... ऊ [यीशु] समुद्र से समुद्र ले आ फरात नदी से लेके पृथ्वी के छोर ले राज्य करीहें” (भजन संहिता अध्याय 72 पद 5 से 8)।

“भूमध्यसागर के किनारा के राजा–तर्शीश आ द्वीप सभ के राजा–आ शेबा आ सबा [अरब] के राजा उनका खातिर भेंट ले अइहें। हाँ, सभ राजा उनका सामने दण्डवत करीहें आ सभ जाति उनकर सेवा करी” (भजन संहिता अध्याय 72 पद 10)।

पुरान नियम के अउरी भविष्यद्वक्ता लोग भी प्रकट करेलन कि ओह समय पृथ्वी अबहियों पृथ्वी जइसन ही दिखाई दी, आ परमेश्वर के परिवार परिचित गतिविधियन में लागल रही। ऊ लोग अइसन स्त्री-पुरुषन के वर्णन कइले बा जे घर बनइहें, दाख के बारी लगइहें, फसल काटिहें आ अपना दोस्तन आ प्रियजनन के साथ भोजन, पेय, हँसी आ बातचीत से भरल उत्सवन में सहभागी होइहें (टिप्पणी 6 देखीं)।

“देखs, हम नया आकाश आ नई पृथ्वी उत्पन्न करत बानी... हमार सृष्टि के कारण सदा आनन्दित आ मगन रहs... ओह दिनन में लोग अपना बनावल घरन में निवास करीहें आ अपना लगावल दाख के बारियन के फल खइहें” (यशायाह अध्याय 65 पद 17 से 21)।

“हर व्यक्ति अपना दाखलता आ अपना अंजीर के पेड़ के नीचे निडर होके निवास करी, काहेकि डरे के कवनो कारण ना रही” (मीका अध्याय 4 पद 4)।

“ओह दिन तोहरा सभ में से हर एक अपना पड़ोसी के अपना दाखलता आ अपना अंजीर के पेड़ के नीचे आवे के निमंत्रण दी, ताकि ऊ तोहार शान्ति आ समृद्धि में सहभागी हो सके” (जकर्याह अध्याय 3 पद 10)।

“यहोवा के ई वाणी बा, ‘ऊ दिन आवे वाला बा जब अन्न आ अंगूर एतना अधिक मात्रा में पैदा होई कि ओकर कटनी पूरा होखे से पहिले ही अगिला फसल तैयार होखे लागी... हमार लोग दाख के बारियाँ आ बगइचा लगइहें; ऊ लोग ओकर उपज खइहें आ अपना दाखमधु पीही’” (आमोस अध्याय 9 पद 13 से 14)।

“एह पहाड़ पर सेनाओं के यहोवा सभ जाति खातिर बढ़िया भोजन के एगो महान भोज तैयार करीहें, आ पुरान बढ़िया दाखमधु के भोजो दीहें... एह पहाड़ पर ऊ ओह आवरण के नष्ट कर दीहें जे सभ जाति पर पड़ल बा। ऊ मृत्यु के सदा खातिर अन्त कर दीहें। प्रभु यहोवा सभ लोग के आँख से आँसू पोंछ दीहें” (यशायाह अध्याय 25 पद 6 से 8)।

सृष्टि के पुनर्स्थापन।

हो सकेला कि रउआ सोचत होखीं, “ई कइसे सम्भव हो सकेला? ई त बहुत साधारण आ कम आत्मिक जीवन जइसन लागत बा। का सचमुच हमनी के अनन्त जीवन अइसने होई?”

बाकिर असल में हमनी के एही सभ बात खातिर रचाइल गइनी। उद्धार में परमेश्वर के उद्देश्य कवनो बिल्कुल नया योजना के सुरुआत कइल ना ह, बलुक ओह मूल उद्देश्य के फेर से स्थापित कइल ह जवना के ऊ आरम्भे में ठहरवले रहन–ओह समय, जब पाप न त उनका परिवार के बिगाड़ले रहे आ न ही हमनी के घर के।

एही कारण से, अगर हमनी के ई जानल बा कि नई आ पुनर्स्थापित पृथ्वी कइसन होई आ ओहिजा हमनी का करब, त हमनी के ओह संसार के ओर देखे के चाहीं जे पाप के आवे से पहिले रहे।

भविष्यद्वक्ता मूसा उत्पत्ति के किताब के सुरुआती अध्यायन में पाप से पहिले के सृष्टि के बारे में बहुत महत्वपूर्ण जानकारी दिहले बाड़न। ऊ लिखले बाड़न कि प्रभु परमेश्वर अइसन पृथ्वी के रचना कइलन जवना में समुद्र, आकाश आ जमीन रहे, आ जमीन हरियर घास, तरह-तरह के वनस्पति आ फल देवे वाला पेड़-पौधन से भरपूर रहे।

परमेश्वर मनुष्य के एह निवास-स्थान के हर तरह के चिरई-चुरुंग, पशु आ समुद्री जीव-जंतु से भर दिहलन, आ पृथ्वी के चारो ओर सूर्य, चन्द्रमा आ तारन के व्यवस्था कइलन। एह सभ में से कवनो चीज के अन्त ना होई। एकरा उलट, एह सभ के नवीनीकरण कइल जाई, आ ई सभ ओही सृष्टि के फेर से जीवित आ महिमामय रूप बन जाई जवना के सर्वशक्तिमान परमेश्वर आदि में रचले रहन।

भूमि के देखभाल आ ओकर खेती।

प्रभु मनुष्य के अइसन बनवले कि ऊ अर्थपूर्ण आ सन्तोष देवे वाला काम में लागल रहे। जब हमनी अदन के वाटिका में आदम के बारे में मूसा के वर्णन पढ़ींला, त ई बात साफ हो जाला कि भूमि के देखभाल आ ओकर खेती कइल पाप के संसार में आवे से पहिले ही मनुष्य खातिर परमेश्वर के मूल योजना के एगो हिस्सा रहे।

“यहोवा परमेश्वर पूरब दिशा में अदन में एगो वाटिका लगवलन, आ उहाँ ओह मनुष्य के रखलन जेकरा के ऊ बनवले रहन। यहोवा परमेश्वर जमीन से हर तरह के अइसन पेड़-पौधा उगवलन जे देखे में मनोहर आ खाए खातिर बढ़िया रहे... फेर यहोवा परमेश्वर ओह मनुष्य के लेके अदन के वाटिका में रखलन, ताकि ऊ ओकर खेती करे आ ओकर देखभाल करे” (उत्पत्ति अध्याय 2 पद 8 से 15)।

परमेश्वर वनस्पति-जगत के पूरा विकसित अवस्था में रचले रहन, ताकि जब मनुष्य पृथ्वी पर आवे, तब ओकरा खातिर फसल पहिले से उपलब्ध रहे। काहेकि वाटिका स्वाभाविक रूप से बहुत उपजाऊ रहे आ ओहिजा सभ कुछ भरपूर मात्रा में बढ़त रहे, एह से आदम के काम ओकर देखभाल कइल रहे, ताकि बहुत अधिक बढ़े वाली वनस्पति के व्यवस्थित रखल जा सके।

बाकिर खाली एही कारण ना रहे कि परमेश्वर आदम के ओह वाटिका के देखभाल करे के जिम्मेदारी दिहले रहन। प्रभु परमेश्वर अपना परिवार खातिर भोजन के व्यवस्था अइसन कइले रहन कि सीमित संसार में भी असीमित आपूर्ति बनल रहे। ऊ कहलन, “देखऽ, हम पूरा पृथ्वी पर हर तरह के बीज पैदा करे वाला पौधा आ हर तरह के फलदार पेड़ तोहरा सभ के भोजन खातिर देले बानी” (उत्पत्ति अध्याय 1 पद 29)।

बीज पैदा करे वाला पौधन में ई सामर्थ्य होला कि अगर अन्तिम बाल से मिलल बीज के फेर से बो दिहल जाव, त ऊ सदा फल, तरकारी आ अन्न पैदा करत रह सकेला। दोसर शब्द में, सीमित व्यवस्था में भी अगर आपूर्ति के स्रोत लगातार बनल रहे, त कवनो न कवनो आदमी–जइसे आदम–के बीज बोए आ फसल काटे के जरूरत होई।

बीज बोए आ फसल काटे के साथे अउरी बहुत जरूरी काम भी जुड़ल होखेला, जइसे खेती खातिर जरूरी औजार बनावल, उचित कपड़ा तैयार कइल, घर आ भण्डार-घर बनावल आ जमीन के उपज के इकट्ठा करे, सुरक्षित रखे आ उपयोग में लावे खातिर व्यवस्था विकसित कइल। जइसे-जइसे आदम आ हव्वा के लइका होखत गइलें आ पृथ्वी के जनसंख्या बढ़त गइल, ई सभ काम भी विकसित होत गइल। एह से एह में कवनो अचरज के बात नइखे कि भविष्यद्वक्ता ओह समय के भविष्यवाणी कइले बाड़न जब पृथ्वी फेर से नया बना दिहल जाई आ अदन जइसन परिस्थिति दोबारा स्थापित होई–जहाँ खेती होई, घर होई, परिवार होई आ आनन्द के भोज होई। एही त आरम्भ से ही प्रभु के योजना रहे।

नई पृथ्वी पर समय आ ऋतुएँ।

ई बात कि मनुष्य नई पृथ्वी पर भी खेती करी, एह बात के संकेत देला कि हमनी के अनन्त घर में समय के भी महत्व बनल रही। सीमित संसार में असीमित आपूर्ति के व्यवस्था के

भीतर बीज बोए आ फसल काटे के एगो लगातार चक्र चलत रही, आ एह खातिर समय के जानकारी जरूरी होई।

सूर्य आ चन्द्रमा के बनल रहनो एह बात के प्रमाण बा कि समय हमेशा हमनी के जीवन के एगो हिस्सा बनल रही। सृष्टि के सुरुआत से ही परमेश्वर एह आकाशीय ज्योतियन के एही उद्देश्य से ठहरवले बाड़न।

"फेर परमेश्वर कहलन, 'आकाश के विस्तार में ज्योति होखे, जे दिन आ रात के अलग करे। ऊ चिन्ह खातिर, ऋतु, दिन आ साल ठहरावे खातिर होखे'" (उत्पत्ति अध्याय 1 पद 14)।

बाकिर बात खाली एतने ना ह। मूसा पाप से पहिले के पृथ्वी के वर्णन करत लिखले बाड़न कि आकाश के ई ज्योति खाली दिन, साल आ समय के गिनती खातिर ना, बलुक ऋतु के ठहरावे खातिर भी बनावल गइल रहे। ऊ आगे ईहो लिखले बाड़न कि जबले पृथ्वी बनल रही, तबले ऋतु के क्रम भी बनल रही।

"जबले पृथ्वी बनल रही, तबले बोए आ काटे के समय, ठण्ड आ गरमी, गरमी के ऋतु आ जाड़ा, दिन आ रात कबो बन्द ना होई" (उत्पत्ति अध्याय 8 पद 22)।

कुछ लोग एह विचार के विरोध कइले बा कि नई पृथ्वी पर भी ऋतु होई। उनकर अधिकतर तर्क सृष्टिविज्ञानियन द्वारा लिखल किताब आ लेख पर आधारित होला। ई ऊ स्त्री-पुरुष हउवें जे वैज्ञानिक समुदाय से जुड़ल बाड़न आ बाइबल में बतावल सृष्टि के वृत्तान्त पर विश्वास करेलन। ओह लोग में से बहुत लोग आदम के पाप आ जलप्रलय से पहिले के पृथ्वी के भूवैज्ञानिक आ जलवायुविज्ञान सम्बन्धी स्थिति के बारे में विस्तार से लिखले बा। हमरा उनका अध्ययन बहुत रोचक लागेला आ हम खुदो ओकरा पढ़े के पसन्द करेलीं।

बहुत सृष्टिविज्ञानियन के विश्वास बा कि सुरुआती समय में पूरा पृथ्वी के चारो ओर जलवाष्प के एगो विशाल परत फैलल रहे। उनका मानना बा कि एह परत के कारण बहुत प्रभावशाली हरितगृह प्रभाव पैदा होत रहे, जवना से पूरा पृथ्वी पर एक समान, सुखद आ गरम जलवायु बनल रहत रहे। ऊ ईहो मानेलन कि जब संसार के नवीनीकरण होई, तब अइसने परिस्थिति फेर से स्थापित होई आ वर्तमान पृथ्वी पर दिखाई देवे वाला ऋतु के बदलाव समाप्त हो जाई।

यद्यपि हम उनका दृष्टिकोण के सम्मान करेलीं, बाकिर पवित्रशास्त्र साफ-साफ कहेला कि जबले पृथ्वी बनल रही, तबले ऋतु भी बनल रही। हाल के सालन में कुछ सृष्टिविज्ञानियन एह विषय पर अपना विचार में भी बदलाव कइले बाड़न (टिप्पणी 7 देखीं)।

एक बेर फेर हमनी के पूरा चित्र के ध्यान में रखे के चाहीं। परमेश्वर ओही घर के पुनर्स्थापित करत बाड़न जवना के ऊ अपना परिवार खातिर बनवले रहन, आ ऋतु भी सुरुआत से ही अपना बेटा-बेटियन खातिर उनकर उत्तम व्यवस्था के एगो हिस्सा रहे। आदम के पाप के कारण आज ऋतु के कुछ पहलू मनुष्य खातिर कठिनाई के कारण बन गइल बा। पृथ्वी पर आइल भ्रष्टता के श्राप के कारण हवा के अलग-अलग धार एक-दूसरा से टकरावेला, जवना से विनाशकारी आँधी आ तूफान पैदा होखेला। एही कारण कहीं बहुत तेज गरमी पड़ेला जे सूखा के कारण फसल नष्ट कर देला, त कहीं कड़ाके के ठण्ड आ बर्फ सड़कन के ढँक देला आ जीवन के खतरा में डाल देला।

बाकिर जब पृथ्वी के नवीनीकरण होई, तब सर्वशक्तिमान परमेश्वर अइसन ऋतु-व्यवस्था फेर से स्थापित करे में पूरा तरह समर्थ बाड़न जवना में अइसन विनाशकारी आ कबो-कबो प्राणघातक मौसम सम्बन्धी विकृति ना होखे। जब भ्रष्टता पूरी तरह हटा दिहल जाई, तब जलवायु के बदलाव कवनो विपत्ति के कारण ना बनी। तब ऋतु, पाप के प्रवेश से पहिले के तरह, खाली आनन्द आ प्रसन्नता के स्रोत होई।

यद्यपि हम नई पृथ्वी पर जीवन के हर पहलू के पूरा तरह से समझा नइखी सकत, तइयो जे बात हमनी के मालूम नइखे, ओकरा के ओह बातन पर हावी ना होखे देवे के चाहीं जे हमनी के साफ-साफ मालूम बा। परमेश्वर के वचन अन्तिम आ निश्चित बा। हमनी के सामने जे भविष्य बा, ऊ नुकसान के ना, बलुक लाभ के बा; ऊ पहिले से कहीं अधिक उत्तम बा, कमतर ना।

हर ऋतु के आपन अलग सुन्दरता होला। अइसन केहू बा जे पतझड़ के ताजगी से भरल बिहान आ रंग-बिरंगा होत पात के मनोहर दृश्य से आनन्दित ना होखे? या फेर अइसन केहू बा जे रातभर गिरल कोमल बर्फ से सजल जाड़ा के दृश्य देख के खुशी महसूस ना कइले होखे? अगर हमनी के भविष्य के घर में अइसन अद्भुत सुन्दरता ही ना रही, त का नई पृथ्वी वास्तव में वर्तमान पृथ्वी से अधिक उत्तम कहल जाई?

बरखा के आशीष।

हालाँकि पवित्र शास्त्र आदम के पाप करे से पहिले के धरती के जलवायु के बारे में बहुत विस्तार से जानकारी नइखे देत, बाकिर अइसन लागेला कि प्रभु फसल उगावे के प्रक्रिया में बरखा के भी अपना योजना के एगो हिस्सा बनवले रहले। उत्पत्ति के किताब के एगो अंश एह बात के ओर संकेत करेला। धियान दीं कि उहाँ फसल, बरखा आ मनुष्य के बीच कइसन सम्बन्ध बतावल गइल बा।

“ई आकाश आ धरती के उत्पत्ति के वृत्तान्त ह, जब यहोवा परमेश्वर आकाश आ धरती के रचना कइले। ओह समय मैदान के कवनो झाड़ी धरती पर ना उगले रहे आ ना खेत के कवनो वनस्पति अंकुरित भइल रहे, काहे कि यहोवा परमेश्वर अबहीं ले धरती पर बरखा ना भेजले रहले, आ भूमि के खेती करे खातिर कवनो मनुष्य भी ना रहे” (उत्पत्ति अध्याय 2 पद 4 से 5)।

ई साफ बा कि बरखा पैदा करे वाला प्राकृतिक चक्र भी आदम के पाप के परिणाम से प्रभावित भइल बा। एही कारण कबो बहुत तेज बरखा हो जाला आ विनाशकारी बाढ़ आ जाला। हालाँकि बरखा कबो-कबो विनाश के कारण बन जाले, तइयो बाइबल के बहुत जगह पर बरखा के परमेश्वर के आशीष के रूप में प्रस्तुत कइल गइल बा। जब धरती भ्रष्टता आ मृत्यु के गुलामी से पूरी तरह आजाद कर दी जाई, तब बरखा फेरु ओही उद्देश्य के पूरा करी जवना खातिर ओकर रचना भइल रहे, आ ऊ फेरु पूरा मानवजाति खातिर आशीष के कारण बनी।

“तइयो [परमेश्वर] अपना के बिना गवाही के ना छोड़ले, काहे कि ऊ भलाई करत रहलन, आ स्वर्ग से बरखा आ फलवन्त ऋतुएँ देत रहलन, आ हमनी के हृदय के भोजन आ आनन्द से भरत रहलन” (प्रेरितों के काम अध्याय 14 पद 17)।

“ऊ आकाश के बादर से ढाँक देला, धरती खातिर बरखा के व्यवस्था करेला आ पहाड़न पर हरियर-हरियर घास उगावेला” (भजन संहिता अध्याय 147 पद 8)।

हालाँकि पुराना नियम के ई भविष्यद्वक्ता सदियन पहिले जीवित रहले, तइयो उनकर वचन आज भी हमनी से बात करेला। उनकर वचन हमनी के मृत्यु के बाद के जीवन के बारे में बहुते अनमोल जानकारी देला। हमनी के अनन्तकाल के घर कवनो अनजान जगह ना होई, ना अइसन जगह होई जे एह संसार से बिल्कुल अलग होई। ऊ इहे धरती होई, जेकरा के हमनी जानतानी आ जेकरा से हमनी प्रेम करतानी–अइसन धरती, जे भ्रष्टता आ मृत्यु के श्राप से पूरी तरह आजाद कर दी जाई आ फेरु ओइसने बना दी जाई जइसन सर्वशक्तिमान परमेश्वर शुरुआत से ओकरा खातिर योजना बनवले रहलन।

प्रभु के भविष्यद्वक्तन के अनुसार, एह वर्तमान जीवन आ आवे वाला जीवन के बीच साफ निरन्तरता बनी रही। खाली धरती के प्राकृतिक दृश्य आ ओकर वातावरण ही हमनी के अपना घर जइसन महसूस ना कराई, बल्कि उहाँ भी हमनी बहुत सारा परिचित आ आनन्ददायक काम में लागल रही।

आवे वाला कुछ अध्यायन में हमनी अउरी विस्तार से देखब कि नई धरती पर स्त्री आ पुरुष कइसन जीवन बितइहें आ ऊ लोग कवन-कवन काम करी।

11

नई धरती पर राष्ट्र, संस्कृति आ सभ्यता।

अदन के वाटिका के धरती पर फेरु से स्थापित होखे के बात सुन के कुछ लोगन के अइसन लाग सकेला कि हमनी फेरु अंजीर के पत्ता पहिरब, पेड़न से फल तोड़ के खइब आ धरती पर गिरल चीड़ के सुइयन पर सुतब। बाकिर हमनी के भविष्य के बारे में अइसन कल्पना परमेश्वर के वचन के शिक्षा के खिलाफ बा। जीवन नया त होई, बाकिर परिचित भी होई; बदलल त होई, बाकिर फेरु भी पहचान में आवे वाला होई। एकर कारण ई बा कि नई धरती पर भी राष्ट्र, संस्कृति आ सभ्यता बनी रही।

राष्ट्र आ जातीय पहचान।

जातीय पहचान परमेश्वर द्वारा दिहल गइल हमनी के विशिष्टता के एगो हिस्सा बा। जब परमेश्वर आदम के सृष्टि कइले, तब धरती के सभ लोग आ सभ जाति ओही में समाइल रहे। जइसे लिखल बा,

“ऊ एगो ही मूल से मनुष्यन के सभ जाति के उत्पन्न कइले, ताकि ऊ लोग पूरा धरती पर निवास करे” (प्रेरितों के काम अध्याय 17 पद 26)।

इहाँ जवना यूनानी शब्द के अनुवाद “जाति” भा “राष्ट्र” कइल गइल बा, ओकर अर्थ बा– “लोगन के समूह, जाति, एक साथ रहे वाला लोग।” ई अलग-अलग जातीय पहचान मृत्यु के बाद भी बनी रहेला।

• प्रेरित यूहन्ना जब स्वर्ग के दर्शन कइले, तब उहाँ ऊ अलग-अलग जाति आ राष्ट्र के लोगन के देखले।

“एकरा बाद हम देखनी, आ देखीं, एगो अइसन बड़ भीड़ रहे जेकरा के केहू गिन ना सकत रहे। ऊ लोग हर राष्ट्र, हर गोत्र, हर जाति आ हर भाषा के लोग रहे, आ ऊ सिंहासन के सामने खड़ा रहे” (प्रकाशितवाक्य अध्याय 7 पद 9)।

• यूहन्ना नई धरती पर भी अलग-अलग लोगन के समूह के देखले। ऊ लोग के ऊ "जाति" कहलन आ लिखलन कि उनकर शासक धरती के राजधानी, नया यरूशलेम, में आवेलन।

"जाति लोग ओकर ज्योति में चली, आ धरती के राजा लोग आपन महिमा ओकरा में ले आई" (प्रकाशितवाक्य अध्याय 21 पद 24)।

राज्यन के एगो महान राज्य।

यीशु मसीह अपना प्रत्यक्ष राज्य के स्थापित करे खातिर धरती पर फेरु अइहें। उनकर राज्य अइसन महान राज्य होई जेकर अधीन बहुत सारा राज्य होई आ जे सभ उनकर अधिकार के अधीन होई। पवित्रशास्त्र प्रकट करेला कि यीशु ओह लोग पर राज्य करीहें जे खुद भी राज्य करीहें।

• पुराना नियम के भविष्यद्वक्तन एकर भविष्यवाणी कइले रहले।

"ऊ [प्रभु] समुद्र से समुद्र तक आ फरात नदी से लेके धरती के छोर तक राज्य करी... तर्शीश आ दूर-दूर के तट के राजा लोग ओकरा खातिर भेंट ले आई... सभ राजा ओकरा सामने दण्डवत करीहें आ सभ जाति ओकर सेवा करी" (भजन संहिता अध्याय 72 पद 8 से 11)।

• यूहन्ना भी अपना दर्शन में इहे देखलन।

"संसार के राज्य हमनी के प्रभु आ उनकर मसीह के राज्य बन गइल बा, आ ऊ युगानुयुग राज्य करीहें" (प्रकाशितवाक्य अध्याय 11 पद 15)।

• यूहन्ना ई भी लिखलन कि स्वर्ग में जिन अलग-अलग जाति आ लोगन के ऊ देखले रहले, ऊ लोग धरती पर लौट के राज्य करे के आशा रखत रहे। ऊ लोग के ऊ ई गीत गावत सुनलन–

"हे यीशु, तू अपना लहू के द्वारा हमनी के हर गोत्र, हर भाषा, हर जाति आ हर राष्ट्र में से परमेश्वर खातिर मोल लिहलऽ... आ हमनी धरती पर राज्य करब" (प्रकाशितवाक्य अध्याय 5 पद 9 से 10)।

धरती पर राज्य करे के।

जब प्रभु अपना राज्य स्थापित करीहें, तब ऊ अपना प्रति विश्वासयोग्य सेवा करे वाला उद्धार पावल कुछ लोगन के उनकर प्रतिफल के रूप में शासन करे के पद दीहें। बाकिर धरती पर राज्य करे के मतलब खाली एतने ना ह। पुराना नियम के महान भविष्यद्वक्ता दानिय्येल के परमेश्वर के प्रत्यक्ष राज्य के स्थापना के बारे में बहुत सारा बात देखावल गइल

रहे। ऊ पहिले से देखले रहले कि जब यीशु एह संसार पर अपना अधिकार स्थापित करीहें, तब उनकर उद्धार पावल लोगन के धरती के राज्यन के प्रभुत्व आ वैभव दिहल जाई।

“बाकिर परमप्रधान के पवित्र लोग राज्य के पाईहें, आ ऊ लोग राज्य के अधिकारी होके सदा-सर्वदा ओकर मालिक बनल रही” (दानिय्येल अध्याय 7 पद 18)।

“आ पूरा आकाश के नीचे के राज्य, उनकर प्रभुत्व आ उनकर वैभव परमप्रधान के पवित्र लोगन के दिहल जाई। ओकर राज्य अनन्तकाल के राज्य होई, आ सभ राज्य ओकर सेवा करीहें आ ओकर आज्ञा मानीहें” (दानिय्येल अध्याय 7 पद 27)।

प्रभुत्व खातिर बनावल गइल।

नई धरती पर जीवन के सन्दर्भ में “प्रभुत्व” के असली अर्थ समझे खातिर हमनी के फेरु शुरुआत के ओर लवटे के पड़ी। बाइबल के शुरुआत एह घोषणा से होला कि सर्वशक्तिमान परमेश्वर मनुष्य के अपना स्वरूप में बनवले।

“तब परमेश्वर कहलन, ‘आव, हम मनुष्य के अपना स्वरूप आ अपना समानता के अनुसार बनाईं; आ ऊ लोग प्रभुत्व करी...’” (उत्पत्ति अध्याय 1 पद 26)।

“प्रभुत्व” शब्द के अर्थ ह–राज्य करना भा अधिकार रखल। आमतौर पर हमनी एह शासन के खाली शैतान भा दोसर मनुष्यन पर अधिकार रखे के अर्थ में समझतानी।

• बाकिर शैतान पर शासन करना मनुष्य के मूल सृष्टिगत बुलाहट के हिस्सा ना ह। ई खाली वर्तमान जीवन में पैदा भइल एगो अस्थायी जरूरत ह, जे शैतान के विद्रोह आ आदम के पतन के कारण सामने आइल। हमनी के भविष्य के घर में शैतान पर राज्य करे के कवनो सवाल ही ना होई, काहे कि ओकरा के हमेशा खातिर मनुष्यन के सम्पर्क से दूर कर दिहल जाई (प्रकाशितवाक्य अध्याय 20 पद 10)।

• ओही तरह “प्रभुत्व” के मतलब मनुष्यन पर शासन करना भी ना ह। जब आदम आ हव्वा के ई अधिकार दिहल गइल रहे, तब धरती पर दोसर कवनो मनुष्य रहे ही ना। वास्तव में, ओह समय पूरा मानवजाति आदम में ही समाइल रहे। एही से जब परमेश्वर प्रभुत्व करे के आज्ञा दिहलन, तब ई अधिकार एक साथ पूरा मानवजाति के दिहल गइल।

असल में, “प्रभुत्व” के सम्बन्ध मनुष्य आ बाकी सृष्टि के बीच के सम्बन्ध से बा। जब हमनी पूरा पद पढ़तानी, तब ई बात साफ हो जाला।

• जब प्रभु परमेश्वर मनुष्य के प्रभुत्व दिहलन, तब ऊ ई भी कहलन, “ऊ लोग समुद्र के मछरी, आकाश के चिरई, घरेलू पशु, पूरा धरती आ धरती पर रेंगइया सभ जीव-जन्तु पर प्रभुत्व करी” (उत्पत्ति अध्याय 1 पद 26)।

• भजनकार दाऊद पवित्र आत्मा के प्रेरणा से प्रभु के इहे आज्ञा के एह शब्दन में व्यक्त कइलन, “तू अपना बनावल सभ वस्तु पर हमनी के अधिकार दिहलऽ। तू सभ कुछ हमनी के अधीन कर दिहलऽ–भेड़-बकरी, गाय-बैल, सभ जंगली पशु, आकाश के चिरई, समुद्र के मछरी आ ऊ सभ जीव जे समुद्र के धारन में चलत-फिरत बा” (भजन संहिता अध्याय 8 पद 6 से 8)।

उत्पत्ति के किताब आगे बतावेला कि जब परमेश्वर मनुष्य के प्रभुत्व दिहलन, तब आदम आ हव्वा के दिहल उनकर पहिला आज्ञा भी एह संसार के साथ उनकर सम्बन्ध आ उत्तरदायित्व से जुड़ल रहे। प्रभु उनकरा लोगन के धरती के मनुष्यन से भर देवे आ ओकरा के अपना अधीन करे के काम शुरू करे के आज्ञा दिहलन।

“फलो-फूलो, बढ़ो, धरती के भर दऽ आ ओकरा के अपना वश में करऽ [ओकर सभ विशाल संसाधन समेत]” (उत्पत्ति अध्याय 1 पद 28)।

“फलो-फूलो आ बढ़ो” के अर्थ ह सन्तान उत्पन्न करना। आ “धरती के अपना वश में करऽ” के अर्थ ह ओकर सम्पदा आ संसाधन के उचित उपयोग करके आ ओकर आनन्द लेत सृष्टि के व्यवस्थित रूप से अपना अधीन में ले आवल। प्रभु तुरन्ते आदम आ हव्वा के इहे काम सौंप दिहलन। ऊ लोग के धरती के प्राकृतिक उपज के भोजन के रूप में उपयोग करे के अधिकार दिहलन।

“हम पूरा धरती पर हर प्रकार के बीज पैदा करे वाला पौधा आ सभ प्रकार के फलदार पेड़ तोहरा लोग के भोजन खातिर दिहले बानी” (उत्पत्ति अध्याय 1 पद 29)।

पृथ्वी के अधीनता में लाना।

आदम आउर हव्वा प्रभु के आज्ञा के पालन कइलें आउर संतान पैदा कइलें (उत्पत्ति अध्याय 4 पद 1)। जइसे-जइसे उनकर परिवार बढ़त गइल, ओइसहीं ऊ लोग आउर उनकर संतान प्रभुत्व के इस्तेमाल करत पृथ्वी के अपना अधीन में ले आवे लगल। ऊ लोग पृथ्वी के संसाधन के उपयोग कइलें आउर तरह-तरह के संस्कृति आउर सभ्यता के विकास कइलें।

• आरम्भिक मनुष्य खेती कइलें, पशुपालन कइलें, तम्बू बनवलें आउर संगीत के बाजा तैयार कइलें। ऊ लोग धातु के गलावे आउर ओहसे तरह-तरह के वस्तु बनावे के कला विकसित कइलें, समुद्री यात्रा कइलें आउर नया प्रदेश के खोज कइलें। मनुष्य शासन-व्यवस्था स्थापित

कइलें, नगर बसवलें आउर बड़-बड़ साम्राज्य खड़ा कइलें। आदम के बहुत-से बेटा-बेटी विशाल भवन बनावे खातिर भट्ठा में पकावल ईंट बनावे के सीखलें आउर डामर के इस्तेमाल करे के भी सीखलें (उत्पत्ति अध्याय 4 पद 20 से 22; उत्पत्ति अध्याय 11 पद 2 से 4)।

• ओह आरम्भिक दिनन से लेके आजु ले मानवजाति के हर पीढ़ी कवनो-न-कवनो रूप में पृथ्वी पर प्रभुत्व कइले बिया आउर ओकर संसाधन के इस्तेमाल करके अपना जीवन, संस्कृति आउर सभ्यता के विकास कइले बिया।

मनुष्य के आरम्भ से लेके आजु ले पृथ्वी पर स्थापित हर संस्कृति आउर सभ्यता में कुछ मूलभूत समानता रहल बा। सभे लोग अपना रहे खातिर घर बनावेला, भोजन जुटावेला, खेती करेला, फसल काटेला आउर तरह-तरह के वस्तु बनावेला। हर समाज भोजन के सुरक्षित रखे आउर ओकरा तैयार करे के अपना-अपना व्यवस्था विकसित करेला। हर तरह के लोग कपड़ा, गहना, संगीत आउर कला के सृजन करेला। ऊ लोग कहानी रचेला आउर सुनावेला, अपना स्मृति के सुरक्षित रखेला, अपना घर के सजावेला आउर उत्सव मनावेला। ई सभ काम एह बात के अभिव्यक्ति ह कि मनुष्य अपना सृष्टिगत उद्देश्य के एगो हिस्सा पूरा करत बा– अर्थात् पृथ्वी पर प्रभुत्व कइल आउर ओकर संसाधन के इस्तेमाल करके ओकरा अपना अधीन में ले आइल।

सदियन के दौरान मनुष्य के सृजनात्मक क्षमता अनेक अद्भुत उपलब्धि पैदा कइले बिया– सुन्दर चित्रकला आउर मनोहर संगीत रचना से लेके औद्योगिक आउर तकनीकी आविष्कार तक। दुर्भाग्य से, एह पापग्रस्त संसार में एह उपलब्धियन के एगो बड़ हिस्सा बुराई के काम में भी इस्तेमाल भइल बा। समग्र रूप से देखल जाव त पतित मानवजाति अइसन सभ्यता बनावे में असफल रहल बिया जे सर्वशक्तिमान परमेश्वर के महिमा प्रकट करे। बाकिर नया पृथ्वी पर ई स्थिति पूरा तरह बदल जाई। जब प्रभु पृथ्वी पर अपना अनन्त राज्य के स्थापना करीहें, तब ऊ मानव संस्कृति के शुद्ध आउर पवित्र करीहें, ताकि ऊ ओही काम करे जेकरा खातिर ओकर आरम्भ से उद्देश्य रहल बा–परमेश्वर के महिमा कइल आउर उनकर परिवार खातिर आशीष के कारण बनल।

नई पृथ्वी पर संस्कृति आउर सभ्यता।

रउरा के याद होई कि प्रेरित पतरस आवे वाला समय में संसार के रूपान्तरण के तुलना नूह के जलप्रलय से कइले रहलें (2 पतरस अध्याय 3 पद 6)। ओह जलप्रलय पृथ्वी के विनाश ना कइले रहे; ऊ ओकरा के शुद्ध कइलस आउर ओकर रूप बदल दिहलस। ओही तरह जलप्रलय मानवजाति खातिर परमेश्वर के मूल योजना के भी समाप्त ना कइलस। नूह आउर उनकर परिवार के जहाज में सुरक्षित राखल गइल, ताकि ऊ लोग फेरु पृथ्वी पर लौट के जीवन के आरम्भ कर सके।

जलप्रलय समाप्त होखे के बाद प्रभु उनकरा के जे पहिल आज्ञा दिहलें, ऊ ओही आज्ञा रहे जे आदम आउर हव्वा के दिहल गइल रहे–“फलो-फूलो, पृथ्वी के भर दऽ आउर ओकरा पर प्रभुत्व करा” (उत्पत्ति अध्याय 9 पद 1)। नूह एह आज्ञा के पालन कइलें, “आ नूह खेती करे के आरम्भ कइलें आउर एगो दाख के बारी लगवलें” (उत्पत्ति अध्याय 9 पद 20)। एह तरह जलप्रलय से पहिले के दुनिया आउर ओकरा बाद के दुनिया के बीच निरन्तरता बनल रहल। मानव संस्कृति आउर ज्ञान समाप्त ना भइल, बल्कि आगे भी चलत रहल।

ठीक ओही तरह, जब यीशु वापस अइहें, तब भी मानवजाति के नया पृथ्वी पर सभ कुछ शून्य से आरम्भ ना करे के पड़ी। मानव संस्कृति के ऊ सभ पहलू जे पापपूर्ण रहलें, पूरा तरह समाप्त कर दिहल जाई। जे बात अपने आप में पापपूर्ण ना रहलें, बाकिर बुरा उद्देश्य खातिर इस्तेमाल भइलें या जेकरा के दुष्ट मनोभाव से प्रयोग कइल गइल, ऊ भी शुद्ध कर दिहल जाई। बाकिर मानव संस्कृति के कवनो अइसन बात जे परमेश्वर के आदर करत रहे या उनकर महिमा प्रकट करत रहे, कबो नष्ट ना होई।

एह पतित संसार में मानव सभ्यता के जे सर्वोत्तम उपलब्धि हमनी आज देखत बानी जा, ऊ केवल ओह महान महिमा के एगो छोट-सा झलक ह जे तब प्रकट होई जब पूरा संसार के नवीनीकरण कर दिहल जाई।

नई पृथ्वी शुद्ध कइल गइल, परमेश्वर के महिमा प्रकट करे वाली सभ मानवीय संस्कृति के सर्वोत्तम उपलब्धियन से भरल होई। बाकिर ई त खाली आरम्भ होई। एह अध्याय में पहिले हम दानिय्येल के ओह भविष्यवाणी के उल्लेख कइले रहीं, जवना में लिखल बा कि पृथ्वी पर परमेश्वर के स्थापित होखे वाला राज्य में “समस्त आकाश के नीचे के राज्य, उनकर प्रभुत्व आउर उनकर वैभव परमप्रधान के पवित्र लोग के दिहल जाई” (दानिय्येल अध्याय 7 पद 27)। इहाँ “वैभव” जे मूल शब्द से आइल बा, ओकर अर्थ ह “लगातार बढ़त रहना” या “वृद्धि होखल।” कल्पना करीं कि जब हमनी के पूरा तरह सिद्ध बना दिहल जाई आउर हमनी के हर काम के एकमात्र उद्देश्य परमेश्वर के महिमा आउर उनकर आदर कइल होई, तब स्त्री आउर पुरुष कइसन अद्भुत उपलब्धियन के सृजन करीहें!

का ई सच होखे खातिर बहुत बढ़िया ना लागेला?

एक बेर फेरु, आवे वाला जीवन के ई चित्र कुछ लोग के एतना साधारण लाग सकेला कि ऊ लोग के ई पर्याप्त आध्यात्मिक ना बुझाई। बाकिर एह विषय में हमरा के तीन गो महत्वपूर्ण बात कहे दीं।

पहिलका: ई हमनी के सृष्टिगत उद्देश्य के एगो हिस्सा ह।

परमेश्वर मनुष्य के सृष्टि एह उद्देश्य से कइलें कि ऊ एही पृथ्वी पर जीवन बितावे आउर एकर प्रभुत्व करे। बाइबल के शुरुआत एह बात से होला कि परमेश्वर मनुष्य के पृथ्वी पर राज्य करे के अधिकार देलें, आउर एकर अन्त भी एही घोषणा से होला कि मनुष्य पृथ्वी पर राज्य करी।

“आ ऊ लोग [परमेश्वर के बेटा-बेटी] युगानुयुग राज्य करी” (प्रकाशितवाक्य अध्याय 22 पद 5)।

सर्वशक्तिमान परमेश्वर मनुष्य के खाली पृथ्वी के रखवाला बने खातिर ना बनवले रहलें। अगर खाली एकर देखभाल करे के उद्देश्य होत, त स्वर्गदूत भी ई काम कर सकत रहितें। बाकिर परमेश्वर के योजना एकरा से कहीं अधिक महान रहे। उनकर उद्देश्य रहे कि मनुष्य पृथ्वी के संस्कृति, सभ्यता आउर जीवन-व्यवस्था के सृजन करे, ओकरा के विकसित करे आउर ओकरा के अइसन रूप दे कि ओकर माध्यम से परमेश्वर के महिमा प्रकट होखे।

हम पहिले उल्लेख कइले रहीं कि यूहन्ना अदृश्य लोक में अइसन लोग के देखले रहलें जे पृथ्वी पर लौट के राज्य करे के बाट जोहत रहलें। इहाँ “राज्य कइल” के अर्थ खाली शासन कइल ना ह, बल्कि मसीह के साथे राज्य कइल आउर उनकर राज्य के विशेषाधिकार, सम्मान, आशीष आउर आनन्द में सहभागी होखल ह।

परमेश्वर से उद्धार पावल स्त्री आउर पुरुष, जे एह समय स्वर्ग में बाड़ें, बड़ी उत्सुकता से ओह दिन के बाट जोहत बाड़ें जब ऊ लोग पृथ्वी पर लौट के अपना सृष्टिगत उद्देश्य के पूरा करी। ऊ लोग एगो भौतिक संसार में वास्तविक शारीरिक जीवन जिए के आशा रखेला– अइसन जीवन जे परमेश्वर के पूर्ण महिमा करे, जबकि ऊ लोग ओह घर के सुन्दरता, आशीष, लाभ आउर प्रबन्ध के उपयोग करी आउर ओकर आनन्द ली, जे प्रभु अपना परिवार खातिर बनवले बाड़ें।

हमनी के मालूम बा कि एह जीवन से विदा होखे के बाद भी मनुष्य अपना स्मृति आउर अपना ज्ञान के बनाए रखेला। एह से जब स्वर्ग में रहे वाला लोग पृथ्वी पर लौटे, त ओकरा के ई याद रही कि ऊ पृथ्वी पर कइसे जीवन बितवले रहे आउर अपना जीवनकाल में का-का सीखले आउर खोजले रहे। आउर अगर ई मान भी लीं कि नई पृथ्वी पर परमेश्वर से उद्धार पावल परिवार के सभ कुछ फेरु से आरम्भ करे के पड़ी, त बहुत कम समय में सभ्यता फेरु विकसित होके सुचारु रूप से चले लागी।

दूसरका: परमेश्वर हमनी के एह योग्य बनवले बाड़ें।

संस्कृति के निर्माण करे वाली सृजनात्मकता आउर आविष्कार करे के क्षमता अपने आप में बुरा ना ह। ई ओह परमेश्वर के स्वरूप के एगो हिस्सा ह, जेकरा के स्त्री आउर पुरुष, अपना

पतित अवस्था में भी, धारण कइले बाड़ें। जब प्रभु परमेश्वर मूसा आउर इस्राएलियन के पहिल पवित्र निवासस्थान (मण्डप) बनावे के आज्ञा दिहलें, तब ऊ कुछ लोग के विशेष सामर्थ्य दिहलें कि ऊ लोग अपना कलात्मक कुशलता, तरह-तरह के आकृति, रंग आउर बनावट के माध्यम से ओकरा के एगो उत्कृष्ट कला-कृति बना सके। एतने ना, ऊ लोग के ई सामर्थ्य भी दिहल गइल कि जे कला उनकरा के खुद मिलल रहे, ऊ दोसरा लोग के भी सिखा सके। ई कारीगर आउर कलाकार पवित्रशास्त्र में ऊ पहिल लोग हवन, जेकरा बारे में लिखल बा कि ऊ लोग पवित्र आत्मा से परिपूर्ण कइल गइल।

"देख, हम बसलेल के चुनले बानी... आउर ओकरा के परमेश्वर के आत्मा से परिपूर्ण कइले बानी, ताकि ऊ हर प्रकार के काम में बुद्धि, समझ, ज्ञान आउर हर प्रकार के कारीगरी में निपुण होखे। ऊ सोना, चाँदी आउर काँसा के सुन्दर वस्तु बनावे, बहुमूल्य पत्थर काट के जड़े, लकड़ी पर नक्काशी करे आउर हर प्रकार के कारीगरी में निपुण बा" (निर्गमन अध्याय 31 पद 1 से 5)।

"आ यहोवा [बसलेल] आउर ओहोलीआब के ई सामर्थ्य भी दिहलें कि ऊ लोग अपना कला दोसरा लोग के सिखावे। यहोवा उनकरा के जौहरी, रूप-रेखा बनावे वाला, बुनकर आउर महीन मलमल पर नीला, बैंगनी आउर लाल रंग के धागा से कढ़ाई करे वाला कारीगरन के विशेष कुशलता दिहलें। ऊ लोग एह काम खातिर जरूरी हर प्रकार के कारीगरी में निपुण बा" (निर्गमन अध्याय 35 पद 34 से 35)।

इस्राएल के महान राजा सुलैमान के याद करीं। परमेश्वर से मिलल बुद्धि उनकर भीतर अद्भुत जिज्ञासा आउर सृजनात्मकता पैदा कइलस, आउर ऊ दुनो के इस्तेमाल प्रभु के महिमा करे खातिर कइलें।

"परमेश्वर सुलैमान के बहुत अधिक बुद्धि, समझ आउर अइसन विशाल ज्ञान दिहलें जेकर कवनो सीमा ना रहे... ऊ लगभग तीन हजार नीतिवचन कहलें आउर एक हजार पाँच गीत रचलें। ऊ लबानोन के बड़-बड़ देवदार के पेड़ से लेके दीवार के दरार में उगे वाला छोट-सा जूफा तक, हर तरह के पौधा के बारे में अधिकार के साथ बोल सकत रहलें। ऊ पशु, चिरई, रेंगइया जीव आउर मछरी के बारे में भी ज्ञान रखत रहलें। पृथ्वी के सभ राष्ट्रन के राजा अपना दूतन के सुलैमान के बुद्धि सुने खातिर भेजत रहलें" (1 राजा अध्याय 4 पद 29 से 34)।

"जब शेबा के रानी सुलैमान के ओह प्रसिद्धि के बारे में सुनली, जे यहोवा के नाम के सम्मान बढ़ावत रहे, तब ऊ कठिन प्रश्नन के माध्यम से उनकर परीक्षा लेवे खातिर अइली" (1 राजा अध्याय 10 पद 1)।

तीसरा: ई परमेश्वर के महिमा करेला।

अक्सर लोग ई सोचेला कि खाली कलीसिया से जुड़ल कामे परमेश्वर के महिमा कर सकेला। बाकिर सच्चाई ई बा कि जब हम परमेश्वर से मिलल अपना वरदान के इस्तेमाल करके कवनो भी धर्मी आउर उचित काम करीं, त ऊ भी उनकर महिमा प्रकट करेला। जब रउरा केक बनाईं, फसल उगाईं, कवनो किताब लिखीं या एगो मेज तैयार करीं, तब रउरा परमेश्वर से मिलल अपना सृजनात्मक क्षमता के इस्तेमाल करत बानी आउर पृथ्वी के ओकरा संसाधन समेत अपना अधीन में ले आवे के उनकर पहिल आज्ञा के पूरा करत बानी। अगर रउरा के काम के उद्देश्य प्रभु के आदर कइल आउर दोसरा लोग खातिर आशीष के कारण बनल बा, त रउरा के ऊ परिश्रम परमेश्वर के महिमा करे वाली एगो अभिव्यक्ति बन जाला।

“ओही तरह रउरा लोग के उजियारा मनुष्यन के सामने अइसन चमके कि ऊ लोग रउरा भला काम के देख के रउरा स्वर्गीय पिता के महिमा करे” (मती अध्याय 5 पद 16)।

“एह से चाहे रउरा खाईं, चाहे पीईं, या जवन कुछ भी करीं, सभ कुछ परमेश्वर के महिमा खातिर करीं” (1 कुरिन्थियों अध्याय 10 पद 31)।

राज्यन के वैभव।

नई पृथ्वी के अपना दर्शन में यूहन्ना राजा लोग के राजधानी नगर में आवत देखलें। ई शासक अपना-अपना राष्ट्र आउर लोग के सांस्कृतिक उपलब्धियन के साथे लेके आवत रहलें।

“आ पृथ्वी के राजा अपना महिमा आउर सम्मान ओकरा में ले अइहें... आउर ऊ लोग जातियन के महिमा, वैभव आउर सम्मान ओकरा में ले अइहें” (प्रकाशितवाक्य अध्याय 21 पद 24 से 26)।

कवनो महान सभ्यता के वैभव आउर गौरव खाली ओकर शक्ति आउर शासन करे के सामर्थ्य तक सीमित ना होला। ओकर विशिष्ट पहचान ओकर संस्कृति, ओकर कला, ओकर सृजनात्मकता आउर ओकर उत्कृष्ट उपलब्धियन में भी दिखाई देला।

यूहन्ना जवन उपहार लेके आवे वाला राजा लोग के वर्णन कइले बाड़ें, ऊ वास्तव में ओह दृश्य के पूरा होखल ह, जेकर वर्णन सभसे पहिले यशायाह कइले रहलें, जब ऊ नई पृथ्वी के जीवन के विषय में विस्तार से भविष्यवाणी कइले रहलें। यशायाह के भविष्यवाणी प्रकट करेला कि ई राजा लोग अपना-अपना राष्ट्र के उपज आउर वैभव के नया यरूशलेम में लेके अइहें।

“जातियाँ तोहार उजियारा के ओर अइहें, आउर राजा तोहार उदय के तेज के ओर... समुद्र के सम्पत्ति तोहरा लगे ले अइहें... राष्ट्रन के धन तोहरा लगे आई। ऊँटन के झुण्ड तोहार देश के भर दी, मिद्यान आउर एपा के जवान ऊँट अइहें। सभे शेबा से अइहें, सोना आउर लोबान ले

अइहें... केदार के सभ भेड़-बकरी तोहरा लगे इकट्ठा होई, आउर नबायोत के मेढ़ा तोहार सेवा में उपस्थित होई" (यशायाह अध्याय 60 पद 3 से 7)।

ध्यान दीं कि महान राजा के नगर में जे वस्तु ले आइल जा रहल बा, ऊ सभ परिचित सांस्कृतिक उपज आउर मानवीय परिश्रम के फलस्वरूप मिलल उपलब्धि ह। ई एह बात के एगो आउर प्रमाण बा कि नई पृथ्वी पर हमनी के जीवन ओइसने होई जइसन हमनी जानत बानी जा–बाकिर पाप से शुद्ध कइल गइल; नया त होई, बाकिर फेरु भी परिचित आउर पहिचाने जा सके वाला होई।

आदि में परमेश्वर स्त्री आउर पुरुष दुनु के प्रभुत्व दिहलें आउर ई उत्तरदायित्व सौंपलें कि ऊ लोग परमेश्वर से मिलल अपना सृजनात्मक क्षमता, वरदान आउर प्रतिभा के इस्तेमाल करके अइसन संस्कृति आउर सभ्यता के निर्माण करे, जे परमेश्वर के महिमा करे। पाप कुछ समय खातिर एह योजना में बाधा जरूर डाल दिहलस, बाकिर नई पृथ्वी पर परमेश्वर के ई उद्देश्य पूरा तरह पूरा होई।

यीशु हमनी के उद्धार एह खातिर कइलें कि हमनी के अपना सृष्टिगत उद्देश्य में फेरु से स्थापित करसकें–परमेश्वर के सन्तान होखल आउर प्रभुत्व कइल। हमनी सदा खातिर पृथ्वी पर राज्य करब। हमनी ओकर विशाल संसाधन के बुद्धिमानी से इस्तेमाल करत ओकरा के अपना अधीन में ले अइब आउर अइसन जीवन, संस्कृति आउर सभ्यता के विकास करब जे प्रभु के महिमा करे आउर पूरा मानवजाति खातिर आशीष के कारण बने।

12

नई धरती पर जीवन।

परमेश्वर के उद्धार के उद्देश्य ई ना ह कि सृष्टि में जे कुछ ऊ बनवले बाड़ें, ओकरा के हटा के ओकर जगह पर कवनो बिलकुल नया चीज बना दीं। उनकर योजना ई ह कि ऊ अपना परिवार आउर ओह घर–अर्थात् पृथ्वी–दुनु के ओही स्थिति में फेरु से स्थापित करीं, जेकर योजना ऊ आदि से कइले रहलें। एह में पहिले से मौजूद संस्कृति आउर सभ्यता के शुद्ध कइल भी शामिल बा। एह से नई पृथ्वी पर जीवन के बहुत हिस्सा हमनी के परिचित लागी, काहेकि आज के जीवन के बहुत-से पहलू उहाँ भी बनल रही–बाकिर पाप से पूरा तरह शुद्ध आउर सिद्ध अवस्था में।

नई पृथ्वी पर भोजन आउर वस्त्र।

वर्तमान अदृश्य स्वर्ग में रहे वाला स्त्री आउर पुरुष भोजन करेलें, पिएलें आउर वस्त्र भी पहिनेलें। एह से ई माने के कवनो कारण नइखे कि जब हमनी अपना पुनर्जीवित शरीर के साथे फेरु एक हो जइब, तब हमनी ई सभ बात छोड़ देब। खास करके एह खातिर कि भोजन आउर वस्त्र–दुनु–पृथ्वी के अपना अधीन में ले आवे खातिर परमेश्वर से दिहल मूल आदेश के पूरा करे के एगो हिस्सा ह।

मनुष्य के प्रभुत्व देला के बाद प्रभु आदम आउर हव्वा के जे पहिल आज्ञा दिहलें, ऊ ई रहे कि ऊ लोग पृथ्वी के उपज के भोजन के रूप में इस्तेमाल करे (उत्पत्ति अध्याय 1 पद 29)।

आ जहाँ ले वस्त्र के सवाल बा, हमनी के पहिल माता-पिता अदन के वाटिका में नंग रहे। एकर कारण ई ना रहे कि प्रभु वस्त्र पहिने के विरोधी रहलें, बल्कि एह खातिर रहे कि ऊ चाहत रहलें कि मनुष्य परमेश्वर से दिहल अपना सृजनात्मक क्षमता के इस्तेमाल करे आउर पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधन से अपना खातिर उचित वस्त्र तैयार करे।

हमनी का खइब?

ई मानल उचित बा कि नई पृथ्वी पर भी हमनी ओह अनेक प्रकार के भोजन के आनन्द लीं जा, जे हमनी आज खात बानी जा, काहेकि हमनी के ई याद रही कि अपना प्रिय भोजन आउर पेय के कइसे बनावल आउर तैयार कइल जाला। सम्भव बा कि रउरा के कवनो पूर्वज अपना समय के कवनो प्रसिद्ध व्यंजन रउरा खातिर फेरु बना के दे। शायद कवनो दोसरा देश से आइल रउरा के नया मित्र अपना जन्मस्थान के कवनो पारम्परिक भोजन रउरा खातिर तैयार करे। एह में कवनो सन्देह नइखे कि स्त्री आउर पुरुष पृथ्वी के प्रचुर संसाधन के इस्तेमाल करके नया-नया स्वादिष्ट भोजन आउर पेय पदार्थ भी विकसित करीहें।

का हमनी मांस खाइब? जइसन आज हमनी जानत बानी जा, ओइसन ना। मांस पावे खातिर कवनो पशु के मरल जरूरी होला, आउर आवे वाला जीवन में मृत्यु के कवनो जगह ना होई।

“सभसे आखिर में जे शत्रु नष्ट कइल जाई, ऊ मृत्यु ह” (1 कुरिन्थियों अध्याय 15 पद 26)।

फेरु भी ई साँच बा कि मांस खइल आउर ओकर आनन्द लिहल अनेक संस्कृति के एगो महत्वपूर्ण हिस्सा रहल बा आउर आजुओ बा। अगर ई सोचल जाव कि आगे के जीवन में कबो स्टेक, मछरी के टुकड़ा या मेमना के मांस ना मिली, त भविष्य के जीवन लाभ के जगह हानि जइसन लाग सकेला। बाकिर निश्चय ही प्रभु अइसन व्यवस्था कर सकेलें–या फेर परमेश्वर से दिहल मनुष्य के सृजनात्मक क्षमता अइसन बेहद स्वादिष्ट मांस के विकल्प विकसित कर सकेला–जे खातिर कवनो जीव के हत्या करे के जरूरत ना होखे। नई पृथ्वी पर संसाधन कम ना, बल्कि आज से कहीं अधिक होई।

हमनी का पहिनीं?

वस्त्र कवनो व्यक्ति के राष्ट्रीय पहचान आउर ओकर व्यक्तिगत विशिष्टता के प्रकट करेला। काहेकि ई दुनु बात आवे वाला जीवन में भी बनल रही, एह से ई सम्भावना बा कि नई पृथ्वी पर भी लोग अइसन वस्त्र पहिनी जे ओकर संस्कृति आउर व्यक्तिगत पहचान के व्यक्त करे। जे कवनो एगो समाज में सामान्य होई, ऊ दोसरा समाज में अलग हो सकेला, ठीक ओइसहीं जइसन आज बा।

बाइबल के समय में चोगा या लमहर वस्त्र पहिनल सामान्य बात रहे। सम्भव बा कि ओह समय के लोग नई पृथ्वी पर भी ओही तरह के वस्त्र पहिनल पसन्द करी। शायद हमनी में से कुछ लोग भी ओकरा के पहिनल पसन्द करे लागीं। आउर ई भी सम्भव बा कि पहिलका सदी के कुछ लोग रोजमर्रा के जीवन में नीला जीन्स पहिनल चुनसु। जइसन कि हम अध्याय 4 में समझवले बानी, ई मानल भी उचित बा कि जइसे आज हमनी लगे अलग-अलग अवसर खातिर अलग-अलग तरह के वस्त्र होला, ओइसहीं नई पृथ्वी पर भी होई।

निश्चय ही अइसन कपड़ा, जे अशोभनीय होखे भा खाली घमण्ड आ दिखावा खातिर पहिरल जाव, हमनी के भावी घर में ओकर कवनो जगह ना होई। बाकिर एकर मतलब ई ना ह कि परमेश्वर रंग-बिरंग के भा खास तरह के कपड़ा के विरोधी बाड़न। भविष्यवक्ता यहेजकेल के ओह समय इस्राएल के लगे भेजल गइल रहे, जब ऊ लोग यहोवा के छोड़ के मूर्तियन के उपासना शुरू कर दिहले रहे। परमेश्वर भविष्यवक्ता के द्वारा अपना लोग के ई याद दिलवलन कि पहिले ऊ उनका खातिर का-का कइले रहले, ताकि ऊ लोग फेरु उनका ओर लवट आवे।

प्रभु कहलन, "हम तोहरा से वाचा बाँधनी... आ तू हमार हो गइलू" (यहेजकेल अध्याय 16 पद 8)।

एकरा बाद ऊ बतवलन कि एह वाचा के द्वारा अपना से जोड़ लिहला के बाद ऊ इस्राएल के कइसे सजवले रहलन।

"हम तोहरा के महीन मलमल आ रेशम के बहुमूल्य, सुन्दर कढ़ाईदार कपड़ा पहिरवनी, बढ़िया चमड़ा के जूता दिहनी। हम तोहरा के सुन्दर गहना, कंगन आ मनोहर हार पहिरवनी। तोहरा नाक खातिर नथ, तोहरा कान खातिर बाली आ तोहरा माथा पर एगो सुन्दर मुकुट दिहनी। एह तरह तू सोना आ चाँदी से सज के बहुत सुन्दर हो गइलू। तोहरा कपड़ा महीन मलमल आ रेशम के रहे, जे सुन्दर कढ़ाई से सजावल रहे" (यहेजकेल अध्याय 16 पद 10 से 13)।

एह कथन में बहुत सारा प्रतीकात्मक अर्थ बा, बाकिर एगो बात पर खास ध्यान दीं–ई खुद प्रभु के ओर से अपना काम के वर्णन ह। सुन्दर, रंग-बिरंग के कपड़ा, गहना आ जूता ना त बुरा हो सकेला आ ना अनुचित, काहेकि सर्वशक्तिमान परमेश्वर खुद इनहन के उदाहरण के रूप में इस्तेमाल करत बाड़न कि ऊ अपना लोग के कइसे सजावत बाड़न। एह बात पर भी ध्यान दीं कि जब प्रभु परमेश्वर मूसा के बतवलन कि ऊ उनका के मिस्र के दासता से इस्राएल के बाहर निकाले खातिर इस्तेमाल करीहें, तब ऊ का कहलन।

"हम अइसन करब कि मिस्री लोग तोहरा लोग पर दया करी। जब तू लोग उहाँ से निकलिहऽ, तब खाली हाथ ना जइबऽ। हर इस्राएली मेहरारू अपना मिस्री पड़ोसिन आ अपना घर में रहे वाली मेहरारू से चाँदी आ सोना के गहना आ बढ़िया कपड़ा माँगी। तू लोग ओह कपड़ा से अपना बेटा-बेटी के पहिरइबऽ। एह तरह तू लोग मिस्री लोग के सम्पत्ति अपना साथ ले जइबऽ" (निर्गमन अध्याय 3 पद 21 से 22)।

मिस्र के दासता से इस्राएल के मुक्ति के "छुटकारा" भा "उद्धार" कहल गइल बा (निर्गमन अध्याय 6 पद 6)। हालाँकि ई एगो सच्ची ऐतिहासिक घटना रहे, बाकिर ई ओह महान उद्धार के चित्र भी प्रस्तुत करेला जे यीशु मसीह क्रूस पर हमनी खातिर उपलब्ध करवलन। ध्यान दीं कि खाली लोगे मिस्र से बाहर ना निकलल, बलुक उनका साथे कपड़ो बाहर लावल

गइल। अगर कपड़ा परमेश्वर के परिवार खातिर भविष्य के योजना के हिस्सा ना होत, त बाइबल एह विवरण के उल्लेख काहे करत? एकर मतलब ई बा कि मानव संस्कृति के दोसरा उपलब्धियन जइसन कपड़ा भी उद्धार के योजना के एगो हिस्सा ह, आ ओकरो उद्धार होई।

नई पृथ्वी पर काम।

प्रभु मनुष्य के अइसन बनवले बाड़न कि ओकर भीतर अर्थपूर्ण आ सन्तोष देवे वाला काम करे के इच्छा आ क्षमता होखे। आज के जीवन के देखला पर ई बात समझल कठिन लाग सकेला, काहेकि बहुत लोग खातिर काम थकावे वाला आ असन्तोषजनक अनुभव ह। बाकिर काम मूल रूप से अइसन होखे खातिर बनावल ना गइल रहे। ई खाली आदम के अवज्ञा के बाद अइसन बन गइल (उत्पत्ति अध्याय 3 पद 17 से 19)।

बाकिर आवे वाला जीवन में कठिन, थकावे वाला आ निष्फल मेहनत पूरा तरह समाप्त हो जाई। नई पृथ्वी पर मेहरारू आ मरद परमेश्वर के अद्भुत सृष्टि के सुन्दरता के बीच, उनका साथे पूरा संगति में रहत अइसन काम करीहें जे अर्थपूर्ण होई, थकावे वाला ना। हमनी के जे कुछो करब, ऊ प्रभु के प्रसन्न करे वाला होई आ हमनी खातिर गहिरा सन्तोष आ आनन्द के कारण बनी।

जइसे कि पिछला अध्याय में हम देखनी, परमेश्वर मनुष्य के उत्साह, सृजनात्मकता आ नया-नया चीज आविष्कार करे के क्षमता दिहलन, आ फेरु ओकरा ई जिम्मेदारी दिहलन कि ऊ एह योग्यतान के इस्तेमाल करके पृथ्वी के अपना अधीन करे। पृथ्वी के अपना अधीन करे के मतलब बा ओकर संसाधन आ ओकर प्राकृतिक प्रक्रिया के बुद्धिमानी से प्रबन्धन कइल। एह में ई जानल भी शामिल बा कि अलग-अलग तरह के कच्चा संसाधन कहाँ मिलेला आ ई सीखल कि उनका के उपयोगी आ बढ़िया तैयार चीज में कइसे बदलल जा सकेला।

पृथ्वी के अपना अधीन करे खातिर बिया बोवे आ फसल काटे के चक्र के देखल आ समझल जरूरी बा। एही तरह बिजली जइसन प्राकृतिक शक्ति आ गुरुत्वाकर्षण जइसन प्राकृतिक नियम के खोज आ समझ भी जरूरी बा। सदियन से एह प्रयासन के परिणामस्वरूप अनेक उद्योग आ तकनीक के विकास भइल बा।

• पृथ्वी के अध्ययन आ अनुसन्धान कइल, ताकि ओकर काम करे के तरीका आ प्रक्रिया के खोजल आ समझल जा सके (विज्ञान)।

• पृथ्वी के संसाधन के उपयोग करे खातिर जरूरी उत्पादन के साधन के विकास कइल (उद्योग, अभियांत्रिकी, खेती-बारी, पशुपालन, धातुकर्म आदि)।

• एह सभ से जुड़ल गतिविधियन आ अइसन व्यवस्था के विकास कइल, जेकरा द्वारा चीज-वस्तु आ जानकारी लोगन तक पहुँचावल जा सके (यातायात, जहाज़रानी, व्यापार, वाणिज्य, लेखन, कागज आ किताब के निर्माण आदि)।

मानवजाति शुरुआत से ही कवनो-न-कवनो स्तर पर एह सभ काम में लागल रहल बा। निरन्तरता के सिद्धान्त के अनुसार ई उम्मीद कइल उचित बा कि नई पृथ्वी पर भी ई सभ गतिविधि बनल रही, बाकिर आज जे भ्रष्टता इनहन के कठिन आ मेहनत वाला बना देले बा, ओह भ्रष्टता से ई सभ पूरा तरह शुद्ध हो जाई।

ई काम सभ के आनन्द आउर सन्तोष के स्रोत मानल कठिन लाग सकेला, काहेकि हमनी के अबले खाली पाप से प्रभावित संसार के संघर्षमय जीवन देखले बानी। बाकिर नई पृथ्वी पर मेहरारू आ मरद ई काम सभ के जरूरत के कारण ना, बलुक परमेश्वर से मिलल आपन वरदान आ प्रतिभा के अनुसार आपन इच्छा आ आनन्द से करीहें।

हो सकेला कि एह जीवन में रउरा के समुद्री जीव-विज्ञान में बहुत रुचि रहल होखे, बाकिर आर्थिक कारण से रउरा ऊँच शिक्षा ना ले पवनी आ आखिर में अइसन काम करे के पड़ल होखे जे रउरा के असल में पसन्दे ना रहे। जब संसार के नया बना दिहल जाई, तब रउरा लगे अपना सपना पूरा करे खातिर भरपूर समय आ साधन होई, आ रउरा अपना परमेश्वर-दिहल उत्साह आ प्रतिभा के अनुसार ओह काम में लाग सकब–आ ई सभ कुछ पूरा तरह प्रभु के महिमा खातिर होई। कल्पना करीं कि रउरा के ओह काम सभ में आजादी आ सामर्थ के साथ भाग लेवे के अवसर मिली, जे एह जीवन में रउरा खातिर सम्भव तक ना रहे।

हमनी के कइसन काम करब?

बाइबल वास्तव में नई पृथ्वी पर होखे वाला बहुत सारा खास काम सभ के उल्लेख करेला। परमेश्वर के वचन बतावेला कि मेहरारू आ मरद घर बनइहें आ जमीन के खेती करीहें (यशायाह अध्याय 65 पद 21)। एहसे ईहो साफ हो जाला कि खाली निर्माण आ खेती ना होई, बलुक ओह सभ से जुड़ल सामग्री के उत्पादन आ ओकरा के तैयार करे के काम भी होई।

• घर बनावे खातिर लकड़ी, ईंट, गारा, कील, पाइप, तार, छत के सामग्री, काँच आ अइसने बहुत तरह के दोसरा सामान के जरूरत होई। एकरा साथे घर के आरामदायक आ सुन्दर बनावे खातिर सजावटी सामान आ घर के साज-सज्जा के भी जरूरत होई।

• खेती खातिर बीज, ट्रैक्टर, अनाज झाड़े वाला मशीन आ दोसरा कृषि उपकरण सभ के निर्माण आ उपलब्धता जरूरी होई। एकरा अलावा, उगावल गइल फसल के सुरक्षित राखे,

ओकरा के बाँटे, तैयार करे आ इस्तेमाल करे खातिर भी बहुत तरह के सामान आ व्यवस्था के जरूरत होई।

हमनी के बाइबल से ईहो मालूम बा कि नई पृथ्वी पर अलग-अलग राष्ट्र होइहें आ ओह राष्ट्र सभ के शासक भी होइहें। एकर मतलब बा कि उहाँ शासन-व्यवस्था होई आ ओहमें प्रशासनिक जिम्मेदारी निभावे वाला लोग भी होई। जब यीशु के राज्य के पृथ्वी पर आवे के विषय में बतावत रहलें, तब उहाँ कहलें कि उनका कुछ विश्वासयोग्य अनुयायी लोग के उनकर प्रतिफल के रूप में प्रशासनिक पद दिहल जाई।

"तू अच्छा सेवक बाड़ऽ। तू थोड़े में विश्वासयोग्य रहलऽ, एहसे अपना प्रतिफल में दस नगर के अधिकारी बन... आ दोसरा से कहलें, 'तू पाँच नगर पर अधिकार रख'" (लूका अध्याय 19 पद 17 से 18)।

नई पृथ्वी पर लोग यात्रा भी करी। भविष्यद्वक्ता यशायाह लिखले बाड़ें कि जहाज से आवे वाला व्यापारी आ ऊँट के काफिला महान राजा के नगर में अपार धन-दौलत लेके आई। ओही तरह प्रेरित यूहन्ना भी अपना दर्शन में अलग-अलग राष्ट्र के राजा लोग के नया यरूशलेम के यात्रा करत देखले (यशायाह अध्याय 60 पद 5 से 9; प्रकाशितवाक्य अध्याय 21 पद 24)। आ तब मेहरारू आ मरद लगे आखिरकार एतना समय आ पर्याप्त साधन होई कि ऊ लोग एह अद्भुत पृथ्वी के सुन्दरता के आनन्द लेवे खातिर स्वतंत्रता से यात्रा कर सके।

• कुछ लोग ओह काम आ उद्योग सभ में सेवा करे के चुन सकेलें जे लोग के यात्रा से जुड़ल होई। कुछ लोग यात्री लोग के सेवा खातिर सराय, होटल, विश्राम-स्थल आ भोजनालय चलावल पसन्द कर सकेलें, जबकि कुछ दोसरा लोग ओह उद्योग सभ में काम कर सकेलें जे लोग के एक जगह से दोसरा जगह ले जाए खातिर अलग-अलग तरह के यातायात के साधन बनइहें।

• पवित्रशास्त्र बतावेला कि नई पृथ्वी पर जहाज होई। अगर अइसन बा, त फेर उहाँ मोटर-गाड़ी आ हवाई जहाज काहे ना हो सके? संस्कृति के निरन्तरता के सिद्धान्त के अनुसार ई अपेक्षा कइल उचित बा कि ई सभ भी होई। यूहन्ना राजधानी नगर के सड़कन के भी उल्लेख कइले बाड़ें, जे एह बात के संकेत देला कि उहाँ आवागमन के साधन सभ खातिर भी जगह होई (प्रकाशितवाक्य अध्याय 21 पद 21; प्रकाशितवाक्य अध्याय 22 पद 2)।

व्यापार आ उद्योग।

रउरा में से कुछ लोग सोचत होखब, "जब पृथ्वी के नया बना दिहल जाई, तब सामान आ सेवा खातिर व्यापार आ उद्योग के जरूरत काहे पड़ी?" तकनीकी रूप से देखल जाव त उहाँ

हमरा सभ के घर, भोजन भा पेय के जरूरत भी ना होई, बाकिर तबो हमनी के ई सभ के आनन्द लेब। व्यापार अपने आप में कवनो पाप के बात ना ह। ई त मनुष्यन के बीच होखे वाला सामान्य व्यवहार आ सहयोग के स्वाभाविक परिणाम ह।

मान लीं कि हमरा लगे अइसन कवनो सामान बा जेकर जरूरत रउरा के बा, बाकिर रउरा ओकरा के खुद तैयार ना कर सकीं; तब हम ओकरा के बनाइब। भा हमरा मन में कवनो उपयोगी विचार आवेला आ हम अइसन कवनो सामान तैयार करीं जेकर जरूरत रउरा के बा भा जेकरा के रउरा चाहत बानी। ओही तरह अगर कवनो काम में रउरा के कुशलता हमरा से अधिक बा, त स्वाभाविक रूप से ऊ काम रउरे करब।

याद रखीं, आवे वाला जीवन में भी हमनी सभ एक-जइसन ना होखब। हमनी के व्यक्तिगत पहचान, रुचि आ परमेश्वर से मिलल योग्यता सभ बनी रही। एह पापग्रस्त संसार में भी बहुत लोग खाली रोजी-रोटी कमाए खातिर व्यवसाय ना करेला। ओह लोग खातिर उनकर कामे उनकर जुनून होला। ऊ लोग दोसरा के सहायता करे, उनका खातिर आशीष बने भा समाज के अउरी बेहतर बनावे के चाहेला। मिसाल खातिर, बहुत लोग एह खातिर भोजनालय खोलेला काहेकि स्वादिष्ट भोजन तैयार कइल आ लोगन के सेवा कइल उनका के बहुत पसन्द होला।

तकनीक अपने आप में खराब ना ह। कवनो भी संस्कृति में कवनो-न-कवनो प्रकार के औजार आ मशीन के निर्माण आ विकास होतिए रहेला। ई भी ओह तरीका सभ में से एगो ह जवना से हमनी के पृथ्वी के संसाधनन पर प्रभुत्व करीला। परमेश्वर के वचन बहुत प्रकार के मशीन आ उत्पादन के व्यवस्था के उल्लेख करेला, जइसे—खलिहान, चक्की के पाट, कुम्हार के चाक, दाखरस निकाले वाला कुण्ड, जुआ, हल आ दोसरा कृषि के औजार। ई सभ ओह समय के उपयुक्त तकनीकी उपलब्धि रहली जब पवित्रशास्त्र के ई भाग सभ लिखल गइल। अगर यशायाह भा यूहन्ना आज के समय में पवित्रशास्त्र लिखत होतें, त सम्भव बा कि ऊ लोग स्वचालित उत्पादन के पंक्ति, कम्प्यूटर तकनीक आ सामान पहुँचावे वाला वाहनन के भी उल्लेख करतें।

मुख्य बात ई ह कि हमनी के अनन्त घर के जीवन हमरा सभ खातिर कवनो अपरिचित भा अनजान अनुभव ना होई। उहाँ भी हमनी अइसन काम आ व्यवसाय में लागल रहब जे हमरा सभ खातिर परिचित होई। उद्धार में प्रभु के उद्देश्य मानवजाति आ ओकरा द्वारा विकसित संस्कृति सभ के नष्ट कइल ना ह, बलुक हमरा सभ के आ हमनी के संस्कृति दुनो के उद्धार देके शुद्ध कइल ह, ताकि हमनी ओह सभ के द्वारा परमेश्वर के महिमा करीं आ एक-दूसरा खातिर आशीष के कारण बनीं।

आपन पतित अवस्था में भी मनुष्य अपना प्रभुत्व के विस्तार आकाश, समुद्र आ बाहरी अंतरिक्ष तक कर लिहले बा। हमनी आकाश में उड़ सकेनी, समुद्र के ऊपर आ नीचे यात्रा कर सकेनी आ चन्द्रमा तक पहुँच चुकल बानी। स्वचालन के द्वारा हमनी बहुत काम में लागे वाला मेहनत आ समय के बहुत कम कर दिहले बानी। कम्प्यूटर के आविष्कार जानकारी पैदा करे, ओकरा के सुरक्षित राखे आ संसारभर में पहुँचावे के तरीका के पूरा तरह बदल दिहलस, आ दुनिया के अइसन तरीका से जोड़ दिहलस जेकर पहिले कभी कल्पना तक ना कइल गइल रहे। अगर पाप से प्रभावित एह संसार में रहत हमनी एतना उपलब्धि हासिल कर सकनी, त कल्पना करीं कि जब हमनी के पूरा तरह सिद्ध बना दिहल जाई, तब हम कइसन अद्भुत सामान आ तकनीक विकसित करब। जब हमनी परमेश्वर के सृष्टि के खोज करब, ओकर संसाधनन के उपयोग करब आ ओकर आनन्द लीं, तब हमनी पुरान पृथ्वी के शुद्ध कइल तकनीकन के भी इस्तेमाल करब आ अइसन नया तकनीकन के भी आविष्कार करब जे आज हमरा सभ के कल्पना से भी परे बा।

विज्ञान आ तकनीक।

सर्वशक्तिमान परमेश्वर एह संसार के अइसन रचले बाड़ें कि एहमें अनगिनत अइसन आश्चर्य बा जेकर खोज होखे के बा आ अइसन बहुत प्रक्रिया बा जेकरा के समझल बाकी बा। तारन के देखीं। जब प्रभु आकाश आ पृथ्वी के सृष्टि कइले, तब उहाँ तारन के अपना-अपना जगह पर स्थापित कइले। प्राचीन समय से मनुष्य एह आकाशीय ज्योति सभ के उपयोग समय के निर्धारण करे आ दिशा पहचान के यात्रा करे खातिर करत आइल बा। एकरा अलावा तारन से भरल ई विशाल आकाश अनगिनत पीढ़ी के परमेश्वर के महिमा पर मनन करे खातिर प्रेरित करत आइल बा।

“आकाश परमेश्वर के महिमा के वर्णन करेला, आ आकाशमण्डल उनका हाथ के काम के प्रकट करेला” (भजन संहिता अध्याय 19 पद 1)।

“जब हम तोहरा आकाश के, जे तोहार उँगुरी के काम ह, आ चन्द्रमा आ तारन के, जेकरा के तू स्थापित कइले बाड़s, देखतानी, तब हम सोचतानी कि मनुष्य का ह कि तू ओकरा के याद रखेलs, आ मनुष्य के बेटा का ह कि तू ओकर सुधि लेलs?” (भजन संहिता अध्याय 8 पद 3 से 4)।

प्राचीन लोग तारन के खाली एगो छोट हिस्सा ही देख पावत रहे, बाकिर ई सभ ओही समय से उहाँ विद्यमान रहलें आ आवे वाला पीढ़ियन के बाट जोहत रहलें कि जइसे-जइसे विज्ञान आ तकनीक आगे बढ़ी, मनुष्य ओह सभ के खोजत जाई। एही प्रगति सभ के चलते बीसवीं सदी में मानवजाति बाहरी अंतरिक्ष तक पहुँच गइल। बाकिर ई त खाली शुरुआत ह, काहेकि परमेश्वर अरबों आकाशगंगा के सृष्टि कइले बाड़ें।

आवे वाला जीवन में हम परमेश्वर से मिलल अपना सृजनात्मकता आ आविष्कार करे के क्षमता के उपयोग करके उहाँ के सृष्टि के आश्चर्य सभ के खोजे खातिर नया-नया राह खोजब। हमरा सभ के सामने अनन्तकाल होई, जवना में हम आकाश आ पृथ्वी के लगातार बढ़त रहस्य सभ के जानत जइब। आ जइसे-जइसे उहाँ के सृष्टि के नया-नया अद्भुत पहलू हमरा सभ के सामने प्रकट होत जाई, ओइसहीं-ओइसहीं हम ओह महान सृष्टिकर्ता के महिमा, वैभव आ अनुपम सुन्दरता के अउरी गहिराई से जानत जइब, जे ई सभ कुछ रचले बाड़ें।

का उहाँ के जीवन में कवनो चुनौती ना होई?

एक से अधिक लोग हमरा से कहले बाड़ें कि उनका के ई चिन्ता बा कि आवे वाला जीवन कहीं नीरस ना हो जाव, काहेकि उहाँ करे खातिर कुछुओ ना होई। आशा बा कि अबले रउरा ई समझे लागल होखब कि अइसन बिल्कुल ना होई, काहेकि उद्धार में परमेश्वर के उद्देश्य उहे सभ कुछ फेर से स्थापित कइल ह, जेकर योजना उहाँ आदि से कइले रहनी।

पाप के संसार में प्रवेश करे से पहिले परमेश्वर मानवजाति के जे पहिला आज्ञा दिहले रहनी, ऊ रहे–

“पृथ्वी के भर दऽ... आ ओकरा के अपना वश में करऽ” (उत्पत्ति अध्याय 1 पद 28)।

एह जिम्मेदारी के मतलब रहे कि मनुष्य पृथ्वी के संसाधनन के खोजी, ओकर काम करे के तरीका आ सिद्धान्त सभ के समझी आ एह प्रक्रिया में आवे वाला चुनौती सभ के सामना करी। प्रभु पहिले से जानत रहनी कि बहुत समस्या सभ के समाधान करे के होई आ अनेक बाधा सभ पर विजय पावे के होई। एहसे उहाँ मनुष्य के बुद्धि आ जिज्ञासा दिहनी आ ओकरा के अइसन बनवनी कि ऊ खोजी, अनुसन्धान करी, नया-नया बात सीखी आ अपना उद्देश्य पूरा करी। हमनी के अइसन रचल गइल बानी कि चुनौती सभ के सामना करीं, ओह पर विजय पाईं आ एही में आनन्द अनुभव करीं। लक्ष्य तय कइल आ ओकरा के हासिल करे के कोशिश कइल हमनी के स्वभाव के एगो हिस्सा ह।

परमेश्वर से मिलल ई विशेष गुण सभ आवे वाला जीवन में समाप्त ना होई। एकरा उलट, ओह लोग के पूरा रूप से इस्तेमाल होई। जब पृथ्वी के नया बना दिहल जाई, तब भी हमनी अपना प्रभुत्व के जिम्मेदारी निभावत रहब। फरक खाली एतने होई कि अब हमनी के मेहनत कठिन आ थकावे वाला ना रही। ऊ फलदायी, आनन्ददायक आ पूरा सन्तोष देवे वाला होई, काहेकि पाप से प्रभावित संसार के निराशा, संघर्ष आ व्यर्थता के कवनो असर ओकरा पर ना रही।

जब एगो चुनौती पूरा हो जाई, तब हमनी उत्साह के साथ अगिला चुनौती के बाट जोहब। जब एगो रोमांचक अनुभव समाप्त होई, तब हमनी अगिला अनुभव के ओर आनन्द से देखब। वास्तव में, जीवन के आनन्द के एगो बड़ हिस्सा आवे वाला अवसरन आ नया सम्भावना सभ के बाट जोहे में ही निहित बा। परमेश्वर हमरा सभ के एही तरह बनवले बाड़ें।

शायद रउरा मन में ई सवाल उठे, "का कबो अइसन समय आई जब करे खातिर कुछुओ बाकी ना रही?"

ना, काहेकि पृथ्वी पर परमेश्वर के राज्य अनन्तकाल तक बनल रही आ लगातार बढ़त जाई। आवे वाला उद्धारकर्ता, यीशु मसीह, के विषय में दिहल गइल महानतम भविष्यवाणी सभ में से एगो में भविष्यद्वक्ता यशायाह लिखले–

"काहेकि हमरा सभ खातिर एगो बालक पैदा भइल बा, हमरा सभ के एगो पुत्र दिहल गइल बा; आ प्रभुता ओकर कन्धा पर रही। ओकर नाम अद्भुत युक्ति करे वाला, पराक्रमी परमेश्वर, अनन्तकाल के पिता आ शान्ति के राजकुमार कहल जाई। ओकर प्रभुता आ शान्ति के बढ़ती के कबो अन्त ना होई" (यशायाह अध्याय 9 पद 6 से 7)।

मूल इब्रानी भाषा में जवना शब्द के अनुवाद "वृद्धि" कइल गइल बा, ओकर मतलब ह– "लगातार विस्तार।" एहसे यशायाह अध्याय 9 पद 7 के भाव ई बा कि, "ओकर राज्य के प्रभुता आ ओकर शान्ति लगातार बढ़त रही आ ओकर कबो अन्त ना होई।" नया आकाश आ नई पृथ्वी पर प्रभु के शासन लगातार फैलत आ विस्तृत होत जाई।

"ओकर प्रभुत्व लगातार फैलत जाई, आ ओकर शान्ति के कबो अन्त ना होई" (यशायाह अध्याय 9 पद 7)।

ई कतना अद्भुत आ विचार करे लायक कथन बा! का प्रभु भविष्य में नया-नया संसारन के भी सृष्टि करीहें? का ई पूरा ब्रह्माण्ड–जवना में अनगिनत आकाशगंगा, करोड़ों-अरबों तारा आ ना जाने कतना ग्रह बाड़ें–एतना विशाल सिद्ध होई कि ओकर खोज करे आ ओकरा के अपना अधीन करे में युग पर युग बीत जाई? का ई सृष्टि अनन्तकाल तक फैलत आ विस्तृत होत रही?

एह सवालन के असली अर्थ का ह, ई जाने खातिर हमरा सभ के प्रतीक्षा करे के होई कि यशायाह के एह भविष्यवाणी के पूर्णता कइसे प्रकट होले। बाकिर एगो बात निश्चित बा–आवे वाला जीवन में हमरा सभ के कबो करे खातिर काम के कमी ना होई आ ना ही जाए खातिर जगहन के। उहाँ चुनौती आ अवसर कबो समाप्त ना होई। आ जब हमनी पृथ्वी के अपना अधीन करे खातिर परमेश्वर से मिलल जिम्मेदारी के पूरा करब, तब हमनी ओकर काम करे

के तरीका सभ आ परमेश्वर के अद्भुत सृष्टि के आश्चर्य सभ के अउरी गहिराई से समझत आ जानत जइब।

नई धरती पर जीवन हमनी खातिर अनजान ना होई, बलुक परिचित होई। जइसे हमनी के चारों ओर के प्राकृतिक दृश्य बदल जाई, बाकिर फेरु भी पहचान में आवत रही, ओही तरह हमनी के जीवन भी बदलल त होई, बाकिर परिचित बनल रही। हमनी घर बनाइब, भोजन तइयार करब, कपड़ा बनाइब आ अइसन अर्थपूर्ण आ सन्तोष देवे वाला काम में लागल रहब, जेकरा द्वारा हमनी धरती के अपना अधीन करे के परमेश्वर के आज्ञा पूरा करब।

बाकिर हमनी खाली इहे सब ना करब। मानव संस्कृति में सामान्य रूप से पावल जाए वाला बहुते दोसरा काम आ गतिविधि भी नई धरती पर मौजूद रही। अगिला अध्याय में हमनी ओह में से कुछ बात पर विस्तार से विचार करब।

13

नई धरती पर जीवन के बारे में अउरी बहुत कुछ।

बहुते लोग जब स्वर्ग के बारे में आपन झिझक भा चिन्ता प्रकट करेलन, त ओह लोग के सबसे आम चिन्तन में से एगो ई होला कि कहीं उहाँ के जीवन आनन्द से खाली त ना होई। हमनी सभे के आपन-आपन रुचि होला आ हमनी अइसन बहुते गतिविधियन के आनन्द लेतानी जा पापपूर्ण त नइखे, बाकिर हमनी के लागेला कि ई सब स्वर्ग खातिर पर्याप्त आत्मिक ना होई–जइसे कवनो रोचक किताब पढ़ल, कवनो रोमांचक चलचित्र देखल, कवनो संगीत समारोह में शामिल होखल, प्रकृति के बीच घूमे निकलल, कवनो खेल खेलल, आपन प्रिय खेल-दल के उत्साह बढ़ावल भा अपना कवनो शौक के पूरा कइल। का आवे वाला जीवन में भी एह तरह के आनन्द आ मनोरंजन के अवसर होई? पवित्रशास्त्र के अनुसार, एकर उत्तर बा–हाँ!

विश्राम आ मनोरंजन के आनन्द।

पवित्रशास्त्र बतावेला कि जब परमेश्वर सृष्टि के आपन काम पूरा कर लिहलन, तब ऊ विश्राम कइलन।

“सातवाँ दिन आवते परमेश्वर आपन सगरी काम पूरा कर चुकल रहन; एहसे सातवाँ दिन ऊ आपन सभे काम से विश्राम कइलन” (उत्पत्ति अध्याय 2 पद 2)।

सर्वशक्तिमान परमेश्वर के एह खातिर विश्राम करे के जरूरत ना रहे कि ऊ थक गइल रहन। एकर उलट, अपना द्वारा पूरा कइल काम में सन्तोष आ आनन्द लेवे खातिर ऊ समय अलग कइलन। ऊ खाली अपना सृष्टि के देख के ई ना कहलन कि ई बहुत बढ़िया बा, बलुक अपना बनावल कामन में आनन्द भी मनवलन (उत्पत्ति अध्याय 1 पद 31; भजन संहिता अध्याय 104 पद 31)।

जब आदम आ हव्वा अदन के वाटिका में रहत रहलीं, तब ऊ लोग परमेश्वर के ओह विश्राम में सहभागी रहत रहे। ऊ लोग प्रभु परमेश्वर के साथे मिल के ओह घर के सुन्दरता आ भरपूरी में आनन्दित होत रहे, जेकरा ऊ लोग खातिर बनवले रहन। दुर्भाग्य से, जब हमनी के पहिला माता-पिता पाप कइलन, तब मानवजाति परमेश्वर के ओह विश्राम में सहभागी होखे के आशीष से वंचित हो गइल। तइयो, विश्राम खातिर समय अलग रखे के ई धारणा मनुष्य के भीतर बनल रहल।

पृथ्वी पर मानव इतिहास के सुरुआती समय से लेके हर ज्ञात संस्कृति अपना काम से अलग विश्राम आ अवकाश खातिर समय निकालत आइल बा। आ ओह अवसरन पर लोग अलग-अलग प्रकार के मनोरंजन आ आनन्द देवे वाला गतिविधियन में भाग लेत रहल बा।

नई धरती पर भी ई बात ना बदली। हँ, हमनी काम करब, बाकिर हमनी आनन्द के साथे मनोरंजन आ विश्राम भी करब। अगर ई विचार रउरा के अचम्भित करेला, त याद राखीं कि आवे वाला जीवन नया त होई, बाकिर पहचान में आवे वाला भी होई; बदलल त होई, बाकिर परिचित भी बनल रही। याद राखीं, उद्धार में परमेश्वर के उद्देश्य ओही बात के फेर से स्थापित कइल बा जे पाप के कारण खो गइल रहे।

जब प्रभु अपना भविष्यद्वक्तन के द्वारा अपना उद्धार के योजना प्रकट करे के सुरुआत कइलन, तब ऊ अपना लोग के विश्राम के एगो दिन माने के आज्ञा दिहलन, जेकरा सब्त कहल गइल। ई दिन ओह विश्राम के प्रतीक रहे, जे उद्धारकर्ता नई धरती पर देईहें—अइसन विश्राम, जवना में हम परमेश्वर के साथे बिना टूटे वाला संगति के आनन्द लेत अपना अद्भुत अनन्त घर के आशीषन के अनुभव करब। इहाँ परमेश्वर आ उनका लोग के "विश्राम" खातिर इस्तेमाल कइल यूनानी शब्द में "ताजगी, नया शक्ति आ आत्मिक तृप्ति" के भाव निहित बा।

शायद रउरा मन में ई सवाल उठे, "अगर आखिर में काम आनन्द देवे वाला होखे वाला बा, त फेरु हमनी के अवकाश आ मनोरंजन के जरूरत काहे पड़ी? आ अगर हमनी के अमर, अविनाशी आ पुनर्जीवित देह होई, त हमनी के विश्राम आ ताजगी के जरूरत काहे पड़ी?"

जइसे हम पिछला अध्यायन में देखनी जा, सिद्ध संसार के जीवन चुनौती से रहित ना होई, आ ओह समय भी हमनी सीमित मनुष्ये रहब। एहसे सम्भव बा कि कवनो चुनौतीपूर्ण काम में आपन शक्ति लगवला के बाद हमनी विश्राम के स्वागत करीं। विश्राम कवनो पाप ना ह। जइसे हमनी के पहिला माता-पिता पाप करे से पहिले अनुभव कइले रहन, ओही तरह हमनी भी परिश्रम कइला के बाद ओह संसार में विश्राम आ शान्ति के आनन्द लीं, जहाँ ना भ्रष्टता होई आ ना मृत्यु।

आ विश्राम आ मनोरंजन के ओह अवसरन पर हमनी लगे आनन्द लेवे खातिर बहुत कुछ होई, जेकर सुरुआत खुद परमेश्वर के अद्भुत सृष्टि से होई। धरती के आश्चर्य खाली उपयोगी नइखन, बलुक ऊ आनन्द के स्रोत भी बाड़ें। पेड़ खाली लकड़ी ना देलें, बलुक अपना सुन्दरता, वैभव, ठंढा छाँव आ फलन के द्वारा भी हमनी के आनन्द देलें। खुद प्रभु अपना सृष्टि में आनन्दित होखेलन, आ काहेकि हमनी उनका स्वरूप में बनावल गइल बानी जा, एहसे हमनी भी ओही तरह उनका सृष्टि में आनन्द पावेलीं।

“यहोवा के महिमा सदा बनल रहे; यहोवा अपना कामन में आनन्दित होखसु” (भजन संहिता अध्याय 104 पद 31)।

“परमप्रधान के आकाश यहोवा के बा, बाकिर धरती ऊ मनुष्यन के देले बाड़न” (भजन संहिता अध्याय 115 पद 16)।

वर्तमान समय में एह संसार के अधिकतर सुन्दरता के पूरा रूप खाली सर्वशक्तिमान परमेश्वर ही देखेलन। ऊ एकान्त पहाड़ी घाटियन में खिलल फूलन के देखेलन, दूर-दराज के घना जंगलन में रहे वाला छोट-छोट वृक्ष-मेंढकन के देखेलन, समुद्र के गहिराई में मिलल अद्भुत वनस्पतियन आ रंग-बिरंगा जीव-जंतुन के देखेलन, आ निर्जन घाटियन में बनल अद्भुत चट्टानी संरचनन के भी देखेलन। बाकिर आवे वाला जीवन में ई स्थिति बदल जाई, काहेकि तब हमनी लगे एतना समय आ पर्याप्त साधन होई कि हमनी एह धरती के प्राकृतिक आश्चर्यन के यात्रा कर सकीं आ उनका अद्भुत सुन्दरता के भरपूर आनन्द लीं।

आ अपना अवकाश के समय में हमनी अउर का करब?

मानवजाति के सुरुआती पीढ़ियन से लेके आज ले धरती के हर संस्कृति मनोरंजन के अनेक प्रकार विकसित कइले बिया। एह में बहुत साधारण से लेके अत्यन्त विकसित कला, संगीत, नाच, कहानी सुनावल आ अलग-अलग प्रकार के खेल प्रतियोगिता शामिल बाड़ीं। निरन्तरता के सिद्धान्त के आधार पर ई अपेक्षा कइल उचित बा कि एह तरह के मनोरंजन भी नई धरती पर मौजूद रही, बाकिर ऊ पाप के सभे प्रभाव से पूरा तरह मुक्त होई। ऊ पूरी तरह प्रभु के महिमा करे वाला होई आ उनका परिवार खातिर सम्पूर्ण सन्तोष आ आनन्द के स्रोत बनी।

कला।

परमेश्वर सबसे महान कलाकार बाड़न। उनका सृष्टि रंग, बनावट, आकार आ अद्भुत रचनात्मक बनावट से भरपूर बा। चट्टानन पर उगे वाला छोट-से काई से लेके विशाल मैदान, समुद्र आ पहाड़न तक, हर जगह उनका कलात्मकता प्रकट होला। ऊ अपना संसार के रंग-

बिरंगा चिरई-चुरुंग आ मनोहर फूलन से सजा दिहलन। एहसे ई अचरज के बात नइखे कि उनका स्वरूप में बनावल मनुष्य भी अइसने करेलन।

मानव इतिहास के सुरुआत से ही स्त्री आ पुरुष कला के रचना करत आइल बाड़न–चाहे ऊ कवनो पेड़ के तना पर उकेरल आकृति होखे भा कवनो चट्टान पर बनावल चिन्ह। जइसे-जइसे तकनीक विकसित होत गइल, ओइसे-ओइसे कला के अभिव्यक्त करे के साधन आ तरीका भी विकसित होत गइल।

दुर्भाग्य से, सदियन के दौरान मानवजाति के बहुते कलात्मक रचना परमेश्वर के महिमा करे में असफल रहल बाड़ीं। बाकिर नई धरती पर अइसन ना होई। जब स्त्री आ पुरुष धरती के अपना अधीन करे के परमेश्वर के आज्ञा पूरा करिहें, तब उनकर सृजनात्मकता आ कलात्मक अभिव्यक्ति अपना पूरा क्षमता तक पहुँच जाई। कलाकार धरती के प्राकृतिक संसाधनन के उपयोग करके चित्र बनइहें, नक्काशी करिहें आ मूर्ति गढ़िहें, आ उनकर हर रचना ओह परमेश्वर के आदर आ महिमा करी जे उनका प्रेरणा आ प्रतिभा दिहले बाड़न।

हो सकेला कि रउरा भीतर चित्रकला के स्वाभाविक प्रतिभा रहल होखे आ रउरा कला विद्यालय में शिक्षा पावे के चाहत रहल होखीं, बाकिर जीवन रउरा के कवनो दोसरा दिशा में ले गइल। शायद रउरा हमेशा चित्र बनावल भा मूर्तिकला सीखे के चाहत रहल होखीं, बाकिर रउरा लगे कबो पर्याप्त समय भा साधन ना रहल होखे। आवे वाला जीवन में रउरा अबले उपयोग में ना आइल एह वरदानन आ प्रतिभान के पूरा उपयोग करब आ अपना ओह सपना के साकार करब, जब रउरा के सृजनात्मक क्षमता अपना सम्पूर्ण वैभव के साथे प्रकट होई।

संगीत आ नाच।

यद्यपि एह पतित संसार में गाना, नाच आ संगीत के वाद्यन के उपयोग बहुत बेर बुरा उद्देश्य खातिर कइल गइल बा, तइयो आवे वाला जीवन में ई सभे चीज पूरा तरह शुद्ध कर दिहल जाई। अगर रउरा अइसन मसीही परम्परा से आवत बानी जहाँ संगीत आ नाच के पाप मानल जाला, त ई बात रउरा के अचरज में डाल सकेला। बाकिर उचक्का बेटा (उड़ाऊ बेटा) के दृष्टान्त में खुद यीशु इशारा कइले बाड़न कि अइसन गतिविधि स्वर्ग में भी होला (लूका अध्याय 15 पद 11)।

यीशु ई दृष्टान्त एह बात के समझावे खातिर सुनवले रहलन कि जब भटकल पापी परमेश्वर लगे लवट के आवेलन, तब स्वर्ग में कइसन प्रतिक्रिया होला। ऊ एगो अइसन आनन्दमय उत्सव के चित्र प्रस्तुत कइलन जवना में भोज, संगीत आ नाच रहे (लूका अध्याय 15 पद 22 से 25)। अगर एह मनोरंजनन में से कवनो चीज अपने आप में बुरी होत, भा अगर आवे

वाला जीवन में इनकर कवनो जगह ना होत, त हमनी के उद्धारकर्ता अपना दृष्टान्त में इनकर उल्लेख कबो ना करतें।

स्वर्ग में संगीत।

बाइबल साफ-साफ बतावेला कि वर्तमान स्वर्ग में भी संगीत बा। प्रेरित यूहन्ना लिखले बाड़न कि ऊ अदृश्य लोक में गाना सुनलन आ संगीत के वाद्ययन्त्र भी देखलन।

• "जब ऊ [यीशु] ऊ किताब लिहलन... तब सिंहासन के चारों ओर के सभे प्राणी आ लोग अपना-अपना हाथ में एगो-एगो वीणा लिहले रहन... आ ऊ लोग ई नया गीत गावत रहे" (प्रकाशितवाक्य अध्याय 5 पद 8 से 9)।

• "फेरु हम ओह सात स्वर्गदूतन के देखनी जे परमेश्वर के सामने खड़ा रहेलन, आ उनकरा सात तुरही दिहल गइल... तब ऊ सातों स्वर्गदूत, जिनका लगे सात तुरही रहे, ओकरा फूँके खातिर तइयार भइलन" (प्रकाशितवाक्य अध्याय 8 पद 2 से 6)।

यद्यपि एह खास तुरहियन के मनोरंजन खातिर ना, बलुक धरती पर होखे वाला घटनन के घोषणा करे खातिर फूँकल जाए के रहे, तइयो स्वर्ग में इनकर मौजूदगी ई प्रकट करेला कि अइसन वाद्ययन्त्र सर्वशक्तिमान परमेश्वर के महिमा करे वाला हो सकेला।

संगीत के उत्पत्ति परमेश्वर से भइल बा। उहे हउवें जे स्त्री आ पुरुष के अइसन योग्य बनवले बाड़न कि ऊ लोग संगीत के वाद्ययन्त्र बनावे आ बजावे, गीत रचे, ओकरा के गावे आ उनका सामने उल्लास से नाचे। पवित्रशास्त्र अइसन बहुत उदाहरणन से भरल बा जहाँ लोग गीत, नाच आ कुशलता से बजावल गइल वाद्ययन्त्रन द्वारा आनन्द के साथे प्रभु के स्तुति करेला।

• भजन संहिता में परमेश्वर के प्रजा के आज्ञा दिहल गइल बा कि ऊ लोग गीत आ वाद्ययन्त्र द्वारा उनकर स्तुति करे। "यहोवा के स्तुति करा... नरसिंगा के आवाज से उनकर स्तुति करा; सारंगी आ वीणा के साथे उनकर स्तुति करा। डफ आ नाच के साथे उनकर स्तुति करा; तार वाला वाद्यन आ बाँसुरी के साथे उनकर स्तुति करा। झाँझ बजा के उनकर स्तुति करा; ऊँच आवाज वाला झाँझन के साथे उनकर स्तुति करा। जेतना प्राणी साँस लेला, ऊ सभे यहोवा के स्तुति करसु" (भजन संहिता अध्याय 150 पद 1 से 6)।

• जब इस्राएली मिस्र के दासता से छुटकारा पा के लाल समुद्र पार क के सुरक्षित निकल गइलन, तब ऊ लोग बड़ा आनन्द से उत्सव मनवलन। "तब मूसा आ इस्राएलियन यहोवा खातिर ई गीत गवलन... फेरु हारून के बहिन भविष्यद्वक्त्री मरियम अपना हाथ में डफ

लिहली, आ सभे स्त्री डफ बजावत आ नाचत-गावत उनका पीछे-पीछे चले लगली" (निर्गमन अध्याय 15 पद 1; अध्याय 15 पद 20)।

संगीत के भी उद्धार होई। परमेश्वर अपना प्रजा से जे प्रतिज्ञा कइले बाड़न, ओह में आनन्द से गावल आ नाचल के पुनर्स्थापना भी शामिल बा। "हम तोहरा के फेरु बसाइब, हे हमार प्रजा, आ तू फेरु बसावल जइबू। तू फेरु अपना डफ लेके आनन्द मनइबू आ नाचत-गावत लोगन के साथे निकल पड़बू" (यिर्मयाह अध्याय 31 पद 4)।

• नई धरती के उल्लेख करत भविष्यद्वक्ता यशायाह लिखले बाड़न, "यहोवा फेरु सिय्योन के शान्ति दीहें आ ओकर सभे उजड़ल जगह के समृद्ध कर दीहें। ऊ ओकर जंगल के अदन जइसन आ ओकर निर्जन प्रदेश के यहोवा के वाटिका जइसन बना दीहें। उहाँ हर्ष आ आनन्द मिलिहें, धन्यवाद आ मधुर गीतन के आवाज सुनाई दी" (यशायाह अध्याय 51 पद 3)।

• खुद प्रभु भी गीत गइहें। "काहेकि तोहरा बीच में तोहार परमेश्वर यहोवा बाड़न। ऊ उद्धार करे में पराक्रमी बाड़न। ऊ तोहरा से बड़ा आनन्द के साथे मगन होइहें। ऊ अपना प्रेम में तोहरा के शान्ति दीहें। ऊ तोहरा खातिर जयजयकार करत आनन्द के गीत गइहें" (सपन्याह अध्याय 3 पद 17)।

अबले हमनी जिन मुख्य विषयन पर खास जोर देत आइल बानी जा, ओह में से एगो संस्कृति के निरन्तरता ह। जब प्रेरित यूहन्ना स्वर्ग में अपना अनुभव के वर्णन कइलन, तब ऊ एह जीवन से आवे वाला जीवन तक गतिविधियन के निरन्तरता से जुड़ल एगो बहुत रोचक बात के उल्लेख कइलन। ऊ लिखले बाड़न कि ऊ स्त्री आ पुरुषन के देखलन, "ऊ सभे परमेश्वर द्वारा दिहल वीणा अपना हाथ में लिहले रहन। आ ऊ लोग परमेश्वर के दास मूसा के गीत आ मेमना के गीत गावत रहे" (प्रकाशितवाक्य अध्याय 15 पद 2 से 3)।

• मूसा अपना जीवनकाल में कई गो गीत रचले रहन, जे बाइबल में लिखल बा (निर्गमन अध्याय 15 पद 1 से 18; व्यवस्था विवरण अध्याय 32 पद 1 से 43)। ई साफ नइखे कि यूहन्ना जिन लोगन के देखलन, ऊ लोग मूसा द्वारा धरती पर रचल ओही गीतन में से कवनो एगो गीत गावत रहे, भा ऊ कवनो नया गीत रहे जे मूसा स्वर्ग में अइला के बाद रचले रहन।

• एह में से चाहे जे बात साँच होखे, ई विवरण एह बात के ओर इशारा करेला कि एह जीवन में जे बात परमेश्वर के महिमा करत रहे–जइसे मूसा के गीत–ऊ नष्ट ना होई। आवे वाला जीवन मनुष्य के सृजनात्मकता आ संगीतात्मक अभिव्यक्ति के अन्त ना होई।

इलेक्ट्रिक गिटार के बारे में का?

शायद रउआ सोचत होखब कि जे वाद्य यंत्रन के उल्लेख ओह पदन में नइखे जेकरा के हम उद्धृत कइले बानी, आ जे बाइबल के समय के बाद बनावल गइल–जइसे ट्यूबा, वायलिन, पियानो आ इलेक्ट्रिक गिटार–का ऊहो नई धरती पर इस्तेमाल होई?

संभवतः हँ।

संगीत के वाद्य यंत्रन के विकास आ निर्माण ई बात के एगो बढ़िया उदाहरण बा कि मनुष्य परमेश्वर से मिलल आपन सृजनात्मक क्षमता के इस्तेमाल करके प्राकृतिक संसाधनन के अइसन वस्तु में बदल देला जे परमेश्वर के महिमा करेले आ लोगन खातिर आशीष के कारण बनेले। अनन्तकाल तक हमनी के एही उद्देश्य के पूरा करत रहब।

बहुते लोग हमरा से पूछले बा कि स्वर्ग में कइसन संगीत बजावल जाई। बाइबल एह विषय पर साफ-साफ उत्तर नइखे देत, बाकिर ई बातन पर ध्यान दीं।

• काहे कि सांस्कृतिक पहचान बनल रहेला, एह से ई मानल उचित बा कि हमनी के उहे संगीत बजाइब आ सुनीं जेकर आनन्द हमनी के धरती पर लेत रहनी। इतिहास के दौरान बहुते गीत आ संगीत रचनन के रचना परमेश्वर के महिमा खातिर कइल गइल बा। निश्चय ही, जे कुछ भी पापपूर्ण बा, ऊ उहाँ ना रही।

• काहे कि एह जीवन के बाद भी हमनी के व्यक्तिगत पहचान बनल रहेला, एह से संगीत के बारे में हमनी के रुचियो अलग-अलग होई, जइसे आज बा। उदाहरण खातिर, मध्यकालीन पश्चिमी यूरोप में रहला वाला लोग शायद ग्रेगोरियन भजनन के ओह आधुनिक संगीत शैलियन से अधिक पसन्द करी जेकरा से हमनी के परिचित बानी। सम्भवतः संगीत से जुड़ल हमनी के रुचि अउरी व्यापक हो जाई, काहे कि हमनी के अलग-अलग संस्कृति आ अलग-अलग युग के संगीत सुने आ समझे के अवसर मिली। आ चाहे कवनो खास संगीत शैली हमनी के सबसे अधिक प्रिय ना भी होखे, तबो हमनी के एह बात के सराहना करब कि ऊ कइसे प्रभु के स्तुति आ महिमा करेला।

हम आवे वाला जीवन से जुड़ल हर सवाल के उत्तर अभी नइखी दे सकत। बाकिर एतना हम जरूर जानत बानी कि उहाँ हमनी के नुकसान ना, बलुक फायदा ही फायदा मिली।

हो सकेला कि रउआ कभी पियानो या गिटार बजावल सीखे के इच्छा कइले होखीं, बाकिर जिनगी के परिस्थिति के कारण रउआ के ई अवसर कबो ना मिलल होखे। नई धरती पर रउआ के ई सपना जरूर पूरा होई।

जहाँ तक हमार आपन बात बा, बचपन से ही हमरा बैले नृत्य बहुते पसन्द रहल बा। ऊ सुन्दरता, गरिमा आ आनन्द के व्यक्त करे के कतना मनोहर माध्यम बा! बाकिर हमार

जीवन ओह दिशा में ना गइल, आ अब हमार उमिरियो एतना हो गइल बा कि हम बैले सीखे के शुरुआत ना कर सकीं। फिर भी हम ओह दिन के बाट जोहत बानी जब अपना अनन्त घर में एह अभिलाषा के पूरा कर सकब।

कहानी।

रोचक, रोमांचक आ मनोरंजक कहानी सुनावे के परम्परा धरती पर मानवजाति के शुरुआती दिनन से ही चलत आइल बा। हर आदमी एगो बढ़िया कहानी के आनन्द लेला–चाहे ऊ भलाई के बुराई पर विजय के प्रेरणादायक कथा होखे, कवनो अइसन हास्यपूर्ण कहानी होखे जे हमरा के हँसा दे, या फेर अइसन रहस्यमय वृत्तान्त होखे जे आखिर तक हमनी के उत्सुकता बनवले राखे। मनोरंजन के एह सार्वभौमिक आ प्रिय माध्यम के प्रति मानवजाति के प्रेम आवे वाला जीवन में समाप्त ना होई।

• प्रभु यीशु कई बेर स्वर्ग में लोगन के एक साथ बइठ के भोजन करे आ सहभागिता करे के उल्लेख कइले। उहाँ कहलन, “हम रउआ सभ से कहत बानी कि बहुत लोग पूरब आ पच्छिम से आके स्वर्ग के राज्य में इब्राहीम, इसहाक आ याकूब के साथ भोज में बइठी” (मती अध्याय 8 पद 11)। अइसन अवसर पर लोग एक-दूसरा के साथ हँसेला, बतियावेला आ कहानी सुनावेला।

• प्रभु यीशु एगो अद्वितीय कथावाचक रहले। ऊ नियमित रूप से दृष्टान्त, अर्थात् छोट-छोट कहानी के माध्यम से बुद्धि आ आत्मिक सच्चाई सिखावत रहले। अगर हमनी के उद्धारकर्ता खातिर कहानी सुनावल उचित रहे, त निश्चय ही स्वर्ग आ नई धरती पर परमेश्वर के परिवार के दोसरा लोगन खातिर भी ई उचित होई।

प्रेरणा देवे वाली आ मनोरंजक कहानी के प्रति हमनी के प्रेम कवनो गलत बात नइखे। सर्वशक्तिमान परमेश्वर हमनी के अइसहीं बनवले बाड़न। ई उनकर स्वरूप के एगो हिस्सा ह, जे हमनी में प्रतिबिम्बित होला। अब तक सुनावल गइल सभसे महान कहानी हमनी के सृष्टिकर्ता खुद लिखले आ ओकर संचालन कइले–ऊ उनकर उद्धार के महान गाथा ह। जब प्रभु अपना सृष्टि के पाप, भ्रष्टता आ मृत्यु के दासता से छुड़ावे के आपन योजना पूरा कइलन, तब ऊ मनुष्यन के प्रेरित कइलन कि ऊ लोग एह अद्भुत घटनाक्रम के लेखा-जोखा लिखे–जेकरा के हमनी बाइबल के रूप में जानत बानी। परमेश्वर के ई पुस्तक उनकर ओह हृदय के कहानी सुनावेला, जेह में ऊ अपना खातिर एगो परिवार चाहत रहलन, आ एह उद्देश्य के पूरा करे खातिर ऊ कतना महान कीमत चुकवलन। सदियन से ऊ अपना प्रजा के ई आज्ञा देत आइल बाड़न कि ऊ लोग उनकर महान कामन के कथा सुनावे।

• “हे हमार प्रजा, हमार शिक्षा पर ध्यान दे; हमार बातन के सुन। हम दृष्टान्त के द्वारा आपन मुँह खोलब; हम प्राचीन समय के गूढ़ बातन के प्रकट करब–ऊ बातन जे हमनी सुनले आ जानले बानी, आ जेकरा के हमनी के पुरखन हमनी के बतवले रहलें” (भजन संहिता अध्याय 78 पद 1 से 3)।

• “हमनी ई बातन के अपना संतान से ना छिपाइब, बाकिर आवे वाली पीढ़ी के यहोवा के प्रशंसनीय कामन, उनकर सामर्थ्य आ ओह अद्भुत कामन के वर्णन करब जे ऊ कइले बाड़न” (भजन संहिता अध्याय 78 पद 4)।

स्वर्ग आ नई धरती पर किताब।

धरती पर जे-जे संस्कृति लेखन-कला के विकास कइले, ऊ आपन कहानी आ इतिहास के लिखित रूप में भी सुरक्षित रखले। एह से, संस्कृति के निरन्तरता के सिद्धान्त के आधार पर हमनी ई मान सकत बानी कि नई धरती पर भी किताब होई। एतना त हमनी निश्चित रूप से जानत बानी कि अदृश्य स्वर्ग में किताब मौजूद बा।

• भजनकार दाऊद लिखले, “जब हम अभी जनमल भी ना रहनी, तबहियो तू हमरा के देखले रहलs। हमार जीवन के हर दिन तोहार किताब में लिखल रहे... तू हमार सभ दुःख के लेखा रखेलs। तू हमार सभ आँसू के अपना कुप्पी में एकट्ठा कइले बाड़s। का ऊ सभ तोहार किताब में लिखल नइखे?” (भजन संहिता अध्याय 139 पद 16; अध्याय 56 पद 8)।

• प्रेरित यूहन्ना बतवले कि ऊ स्वर्ग में किताब देखले रहलन। “फेर हम सिंहासन पर विराजमान व्यक्ति के दहिना हाथ में एगो किताब देखनी... फेर हम एगो अउर शक्तिशाली स्वर्गदूत के स्वर्ग से उतर के आवत देखनी... ओकर हाथ में एगो छोट खुलल किताब रहे... आ किताब खोलल गइल; फेर एगो अउर किताब खोलल गइल, जे जीवन के किताब ह। आ मरल लोगन के न्याय ओह बातन के अनुसार कइल गइल जे ओह किताबन में लिखल रहल” (प्रकाशितवाक्य अध्याय 5 पद 1; अध्याय 10 पद 1 से 2; अध्याय 20 पद 12)।

का अदृश्य संसार में परमेश्वर के किताबन के अलावा अउरियो किताब बा?

निःसन्देह बा। ई याद रखीं कि जे कुछ भी परमेश्वर के महिमा करेला, ऊ नष्ट ना होई। सदियन के दौरान बहुते महान साहित्यिक रचनाएँ–जइसे गद्य, कविता आ नाटक–परमेश्वर के महिमा खातिर लिखल गइल बाड़ी स। ई भी याद रखीं कि अइसन रचना लिखे के सृजनात्मक क्षमता भी उहे मनुष्य के दिहले बाड़न। अइसन किताबन के भी उद्धार होई, आ ऊ स्वर्ग आ नई धरती तक बनल रही।

एतने ना, नई किताबो लिखल जाई। तब ज्ञान आ जानकारी कहीं अधिक उपलब्ध होई, आ लोगन में सीखे के लालसा, जिज्ञासा आ सृजनात्मकता भी भरपूर होई। ऊ सभ ओह बाधा आ समय के सीमावन से आजाद होके लिख सकी, जे एह पतित संसार में आज हमरा सभ के रोकत बाड़ी स।

कुछ लोग पूछ सकत बा, "का नई धरती पर बनल आ बचल रहे वाली कहानी के पूरी तरह निष्कलंक बना दिहल जाई, यानी अइसन कि ऊ नीरस हो जाव?" निश्चय ही, जे कुछ भी अशुद्ध बा, ऊ आवे वाला जीवन में प्रवेश ना करी। बाकिर खुद परमेश्वर के पुस्तक, बाइबल, हत्या, षड्यन्त्र, विश्वासघात आ व्यभिचार जइसन घटनन के भी वर्णन करेला। एह सभ के उद्देश्य बुराई के महिमामण्डन कइल ना ह, बलुक प्रभु के महिमा प्रकट कइल ह, ई देखावत कि उनकर प्रेम आ अनुग्रह मनुष्य के सभसे अन्हार व्यवहार आ परिस्थिति के बीच आ ओह सभ पर भी विजय प्राप्त करेला।

चलचित्र आ टेलीविजन के का?

जइसे-जइसे मनुष्य के तकनीकी प्रगति बढ़त गइल, ओइसहीं कहानी सुनावे के साधनो विकसित होत गइल। सुरुआत में लोग कहानी के याद रखत रहलें आ अलाव के चारों ओर बइठ के एक-दूसरा के मुँह से कहानी सुनावत रहलें। ओकरा बाद हाथ से लिखल ग्रन्थ आइलें आ फेर छपल किताब आइल। पिछला लगभग सौ बरिस में मनुष्य के सृजनात्मकता चलचित्र, रेडियो आ टेलीविजन के माध्यम से कहानी कहे के कला के अउरी आगे बढ़वले बा। आज हमरा लगे डीवीडी, एमपी3 प्लेयर, स्मार्टफोन, ई-किताब आ यूट्यूब™ जइसन अनेकर माध्यम बा।

हाँ, एह साधनन के इस्तेमाल पापी लोग दुष्टता फैलावे खातिर भी कइले बा। बाकिर संस्कृति के दोसरा अभिव्यक्तियन जइसन ई सभ भी शुद्ध कइल जाई। आ हम ईहो आशा कर सकत बानी कि भविष्य में नयका-नयका तकनीक के विकास होई।

खेल।

हमनी के ईहो अपेक्षा रखे के चाहीं कि हमनी के भावी अनन्त घर में खेल-कूद आ शारीरिक प्रतियोगिता भी होई। अगर नई धरती पर लोगन के गोल्फ खेलल या कवनो फुटबॉल टीम के हौसला बढ़ावल रउआ के असंगत लागेला, त एह बातन पर विचार करीं।

• परमेश्वर हमनी के अइसन बनवले बाड़न कि उत्साह आ रोमांच से भरल अनुभव में हमरा सभ के आनन्द मिले। हमनी के शरीर दौड़े, कूदे आ चीज फेंके खातिर बनावल गइल बा। हमनी के खेल-कूद खातिर उपयुक्त बनावल गइल बानी।

• धरती के हर संस्कृति कवनो-न-कवनो प्रकार के कुशल शारीरिक प्रतियोगिता में भाग लेला– चाहे जंगल के पगडण्डी पर दौड़ होखे या कवनो विशाल स्टेडियम में होखे वाली भव्य खेल प्रतियोगिता। जब संसार के नया बनावल जाई, तबो ई ना बदली। ई संस्कृति के निरन्तरता के एगो स्वाभाविक हिस्सा ह।

• खेल-कूद खाली मनोरंजन ना देला, बलुक ऊ परमेश्वर के ओह आज्ञा के पूरा करे के अवसर भी देला, जेह में ऊ मनुष्य के धरती के अपना अधीन करे खातिर कहलन। जब हमनी कवनो ऊँच चट्टान पर चढ़त बानी, बरफ से ढकल ढलान पर स्की करत बानी, या कवनो झील के तैर के पार करत बानी, तब हमनी धरती से मिलल संसाधनन से बनल उपकरणन के इस्तेमाल करत बानी आ प्रकृति के कुछ नियम पर अपना अधिकार आ प्रभुत्व के प्रदर्शन करत बानी। ओही तरह साइकिल चलावे खातिर खाली धरती के संसाधनन से साइकिल बनावल भर काफी ना होला, बलुक दू गो पहिया पर सन्तुलन बनवले राखत गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव पर नियन्त्रण राखल भी जरूरी होला।

रउआ के मन में ई सवाल उठ सकेला कि का नई धरती पर खेल प्रतियोगिता वास्तव में सम्भव होई? का एगो सिद्ध संसार में कवनो आदमी खेल हार सकेला या दोसर स्थान पर आ सकेला?

निश्चय ही, अइसन सम्भव होई।

ई मत भुलीं कि एह किताब में पहिले बतावल जा चुकल बा कि आवे वाला जीवन में हमनी सभ एक-जइसन ना होखब। हमनी के व्यक्तिगत पहचान आ हमनी के विशिष्टता बनल रही। जइसे एह जीवन में कुछ लोगन में खेल-कूद के क्षमता अधिक होला आ कुछ लोगन में कम, ओइसहीं नई धरती पर भी होई। अगर रउआ अपना पूरा जिनगी में कबो फुटबॉल के पैर से ना मरले बानी, त अचानक एगो बढ़िया खिलाड़ी ना बन जइब। अगर रउआ कबो दौड़ के मैदान के एगो चक्कर भी ना लगवले बानी, त एकाएक ओलम्पिक के स्वर्ण पदक जीते वाला धावक ना बन जइब। आ काहे कि हमनी सीमित प्राणी बनल रहब, एह से जइसे आवे वाला जीवन में हमनी के ज्ञान बढ़त रही, ओइसहीं हमनी आपन योग्यता आ कौशल के भी लगातार विकसित करत रहब।

अलग-अलग स्तर के क्षमता वाला लोगन के बीच स्वस्थ प्रतियोगिता अपने आप में कवनो पाप नइखे। ई साँच बा कि एह पतित संसार में पापी मनुष्यन के बीच होखे वाली प्रतियोगिता कई बेर पाप के जन्म देले बा आ आजो देत बा। बाकिर बाइबल खुद मसीही जीवन के तुलना खेल प्रतियोगिता से करेला। अगर अइसन गतिविधि अपना स्वभाव में ही बुरी होत, त पवित्र आत्मा अइसन तुलना के इस्तेमाल काहे करत?

“एह से जब गवाहन के अइसन बड़का बादर हमरा सभ के चारों ओर से घेरले बा, त आवा हमनी हर एगो बोझ आ ओह पाप के, जे हमरा सभ के आसानी से उलझा लेला, दूर करके ओह दौड़ में धीरज के साथ दौड़ीं जे हमरा सभ के सामने रखल गइल बा” (इब्रानियन अध्याय 12 पद 1)।

“का रउआ ना जानत बानी कि दौड़ में दौड़े वाला सभे दौड़ेला, बाकिर इनाम खाली एगो के मिलेला? एह से अइसन दौड़ीं कि रउआ ओकरा के हासिल कर लीं। हर ऊ खिलाड़ी जे प्रतियोगिता में भाग लेला, ऊ हर बात में आत्म-संयम रखेला। ऊ लोग अइसन मुकुट पावे खातिर ई सब करेला जे नष्ट हो जाए वाला बा, बाकिर हमनी ओह मुकुट खातिर करत बानी जे कबो नष्ट ना होई” (1 कुरिन्थियन अध्याय 9 पद 24 से 25)।

एह पाप से क्षतिग्रस्त संसार में भी बहुते प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपना परमेश्वर-प्रदत्त योग्यता आ क्षमता के इस्तेमाल प्रभु के आदर करे खातिर करेलन। हाल के बरिसन में व्यावसायिक खेल में प्रसिद्ध आ समर्पित मसीही खिलाड़ी लोग के बारे में सोचीं। ऊ लोग अपना सफलता खातिर नम्रता से सर्वशक्तिमान परमेश्वर के धन्यवाद देला आ खुल के स्वीकार करेला कि उहे उनकर सामर्थ्य के स्रोत बाड़न। एकरा साथे, ऊ लोग अपना प्रसिद्धि आ सम्पत्ति के इस्तेमाल अपना साथी मनुष्यन के सहायता करे खातिर भी करेला।

हम एह विषय पर अन्तिम अध्याय में अउरी विस्तार से चर्चा करब, बाकिर आवे वाला जीवन के लाभन में से एगो ईहो बा कि उहाँ हमनी के अधूरा रह गइल अभिलाषा आ सपना पूरा होई। कतना लोग कवनो खास खेल में भाग लेवे या ओकरा में निपुण बने के सपना देखले रहे, बाकिर जिनगी के कठिनाइयन उनकर राह में बाधा डाल दिहलस आ उनकर ऊ सपना कबो पूरा ना हो सकल।

बाकिर उनकर कहानी ओहिजे समाप्त ना होखेला। नई धरती पर ऊ लोग अपना ओह अभिलाषा के जरूर पूरा करी।

परमेश्वर मनुष्यजाति आ धरती खातिर जे उद्देश्य ठहरवले बाड़न, ऊ पूरा तरह से पूरा होई। उनकर घरिए हमनी के घर होई, आ हमनी जे कुछ भी करब–चाहे काम करत घरी या आराम

आ मनोरंजन के समय–ऊ सभ उनकर महिमा करी आ हमनी के जिनगी के पूरा सन्तोष से भर दी। हमनी के चारों ओर के वातावरण हमरा सभ के अपना घर जइसन लागी आ उहाँ के जीवन परिचित आ आत्मीय महसूस होई। एह वर्तमान जीवन में जब हमनी ओकरा सभसे बढ़िया रूप के अनुभव करीं, त ऊ हमरा सभ के ओह महिमामय जीवन के खाली एगो झलक देखावेला जे नई धरती पर हमनी के बाट जोहत बा।

14

स्वर्ग में जानवर।

आगे बढ़े से पहिले हमरा एगो अत्यन्त महत्त्वपूर्ण विषय पर चर्चा करे के बा–स्वर्ग में पशु-पक्षियन के जगह।

अगर रउआ पशु-प्रेमी नइखी, त हो सकेला कि पशु-पक्षियन के अन्तिम भविष्य पर आधारित एगो पूरा अध्याय जरूरी ना लागे। बाकिर हमनी में से ओह लोगन खातिर, जे अपना कवनो प्रिय पालतू पशु के खो चुकल बा, ई विषय अत्यन्त महत्त्वपूर्ण बा। आ अगर रउआ के बिलइया या कुकुर से खास लगाव भी ना होखे, तबो उनकर भविष्य रउआ से जुड़ल बा, काहे कि हमनी के भविष्य भी उनकर भविष्य से सम्बन्धित बा। धरती के प्राणी खातिर परमेश्वर जे भविष्य ठहरवले बाड़न, ओकरा के बेहतर ढंग से समझला से हमरा सभ के ई जाने में भी सहायता मिलेला कि हमरा सभ खातिर आगे का रखल गइल बा।

सृष्टि में पशु-पक्षियन के जगह।

आवा, सभसे पहिले सृष्टि में पशु-पक्षियन के जगह पर विचार करीं।

मनुष्य के बाद पशु-पक्षी धरती के दोसर सभसे महत्त्वपूर्ण निवासी बाड़ें। सर्वशक्तिमान परमेश्वर ओह लोग के हमरा सभ के लाभ खातिर बनवले बाड़न। दोसरा अनेक उद्देश्यन के अलावा, ऊ हमरा सभ के संगति आ साथ भी देलें। बाइबल पशु-पक्षियन के सृष्टि के उल्लेख मनुष्य के सम्बन्ध के जरूरत के सन्दर्भ में करेला।

“तब यहोवा परमेश्वर कहलन, ‘मनुष्य के अकेले रहना अच्छा नइखे; हम ओकरा खातिर अइसन सहायक बनाइब जे ओकरा योग्य होखे।’ तब यहोवा परमेश्वर भूमि में से हर तरह के वन-पशु आ आकाश के हर तरह के पक्षी के रचलन आ ओकरा के आदम के लगे ले अइलन कि ऊ देखे कि ऊ लोग के का नाम रखी। आदम हर जीवित प्राणी के जे नाम रखल, उहे ओकर नाम हो गइल। एह तरह आदम सभ घरेलू पशु, आकाश के पक्षी आ सभ वन-पशु के

नाम रखलस। बाकिर आदम खातिर ओकर योग्य कवनो सहायक ना मिलल" (उत्पत्ति अध्याय 2 पद 18 से 20)।

हालाँकि ई प्राणी आदम के संगति के जरूरत के कुछ हद तक पूरा कइलें, बाकिर प्रभु ओकरा खातिर एहसे कहीं बढ़िया योजना बनवले रहलन। परमेश्वर के उद्देश्य आदम खातिर अइसन सहायक बनावल रहे जे ओकरा जइसन होखे आ ओकर योग्य होखे। मूल इब्रानी भाषा में एह पद के इहे अर्थ बा। आदम के अइसन सम्बन्ध हव्वा में मिलल, जेकरा के परमेश्वर ओकर पसली में से एगो पसली लेके बनवले रहलन।

हालाँकि पशु-पक्षी संगति के अन्तिम आ पूरा उत्तर ना रहलें, तबो जब परमेश्वर अपना बनावल प्राणी सभ के आदम के लगे ले अइलन आ ओकरा के उनकर नाम रखे के जिम्मेदारी दिहलन, ओही समय से मनुष्य आ पशु-पक्षियन के बीच एगो विशेष सम्बन्ध स्थापित हो गइल। कवनो के नाम रखल आ ओकरा के नाम दिहल सम्बन्ध स्थापित करे के प्रतीक होला। बाद में प्रभु परमेश्वर आदम के हव्वा के नाम रखे के अधिकार भी दिहलन (उत्पत्ति अध्याय 3 पद 20)।

परमेश्वर पशु-पक्षियन के चिन्ता करेलन आ उनकरा से आनन्दित होखेलन।

प्रभु यीशु सिखवले कि हालाँकि मनुष्य के मूल्य पशु-पक्षियन से अधिक बा, तबो पशु-पक्षी परमेश्वर खातिर महत्त्व रखेलन। जब यीशु अपना अनुयायी लोग के जिनगी के जरूरतन के बारे में चिन्ता ना करे के शिक्षा दिहलन, तब ऊ अपना स्वर्गीय पिता द्वारा पक्षियन आ फूलन के देखभाल के उदाहरण दिहलन।

"आकाश के पक्षियन के देखीं। ऊ ना बोवेलन, ना काटेलन, आ ना भण्डार में एकट्ठा करेलन; तबो रउआ सभ के स्वर्गीय पिता ओह लोग के खियावेलन। का रउआ सभ ओह लोग से कहीं अधिक मूल्यवान नइखी?" (मती अध्याय 6 पद 26)।

बाइबल के अनेक पद हमरा सभ के ई भरोसा देलें कि प्रभु धरती के सभ प्राणी के चिन्ता करेलन।

"यहोवा सभ पर कृपालु बाड़न, आ उनकर कोमल करुणा उनकर पूरा सृष्टि पर बनल रहेला" (भजन संहिता अध्याय 145 पद 9)।

“सभ प्राणी आशा भरल नजर से तोहरा ओर ताकेला, आ तू उचित समय पर ओह लोग के भोजन देलऽ। तू आपन हाथ खोलेलऽ आ सभ जीवधारी के इच्छा के तृप्त करेलऽ” (भजन संहिता अध्याय 145 पद 15 से 16)।

“हे यहोवा, तू मनुष्य आ पशु दुनु के रक्षा करेलऽ” (भजन संहिता अध्याय 36 पद 6)।

सर्वशक्तिमान परमेश्वर खाली पशु-पक्षियन के चिन्ता ही ना करेलन, बलुक ऊ ओह लोग से आनन्द भी पावेलन। बाइबल कहेला कि “ऊ अपना बनावल सभ काम में आनन्दित होखेलन” (भजन संहिता अध्याय 104 पद 31)।

ई याद रखीं कि धरती के अधिकतर प्राणी के खाली परमेश्वर ही देखेलन–ऊ प्राणी जे घना जंगल, गहिरा वन आ समुंदर के अथाह गहिराई में रहेलन।

बाइबल आगे ईहो प्रकट करेला कि प्रभु अपना बनावल प्राणी सभ के अपना परिवेश के आनन्द लेवे के क्षमता दिहले बाड़न, आ ऊ खुद ओह लोग के खेलत देख के प्रसन्न होखेलन।

“ओहिजा समुंदर बा, विशाल आ विस्तृत, जेह में छोट-बड़ अनगिनत जीव भरल बाड़ें। ओहिजा जहाज चलत-फिरत बा, आ ओहिजे ऊ लिव्यातान भी बा जेकरा के तू ओह में क्रीड़ा करे खातिर बनवले बाड़ऽ” (भजन संहिता अध्याय 104 पद 25 से 26)।

• इहाँ जे शब्द के अनुवाद “क्रीड़ा करना” कइल गइल बा, ओकर मूल अर्थ में “आनन्द से हँसना” आ ओकर विस्तार में “खेलना” शामिल बा। परमेश्वर एह प्राणी सभ के खाली अस्तित्व में रहे खातिर ना, बलुक खेल के आनन्द लेवे खातिर भी बनवले बाड़न। ई खाली जीवित रहे के बात ना ह, बलुक जीवन के समृद्धि आ आनन्द के भी प्रमाण ह।

• जेरूसलम बाइबल एह पद के अनुवाद एह तरह से करेला: “लिव्यातान, जेकरा के तू अपना आनन्द खातिर बनवलेऽ।” (भजन संहिता अध्याय 104 पद 26)।

एहसे साफ होला कि खुद प्रभु ओह पशु सभ में आनन्दित होखेलन जेकरा के ऊ रचले बाड़न।

मनुष्य आ पशु एक-दूसरा से जुड़ल बाड़ें।

सृष्टि अपना वर्तमान अवस्था में ओइसन नइखे जइसन परमेश्वर ओकरा के मूल रूप से बनवले रहलन। ऊ ना त सिंह के मेमना खाए खातिर बनवले रहलन, ना बाज के कबूतर के शिकार करे खातिर, आ ना मगरमच्छ के मनुष्य के निगले खातिर। ओही तरह ऊ पेड़ आ फूलन के रोग से ग्रस्त होके मुरझाए आ मर जाए खातिर भी ना बनवले रहलन। प्रभु कवनो आदमी या कवनो सृष्टि के नाश होखे खातिर ना रचले रहलन।

भौतिक संसार आदम के पाप के कारण मृत्यु के अधीन हो गइल। मानवजाति के प्रधान आ धरती के पहिला प्रबन्धक होखे के कारण आदम के कामन के सीधा प्रभाव ओकरा में निहित पूरा मानव परिवार पर भी पड़ल आ ओह घर, यानी धरती पर भी पड़ल, जेकरा के परमेश्वर हमरा सभ खातिर बनवले रहलन।

“जब आदम पाप कइलस, तब पाप पूरा मानवजाति में प्रवेश कर गइल। ओकर पाप के कारण मृत्यु पूरा संसार में फैल गइल, आ तब से सभ कुछ पुरान होखे लागल आ मरत गइल” (रोमियन अध्याय 5 पद 12)।

आदम के अवज्ञा के कारण स्त्री आ पुरुष, पशु-पक्षी, वनस्पति आ खुद धरती भी मृत्यु के प्रभाव के अधीन आ गइल। एह स्थिति के परमेश्वर द्वारा दिहल उपाय यीशु मसीह के द्वारा उद्धार ह। क्रूस के काम एतना महान आ पर्याप्त बा कि ऊ खाली मानवजाति के ही ना, बलुक धरती आ ओकरा पर रहे वाला सभ प्राणी के भी पाप आ ओकरा सभ परिणामन से छुड़ा सकेला।

“उहे [यीशु] आदि से सभसे ऊपर बाड़न, आ पुनरुत्थान के शोभायात्रा के अगुवाई करे वाला होखे के कारण अन्त में भी सभसे ऊपर बाड़न। आदि से अन्त तक उहे सभ पर महान आ सर्वोच्च बाड़न। ऊ एतना महान आ व्यापक बाड़न कि परमेश्वर के पूरा परिपूर्णता उनकरा में आपन उचित जगह पावेला। एतने ना, उनकर द्वारा ब्रह्माण्ड के हर टूटल आ बिखरल वस्तु–चाहे ऊ मनुष्य होखे या दोसर सृष्टि, पशु होखे या अणु–सभ के फेर से ठीक कइल जाई आ पूरा सामंजस्य में जोड़ दिहल जाई। ई सभ उनकर ओह लहू के कारण सम्भव भइल जे क्रूस पर बहावल गइल” (कुलुस्सियन अध्याय 1 पद 18 से 20)।

हम कवनो भी तरह से ई ना कहत बानी कि पशु मनुष्यन के समान बाड़ें। ऊ समान नइखन। मनुष्य परमेश्वर के स्वरूप में बनावल गइल बाड़ें; पशु अइसन ना बाड़ें। मनुष्य के अपना पाप के कारण उद्धारकर्ता के जरूरत बा; पशु पाप ना करेलन। तबो, एगो अर्थ में ई कहल जा सकेला कि यीशु धरती के प्राणी खातिर भी अप्रत्यक्ष रूप से अपना प्राण दिहलन, काहे कि उनकर बलिदान ओह सभ बातन खातिर छुटकारा आ पुनर्स्थापना के प्रबन्ध करेला जेकरा के पाप नष्ट आ विकृत कर दिहले बा।

प्रभु परमेश्वर ओह घर के कवनो हिस्सा, जेकरा के ऊ अपना खातिर आ अपना परिवार खातिर बनवले बाड़न, मृत्यु के अधिकार में ना छोड़िहें–आ एह में पशु भी शामिल बाड़ें। धरती के सभ प्राणी उन्हीं के ह।

“काहे कि जंगल के सभ पशु हमार बाड़ें, आ पहाड़ पर चरनिहार हजारों पशु भी हमार ही बाड़ें। हम पहाड़ के सभ पक्षी के जानत बानी, आ मैदान के सभ वन्य पशु हमार बाड़ें आ हमार नजर में बाड़ें” (भजन संहिता अध्याय 50 पद 10 से 11)।

सृष्टि के सुरुआत से ही पशु एह धरती पर मौजूद रहलें। ऊ ओह घर के एगो महत्त्वपूर्ण हिस्सा बाड़ें जेकरा के प्रभु परमेश्वर अपना परिवार खातिर बनवले बाड़न। एहसे जब हमनी के घर नया कइल जाई आ पूरा तरह से पुनर्स्थापित होई, तब ऊ ओहिजा से अनुपस्थित ना होइहें। नई धरती पर निश्चय ही पशु होइहें।

पुरनका नियम के भविष्यवक्ता लोग लिखले बाड़ें कि जब उद्धारकर्ता धरती पर अपना अनन्त राज्य स्थापित करीहें आ पाप आ मृत्यु के शाप के हटा दीहें, तब पशु ना त एक-दूसरा के नुकसान पहुँचइहें आ ना मनुष्य के। पाप के प्रवेश से पहिले परमेश्वर के सृष्टि में जे सामंजस्य रहे, ऊ फेर से स्थापित कर दिहल जाई। पूरा सृष्टि आखिरकार ओइसने हो जाई जइसन प्रभु सुरुआत से ओकरा खातिर चाहत रहलन (टिप्पणी 6 देखीं)।

“हमार प्रजा फेर दोसरा राष्ट्रन के शिकार ना बनी, आ ना वन्य पशु फेर कबो ओकरा के नुकसान पहुँचइहें” (यहेजकेल अध्याय 34 पद 28)।

“ओह दिन भेड़िया मेमना के साथ रही, आ चीता बकरी के बच्चा के साथ शान्ति से लेटी। बछड़ा, जवान सिंह आ पालतू पशु एक-साथ रहीहें, आ एगो छोट बालक ओह लोग के अगुवाई करी। गाय आ रीछ एक-साथ चरिहें, उनकर बच्चा एक-साथ लेटीहें, आ सिंह बैल जइसन घास खाई... हमार सभ पवित्र पहाड़ पर ना कवनो नुकसान पहुँचाई आ ना कवनो नाश करी” (यशायाह अध्याय 11 पद 6 से 9)।

पशु फेर से जीवित होइहें।

महान प्रेरित पौलुस लिखले बाड़ें कि पूरा सृष्टि भ्रष्टता आ मृत्यु के दासता से छुटकारा पावे के लालसा में बाट जोहत बा। ऊ ईहो प्रकट कइले कि जब प्रभु अपना बेटा-बेटी लोग के मरलन में से जिलइहें, तब ऊ अपना पूरा भौतिक सृष्टि के भी एह दशा से मुक्त कर दीहें।

“पूरा सृष्टि बड़का आशा आ धीरज के साथ ओह दिन के बाट जोहत बा जब परमेश्वर अपना संतान के महिमा में प्रकट करीहें। काहे कि ओही दिन काँटा आ ऊँटकटारा, पाप, मृत्यु आ नाश... सभ समाप्त हो जाई, आ हमरा सभ के चारों ओर के पूरा सृष्टि भी ओह महिमामय स्वतन्त्रता में सहभागी होई जेकर आनन्द परमेश्वर के संतान उठाई। हमनी जानत बानी कि आज ले पूरा सृष्टि–एह में पशु आ वनस्पति भी शामिल बाड़ें–पीड़ा सहत ओह महान दिन के बाट जोहत बा” (रोमियन अध्याय 8 पद 19 से 22)।

“आ खाली सृष्टि ही ना, हमनी भी, जे पवित्र आत्मा के आवे वाली महिमा के पहिला फल के रूप में पवले बानी, अपना भीतर कराहत ओह दिन के बाट जोहत बानी जब परमेश्वर हमरा सभ के अपना संतान होखे के पूरा अधिकार दीहें, यानी ऊ नया शरीर जेकरा के ऊ हमरा सभ

खातिर प्रतिज्ञा कइले बाड़न–अइसन शरीर जे फेर कबो बीमार ना होई आ कबो ना मरी” (रोमियन अध्याय 8 पद 23)।

एह पद के भाव ई संकेत देला कि मनुष्य के साथ जे होई, उहे पशु सभ के साथ भी होई। जब हमनी के भ्रष्टता से मुक्त कइल जाई, तब ऊ लोग भी ओकरा से मुक्त कइल जाई। प्रभु खाली हमरा सभ के शरीर के कब्र से जीवित ना करीहें, बलुक ऊ अपना मूल पशु-सृष्टि के भी मृत्यु से छुड़ा के ओह लोग के नया जीवन दीहें।

अगर ई बात रउआ खातिर विश्वास करे में बहुते अद्भुत लागे, त एह अध्याय में पहिले उद्धृत ओही भजन के एगो अउर हिस्सा पर ध्यान दीं।

“ओहिजा समुंदर बा, विशाल आ विस्तृत, जेह में छोट-बड़ अनगिनत जीव भरल बाड़ें। ओहिजा जहाज चलत-फिरत बा, आ ओहिजे ऊ लिव्यातान भी बा जेकरा के तू ओह में क्रीड़ा करे खातिर बनवलेs। ई सभ उचित समय पर अपना भोजन खातिर तोहरा ओर आशा से ताकेला। जब तू ओह लोग के देलs, तब ऊ लोग ओकरा के बटोर लेला; जब तू आपन हाथ खोललs, तब ऊ लोग बढ़िया चीज से तृप्त हो जाला” (भजन संहिता अध्याय 104 पद 25 से 28)।

“जब तू आपन मुँह लुका लेलs, तब ऊ लोग घबरा जाला; जब तू उनकर प्राण ले लेलs, तब ऊ लोग मर जाला आ फेर माटी में मिल जाला। जब तू आपन आत्मा भेजेलs, तब ऊ लोग फेर से रचल जाला, आ तू धरती के स्वरूप के नया कर देलs” (भजन संहिता अध्याय 104 पद 29 से 30)।

ध्यान दीं कि इहाँ एह प्राणी सभ के मृत्यु के वर्णन कइसे कइल गइल बा। जब पशु मर जालें, तब उनकर शरीर भी हमरा सभ के जइसन माटी में मिल जाला। बाकिर बाइबल के अनुसार, जब परमेश्वर अपना आत्मा भेजेलन, तब ऊ लोग फेर से रचल जाला आ धरती के स्वरूप नया कर दिहल जाला। इहाँ “नया करना” के मतलब अइसन चीज बनावल ना ह जे पहिले कबो अस्तित्व में ही ना रहल होखे, बलुक एकर मतलब बा “फेर से स्थापित करना”, “फेर से बनाना” या “पुनर्निर्माण करना”।

एह किताब में पहिले हमनी देख चुकल बानी कि जब सर्वशक्तिमान परमेश्वर धरती पर अपना प्रत्यक्ष राज्य स्थापित करीहें, तब ई धरती नया कर दिहल जाई आ पूरा तरह से पुनर्स्थापित होई। यीशु मसीह के एह संसार में फेर से वापसी ओह समय के संकेत होई जब “सभ वस्तु के अन्तिम पुनर्स्थापना” होई (प्रेरितन के काम अध्याय 3 पद 21)।

परमेश्वर अइसन कवनो धरती ना बनइहें जे पहिले कबो अस्तित्व में ना रहल होखे। ऊ एही धरती के नया करीहें। आ एह महान पुनर्स्थापना के एगो हिस्सा के रूप में ऊ पशु-पक्षियन के भी फेर से जीवन दीहें।

प्रभु नया पशु-पक्षियन के सृष्टि ना करीहें। बलुक जे प्राणी ऊ पहिले ही रच चुकल बाड़न, ओही लोग के भ्रष्टता आ मृत्यु के दासता से छुड़ा के नया बना दीहें। ऊ लोग के फेर धरती पर जीवन दीहें, आ ई मृत्यु पर उनकर पूरा विजय के एगो अद्भुत आ महिमामय प्रदर्शन होई। एतना तक कि जे जाति आज विलुप्त हो चुकल बाड़ी स, ऊ भी खाली कुछ समय खातिर हमरा सभ के नजर से ओझल भइल बाड़ी स; ऊ सदा खातिर नष्ट ना भइल बाड़ी स।

अभीयो स्वर्ग में पशु बाड़ें!

हमनी जानत बानी कि वर्तमान अदृश्य स्वर्ग में पशु मौजूद बाड़ें, काहे कि प्रेरित यूहन्ना ओह लोग के देखले रहलन। जब ऊ ओह अदृश्य लोक में रहलन, तब ऊ सामूहिक आराधना के एगो अत्यन्त महिमामय दृश्य देखलन, आ ओह स्वर्गीय स्तुति-आराधना में पशु भी शामिल रहलें।

यूहन्ना लिखेलन, "फेर हम स्वर्ग में, धरती पर, धरती के नीचे आ समुंदर में रहे वाला हर प्राणी के, आ ओह सभ वस्तु के जे ओह लोग में बाड़ी स, ई कहत सुननी, 'जे सिंहासन पर विराजमान बाड़न आ मेमना के युगानुयुग स्तुति, आदर, महिमा आ सामर्थ्य प्राप्त होखे'" (प्रकाशितवाक्य अध्याय 5 पद 13)।

• इहाँ जे शब्द के अनुवाद "प्राणी" कइल गइल बा, ओकर अर्थ "सृष्ट कइल गइल वस्तु" ह। नया नियम के दोसरा जगहन पर भी एही शब्द के इस्तेमाल मनुष्य आ पशु–दुनु खातिर कइल गइल बा (2 कुरिन्थियन अध्याय 5 पद 17; 1 तीमुथियुस अध्याय 4 पद 4; याकूब अध्याय 1 पद 18)।

• प्रकाशितवाक्य में खाली एगो अउर जगह पर, जहाँ यूहन्ना अपना स्वर्गीय दर्शन के वर्णन करेलन, एही शब्द के साफ तौर पर "पशु" के अर्थ में इस्तेमाल कइल गइल बा (प्रकाशितवाक्य अध्याय 8 पद 9)।

जब यूहन्ना आगे ओह दृश्य के वर्णन कइलन, त ओह संदर्भ से साफ हो जाला कि उहाँ मनुष्य आ पशु–दुनु परमेश्वर के स्तुति करत रहलें।

"तब ऊ चार गो जीवित प्राणी कहलें, 'आमीन!' आ चौबीसों प्राचीन गिर के आराधना कइलें" (प्रकाशितवाक्य अध्याय 5 पद 14)।

यूहन्ना प्रकाशितवाक्य के किताब में एह चौबीस प्राचीन आ चार गो जीवित प्राणी के सात बेर उल्लेख कइले बाड़न। ऊ लिखले बाड़न कि ई प्राणी परमेश्वर के सिंहासन के चारों ओर रहेलन आ लगातार उनकर आराधना करेलन। उनकर वर्णन एह तरह से बा–

“सिंहासन के बीचों-बीच आ ओकरा चारों ओर चार गो जीवित प्राणी रहलें। ऊ लोग आगे आ पीछे, चारों ओर आँखियन से भरल रहलें। पहिला जीवित प्राणी सिंह जइसन रहे, दोसर बैल जइसन, तिसरका के चेहरा मनुष्य जइसन रहे, आ चउथा उड़त उकाब जइसन रहे। ओह चारों जीवित प्राणी में से हर एगो के छव गो पाँख रहलें, आ ऊ लोग भीतर आ बाहर चारों ओर आँखियन से भरल रहलें। ऊ लोग दिन-रात बिना रुके ई कहत रहत रहलें, ‘पवित्र, पवित्र, पवित्र प्रभु परमेश्वर सर्वशक्तिमान बाड़न, जे रहलन, जे बाड़न आ जे आवे वाला बाड़न’” (प्रकाशितवाक्य अध्याय 4 पद 6 से 8)।

एह पदन में जे शब्द के अनुवाद “जीवित प्राणी” कइल गइल बा, ओकर अर्थ “जीवित अस्तित्व” ह, आ ओकर समतुल्य अर्थ “पशु” या “जीव” भी होला। पवित्रशास्त्र के दोसरा पदन में भी एही शब्द के साफ तौर पर “पशु” के अर्थ में इस्तेमाल कइल गइल बा (इब्रानियन अध्याय 13 पद 11; आ 2 पतरस अध्याय 2 पद 12; यहूदा अध्याय 1 पद 10)।

• यूहन्ना लिखले बाड़न कि ई जीवित प्राणी क्रमशः सिंह, बैल, मनुष्य आ उकाब जइसन दिखाई देत रहलें। बाइबल हमरा सभ के साफ-साफ ना बतावेला कि ऊ वास्तव में के हउवन, बाकिर एतना जरूर साफ बा कि ऊ चौबीस प्राचीन आ स्वर्गदूतन से अलग बाड़ें (प्रकाशितवाक्य अध्याय 5 पद 11)।

• ऊ लोग जे भी होखे, ई साफ बा कि ई प्राणी बुद्धिमान बाड़ें, साफ-साफ बोलत बाड़ें, मनुष्य ना बाड़ें आ स्वर्गदूत भी ना बाड़ें। ऊ स्वर्ग में रहेलन आ लगातार परमेश्वर के स्तुति करेलन। सम्भव बा कि ऊ धरती के पशु-पक्षियन के आदर्श रूप या मूल प्रतिरूप होखस, काहे कि ओह लोग में ओह पशु-पक्षियन से कुछ समानता दिखाई देला जेकरा के यूहन्ना पहचानत रहलन।

यूहन्ना स्वर्ग में अउरी पशु-पक्षियन के भी देखले रहलन। ऊ लिखले बाड़न कि ऊ “आकाश के बीच में एगो अकेला उकाब के उड़त देखलन, आ ओकरा के बड़का ऊँच आवाज में पुकारत सुनलन” (प्रकाशितवाक्य अध्याय 8 पद 13)।

उहाँ ईहो देखलन कि प्रभु यीशु आ उनकर स्वर्गीय सेनन घोड़ा पर सवार होके स्वर्ग से बाहर निकलत रहलें।

“तब हम स्वर्ग के खुलल देखनी, आ देखीं, एगो उज्जर घोड़ा रहे। ओकरा पर बइठे वाला के ‘विश्वासयोग्य आ सत्य’ कहल जाला... आ स्वर्ग के सेनन उज्जर घोड़न पर सवार होके ओकरा पीछे-पीछे चलत रहलें” (प्रकाशितवाक्य अध्याय 19 पद 11 से 14)।

आ ईहो याद रखीं कि इस्राएल के महान भविष्यवक्ता एलीशा भी अदृश्य लोक में घोड़ा के देखले रहलन (2 राजा अध्याय 6 पद 17)।

हमार पालतू पशु के का होई?

हमरा पूरा विश्वास बा कि रउआ में से कुछ लोग ई सोचत होखब, “हमरा एह बात से खास फरक नइखे पड़त कि स्वर्ग में कवनो उकाब या उज्जर घोड़ा बा। हम त ई जानल चाहत बानी कि हमार प्रिय पालतू पशु के का होई? का हम ओकरा के फेर से देखब? आ अगर हँ, त का हमरा के मरल लोगन के पुनरुत्थान ले प्रतीक्षा करे के पड़ी? का हमार कुकुर या बिलइया अभी स्वर्ग में बा?”

जब हम परमेश्वर, मनुष्य आ पशु-पक्षियन के विषय में बाइबल के पूरा शिक्षा पर विचार करीं, त हमरा सभ लगे ई माने खातिर ठोस आधार मिलेला कि हमरा सभ के प्रिय रोएँदार आ पाँख वाला साथी वास्तव में अदृश्य स्वर्ग में हमरा सभ के बाट जोहत बाड़ें। नीचे दिहल बातन पर ध्यान दीं।

पहिला: पशु-पक्षियन के भी “प्राण” होला।

कुछ लोग एह विचार के विरोध करेला कि पालतू पशु स्वर्ग में जालें। ऊ लोग कहेला कि पशु के आत्मा या प्राण ना होला, एह से जब ऊ मर जालें, तब उनकर अस्तित्व सदा खातिर समाप्त हो जाला। बाकिर ई विचार परमेश्वर के वचन के शिक्षा के विरुद्ध बा।

उत्पत्ति के किताब में सृष्टि के जे विवरण दिहल गइल बा, ओह में मनुष्य आ पशु–दुनु खातिर एके तरह के भाषा के इस्तेमाल कइल गइल बा। एहसे ई प्रकट होला कि जइसे मनुष्य के अस्तित्व में एगो अभौतिक आ अदृश्य पक्ष बा, ओइसहीं एह संसार के प्राणी सभ में भी बा।

जब सर्वशक्तिमान परमेश्वर आदम के सृष्टि कइलन, तब पहिले ऊ धरती के माटी से ओकर भौतिक शरीर बनवलन। बाकिर ओह समय ले आदम में जीवन ना रहे, जब तक प्रभु “ओकर नाक में जीवन के साँस ना फूँकलन, आ मनुष्य जीवित प्राणी बन गइल” (उत्पत्ति अध्याय 2 पद 7)।

मूल इब्रानी भाषा में “जीवन के साँस” खातिर “खाय” शब्द के इस्तेमाल भइल बा। आ “जीवित प्राणी” (या जीवित प्राण) खातिर “नेफेश” शब्द इस्तेमाल भइल बा, जे मनुष्य के ओह अभौतिक, अदृश्य आ भीतरी अस्तित्व के ओर संकेत करेला।

उत्पत्ति के किताब में ई दुनु इब्रानी शब्द पशु-पक्षियन खातिर भी इस्तेमाल भइल बाड़ें। एह से पवित्रशास्त्र के शुरुआती पाठक स्वाभाविक रूप से ई समझत कि पशु-पक्षियन के अस्तित्व में भी एगो अभौतिक पक्ष बा।

“फेर परमेश्वर कहलन, ‘जल जीवित प्राणी [नेफेश] से भर जाव’... तब परमेश्वर समुंदर के बड़-बड़ जीव आ सभ तरह के जीवित [नेफेश] आ चले-फिरे वाला प्राणी सभ के सृष्टि कइलन, जेकरा से जल भर गइल” (उत्पत्ति अध्याय 1 पद 20 से 21)।

“फेर परमेश्वर कहलन, ‘धरती अपना-अपना जाति के अनुसार जीवित प्राणी [नेफेश] के उत्पन्न करो–घरेलू पशु, धरती पर रेंगे वाला जीव आ वन्य पशु’” (उत्पत्ति अध्याय 1 पद 24)।

“आ परमेश्वर कहलन, ‘धरती के सभ पशु, आकाश के सभ पक्षी आ धरती पर रेंगे वाला सभ जीव, जेह में जीवन के साँस [खाय] बा, हम सभ हरियर पौधा भोजन खातिर देत बानी’” (उत्पत्ति अध्याय 1 पद 30)।

मसीह के जन्म से तिसरका आ दुसरका शताब्दी ईसा पहिले के बीच पुरनका नियम के यूनानी भाषा में अनुवाद कइल गइल। जे विद्वान लोग इब्रानी से यूनानी में ई पहिला अनुवाद कइल, ऊ लोग “नेफेश” शब्द खातिर यूनानी शब्द “साइके” के इस्तेमाल कइल। “साइके” के अर्थ जीवन के मूल स्रोत या ऊ अभौतिक अस्तित्व ह जे मृत्यु के बादो बनल रहेला।

जब एह विद्वान लोग ऊपर दिहल पदन के अनुवाद कइल, तब पशु-पक्षियन खातिर अइसन शब्द इस्तेमाल करे में ओह लोग के कवनो कठिनाई ना भइल जेकर अर्थ उहे रहे जेकरा के आज हम सामान्य रूप से “आत्मा” या “प्राण” कहत बानी। अगर हम कलीसिया के इतिहास के अध्ययन करीं, त हमरा सभ के मालूम होला कि पशु-पक्षियन में भी एगो अभौतिक पक्ष होखे के विश्वास मसीही धर्म के शुरुआती दिनन से लेके सत्रहवीं शताब्दी आ ज्ञानोदय के युग तक बनल रहल (टिप्पणी 8 देखीं)।

जे कवनो आदमी कवनो पालतू पशु–जइसे कुकुर या बिलइया–के साथ नजदीकी से जिनगी बितवले बा, ऊ जानेला कि ऊ खाली अइसन प्राणी ना ह जे बिना कवनो चेतना या भीतरी अस्तित्व के खाली स्वाभाविक प्रवृत्ति के अनुसार काम करेला। पशु व्यक्तित्व, बुद्धिमत्ता आ भावना जइसन अभौतिक गुणन के भी प्रकट करेलन।

हमनी अक्सर समाचार में अइसन घटना सुनत बानी जेह में पालतू पशु अपना मनुष्य साथी के जान बचावे खातिर अपना प्राण तक जोखिम में डाल देला। बाइबल में भी अइसने एगो घटना के वर्णन बा। एगो गदही अपना मालिक के निश्चित विनाश से बचावत घरी साहस, करुणा आ निष्ठा के परिचय दिहलस। ओह घटना में परमेश्वर ओह पशु के मुँह खोल दिहलन, आ ऊ अपना विचार आ भावना के साफ-साफ व्यक्त कइलस। ओह विवरण में अइसन कवनो बात नइखे जेसे ई संकेत मिले कि ओकरा के शाब्दिक रूप से सत्य ना मानल जाए (गिनती अध्याय 22 पद 21 से 35)।

का पशु मर के सदा खातिर समाप्त हो जालें?

कुछ लोग सभोपदेशक के किताब के एगो हिस्सा के गलत अर्थ लगाके ई साबित करे के कोसिस करेला कि पशु मरला के बाद उनकर अस्तित्व सदा खातिर समाप्त हो जाला। बाकिर ई ओह किताब के सही अर्थ ना ह।

सभोपदेशक एगो अइसन आदमी के खोज के वर्णन ह जे जिनगी के अर्थ आ सन्तोष खोजत रहे, आ साथे जिनगी में दिखाई देवे वाला अन्याय आ असमानता पर विलाप भी करत रहे। आखिर में लेखक एह निष्कर्ष पर पहुँचेला कि परमेश्वर के बिना जिनगी निरर्थक बा। ऊ पशु के उल्लेख एह विचार के व्यक्त करे खातिर कइलस कि देखे में अइसन लागेला मानो मनुष्य के पशु पर कवनो खास लाभ नइखे, काहे कि आखिरकार मनुष्य आ पशु–दुनु के मृत्यु के सामना करे के पड़ेला।

“काहे कि मनुष्यन पर जे घटना घटेला, उहे पशु पर भी घटेला। जइसे एगो मरत बा, ओइसहीं दोसर भी मरत बा। सभ में एके साँस आ प्राण बा; एह से मनुष्य के पशु पर कवनो बढ़ाई नइखे, काहे कि सभ कुछ व्यर्थ बा। सभ एगो ही जगह जालें। सभ माटी से बनल बाड़ें आ सभ फेर माटी में मिल जालें” (सभोपदेशक अध्याय 3 पद 19 से 20)।

“के जानेला कि मनुष्य के प्राण ऊपर जाला आ पशु के प्राण नीचे धरती में जाला?” (सभोपदेशक अध्याय 3 पद 21)।

जब लेखक ई बात लिखलस, तब ओकर उद्देश्य पशु के अनन्त भविष्य या ओकर अभाव के बारे में कवनो धर्मशास्त्रीय शिक्षा देवे के ना रहे। ओकर मुख्य सन्देश ई रहे कि कवनो भी आदमी मृत्यु से ना बच सकेला।

वास्तव में, ई अंश एह विचार के समर्थन करेला कि पशु खाली भौतिक शरीर मात्र ना ह। ध्यान दीं कि लेखक मनुष्य आ पशु–दुनु खातिर “प्राण” शब्द के इस्तेमाल कइले बा। एहसे ऊ ई स्वीकार करेला कि दुनु में एगो अभौतिक पक्ष बा, जेकरा के हमनी सामान्य रूप से “प्राण” या “आत्मा” कहत बानी।

जइसे हम पहिले भी कह चुकल बानी, पशु परमेश्वर के स्वरूप में ना बनावल गइल बाड़ें आ ऊ मनुष्यन के समान ना बाड़ें। तबो, ई साफ बा कि उनकर अस्तित्व में भी एगो अभौतिक, अमानवीय पक्ष बा।

दूसरा: ई निरन्तरता के एगो हिस्सा ह।

हमनी के भविष्य में निरन्तरता होई–उहे व्यक्तिगत पहचान, उहे धरती, उहे संस्कृति आ उहे सभ्यता। इहे सिद्धान्त एह बात के पक्ष में भी एगो मजबूत आधार देला कि पशु-पक्षियन के अस्तित्व भी बनल रही।

उहे पशु जे कबो धरती पर रहत रहलें, अब स्वर्ग में बाड़ें, आ एगो दिन नई धरती पर फेर से जीवित होइहें।

ई याद रखीं कि सर्वशक्तिमान परमेश्वर पूरा सृष्टि के अपना महिमा खातिर बनवले बाड़न। हमरा सभ के जइसन पशु-पक्षियन के उद्देश्य भी प्रभु के स्तुति करे आ उनकर आदर करे के बा। ई तर्कसंगत ना लागेला कि उनकर पूरा सृष्टिगत भूमिका खाली एह पतित संसार के कुछ बरिसन तक ही सीमित रह जाए। आवे वाला जीवन में ही हमनी सभ–मनुष्य आ पशु दुनु–अपना निर्धारित उद्देश्य के पूर्णता प्राप्त करब।

“वन्य पशु आ सभ घरेलू पशु, रेंगे वाला सभ जीव आ उड़त सभ पक्षी; धरती के राजा आ सभ जाति, हाकिम आ धरती के सभ न्यायी; जवान आ कुँवारी, बूढ़ा आ बालक–सभ यहोवा के नाम के स्तुति करस, काहे कि खाली उहे के नाम महान बा; उनकर महिमा धरती आ आकाश से भी ऊँच बा” (भजन संहिता अध्याय 148 पद 10 से 13)।

“जेतना प्राणी साँस लेला, ऊ सभ यहोवा के स्तुति करस” (भजन संहिता अध्याय 150 पद 6)।

तीसरा: परमेश्वर एगो भला परमेश्वर हउवें।

हमनी के उद्धारकर्ता यीशु सिखवले कि परमेश्वर अपना लोगन खातिर पिता हउवें, आ ऊ धरती के सभसे नीक पिता से भी कहीं बेसी भला हउवें (मती अध्याय 7 पद 9 से 11)।

त फेर ऊ अपना लइकन खातिर पशु-पक्षियन के साथी आ पालतू प्राणी के रूप में काहे बनइहें, अगर उनकर उद्देश्य खाली एतने होखे कि कुछ समय खातिर ही हमनी के उनकर साथ मिले आ फेर ऊ लोग सदा खातिर हमरा सभ से छीन लिहल जाए?

जब हम परमेश्वर के स्वभाव पर विचार करीं, त अइसन बात के सम्भावना बहुत कम लागेला। कवनो भी भला पिता अपना लइकन के साथ एतना कठोरता ना करी।

यद्यपि बाइबल में अइसन कवनो एगो पद नइखे जे सीधा-सीधा ई कहत होखे कि पशु स्वर्ग में जालें, तबो जब हम एह सभ पदन के एक साथ देखीं, त ई साफ हो जाला कि मृत्यु के बाद हमरा सभ के पालतू पशु के अस्तित्व समाप्त ना हो जाला।

जइसे हमरा सभ के शरीर माटी में मिल जाला, ओइसहीं उनकर शरीर भी माटी में लौट जाला। बाकिर ऊ लोग वर्तमान स्वर्ग में प्रवेश करेला, जहाँ ऊ अपना भौतिक शरीर के साथ फेर से मिलन आ हमरा सभ से दोबारा भेंट करे के प्रतीक्षा करेला।

एह से हमनी एह आशा के साथ आगे देख सकत बानी कि जब हमरा सभ के मृत्यु के बाद हम अदृश्य स्वर्ग में प्रवेश करब, या जब प्रभु यीशु धरती पर फेर से अइहें–जे भी पहिले होखे–तब हमरा सभ के अपना प्रिय पालतू साथी सभ के साथ फेर से मिलन होई।

15

धरती पर स्वर्ग।

स्वर्ग परमेश्वर के निवासस्थान ह, आ यद्यपि ऊ एगो दोसर आयाम में बा, तबो परमेश्वर के सदे से इहे इच्छा रहल बा कि ऊ एह निवासस्थान के मनुष्यन के साथ साझा करस। उद्धार के योजना के पूर्णता तब होई, जब ई दुनु आयाम–स्वर्ग आ धरती–एक हो जइहें आ सदा खातिर प्रभु आ उनकर छुड़ावल परिवार के एगो ही घर बन जाई। नई धरती वास्तव में इहे होई–धरती पर स्वर्ग। आइं, हम एकरा के समझाईं।

धरती पर स्वर्ग।

आवे वाला समय के बारे में सही समझ हासिल करे खातिर हमरा सभ के फेर से ओह समय के ओर देखे के पड़ी, जब पाप संसार में ना आइल रहे।

बाइबल के शुरुआती पन्ना हमरा सभ के बतावेला कि अदन के वाटिका में परमेश्वर आ मनुष्य एक-दूसरा के साथ-साथ चलत आ बातचीत करत रहलें। उत्पत्ति के किताब के विवरण खास तौर पर अदन के वाटिका में मौजूद दू गो पेड़न पर हमरा सभ के ध्यान खींचेला–जीवन के पेड़ आ भला-बुरा के ज्ञान के पेड़।

पवित्रशास्त्र बतावेला कि प्रभु परमेश्वर हमरा सभ के पहिला माता-पिता के चेतावनी दिहले रहलें कि ऊ लोग भला-बुरा के ज्ञान के पेड़ के फल मत खाई, काहे कि जे दिन ऊ लोग ओकर फल खाई, ओही दिन निश्चय मर जाई (उत्पत्ति अध्याय 2 पद 17)।

बाकिर आदम आ हव्वा परमेश्वर के आज्ञा के उल्लंघन कइलें, आ उनकर एह अवज्ञा के कारण पाप, भ्रष्टता आ मृत्यु के श्राप पूरा मानवजाति आ सगरी धरती पर आ गइल (टिप्पणी 9 देखीं)।

पवित्रशास्त्र में एह घटना के बाद भला-बुरा के ज्ञान के पेड़ के फेर कबो उल्लेख नइखे मिलत।

बाकिर जीवन के पेड़ के पवित्रशास्त्र में दू गो अउरी जगह उल्लेख मिलेला, आ ई दुनु सन्दर्भ प्रकट करेला कि ई अनोखा पेड़ अदृश्य स्वर्ग में स्थित बा। प्रभु यीशु "जीवन के ओह पेड़" के उल्लेख कइलन, "जे परमेश्वर के स्वर्गलोक के बीच में बा" (प्रकाशितवाक्य अध्याय 2 पद 7)। प्रेरित यूहन्ना भी लिखलन कि ऊ स्वर्ग के राजधानी में जीवन के पेड़ के देखले रहलन (प्रकाशितवाक्य अध्याय 22 पद 1 से 2)।

ई तथ्य कि आदम आ हव्वा के एह पेड़ तक पहुँच रहे, एह बात के संकेत देला कि शुरुआत में धरती पर अदृश्य आयाम मनुष्यन खातिर खुलल रहे। अदन के वाटिका में स्वर्ग प्रत्यक्ष रूप से प्रकट रहे। आ यद्यपि मनुष्य के भौतिक संसार में रहे खातिर बनावल गइल रहे, तबो ऊ परमेश्वर के निवासस्थान में उनकर साथ स्वतंत्र रूप से संगति कर सकत रहे आ अदृश्य परमेश्वर के साथ सम्बन्ध रख सकत रहे।

स्वर्गलोक के खो देहल।

जब आदम आ हव्वा पाप कइलें, तब अदन के वाटिका उनकरा खातिर बन्द हो गइल, आ ऊ लोग जीवन के पेड़ तक पहुँच के अधिकार से वंचित हो गइल।

शक्तिशाली स्वर्गदूतन के, जेकरा के करूब कहल जाला, अदन के वाटिका के प्रवेश द्वार के रक्षा करे खातिर नियुक्त कइल गइल। अदन में एह विशेष स्वर्गदूतन के मौजूदगी भी एह बात के एगो अउरी प्रमाण ह कि पाप के प्रवेश करे से पहिले सर्वशक्तिमान परमेश्वर के निवासस्थान मनुष्यन खातिर खुलल रहे, आ स्वर्ग आ धरती के बीच स्वतंत्र संगति आ सम्पर्क रहे, काहे कि इहे करूब अदृश्य स्वर्ग में परमेश्वर के सिंहासन के चारों ओर उपस्थित रहेलें (भजन संहिता अध्याय 99 पद 1; यशायाह अध्याय 37 पद 16)।

"एह तरह यहोवा परमेश्वर आदम आ ओकर पत्नी के अदन के वाटिका से निकाल दिहलन, आ आदम के ओह भूमि के खेती करे खातिर भेज दिहलन जवना से ऊ बनावल गइल रहे। जब ऊ लोग के वाटिका से निकाल दिहलन, तब ऊ अदन के वाटिका के पूरब ओर करूबन के नियुक्त कइलन, आ एगो धधकत तलवार, जे चारों ओर घूमत रहे, जीवन के पेड़ के रास्ता के रक्षा करे खातिर रख दिहलन" (उत्पत्ति अध्याय 3 पद 23 से 24)।

एह घटना के कुछ समय बाद परमेश्वर के निवासस्थान–अर्थात् स्वर्गलोक या परलोक–न खाली मनुष्यन के पहुँच से बाहर हो गइल, बल्कि उनकर नजर से भी अदृश्य हो गइल।

स्वर्गलोक के फेर से स्थापना।

लगभग दू हजार बरिस पहिले प्रभु यीशु मसीह अदृश्य स्वर्ग से समय आ स्थान के एह संसार में अइलन, ताकि क्रूस पर पाप के दाम चुका के एह स्थिति के समाधान कर सकस। हमरा सभ के उद्धारकर्ता उन सभ खातिर जे उन पर विश्वास करेलन, परमेश्वर आ उनकर निवासस्थान तक पहुँचे के रास्ता फेर से बहाल कर दिहलन। जइसे पवित्रशास्त्र कहेला, "मसीह भी पापन के कारण एके बेर दुःख उठवलन, धर्मी अधर्मी लोग खातिर, ताकि ऊ हमरा सभ के परमेश्वर के लगे पहुँचा सकस" (1 पतरस अध्याय 3 पद 18)।

अब मसीह पर विश्वास करे, आ उनकर मृत्यु, गाड़ल जाए आ पुनरुत्थान पर भरोसा रखे के द्वारा स्त्री आ पुरुष फेर से स्वर्गलोक के जीवन के अनुभव कर सकत बाड़ें। जे केहू यीशु के अपना उद्धारकर्ता आ प्रभु के रूप में स्वीकार करेला, ऊ मृत्यु के समय अपना भौतिक शरीर से अलग होखे पर परमेश्वर के अदृश्य निवासस्थान में प्रवेश करेला।

बाकिर परमेश्वर के उद्धार के योजना खाली एतने ले सीमित नइखे। सर्वशक्तिमान परमेश्वर ओह सभ चीज के फेर से स्थापित करे जा रहल बाड़न जे पाप के कारण खो गइल रहे, जेह में दृश्य आ अदृश्य आयामन के बीच बिना कवनो बाधा के संगति आ सम्पर्क भी शामिल बा।

परमेश्वर के कबो ई इच्छा ना रहे कि एह दुनु क्षेत्रन के बीच कवनो विभाजन बनल रहे। उनकर योजना रहे कि आत्मिक आयाम भौतिक संसार के माध्यम से पूरा रूप से प्रकट होखे।

प्रभु यीशु के फेर से आवे के समय परमेश्वर दृश्य आ अदृश्य दुनु लोक के एक साथ मिला दीहें, आ उनकर निवासस्थान एक बेर फेर धरती पर रहे वाला मनुष्यन खातिर खुलल होई।

"जब समय पूरा हो जाई, तब परमेश्वर अपना योजना के अनुसार मसीह में स्वर्ग आ धरती के सभ चीज के एक साथ एकट्ठा करीहें" (इफिसियों अध्याय 1 पद 10)।

इहे उद्धार के योजना के पूर्णता ह–दू गो अलग-अलग लोक के प्रभु यीशु मसीह के प्रभुत्व के अधीन एक हो जाइल।

निस्सन्देह, ओह दोसर आयाम के साथ स्वतंत्र रूप से सम्पर्क रखे के कल्पना, जे हमरा वर्तमान संसार के माध्यम से पूरा रूप से प्रकट होई, एह समय हमरा सभ के समझ से बाहर बा। तबो परमेश्वर के वचन नई धरती के बारे में हमरा सभ के एतना जरूर बतावेला कि हम विश्वास के साथ जान सकीं कि ऊ जगह अद्भुत होई, अजीब या डर पैदा करे वाला ना।

बाइबल के शुरुआत आ अन्त–दुनु ही ई सच्चाई प्रकट करेला कि परमेश्वर अपना प्रजा के साथ धरती पर निवास करेलन। शुरुआत में ऊ अदन के वाटिका में अपना मनुष्य आदम के साथ रहलन, आ अन्त में ऊ नई धरती पर अपना सभ छुड़ावल बेटा-बेटी के साथ रहीहें।

ओह समय उनकर घर आ हमनी के घर एके होई–आ तब उद्धार के योजना अपना पूर्णता प्राप्त कर चुकल होई।

जब हम अपना भविष्य के एह अध्ययन में आगे बढ़त आइल बानी, तब हम बार-बार प्रेरित यूहन्ना आ ओह प्रकाशन के उल्लेख करत आइल बानी जे उनकरा के स्वर्ग के यात्रा के दौरान मिलल रहे। अब एह विषय में एगो अउरी महत्त्वपूर्ण बात पर ध्यान दीं।

यूहन्ना देखलन कि अदृश्य लोक एह दृश्य संसार में प्रकट हो रहल बा, जब उनकरा के स्वर्ग के राजधानी के धरती पर उतरत देखावल गइल। ऊ दृश्य एतना मनोहर आ हृदय के छू लेवे वाला रहे कि ऊ ओकर तुलना ओह दुल्हन के अनुपम शोभा से कइलन जे अपना पति से विवाह करे खातिर सिंगार के आवेला।

“हम पवित्र नगर, अर्थात् नया यरूशलेम के, परमेश्वर के लगे से स्वर्ग से उतरत देखनी। ऊ अपना पति खातिर सिंगारल दुल्हन जइसन तैयार कइल गइल रहे। तब हम सिंहासन के ओर से एगो बड़हन आवाज सुननी, जे कहत रहे, ‘देखीं, परमेश्वर के निवास मनुष्यन के साथ बा। ऊ उनकरा साथे निवास करीहें, आ ऊ लोग उनकर प्रजा होई, आ स्वयं परमेश्वर उनकरा साथे रहीहें।’” (प्रकाशितवाक्य अध्याय 21 पद 2 से 3)।

यूहन्ना स्वर्ग आ धरती के एक होत देखलन, ताकि दुनु सदा खातिर प्रभु परमेश्वर आ उनकर परिवार के एगो ही घर बन जाव।

जब धरती नई बना दिहल जाई, तब सर्वशक्तिमान परमेश्वर के निवासस्थान एक बेर फेर धरती पर रहे वाला मनुष्यन खातिर सुलभ हो जाई। तब स्वर्गलोक पूरा तरह से फेर से स्थापित हो जाई–धरती पर स्वर्ग, आ स्वर्ग में परमेश्वर आ उनकर प्रजा के अनन्त निवास।

16

सबसे बढ़िया आना अभी बाकी बा।

हमनी सभ जिनगी के ओह मोड़ पर पहुँचत बानी जहाँ हमनी के पीछे बीतल बरिस, आगे बचल बरिसन से बेसी हो जाला। समय के घड़ी लगातार आगे बढ़त बा। हमरा सभ के एह सच्चाई के सामना करे के पड़ेला कि हमरा सभ के बहुत सगरी आशा आ सपना एह जिनगी में पूरा ना होई, आ जिन हानि आ अन्याय के हमनी अनुभव कइले बानी, ऊ भी एह संसार में पूरा तरह से ठीक ना होई।

बढ़त उमिर खाली हमरा सभ से पहिले जइसन ताकत आ फुर्ती ना छीन लेला, बल्कि हमरा सभ के लगे समय भी सीमित रह जाला। बाकिर बाइबल हमरा सभ के एगो अद्भुत सुसमाचार सुनावेला। ई वर्तमान जिनगी धरती पर हमरा सभ के अस्तित्व के आखिरी अवसर ना ह। एह से हमरा सभ के एह दबाव में जीए के जरूरत नइखे कि अगर हमरा सभ के लक्ष्य मृत्यु से पहिले पूरा ना भइल, या अगर अन्याय के न्याय एह जिनगी में ना भइल, त ऊ कबो ना होई।

हमरा सभ के जिनगी के सभसे बढ़िया दिन अभी आवे वाला बाड़ें—पहिले स्वर्ग में, आ फेर नई धरती पर, जहाँ स्वर्ग आ धरती एक हो जाई।

ई जिनगी अधूरा बा।

आदम आ हव्वा के बाद एह संसार में जनम लिहल अधिकांश लोगन के जिनगी मेहनत, पीड़ा, अभाव आ निराशा से भरल रहल बा। युगन से मानवजाति रोग, गरीबी आ अकाल के सामना करत आइल बा, आ साथे प्राकृतिक आपदा आ राजनीतिक उथल-पुथल से पैदा होखे वाला विपत्तियन के भी सहत आइल बा।

पश्चिमी देशन में रहे वाला बहुते लोग एह दृष्टि से भाग्यशाली बाड़ें कि ऊ अपेक्षाकृत शान्ति, स्वतंत्रता आ समृद्धि वाला समाज में रहेलें, जहाँ आधुनिक विज्ञान, तकनीक आ चिकित्सा

के सुविधा उपलब्ध बा। तबो, यद्यपि एह धरती पर अब तक जिन्दा रहल अधिकांश लोगन के तुलना में हमरा सभ के जिनगी कहीं बेसी सुविधाजनक बा, तबो आजो जिनगी संघर्षन से भरल बा।

• हम लगातार दबाव आ निराशा के बीच जिनगी बितावत बानी। हमरा सभ में से अधिकांश लोग अइसन काम करेला जेकरा के ऊ वास्तव में पसन्द ना करेला। आ अगर रउआ एतना भाग्यशाली बानी कि रउआ के अपना पसन्द के काम मिल गइल बा, तबो रउआ के कठिन स्वभाव वाला अधिकारी, अप्रिय सहकर्मी, कबो समाप्त ना होखे वाला कागजी काम आ अनावश्यक सरकारी नियमन के सामना करे के पड़ेला।

• जब हमरा सभ के आराम, मनोरंजन या आनन्द खातिर समय मिलो जाला, तबो ऊ अक्सर कवनो ना कवनो कठिनाई से प्रभावित हो जाला। जे हफ्ता रउआ समुद्र के किनारा पर छुट्टी बितावे जाईं, ओही समय समुद्र के किनारा जहरीला जेलीफिश से भर जाला। रउआ के सप्ताहान्त के डेरा डाले वाला यात्रा लगे के केबिन में शोर मचावे वाला पड़ोसी लोग के कारण खराब हो जाला। गरमी के सुहावन छुट्टी भी एह सोच से फीका पड़ जाला कि सोमवारी फेर काम पर लवटे के बा।

• एतना ही ना, जब सभ कुछ ठीक चलत रहेला, तबो हमनी जानत बानी कि कवनो भी घड़ी फोन के एगो घंटी अइसन दुखद समाचार ले आ सकेला जे हमरा सभ के पूरा जिनगी के बदल के रख दी।

• आ एह संसार के कवनो आधुनिक तकनीक हमरा सभ के परिवारन के टूटे, सम्बन्धन के बिखरे या कवनो प्रियजन के मृत्यु से पैदा होखे वाला दुःख से ना बचा सकेला।

जिनगी खाली अस्थिर ही नइखे, बल्कि हमरा सभ के बहुते इच्छा अधूरा रह जाला, आ हमरा सभ के अनेक योग्यता आ प्रतिभा एह पतित संसार के कठोर परिस्थिति के कारण कबो विकसित ही ना हो पावेला। टूटल सपना, गँवावल अवसर आ उपयोग में ना आ सकल प्रतिभा के सूची बहुते लमहर बा।

• संसार के शुरुआत से लेके आज तक अनगिनत लोग वयस्क होखे से पहिले ही मृत्यु के शिकार हो गइलें आ अपना जिनगी के पूरा क्षमता के कबो विकसित ना कर पवलें।

• अनगिनत लोगन के जिनगी आ उनकर भविष्य एह कारण बदल गइल कि ऊ लोग युद्ध के समय जनमल, कवनो निर्दयी आ अत्याचारी शासक के अधीन रहे वाला देश में रहल, या अइसन साम्राज्य में जिनगी बितवल जहाँ गुलामी के प्रथा प्रचलित रहे।

• कल्पना करीं कि कवनो बहुत प्रतिभाशाली लेखक गुलाम बन के पैदा भइल होखे, जेकरा लिखल-पढ़ल सीखे के अवसरिए ना मिलल होखे आ जे कबो एक शब्दो ना लिख पवल होखे। या कवनो अद्भुत आविष्कारक होखे, जेकरा अपना परिवार के पालन-पोषण करे खातिर हफ्ता में अस्सी घंटा काम करे के पड़त होखे आ कुछ नया बनावे खातिर ओकरा लगे समये ना होखे। ओह महान खिलाड़ी के बारे में सोचल जा सकेला, जे कवनो दुर्घटना में आपन गोड़ गँवा दिहलस आ कबो पेशेवर खेल ना खेल पवल। या ओह सुरीली गायिका के बारे में, जे कवनो गरीब देश में मलेरिया के कारण जवानीए में मर गइल, ओकर आवाज पूरा तरह विकसित होखे से पहिले।

• कितना लोग अइसन रहल होई जे बियाह करे के चाहत रहल, बाकिर ओकरा कबो जीवनसाथी ना मिलल? आ कितना लोग अइसन रहल जे बियाह त कइल, बाकिर उनकर वैवाहिक जीवन बहुत दुखद रहल? कितना दम्पति संतान के लालसा कइल, बाकिर उनका कबो संतान ना मिलल, या उनकर शिशु गर्भपात में खो गइल, अथवा कवनो दुर्घटना या बीमारी के कारण उनकर संतान उनसे छीन लिहल गइल? आ ओह बच्चन के का, जे अत्याचार आ उपेक्षा के कारण कबो सुखी परिवार के आनन्दे ना जान पवलें?

• आ जे कुछ लोग अपना सपना पूरा कइलें आ अधिकांश रूप से सुखी आ समृद्ध जीवन जियलें, आखिर में बुढ़ापा आ मृत्यु उनकरा से ऊ सबो छीन लिहलस।

प्रभु के कबो ई इच्छा ना रहल कि जीवन अइसन होखे। अगर हमनीं बाइबल के विवरण पर ध्यान से विचार करीं, त पता चली कि आदम–आ आदम में पूरा मानवजाति–के सृष्टि कइला के बाद परमेश्वर के सबसे पहिला काम उनकरा आशीष देहल रहे।

“तब परमेश्वर मनुष्य के अपना स्वरूप में सृजलें; परमेश्वर के स्वरूप में ऊ ओकरा सृजलें; नर आ नारी करके ऊ उनकर सृष्टि कइलें। आ परमेश्वर उनकरा आशीष दिहलें।” (उत्पत्ति अध्याय 1 पद 27 से 28)।

अन्य बातन के साथे, आशीष देवे के अर्थ ह “समृद्ध आ आनन्दित बनावल।” शुरुआत से ही सर्वशक्तिमान परमेश्वर के योजना ई रहल कि उनकर परिवार ओह घर में, जे ऊ हमनीं खातिर बनवले बाड़न, आनन्द, सन्तोष आ समृद्धि के साथे फले-फूले। बाकिर पाप, भ्रष्टता आ मृत्यु के कारण ई उद्देश्य पूरा ना हो पवल।

अगर पृथ्वी पर लगातार सुखी आ समृद्ध जीवन पावे के इहे एकमात्र अवसर होत, त मनुष्य खातिर परमेश्वर के योजना असफल साबित होत। बाकिर परमेश्वर के धन्यवाद कि अइसन नइखे। सम्पूर्ण मानवजाति के आशीष देवे के प्रभु के योजना जरूर पूरा होई। आवे वाला जीवन में हर अन्याय ठीक कइल जाई आ सब कुछ अपना सही अवस्था में फेर से स्थापित कइल जाई। उद्धार के योजना बहुत महान आ व्यापक बा!

पुनःस्थापना आ प्रतिपूर्ति।

यद्यपि परमेश्वर एह वर्तमान जीवन में भी अपना लोगन के जरूरत पूरा करेलन, तइयो जीवन के अन्याय के पूरी तरह उलट देवे, हर हानि के भरपाई करे आ अधूरा सपना आ इच्छा के पूरा करे के सर्वोच्च समय अभी भविष्य में बा।

एह जीवन के बाद आवे वाला जीवन में प्रभु ऊ सम्बन्ध, अवसर आ प्रतिभा फेर से स्थापित करिहें, जे एह संसार के कठिनाइयन के कारण हमनीं से छीन लिहल गइल बा। स्वर्ग में प्रवेश कइल केवल दुःख आ पीड़ा के अन्त होखल ना ह, बल्कि ई पुनःस्थापना आ प्रतिपूर्ति के समय भी होई।

• प्रभु यीशु अपना अनुयायियन से कहलन कि एह जीवन के दुःख आ अन्याय स्वर्ग में उलट दिहल जाई।

“धन्य हउअ तू लोग जे अब भूखल बाड़ऽ, काहेकि तू लोग तृप्त कइल जइबऽ। धन्य हउअ तू लोग जे अब रोवत बाड़ऽ, काहेकि तू लोग हँसबऽ। धन्य हउअ तू लोग जब मनुष्य के पुत्र के कारण मनुष्य लोग तोहरा से बैर करी, तोहरा के अपना बीच से निकाल दी, तोहरा के अपमान करी आ तोहरा नाम के बुरा जान के अस्वीकार करी। ओह दिन आनन्दित होखीं आ खुशी से उछलीं, काहेकि देखीं, स्वर्ग में तोहरा प्रतिफल बड़ा बा।” (लूका अध्याय 6 पद 21 से 23)।

• प्रभु अपना मूल बारह शिष्यन के ई आश्वासन दिहलन कि उनका पीछे चले खातिर जे कुछ ऊ लोग छोड़ले रहे, ऊ सब उनकरा अनन्त राज्य में लौटा दिहल जाई।

“जे कवनो आदमी हमरा खातिर घर, या भाई, या बहिन, या पिता, या माई, या पत्नी, या लइका, या खेत छोड़ले बा, ऊ सौ गुना पाई आ अनन्त जीवन के अधिकारी होई।” (मती अध्याय 19 पद 29)।

• प्रेरित पौलुस नई पृथ्वी के सन्दर्भ में लिखलन:

“हमरा विचार में एह वर्तमान समय के दुःख ओह महान महिमा के सामने कुछुओ नइखे, जे भविष्य में हमनीं पर प्रकट होखे वाला बा।” (रोमियों अध्याय 8 पद 18)।

हानियन के प्रतिफल, अवसरन के उद्धार आ सम्बन्धन के पुनःस्थापना।

बहुते कम लोग एह सच्चाई के साथ जीवन जियलें कि खाली ई वर्तमान जीवने सब कुछ ना ह। एह से जब कवनो जवान मेहरारू बियाह कइले आ परिवार बसवले बिना ही मर जाली, या कवनो बाप अपना छोट-छोट लइकन के छोड़ के मर जाला, तब ओह सम्बन्ध के खोवे के दुःख ओह छूट गइल अवसरन के कारण अउरी गहिरा हो जाला।

हमनीं के ई सोच के दुःख होला कि ऊ बाप अपना लइकन के बड़ा होत आ जीवन में आगे बढ़त ना देख पाई, आ ओह जवान मेहरारू खातिर भी हमरा मन में दुःख होला जेकरा बियाह आ परिवार के अनुभव करे के अवसर ना मिलल। बाकिर अगर ऊ दुनु स्वर्ग में बाड़ें, त अब ऊ अइसन लोक में रहत बाड़ें जहाँ कवनो हानि नइखे आ जहाँ हर अन्याय ठीक कर दिहल जाला।

हमनीं के के हईं जे ई कह सकीं कि ऊ जवान बाप अपना लइकन के बढ़त आ विकसित होत देखे के बारे में कुछुओ ना जानत होई, जबकि बाइबल ई प्रकट करेला कि स्वर्ग में रहे वाला लोग पृथ्वी पर घटे वाला कुछ घटनन से परिचित होलें?

• प्रभु यीशु के क्रूस पर चढ़ावल जाए से कुछ समय पहिले मूसा आ एलिय्याह अदृश्य लोक से प्रकट होके प्रभु यीशु से यरूशलेम में होखे वाला घटनन के बारे में बातचीत करे आइल रहलें (लूका अध्याय 9 पद 30 से 31)। एहसे स्पष्ट बा कि ऊ लोग पृथ्वी पर घटे वाला घटनन से परिचित रहल।

• मसीही लोग के ई याद राखत जीवन जिए के सिखावल गइल बा कि "हम गवाहन के अइसन बड़ा बादल से घेराइल बानीं"–अर्थात् ओह लोग से जे हमनीं से पहिले स्वर्ग में जा चुकल बा (इब्रानियों अध्याय 12 पद 1)। ई पद संकेत देला कि जे लोग हमनीं से पहिले जा चुकल बा, ऊ लोग हमनीं के प्रगति के बारे में कुछ जानेला।

• जब प्रेरित यूहन्ना स्वर्ग में रहलें, तब ऊ अइसन लोगन के देखलें जे पृथ्वी पर रहत लोगन खातिर प्रार्थना करत रहलें (प्रकाशितवाक्य अध्याय 6 पद 9 से 10)। प्रभावी ढंग से प्रार्थना करे खातिर जरूरी बा कि ओह लोग के ओह लोगन के बारे में कुछ जानकारी होखे जेकरा खातिर ऊ लोग पृथ्वी पर छोड़ के गइल रहल।

हम ई ना कहतानी कि अदृश्य लोक में रहे वाला मेहरारू-पुरुष हमनीं से संपर्क करेलन या हमनीं से बातचीत करेलन। ऊ लोग अइसन ना करेला (टिप्पणी 4 आ टिप्पणी 10 देखीं)। आ ना ही हमरा मतलब ई बा कि ऊ लोग हमनीं के हर काम पर लगातार नजर रखेला।

हम खाली ई समझावे के चाहतानी कि स्वर्ग में जाए के मतलब कवनो तरह के कमी या वंचित होखल ना ह। ई व्यवस्था चाहे जवना तरीका से काम करे, ऊ बाप आ ऊ जवान मेहरारू वास्तव में कुछुओ ना गँववले बाड़ें। ऊ लोग एह बात के शोक ना मनावत होई कि

जवानी में मृत्यु आ गइल आ एहसे ऊ लोग ओह अनुभव से वंचित हो गइल जेकरा के हमनीं उनकर खोवल मानत बानीं।

सबसे पहिले, अब ओह दुनु के दृष्टिकोण बदल गइल बा। ऊ लोग सब बात के अनन्तता के दृष्टिकोण से देखत बा। दूसरा, ऊ लोग आवे वाला जीवन के प्रतिपूर्ति के कुछ हिस्सा पहिलहीं से अनुभव करे लागल बा।

• ऊ बाप समझत बा कि जे कुछ ओकरा आ ओकर लइकन से छिनत देखात रहे, ऊ ओह अनन्त महिमा के सामने कुछुओ ना ह जे आगे उनकरा इंतजार में बा–अगर ऊ लोग भी ओकरा पीछे-पीछे स्वर्ग में आवे के चुनाव करी। ऊ जानत बा कि जे कुछ ऊ लोग कुछ समय खातिर खोवले बाड़ें, ओकरा से कहीं अधिक ऊ लोग वापस पाई।

• ऊ जवान मेहरारू अब ओह भावनात्मक परिपूर्णता के अनुभव करत बिया, जेकर इच्छा हमनीं सभे बियाह से करींले, बाकिर जे एह जीवन में केहू भी पूरा तरह से हासिल ना कर पावेला। साथे ओकर अइसन सम्बन्ध भी बा, जहाँ ऊ दोसर कवनो व्यक्ति के मार्गदर्शन कर सकेले, ओकर पालन-पोषण कर सकेले आ ओकर जीवन में अपना प्रेम आ समय लगा सकेले, ठीक ओइसहीं जइसन कि अगर ओकर आपन लइका होत त ऊ करत। सम्भव बा कि ऊ अइसन कवनो लइका के पालन-पोषण करत होखे जेकरा जन्म देवे वाला माता-पिता स्वर्ग में आवे के चुनाव ना कइले होखसु।

हम एगो बात साफ कर देवे के चाहतानी। हमरा उद्देश्य ओह लोग के गहिरा दुःख या वास्तविक शोक के कम करके आँके के ना ह, जे कवनो दोस्त या प्रियजन के मृत्यु के बाद पीछे रह गइल बाड़ें। बल्कि हम चाहतानी कि शोक के बीचो-बीच रउआ ऊ आशा देख सकीं जे परमेश्वर हमनीं के देत बाड़न।

अगर मृत्यु रउआ के कवनो अइसन व्यक्ति से अलग कर दिहलस जेकरा से रउआ प्रेम करत रहनीं, त ई ज्ञान कि एक दिन रउआ ओकरा से फेरु मिलब आ रउआ दुनु के सम्बन्ध ओही जगह से आगे बढ़ी जहाँ ई वर्तमान जीवन में रुक गइल रहे, रउआ के शोक के समय साँचो सांत्वना देला।

अगर रउआ के शिशु मर गइल बा, त ऊ रउआ के इंतजार करत बा। रउआ के अपना बेटा या बेटी के पालन-पोषण करे के अवसर वर्तमान स्वर्ग में या नई पृथ्वी पर जरूर मिली। ओह समय ऊ केतना उमिर के होई? रउआ उहाँ पहुँचे तक ओकर देखभाल के करी? एह सभे सवालन के जवाब हमनीं अभी ना दे सकीं। बाकिर हमरा विश्वास बा कि अब रउआ ई समझे लागल बानीं कि हमनीं के सामने जे भविष्य बा, ऊ हानि के ना, बल्कि लाभ के भविष्य बा (टिप्पणी 11 देखीं)।

हाँ, ई साँच बा कि पाप से प्रभावित एह संसार में साँचो बिछोह आ गहिरा दुःख बा। बहुत सारा सम्बन्ध समय से पहिलेए समाप्त हो जाला। बाकिर ई सभे खाली कुछ समय खातिर बा।

जवन बाप के पहिले उल्लेख भइल रहे, ऊ अपना लइकन के साथे फेरु खेली–चाहे जब ऊ लोग स्वर्ग पहुँची तब उमिर में बड़ा हो चुकल होखे–काहेकि ओह समय ओह सभे में से बुढ़ापा आ नश्वरता के हर निशान पूरी तरह मिटा दिहल जाई।

कल्पना करीं कि दादा-दादी फेरु जवानी के ताकत पाकर पहिला बेर अपना पोता-पोती के साथे दौड़त होखसु। जे कुछ बुढ़ापा आ गठिया एह जीवन में उनका करे से रोक दिहलस, ऊ सभे हमरा आवे वाला घर में पूरा हो जाई।

हो सकेला कि रउआ के जीवन के सबसे बड़ा पीड़ा ई रहल होखे कि रउआ के जन्म देवे वाला माता-पिता रउआ के छोड़ दिहलें, या रउआ के साथे दुर्व्यवहार कइलें। शायद रउआ के कबो प्रेम से भरल, सुरक्षित आ स्नेहपूर्ण परिवार के आशीष ना मिलल होखे, आ ना ही अइसन माता-पिता मिलल होखसु जेकरा पर रउआ भरोसा कर सकीं। स्वर्ग में रउआ के ई सभे सम्बन्धन से जुड़ल जरूरतन के पूरा तरह से पूर्ति होई–चाहे रउआ के अपना परिवार के सदस्य उहाँ पूर्णता पाकर रउआ के साथे होखसु, या ऊ नया लोगन के द्वारा होखे जेकरा से रउआ उहाँ मिलब।

जीवन जइसन परमेश्वर चाहले रहलें।

हम ई स्वीकार करतानी कि एह अध्याय में कहल गइल कुछ बातन के समर्थन में हम हर विषय खातिर कवनो खास बाइबल के पद प्रस्तुत ना कर सकीं। बाकिर जब हम परमेश्वर के पूरा उद्धार योजना के व्यापक दृष्टिकोण से एह बातन पर विचार करीं, त ई सभे पूरी तरह अर्थपूर्ण लागेला।

उद्धार में परमेश्वर के उद्देश्य खाली मनुष्य के पाप से बचावल ना ह, बल्कि मानवजाति के सृष्टि करत समय जे मूल उद्देश्य ऊ ठहरवले रहलें, ओकरा फेरु से स्थापित कइल आ पाप के कारण जे कुछ खो गइल बा, ओकरा फेरु लौटा देहल भी ह। प्रभु के लक्ष्य पृथ्वी के जीवन के कवनो अइसन अपरिचित या अनजान चीज से बदल देहल ना ह, बल्कि ओकरा ओइसने बना देहल ह जइसन ऊ शुरुआत से ओकरा खातिर चाहत रहलें।

निरन्तरता के याद राखीं।

स्वर्ग के बारे में एह पूरा अध्ययन के दौरान निरन्तरता एगो मुख्य विषय रहल बा–परमेश्वर के परिवार में हमनीं के पहचान के निरन्तरता, आ ओह पृथ्वी के निरन्तरता जेकरा प्रभु अपना परिवार के निवासस्थान के रूप में बनवले रहलें।

आज जवन जीवन हमनीं जानत बानीं, ओकर सबसे बढ़िया रूप आगे भी बनल रही। एह पतित संसार में जीवन के जवन सबसे नीमन बात हमनीं अनुभव करीले, ऊ आवे वाला जीवन के खाली एगो झलक ह।

सृष्टि के शुरुआत से लेके आज ले पृथ्वी के हर संस्कृति परिवार के प्रेम, मिलजुल के भोज आ आनन्दमय उत्सवन के आनन्द लिहले बा। आवे वाला जीवन में ई सभे समाप्त ना होई।

दुःख के बात बा कि स्वर्ग के बारे में फैलल गलत धारणन के कारण बहुत लोग ई सोच के डरात रहेले कि ऊ लोग जीवन के एह प्रिय आ अनमोल बातन के फेरु कबो अनुभव ना कर पाई।

जब कवनो प्रियजन के मृत्यु हो जाला, तब पीछे रह गइल लोग अक्सर गहिरा वेदना के साथे कहेला कि काश ओकरा साथे खाली एगो अउरी क्रिसमस मनावे के मौका मिलित, खाली एगो अउरी जन्मदिन, या परिवार के साथे एगो अउरी त्योहार।

हम एह तरह के दुःख के बढ़िया से समझतानी, काहेकि हम खुद भी एकर अनुभव कइले बानी।

फेरो, जे कुछ अभी कुछ समय खातिर हमरा से दूर हो गइल बा, ओकर बीचो आशा बनल रहेला, काहेकि आवे वाला जीवन में हम अपना परिवार आ दोस्तन के साथे फेरु आनन्द से उत्सव मनाइब।

हाँ, हम उनकरा साथे एगो अउरी क्रिसमस भी मनाइब!

हम कई बेर उद्दण्ड पुत्र के दृष्टान्त के उल्लेख कइले बानी। प्रभु यीशु ई कहानी एह बात के समझावे खातिर सुनवले रहलें कि जब कवनो भटकल बेटा लवट के आवेला, तब स्वर्ग कइसन आनन्द मनावेला (लूका अध्याय 15 पद 11 से 32)।

प्रभु एह दृष्टान्त में पिता आ बेटा के बीच सम्बन्ध के पुनःस्थापना आ उनकर फेरु मिलन के उत्सव के वर्णन कइलन। बहुत खुश पिता अपना लवटल बेटा के स्वागत में एगो बड़ा भोज के आयोजन कइलन। ऊ संगीत, नाच, बढ़िया भोजन, पेय आ मेहमानन से भरल एगो भव्य उत्सव रहे–ठीक ओइसने जइसन हमनीं कवनो आनन्दमय समारोह के कल्पना करीले।

अगर आवे वाला जीवन में परिवार आ दोस्तन के साथे आनन्दमय संगति आ उत्सव के कवनो जगह ना होत, त प्रभु यीशु एह चित्र के कबो इस्तेमाल ना करतें। वास्तव में, बाइबल ईहो बतावेला कि नई पृथ्वी पर खुद सर्वशक्तिमान परमेश्वर अपना परिवार खातिर एगो महान भोज के आयोजन करिहें।

“सेनाओं के यहोवा एह पहाड़ पर सब जातियन खातिर बढ़िया-बढ़िया भोज तैयार करिहें, बढ़िया दाखमधु के भोज... ऊ एह पहाड़ पर ओह परदा के नष्ट कर दीहें जे सब जातियन पर पड़ल बा, आ ओह ओढ़नी के भी जे सब राष्ट्रन के ढँकले बा। ऊ मृत्यु के सदा खातिर निगल लीहें, आ प्रभु यहोवा सब लोगन के आँसू पोंछ दीहें।” (यशायाह अध्याय 25 पद 6 से 8)

आवे वाला जीवन में जे उत्सव हमरा इंतजार में बा, ऊ पाप से प्रभावित एह संसार में अब तक भइल सभे से भव्य समारोह के भी फीका कर दी।

का रउआ ओह दिन के कल्पना कर सकत बानीं जब हम अपना परिवार आ दोस्तन के साथे उत्सव मनाइब, आ हम सभे पूर्ण हो चुकल होइब, आ पाप आ भ्रष्टता के हर निशान सदा खातिर मिट चुकल होई? कल्पना करीं कि हम कवनो पर्व के भोज पर एक साथे बइठल होखीं, जहाँ केहू नशा में धुत्त ना होखे, आ ना कवनो तरह के झगड़ा, चिल्लाहट या कलह होखे।

जीवन के आनन्द।

एह वर्तमान जीवन में सुखद पल चाहे कतने सुन्दर काहे ना होखसु, ऊ अक्सर एह पतित संसार के वास्तविकतवन के कारण फीका पड़ जालें। इहाँ तक कि जब जीवन के खुशियन से हमरा सभे अपेक्षा पूरा हो जाला, तबो ओह खुशी के भीतर कहीं-न-कहीं बिछोह के डर लुकाइल रहेला, काहेकि हमनीं जानत बानीं कि समय लगातार बीतत बा।

हमनीं ईहो जानत बानीं कि ई सुख बहुत दिन टिके वाला ना ह। बाकिर हमरा आवे वाला घर में ई सभे बदल जाई। उहाँ बुढ़ापा आ मृत्यु के भयावह छाया सदा खातिर समाप्त हो जाई, आ जीवन के साँचो आनन्द हमरा फेरु से मिल जाई।

हर आदमी बच्चन के खेलत देख के खुश होला, काहेकि ऊ लोग हमरा ओह आनन्द, अचरज आ निष्कपटता के याद दिलावेला जेकर अनुभव हमनीं तब कइले रहीं जब हम जीवन के कठोर वास्तविकतवन से अभी परिचित ना भइनीं।

हमनीं में से हर कोई अपना बचपन के ओह गरमियन के याद कर सकेला, जब अइसन लागे कि ऊ कबो खतमिए ना होई।

हम घंटन तक घास पर लेट के दुपहरिया के आकाश में बादरन के बदलत आकार देखत रहत रहीं। रात में हम अपना दोस्तन के साथे दौड़त रहीं आ काँच के बोतल में जुगनू पकड़त रहीं। जीवन के प्रति उहे बचपन जइसन उत्साह, भविष्य के आशा से पैदा होखे वाला आनन्द आ आशावाद–अर्थात् जीवन के साँचो आनन्द–एक दिन फेरु हमरा होई।

अब कवनो 'बकेट लिस्ट' के जरूरत ना होई।

बहुत लोग एगो 'बकेट लिस्ट' बनावेला–अर्थात् ओह कामन आ जगहन के सूची, जेकरा के ऊ अपना मृत्यु से पहिले जरूर पूरा करे या देखे चाहेला; जइसे ग्रैंड कैन्यन देखल, स्काइडाइविंग कइल, माउंट एवरेस्ट पर चढ़ल, या हवाई के यात्रा कइल।

अइसन सूची एह सोच से पैदा होला कि अगर एह जीवन में कवनो काम पूरा ना भइल, त ओकरा के फेरु कबो पूरा करे के मौका ना मिली। बाकिर अइसन विचार हमरा भविष्य के बारे में सही समझ ना होखे के कारण पैदा होला।

खाली ई वर्तमान जीवने सब कुछ ना ह। हमरा बहुत सारा योग्यता, प्रतिभा, रुचि आ गहिरा इच्छा खाली एह जीवन खातिर ना, बल्कि आवे वाला जीवन खातिर भी बा। जब हम एह सच्चाई के समझ लेत बानीं, तब समय खतम होखे से पहिले सभे कुछ हासिल कर लेवे के दबाव समाप्त हो जाला, आ ओह अधूरा सपना के दुःख भी कम हो जाला जेकरा के हम एह जीवन में पूरा ना कर पवनीं।

हमरा लगे भी एगो "नई पृथ्वी के सूची" बा–ओह कामन आ जगहन के सूची जेकरा के हम पृथ्वी के नया बना दिहल जाए के बाद पूरा करे चाहतानी।

ओह सूची में सबसे ऊपर इतिहास के प्रति अपना प्रेम के पूरा कइल बा। बचपन से ही हमरा इतिहास के अध्ययन करे में बहुत आनन्द मिलत रहल बा, बाकिर एह जीवन में हमरा लगे ना त पर्याप्त समय बा आ ना ही जरूरी साधन कि हम एह रुचि के पूरा तरह से आगे बढ़ा सकीं। नई पृथ्वी पर हमरा ई अवसर जरूर मिली।

हम संसार के ऐतिहासिक जगहन के यात्रा करब। हम ओह मेहरारू-पुरुषन से मिले के आशा रखतानी जे वास्तव में ओह जगहन आ समयन में जीवित रहलें जिनकर हम अध्ययन करब। ऊ लोग हमरा ओह जगहन पर ले जाके विस्तार से बताई कि उहाँ का-का भइल रहे, आ ऊ लोग अइसन बातो बताई जे इतिहास के किताबन में कहीं लिखल नइखे।

जहाँ तक हमरा याद बा, हमरा इच्छा हमेशा से रहल बा कि हम प्राचीन इतिहास के घटनाक्रम के अपना आँखिन से देख सकीं। जबो हम कवनो ऐतिहासिक जगह पर खड़ी होखीं, त कल्पना करीं कि सदियन पहिले ई जगह कइसन देखात होई।

काहे कि प्रभु समय के सीमा में बँधल नइखन, एहसे हमरा पूरा भरोसा बा कि ऊ हमरा इतिहास के घटनाक्रम के अइसन देखे के अवसर देइहें, जइसे हम खुद ओह समय उहाँ मौजूद रहनी। हम देखे चाहत बानी कि सृष्टि के आरम्भ से लेके आज ले परमेश्वर मनुष्यन के इतिहास में कइसे काम कइले बाड़न आ हर घटना के अपना महान योजना के पूरा करे खातिर कइसे इस्तेमाल कइले बाड़न।

अगर रउआ स्टार ट्रेक के प्रशंसक बानी, त निश्चय ही होलोडेक से परिचित होखब। ई स्टारशिप एंटरप्राइज़ पर मौजूद एगो आभासी वास्तविकता के प्रणाली रहे, जेकरा द्वारा ओकर चालक दल के सदस्य अपना काम से कुछ समय खातिर आराम लेके अतीत में पहुँच गइल जइसन अनुभव कर सकत रहलें।

निश्चय ही परमेश्वर के व्यवस्था ओह कल्पना से भी कहीं अधिक अद्भुत होई, जेकरा के एह भविष्यवादी कल्पना के रचनाकार सोचले रहे।

एह अध्याय में पहिले बतावल गइल ओह पिता के याद करीं–ओही पिता के, जे असमय मृत्यु के कारण अपना छोट-छोट लइकन से बिछुड़ गइल रहे। जब ओकर अपना लइकन से फेरु मिलन होई, त सम्भव बा कि ऊ आ ओकर अब बड़ हो चुकल लइका ओह खो गइल बचपन के बरिसन के फेरु से जीए के फैसला करसु।

रउआ एह विचार से सहमत होखीं चाहे ना होखीं, हमरा मुख्य संदेश बस इहे बा कि हमरा सामने जे भविष्य बा, ऊ हानि के ना, बलुक लाभ के भविष्य बा। एहसे अपना 'बकेट लिस्ट' के छोड़ दीं आ ओकरा जगह 'नई पृथ्वी के सूची' बनाईं।

नई पृथ्वी पर रउआ के ओह रुचि, व्यवसाय चाहे खेल के अपनावे के अवसर मिली, जेकरा खातिर एह जीवन में रउआ के कबो समय ना मिलल। सम्भव बा कि रउआ एगो महान उपन्यास लिखीं, चाहे एगो अत्यन्त सुन्दर संगीत-रचना तैयार करीं, काहे कि ओह समय ऊ प्रतिभा भी पूरा तरह विकसित होई जे एह जीवन के परिस्थिति के कारण सुप्त पड़ल रह गइल।

आ के जाने, शायद रउए ऊ पहिला आदमी होखीं जे सौरमण्डल के सीमा पर स्थित कवनो ग्रह पर कदम रखीं आ एह तरह अन्तरिक्ष यात्रा करे के अपना जिनगी भर के अधूरा सपना पूरा करीं।

एह धरती पर जब मनुष्य बूढ़ हो जाला, त आमतौर पर ऊ खाली पीछे मुड़के देख सकेला– जबले कि ऊ प्रभु के ना जानत होखे आ अपना भविष्य के आशा के ना समझत होखे।

ई वर्तमान जीवन धरती पर जीवन के रउआ के एगो मात्र अवसर ना ह। रउआ के असली जीवन रउआ के पीछे ना, बलुक रउआ के आगे बा।

नई पृथ्वी पर केहू पीछे मुड़के पुरान धरती के देखत ई ना कहीं कि, “काश! हमरा के बस एगो बेर फेरु ई करे के मौका मिल गइल रहित।”

हाँ, एह संसार में समय के घड़ी लगातार आगे बढ़त जात बा, बाकिर निराश मत होईं।

कवनो अवसर वास्तव में खोइल नइखे; ऊ खाली कुछ समय खातिर टल गइल बा।

हमार भविष्य खाली वर्तमान स्वर्ग में ना, बलुक नई पृथ्वी पर भी बा, जहाँ हम पुनरुत्थान पावल, पूरा तरह सिद्ध आ सदा जवान स्त्री-पुरुष बनके जीवन बिताइब। उहाँ हम समय के भीतर जीवन जीब, बाकिर कबो एह दबाव में ना रहीब कि समय हमनी के हाथ से निकलत जा रहल बा।

“धर्मी लोगन के बाट भोर के उजियारा जइसन होला, जे पूरा दिन होखे तक लगातार अउरी अधिक चमकत जाला।” (नीतिवचन अध्याय 4 पद 18)।

निष्कर्ष।

आज बहुत सारा मसीही समुदाय के मुख्य ध्यान खाली एह वर्तमान जीवन पर केन्द्रित बा– कि एह जीवन के जेतना सम्भव होखे, ओतना बढ़िया कइसे जियल जाव। हमनी के आखिरी आ अनन्त भविष्य पर बहुत कम, चाहे कई बेर तनिको ध्यान ना दिहल जाला।

निश्चय ही, एह जीवन के सबसे बढ़िया तरीका से जिए के कोशिश कइल गलत नइखे। बाकिर हमनी के ई कबो ना भुलाए के चाहीं कि हमनी अनन्त अस्तित्व वाला प्राणी हईं, आ हमनी के जीवन के सबसे बड़ हिस्सा एह संसार के छोड़ला के बाद के बा।

अगर ई वर्तमान जीवन हमनी के पूरा अस्तित्व के सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होत, त वास्तव में हमनी से अधिक दयनीय लोग केहू ना होत। जइसन कि महान प्रेरित पौलुस लिखले बाड़न, "अगर मसीह में हमनी के आशा खाली एह जीवन ले सीमित बा, त हमनी सभे मनुष्यन में सबसे अधिक दयनीय बानी जा।" (1 कुरिन्थियों अध्याय 15 पद 19)।

एहसे हमनी के अपना दृष्टिकोण बदले के जरूरत बा।

जे जीवन हमरा सभे के आगे बा, ऊ खाली 'मृत्यु के बाद के जीवन' ना ह; बलुक ई वर्तमान जीवन ही असली जीवन के तैयारी ह।

स्वर्ग के विषय में अपना एह अध्ययन के समाप्त करत घरी प्रेरित पौलुस के एगो अउरी कथन खास तौर पर याद रखे लायक बा।

"अपना मन स्वर्गीय बातन पर लगाईं; धरती के बातन में ही उलझल मत रहीं।" (कुलुस्सियों अध्याय 3 पद 2)।

उनकर एह शब्दन में केतना गहिर बुद्धिमानी बा।

पाप से प्रभावित एह संसार में जीवन कई बेर बहुत कठिन हो सकेला। बाकिर जे कुछ आगे आवे वाला बा, ओकर ज्ञान हमरा सभे के एह यात्रा खातिर आशा आ सामर्थ्य देला।

प्रेरित पौलुस ई भी लिखले बाड़न, "हमनी के वर्तमान के हल्का आ कुछ समय खातिर रहे वाला क्लेश हमरा सभे खातिर अइसन अनन्त महिमा पैदा करत बा, जेकर तुलना ओहसे ना कइल जा सकेला... एहसे हमनी के नजर ओह बातन पर ना लगावत बानी जा जे दिखाई देत बा, बलुक ओह बातन पर लगावत बानी जा जे अबहियों दिखाई नइखे देत। काहे कि जे बात

दिखाई देला ऊ थोड़े समय खातिर बा, बाकिर जे दिखाई नइखे देत ऊ अनन्त बा।" (2 कुरिन्थियों अध्याय 4 पद 17 से 18)।

स्वर्ग के विषय में फैलल गलत धारणा बहुत लोगन से ओह आनन्द के छीन लिहले बा, जे आने वाला जीवन के प्रतीक्षा करत घरी मिलल चाहीं। एह गलत धारणन के कारण हमनी के अनन्त घर हमरा सभे खातिर लाभ के जगह हानि जइसन लागे लागेला।

बाकिर अगर प्रभु यीशु रउआ के उद्धारकर्ता आ प्रभु हउवन, त एह जीवन के बाद आवे वाला जीवन से डरे चाहे भयभीत होखे के रउआ के कवनो जरूरत नइखे।

हमार भविष्य बहुत उज्ज्वल बा–पहिले वर्तमान अदृश्य स्वर्ग में, आ फेरु नई पृथ्वी पर, जब स्वर्ग धरती पर उतर आई।

नई पृथ्वी ओही धरती होई जेकरा के हमनी जानत बानी जा आ जेकरा से प्रेम करत बानी जा–नई भी होई आ परिचित भी; बदलल भी होई आ फेरो पहिचान में आवे लायक भी होई।

हमार अनन्त घर ना त नीरस होई, ना अजीब, आ ना ही हमनी के अनुभव से बिल्कुल बाहर कवनो अनजान संसार होई।

ऊ जीवन ओइसने होई जइसन परमेश्वर आरम्भ से मनुष्य खातिर चाहले रहलें।

उहाँ परमेश्वर के उद्देश्य पूरा होई, आ हमनी अपना पूरा सामर्थ्य आ क्षमता के प्राप्त करब। उनकर घर हमनी के घर होई, आ हमनी जे कुछ भी करब–चाहे काम होखे चाहे विश्राम, सेवा होखे चाहे आनन्द–सब कुछ परमेश्वर के महिमा खातिर होई, हमरा सभे के संगी मनुष्यन खातिर आशीष के कारण बनी, आ हमरा सभे के हृदय के पूरा सन्तोष दी।

निश्चय ही, आवे वाला जीवन के विषय में हमनी हर सवाल के जवाब अबहीं ना दे सकीं।

बाकिर जे बात हमनी अबहीं नइखी जानत, ओकरा के ओह साफ सच्चाइयन पर हमरा सभे के विश्वास कमजोर करे चाहे आवे वाला भविष्य के प्रति हमरा सभे के उत्साह छीन लेवे के अनुमति मत दीं, जेकरा के बाइबल साफ-साफ प्रकट करेला।

स्वर्ग हानि ना, बलुक महान लाभ ह–सबसे बढ़िया आना अभी बाकी बा!

स्वर्ग के राह।

हमनी में से अधिकतर लोग अपना के एगो अच्छा इंसान मानत बानी जा। बाकिर स्वर्ग में प्रवेश करे खातिर भलाई के मापदण्ड हमनी के ना, बलुक खुद परमेश्वर के बा–आ हमनी में से केहू भी ओह मापदण्ड पर खरा ना उतर सकेला।

“काहे कि सभे पाप कइले बा आ परमेश्वर के महिमा से रहित बा।” (रोमियों अध्याय 3 पद 23)।

हमनी परमेश्वर के व्यवस्था के उल्लंघन कइले बानी जा आ एगो पवित्र परमेश्वर के सामने पापी ठहरल बानी जा। हमनी के पाप हमरा सभे के प्रभु के साथ उनकर अनन्त निवासस्थान में रहे के योग्य ना छोड़ले बा।

एह स्थिति के एकमात्र समाधान प्रभु यीशु मसीह के क्रूस पर कइल बलिदान ह।

यीशु खाली एगो भविष्यद्वक्ता चाहे महान नैतिक शिक्षक नइखन। ऊ खुद परमेश्वर हउवन, जे परमेश्वर होखे के छोड़ले बिना मनुष्य के रूप धारण कइले रहलें। करीब दू हजार बरिस पहिले ऊ अनन्तता से समय आ स्थान के एह संसार में अइलें।

ऊ मनुष्य के स्वभाव धारण कइलें आ हमरा सभे के पापन के मूल्य चुकावे खातिर क्रूस पर अपना के बलिदान कर दिहलें, ताकि स्वर्ग के द्वार फेरु एक बेर स्त्री आ पुरुष–सभे मनुष्य खातिर खोलल जा सके।

जब हमनी प्रभु यीशु मसीह के अपना उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करीं आ विश्वास करीं कि उनकर बलिदान हमरा सभे के पापन के पूरा मूल्य चुका दिहले बा, तब हमरा सभे के पाप धो दिहल जाला।

बाकिर प्रभु यीशु के बलिदान स्वीकार कइल खाली उनकर मृत्यु आ पुनरुत्थान के ऐतिहासिक तथ्यन पर विश्वास कर लिहल भर ना ह। एकर मतलब ई बा कि हमनी उनका के अपना प्रभु मानके उनका सामने समर्पण करीं आ अपना पूरा जीवन उनका के सौंप दीं।

अगर रउआ एह जीवन में अपना हृदय, अपना मन आ अपना पूरा अस्तित्व सर्वशक्तिमान परमेश्वर के समर्पित कर दीं, त ऊ रउआ के अपना साथ अनन्त जीवन दीहें–पहिले वर्तमान अदृश्य स्वर्ग में, आ फेरु नई पृथ्वी पर।

जीवन अनिश्चित बा, आ केहू के आवे वाला काल के भरोसा नइखे दिहल गइल।

अगर रउआ अबहीं ले प्रभु यीशु के अपना उद्धारकर्ता आ प्रभु के रूप में स्वीकार नइखी कइले, त हम रउआ से आग्रह करत बानी कि आजे उनका प्रति ई समर्पण करीं।

उनका बिना अनन्तता में प्रवेश मत करीं।

स्वर्ग तक पहुँचे के एकमात्र मार्ग प्रभु यीशु मसीह ही हउवन।

संदर्भ-टिप्पणी।

2 कुरिन्थियों अध्याय 12 पद 4 में प्रेरित पौलुस लिखले बाड़न कि ऊ “अइसन अवर्णनीय बात सुने रहलें, जेकरा के मनुष्य खातिर कहल उचित ना रहे।” एह पद के कई बेर अइसन अर्थ लगावल जाला कि परमेश्वर नइखन चाहत कि हमनी स्वर्ग के विषय में कुछो जानीं, काहे कि पौलुस अपना अनुभव के वर्णन ना कइलें।

अगर अइसने होत, त फेरु प्रेरित यूहन्ना के प्रकाशितवाक्य के किताब में स्वर्ग के अपना यात्रा के एतना विस्तार से वर्णन लिखे के आज्ञा काहे दिहल गइल?

पौलुस अपना अनुभव के दू गो कारण से वर्णन ना कइलें।

पहिला, स्वर्ग में ऊ अइसन बात सुने रहलें जेकर वर्णन करे खातिर उनका लगे उचित शब्दे ना रहे।

दूसरा, खाली परमेश्वर ही जे कारण जानेलन, ओह कारणन के अनुसार प्रेरित पौलुस के अपना स्वर्ग-यात्रा के कुछ खास विवरण प्रकट करे के अनुमति ना दिहल गइल रहे।

यरूशलेम के मन्दिर वास्तव में ओकरा से पहिले बनल मिलापवाला तम्बू (तम्बू-ए-मुलाकात) के आधार पर बनावल गइल रहे।

मिलापवाला तम्बू एह उद्देश्य से बनावल गइल रहे कि उहाँ प्रभु अपना लोगन से मिलसु, जब ऊ लोग उनकर आराधना करे आ बलिदान चढ़ावे।

जब मूसा परमेश्वर के व्यवस्था ग्रहण करे खातिर सीनै पहाड़ पर गइलें, तब परमेश्वर उनका के मिलापवाला तम्बू के निर्माण के विषय में विस्तार से निर्देश दिहलें।

प्रभु उनसे कहलें, “ऊ लोग हमरा खातिर एगो पवित्रस्थान बनावसु, ताकि हम ओह लोग के बीच निवास करीं। एह निवासस्थान आ ओकरा सभे सामान के ओही नमूना के अनुसार बनइहा, जे हम तोहरा के देखावत बानी।” (निर्गमन अध्याय 25 पद 8 से 9)।

बाद में प्रेरित पौलुस प्रकट कइलें कि मूसा के दिहल ई नमूना स्वर्ग में स्थित वास्तविक निवासस्थान के आधार पर रहे (इब्रानियों अध्याय 8 पद 5; अध्याय 9 पद 23)।

कुछ लोग भिखारी लाज़र आ धनवान आदमी के वर्णन के खाली एगो दृष्टान्त चाहे कहानी मानेला, वास्तविक घटना ना।

बाकिर अइसन हो नइखे सकत, काहे कि प्रभु यीशु ओह भिखारी के नाम लाज़र बतवले रहलें।

प्रभु यीशु अपना बहुत सारा दृष्टान्त सुनवलें, बाकिर ओह सभ में ई एगो मात्र अवसर बा जब ऊ कवनो पात्र के व्यक्तिगत नाम बतवले रहलें।

प्रभु के एगो प्रिय मित्र भी रहले, जेकर नाम लाज़र रहे (यूहन्ना अध्याय 11 पद 5)।

अगर ई खाली एगो काल्पनिक कहानी होत, त कवनो भिखारी खातिर इहे नाम चुने के कवनो कारण ना रहे, काहे कि एहसे उनकर असली मित्र लाज़र के साथ भ्रम पैदा हो सकेला। एहसे ई मानल अधिक स्वाभाविक बा कि ई कवनो वास्तविक व्यक्ति के नाम रहे।

प्रभु यीशु के अनुसार, ओह दुनो मनई के अन्त बिलकुल अलग-अलग रहल, आ ओह लोग के भविष्य एह जिनगी में ओह लोग के चाल-चलन से सीधा जुड़ल रहल। धनवान मनई नरक में गइल, जे पीड़ा के जगह ह। लाज़र ओह जगह पहुँच गइल जहाँ ओकरा के ऊ "सान्त्वना आ आनन्द" मिलल, जवना से ऊ एह जिनगी में वंचित रहल (लूका अध्याय 16 पद 25)।

प्रभु यीशु ई घटना धार्मिक अगुवन के एगो समूह—फरीसियन—के उत्तर देत समय सुनवले रहलन। फरीसी भी ओह धनवान मनई जइसन बहुत लोभी रहलें। एह विवरण के माध्यम से प्रभु यीशु उनका के चेतावनी दिहलन कि अगर ऊ लोग सर्वशक्तिमान परमेश्वर के ओर ना फिरी, त उनकर लोभ से भरल जिनगी के परिणाम भी ओही जइसन होई।

प्रभु यीशु द्वारा सुनावल एह विवरण के कुछ पहलुअन के समझावे खातिर जेतना विस्तार से चर्चा के जरूरत बा, ओतना जगह एह किताब में नइखे। तइयो, एहसे हम अदृश्य लोक में रहे वाला मनई लोग के बारे में कई गो महत्वपूर्ण बात समझ सकत बानी।

जब लोग ई जान जाला कि अदृश्य लोक में रहे वाला स्त्री-पुरुष पृथ्वी पर होखे वाला कुछ घटनन से परिचित रहेलें, त अक्सर एगो सवाल पूछल जाला:

अगर हमार दोस्त आ प्रियजन हमार दुःख आ आँसू के बारे में जानत बाड़ें, त का एहसे उनका आनन्द में कमी ना आई?

जवाब बा—ना।

एकर कारण ई बा कि स्वर्ग में रहे वाला लोग के दृष्टिकोण हमनी के वर्तमान दृष्टिकोण से अलग बा। ऊ लोग हर बात के अनन्तता के दृष्टिकोण से देखेला आ समझेला कि पृथ्वी के दुःख आवे वाला अनन्त आनन्द के तुलना में बहुत छोट आ थोड़े समय खातिर ह।

ई ओइसहीं बा जइसे कवनो छोट बच्चा के ओकर प्रिय खिलौना खो जाए। ओह समय ऊ बच्चा सचमुच बहुत दुखी होला, तइयो ओकर माता-पिता जानेलें कि पूरा जिनगी के

दृष्टिकोण से देखल जाए त एगो खिलौना के खो जाइल ओतना बड़हन विपत्ति नइखे, जेतना ओह समय बच्चा के लागेला।

ओही तरह, स्वर्ग में रहे वाला लोग जानेला कि एह जिनगी के कठिनाई आ पीड़ा अनन्त जिनगी के तुलना में बस थोड़े समय खातिर बा। एहसे ऊ लोग एह संसार के विपत्तियन से ओइसन व्याकुल ना होला जइसन हमनी के होखीं (2 कुरिन्थियों अध्याय 4 पद 17 से 18; रोमियों अध्याय 8 पद 18)।

जब प्रेरित यूहन्ना स्वर्ग में रहलें, त उहाँ ऊ अइसन स्त्री-पुरुषन के देखलन जे ओह लोग खातिर परमेश्वर से पुकारत रहलें, जे मसीह पर विश्वास करे के कारण शहीद होखे वाला रहलें।

ऊ लोग ई प्रार्थना ना कइलें, "हे प्रभु, हमार भाई-बहिनियन के मरल से बचा लीं।"

एकरा के बजाय ऊ लोग प्रार्थना कइलें,

"हे प्रभु, रउआ पृथ्वी पर न्याय कब स्थापित करब आ सभ कुछ कब ठीक करब?"

ऊ लोग आ स्वर्ग के दोसरा निवासी ई बात भली-भाँति समझेलें कि परमेश्वर के अन्तिम उद्देश्य खाली कवनो एगो मनई के अस्थायी दुःख भा पीड़ा के रोकल ना ह, बलुक पूरा मानवजाति आ सगरी पृथ्वी के स्थायी रूप से ओही अवस्था में फेरु से स्थापित कइल ह, जइसन अवस्था पाप के संसार में आवे से पहिले रहल।

का स्वर्ग में रहे वाला लोग ई जानेलें कि हमनी के नया गाड़ी मिलल बा भा नौकरी में पदोन्नति मिलल बा?

बाइबल एह विषय में कुछ नइखे कहत।

हाँ, ऊ एतना जरूर संकेत करेला कि उनकर सबसे बड़ चिन्ता हमनी के आत्मिक अवस्था आ सर्वशक्तिमान परमेश्वर के प्रकट होत उद्धार-योजना के विषय में होला (लूका अध्याय 9 पद 28 से 31; इब्रानियों अध्याय 12 पद 1)।

जे लोग गैर-मसीही देशन में रहेला आ अपना पूरा जिनगी में कबो प्रभु यीशु के नाम तक ना सुन पावेला, ओह लोग के अनन्त भविष्य के विषय में अउरी जानकारी पावे खातिर हमनी के वेबसाइट www.richesinchrist.com पर जाईं। उहाँ एह विषय पर दू गो विस्तृत श्रव्य शिक्षा मिलिहें–"जंगल में रहे वाला मूल निवासी के का होई?" (4 अक्टूबर, 2013) आ "जंगल में रहे वाला मूल निवासी के विषय में अउरी अधिक" (11 अक्टूबर, 2013)।

पुरान नियम के भविष्यद्वक्तन के पृथ्वी पर परमेश्वर के अनन्त राज्य के स्थापना से जुड़ल घटनन के हर विवरण ना दिहल गइल रहे। एहसे एगो भविष्यवाणी में कबहूँ-कबहूँ अइसन कई गो घटनन के उल्लेख हो जाला, जिनका बीच में बहुत साल के अन्तर हो सकेला।

उदाहरण खातिर, यशायाह लिखले रहलें,

"काहेकि हमनी खातिर एगो बालक पैदा भइल, हमनी के एगो बेटा दिहल गइल बा; आ प्रभुता ओकरा कंधा पर होई।" (यशायाह अध्याय 9 पद 6)।

एह भविष्यवाणी के पहिला हिस्सा प्रभु यीशु के पहिला आगमन के वर्णन करेला, जब ऊ बैतलहम में मरियम से एगो बालक के रूप में पैदा भइलन। बाकिर एकर दूसरा हिस्सा ओह काम के ओर संकेत करेला जे ऊ अपना दूसरा आगमन के समय करिहें–अर्थात् पृथ्वी के शासन अपना अधिकार में ले लिहें।

प्रभु के पुनरागमन के भी अलग-अलग चरण बा, आ ओहसे जुड़ल अनेक घटना समय के एगो अवधि में क्रमशः घटित होई–जइसे कलीसिया के उठा लिहल जाना, महाक्लेश, अलग-अलग न्याय, आ एक हजार बरिस के राज्य।

एह विषय सभ पर विस्तार से चर्चा कवनो दोसरा किताब के विषय ह। एह समय हमनी के उद्देश्य एह सभ घटना के अन्तिम परिणाम के अध्ययन कइल बा–नया आकाश आ नई पृथ्वी।

नई पृथ्वी पर जिनगी के वर्णन करे खातिर जिन पवित्रशास्त्र के पदन के हम उल्लेख कइले बानी, ऊ अइसन अंशन में मिलेला जहाँ प्रभु के पुनरागमन के दोसरा पहलुअन के भी वर्णन बा। आशा बा कि अगर रउआ पहिले एह पदन के अन्त-समय के कवनो दोसरा विशेष घटना के सन्दर्भ में सुनले होखीं, त ई टिप्पणी कवनो सम्भावित भ्रम के दूर कर दी। एह पवित्रशास्त्रीय अंशन में विषय सभ के कुछ आपस में मेल बा।

नीचे दिहल उद्धरण "कार्य आ तथ्य" नाम के एगो मासिक पत्रिका में प्रकाशित लेख से लिहल गइल बा, जेकरा के सृष्टि अनुसंधान संस्थान प्रकाशित करेला:

**"बरिसन से सृष्टि पर अध्ययन करे वाला विद्वान लोग जलप्रलय से पहिले के पृथ्वी के सम्बन्ध में अनेक सम्भावनन के जाँच कइले बा। उदाहरण खातिर, पृथ्वी के वायुमण्डल के ऊपर जलवाष्प के एगो विशाल परत होखे के संस्थान के पुरान प्रतिरूप कठोर वैज्ञानिक परीक्षण में सफल ना हो सकल। जबले कवनो नया प्रमाण उपलब्ध ना हो जाला, तबले हमनी के जलप्रलय से पहिले के संसार के बहुत विस्तृत पुनर्निर्माण करे पर जोर ना देवे के चाहीं।

तइयो, थोड़ विज्ञान आ उत्पत्ति के किताब से मिलल भरपूर मार्गदर्शन के साथ हमनी ओह रोचक युग के अध्ययन करत रह सकत बानी।" (थॉमस, जनवरी 2016, पृष्ठ 20)।

एह बात के एगो अउरी प्रमाण के रूप में कि प्रारम्भिक मसीही लोग मानत रहे कि पशुअन के अस्तित्व में भी एगो अभौतिक भाग होला, ध्यान दीं कि नया नियम के लेखक लोग पवित्रशास्त्र के एगो प्रसिद्ध पद में यूनानी शब्द "सुखे" के कइसे प्रयोग कइले बा। ई पद प्रभु यीशु के स्वर्गारोहण के कुछे बरिस बाद लिखल गइल रहे। नीचे दिहल पद में गाढ़ अक्षर में जिन शब्दन के उल्लेख बा, मूल यूनानी भाषा में ऊ सभ "सुखे" शब्द के अनुवाद ह।

"काहेकि जे केहू आपन प्राण बचावल चाही, ऊ ओकरा के खो दी; बाकिर जे केहू हमरा खातिर आपन प्राण खोई, ऊ ओकरा के पाई। अगर मनई सगरी संसार पा ले, बाकिर अपना प्राण के हानि उठा ले, त ओकरा का लाभ होई? अथवा मनई अपना प्राण के बदला में का दी?" (मती अध्याय 16 पद 25 से 26)।

कुछ लोगन के मन में ई सवाल उठ सकेला कि जीवन के वृक्ष आ भला तथा बुरा के ज्ञान के वृक्ष वास्तव में कइसन वृक्ष रहलें, आ उनकर उद्देश्य का रहल?

बाइबल ई नइखे बतावत कि ऊ कइसन प्रकार के वृक्ष रहलें। जहाँ ले उनकर उद्देश्य के सवाल बा, ओकरा पर विस्तार से चर्चा करे खातिर इहाँ पर्याप्त जगह नइखे, तइयो एह एगो विचार पर ध्यान दीं।

यद्यपि ऊ दुनो असली पेड़ रहलें, तइयो ओह लोग के प्रतीकात्मक अर्थ भी रहल।

अगर आदम जीवन के पेड़ के फल खात, त ऊ प्रभु के प्रति अपना समर्पण आ उनकरा पर आपन निर्भरता के प्रकट करत। ई चुनाव आदम (आ आदम में पूरा मानवजाति) के परमेश्वर के अनन्त जीवन से जोड़ देत।

बाकिर दोसरा पेड़ के फल खाइल प्रभु से स्वतन्त्र होखे के चुनाव रहे। एकर परिणाम आदम आ पूरा मानवजाति खातिर मृत्यु बनल, काहेकि एहसे मनई जीवन के एकमात्र स्रोत–सर्वशक्तिमान परमेश्वर–से अलग हो गइल।

ई तथ्य कि मूसा आ एलिय्याह प्रभु यीशु से बातचीत कइलें, एह बात के प्रमाण ना ह कि अदृश्य लोक में रहे वाला मनई पृथ्वी पर रहे वाला लोग से सामान्य रूप से बातचीत करेलें।

ऊ एगो असाधारण आ विशेष घटना रहे।

ई दुनो पुरान नियम के पवित्र जन प्रभु यीशु से बतियाए खातिर आइल रहलें, जे ओह समयो आ आजुओ देहधारी परमेश्वर बाड़न।

ऊ लोग पतरस, याकूब भा यूहन्ना से कुछुओ ना कहलें।

मूसा आ एलिय्याह–दुनो अपना पृथ्वी के जिनगी के समय परमेश्वर के प्रकट होत उद्धार-योजना में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभवले रहलें।

प्रभु यीशु के क्रूस पर चढ़ावल जाना ओही उद्धार-योजना के एगो अत्यन्त महत्वपूर्ण घटना रहे, आ एह दुनो मनई के ई विशेष सम्मान दिहल गइल कि ओह घटना के घटित होखे से कुछ समय पहिले ऊ लोग प्रभु यीशु के साथ ओह विषय में बातचीत करे।

का हम पूरा निश्चय से कह सकत बानी कि शिशु आ छोट-छोट बच्चा स्वर्ग में जालें?

एह विषय पर विस्तार से चर्चा करे खातिर एगो अलग किताब के जरूरत पड़ी। तइयो, एह सम्बन्ध में कुछ छोट बातन पर विचार करीं।

बाइबल में अइसन कवनो एगो पद नइखे जे साफ-साफ कहत होखे कि शिशु आ छोट बच्चा स्वर्ग में जालें भा ना जालें। बाकिर परमेश्वर के वचन हमनी के कई गो मजबूत संकेत जरूर देला।

पवित्रशास्त्र बतावेला कि जब राजा दाऊद के छोट शिशु के मृत्यु भइल, तब एह शोकाकुल पिता के एह ज्ञान से सान्त्वना मिलल कि ऊ आवे वाला जिनगी में अपना बच्चा के फेरु देखी (2 शमूएल अध्याय 12 पद 23)।

परमेश्वर न्यायी बाड़न, आ ऊ हर मनई के साथ न्याय करेलन, इहाँ तक कि ओह शिशुअन आ छोट बच्चन के साथो, जे प्रभु यीशु मसीह द्वारा मिलेला उद्धार के सुसमाचार के समझे आ स्वीकार करे के उमिर तक पहुँचे से पहिले एह संसार से चल जालें।

जइसे हमनी स्वर्ग के एह अध्ययन में बार-बार देखले बानी, सर्वशक्तिमान परमेश्वर के योजना अपना सृजल लोग के नष्ट करे के ना, बलुक ओकरा के फेरु से प्राप्त करे आ ओकर उद्धार करे के बा।

बाइबल घोषणा करेला कि अपना मृत्यु आ पुनरुत्थान के द्वारा प्रभु यीशु मसीह मानवजाति खातिर ओहसे कहीं अधिक उपलब्ध करइले बाड़न, जेतना आदम के पाप परमेश्वर के सृष्टि से छीन लिहले रहे (रोमियों अध्याय 5 पद 12 से 19)।

एहसे प्रभु के स्वभाव आ उनकर उद्धार-योजना के आधार पर हमनी विश्वास के साथ ई आशा रख सकत बानी कि कवनो न कवनो प्रकार से क्रूस के द्वारा शिशुअन आ छोट बच्चन खातिर भी परमेश्वर उद्धार के प्रबन्ध कइले बाड़न।

संदर्भ सूची।

मिस्लर, चक, आ मार्क ईस्टमैन। 2013। एलियन मुठभेड़: यूएफ़ओ घटना के पीछे के रहस्य। कोर डी'अलेन, इडाहो: कोईनोनिया हाउस, पृष्ठ 85-87।

स्ट्रॉन्ग, जेम्स। 2004। स्ट्रॉन्ग के सम्पूर्ण शब्द-अध्ययन अनुक्रमणिका: विस्तारित संस्करण। सम्पादक: वॉरेन बेकर। चैटनूगा, टेनेसी: ए.एम.जी. प्रकाशन।

थॉमस, ब्रायन। 2016। "सृष्टि सम्बन्धी प्रश्न आ उत्तर: जलप्रलय से पहिले के संसार कइसन रहल?" *एक्ट्स ऐंड फ़ैक्ट्स*, जनवरी, पृष्ठ 20।

वाइन, डब्ल्यू. ई. 1984। नया नियम के शब्दन के विस्तारित व्याख्यात्मक शब्दकोश। सम्पादक: जॉन आर. कोहलेनबर्गर। मिनियापोलिस, मिनेसोटा: बेथनी हाउस प्रकाशन।

वेब्स्टर के नया विद्यार्थी शब्दकोश। 1969। स्प्रिंगफ़ील्ड, मैसाचुसेट्स: जी एंड सी मेरियम कम्पनी।